THE LARGEST CIRCULATED AND READ HINDI DAILY IN TELANGANA & ANDHRA PRADESH

स्वतंत्र वार्ता

epaper.vaartha.com
Vaartha Hindi
@Vaartha_Hindi
Vaartha official
www.hindi.vaartha.com

वर्ष-30 अंक : 37 (हैदराबाद, निजामाबाद, विशाखापट्टणम, तिरुपति से प्रकाशित) वैशाख शु.7 2082 रविवार, 4 मई-2025

प्रधान संपादक - डॉ. गिरीश कुमार संघी हैदराबाद नगर * पृष्ठ : 16+32 मूल्य : 8 रुपये

कांग्रेस बोली-मोदी मणिपुर से दूरी बनाए हुए हैं

नई दिल्ली/इम्फाल, 3 मई (एजेंसियां)। मणिपुर में दो समुदायों के बीच हिंसा के आज (3 मई) दो साल पूरे हो गए। इसको लेकर कांग्रेस ने भाजपा पर निशाना साधा। कांग्रेस ने कहा, पीएम मोदी मणिपुर से दूरी बनाए हुए हैं। गृह मंत्री अमित शाह राज्य की स्थिति संभालने में विफल साबित हुए हैं। कांग्रेस महासचिव जयराम रमेश ने कहा- मणिपुर में 13 फरवरी से राष्ट्रपति शासन जारी है, लेकिन मौजूदा विधानसभा भंग नहीं, सिर्फ निलंबित है। कई नागरिक संगठन इसके विरोध में हैं। सियासी ताकत पूर्व सीएम वीरेन सिंह के हाथ में है, क्योंकि यहां भाजपा बिखरी हुई है। 3 मई 2023 को कुकी-मैतेई समुदाय के बीच संघर्ष शुरू हुआ था, जो आज भी जारी है। इन दो सालों में 300 से ज्यादा लोगों की मौत हुई है।

आतंकवाद मानवता के लिए खतरा : मोदी

> पहलगाम हमले पर पीएम मोदी बोले निर्णायक कार्रवाई करेंगे

नई दिल्ली, 3 मई (एजेंसियां)। पहलगाम आतंकी हमले को लेकर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने शनिवार को कहा कि आतंकवाद मानवता के लिए सबसे बड़ा खतरा है। पहलगाम में आतंकवादी हमले में मारे गए लोगों के प्रति राष्ट्रपति लौरेंको और अंगोला की संवेदनाओं के लिए मैंने उनका आभार व्यक्त किया है। प्रधानमंत्री मोदी ने हैदराबाद हाउस में अंगोला के राष्ट्रपति लौरेंको के साथ द्विपक्षीय बैठक के बाद संबोधन में यह बात कही।

आतंकवाद के मुद्दे पर बोलते हुए पीएम मोदी ने कहा कि हम एकमत हैं कि आतंकवाद मानवता के लिए सबसे बड़ा खतरा है। पहलगाम में हुए आतंकी हमले में मारे गए लोगों के प्रति राष्ट्रपति लोरेंसू और अंगोला की संवेदनाओं के लिए मैंने उनका आभार व्यक्त किया। हम आतंकवादियों और उनका समर्थन करने वालों के खिलाफ ठोस और निर्णायक कार्रवाई करने के लिए प्रतिबद्ध हैं। हम सीमा पार आतंकवाद के खिलाफ हमारी लड़ाई में अंगोला के समर्थन के लिए उनका आभार व्यक्त करते हैं।

पीएम मोदी ने कहा कि 140 करोड़ भारतीयों की ओर से, मैं अंगोला को 'अफ्रीकन यूनियन' की अध्यक्षता के लिए शुभकामनाएं देता हूं। हमारे लिए यह गौरव की बात है कि भारत की जी-20 अध्यक्षता के दौरान 'अफ्रीकन यूनियन' को जी-20 की स्थायी सदस्यता मिली। भारत और अफ्रीका के देशों ने कोलोनियल शासन के खिलाफ एक सुर में आवाज उठाई थी। एक दूसरे को प्रेरित किया था। आज हम ग्लोबल साउथ के हितों, उनकी आशाओं, अपेक्षाओं और आकांक्षाओं की आवाज बनकर एक साथ खड़े रहे हैं।

अंगोला के राष्ट्रपति की भारत यात्रा ऐतिहासिक पल :

अंगोला के राष्ट्रपति भारत दौरे पर हैं। शनिवार को अंगोला के राष्ट्रपति के साथ साझा प्रेस वार्ता में पीएम मोदी ने कहा कि 'मैं राष्ट्रपति लोरेंसू और उनके प्रतिनिधिमंडल का भारत में हार्दिक स्वागत करता हूं। यह एक ऐतिहासिक पल है। 38 वर्षों के बाद, अंगोला के राष्ट्रपति की भारत यात्रा हो रही है। उनकी इस यात्रा से, न केवल भारत-अंगोला संबंधों को नई दिशा और गति मिल रही है, बल्कि भारत और अफ्रीका साझेदारी को भी बल मिल रहा है। प्रधानमंत्री ने कहा कि इस वर्ष, भारत और अंगोला अपने राजनयिक संबंधों की 40वीं वर्षगांठ मना रहे हैं। लेकिन हमारे संबंध, उससे भी बहुत पुराने हैं, बहुत गहरे हैं। जब अंगोला आजादी के लिए संघर्ष कर रहा था, तो भारत भी पूरी आस्था और मित्रतापूर्ण संबंधों के साथ अंगोला के साथ खड़ा था।

रक्षा क्षेत्र में सहयोग बढ़ाएंगे भारत और अंगोला :

प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि मुझे यह घोषणा करते हुए खुशी है कि अंगोला की सेनाओं के आधुनिकीकरण के लिए 20 करोड़ डॉलर की डिफेन्स क्रेडिट लाइन को स्वीकृति दी गई है। रक्षा प्लेटफॉर्म्स की मरम्मत और बदलाव और सप्लाई पर भी बात हुई है। अंगोला की सशस्त्र सेनाओं की ट्रेनिंग में सहयोग करने में हमें खुशी होगी। साथ ही डिजिटल पब्लिक इंफ्रास्ट्रक्चर, स्पेस तकनीक, क्षमता निर्माण के क्षेत्र में अंगोला के साथ अपनी क्षमताएं साझा करेंगे। हम स्वास्थ्य, डायमंड प्रोसेसिंग, फर्टिलाइजर और अहम खनिज क्षेत्रों में भी सहयोग मजबूत करेंगे।

पहलगाम पर तनाव के बीच दिल्ली आए जम्मू-कश्मीर के सीएम

* आतंकी हमले के बाद के हालात पर चर्चा की

नई दिल्ली, 3 मई (एजेंसियां)। जम्मू-कश्मीर के सीएम उमर अब्दुल्ला ने दिल्ली में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से मुलाकात की है। बता दें कि, पहलगाम पर तनाव के बीच उमर अब्दुल्ला दिल्ली पहुंचे हैं, जानकारी के मुताबिक इस मुलाकात के दौरान आतंकी हमले के बाद के हालात पर चर्चा की गई है। जम्मू-कश्मीर के पहलगाम शहर के निकट "मिनी स्विटरलैंड' नाम से मशहूर पर्यटन स्थल पर मंगलवार दोपहर हुए आतंकवादी हमले में 26 लोगों की मौत हो गई, जिनमें ज्यादातर पर्यटक हैं। यह 2019 में पुलवामा में हुए हमले के बाद घाटी में हुआ सबसे घातक हमला है।

एक उच्च पदस्थ अधिकारी ने बताया कि 26 मृतकों में दो विदेशी और दो स्थानीय निवासी हैं। जम्मू-कश्मीर के मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला ने इस आतंकी हमले को 'हाल के वर्षों में आम लोगों पर हुए किसी भी हमले से कहीं बड़ा' हमला बताया। अधिकारियों ने बताया कि यह हमला ऐसे समय हुआ है जब अमेरिकी उपराष्ट्रपति जेडी वेंस भारत की यात्रा पर हैं। इसी समय जम्मू-कश्मीर में पर्यटन और ट्रैकिंग का मौसम जोर पकड़ रहा है। 2019 की फरवरी में जम्मू-कश्मीर के ही पुलवामा में हुए आतंकी हमले के बाद घाटी में सबसे घातक हमला पहलगाम में हुआ है। पहलगाम शहर से लगभग छह किलोमीटर दूर बैसरन चीड़ के पेड़ों के घने जंगलों और पहाड़ों से घिरा एक विशाल घास का मैदान है तथा देश व दुनिया के पर्यटकों के बीच पसंदीदा स्थान है।

'भारत-अफ्रीका के रिश्तों को भी मिलेगी नई दिशा' : अंगोला के राष्ट्रपति से मिले जयशंकर

नई दिल्ली, 3 मई (एजेंसियां)। शुक्रवार को भारत दौरे पर आए अंगोला के राष्ट्रपति जोआओ मैनुएल गोंकाल्वेस लोरेंसो से शनिवार को विदेश मंत्री एस. जयशंकर ने मुलाकात की। यह मुलाकात भारत और अंगोला के बीच द्विपक्षीय रिश्तों को मजबूत करने की दिशा में एक अहम कदम मानी जा रही है। मामले में जानकारी देते हुए विदेश मंत्री जयशंकर ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर पोस्ट कर जानकारी दी।

विदेश मंत्री जयशंकर ने अपने सोशल मीडिया पोस्ट में लिखा कि भारत दौरे पर आए अंगोला के राष्ट्रपति लोरेंसो से मुलाकात करना सम्मान की बात है। उन्होंने भारत के प्रति जो गर्मजोशी भरे विचार व्यक्त किए, उनकी सराहना करता हूं। हमारी साझेदारी को आगे ले जाने के लिए उनके मार्गदर्शन का स्वागत करता हूं।

भारत-अफ्रीका के रिश्तों को मिलेगी नई दिशा :

विदेश मंत्री ने आगे लिखा कि राष्ट्रपति लोरेंसो और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के बीच होने वाली बातचीत से न सिर्फ भारत और अंगोला के संबंध मजबूत होंगे, बल्कि भारत-अफ्रीका के रिश्तों को भी नई दिशा मिलेगी। इस राजकीय दौरे के दौरान दोनों देशों के बीच विभिन्न क्षेत्रों में सहयोग को लेकर कई अहम समझौतों

पर हस्ताक्षर होने की संभावना है।

लोरेंसो का राष्ट्रपति भवन में भव्य स्वागत :

बता दें कि इससे पहले राष्ट्रपति लोरेन्सो का राष्ट्रपति भवन के प्रांगण में भव्य स्वागत किया गया। उन्हें 21 तोपों की सलामी दी गई और गार्ड ऑफ ऑनर भी पेश किया गया। इस दौरान राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, विदेश मंत्री एस. जयशंकर समेत कई वरिष्ठ अधिकारी मौजूद रहे।

महात्मा गांधी को दी अर्पित की श्रद्धांजलि :

अंगोला के राष्ट्रपति ने महात्मा गांधी की समाधि, राजघाट जाकर उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित की और विजिटर्स बुक में अपने विचार भी लिखे। इसको लेकर इस मौके पर विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जैसवाल ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर लिखा कि बापू को उनकी महान विचारधारा के लिए याद किया गया। अंगोला के राष्ट्रपति ने राजघाट पहुंचकर उन्हें श्रद्धांजलि दी।

कई महत्वपूर्ण समझौते पर होंगे हस्ताक्षर :

अंगोला के राष्ट्रपति लोरेंसो के इस दौरे के दौरान भारत और अंगोला के बीच पारंपरिक चिकित्सा, कृषि और सांस्कृतिक सहयोग से जुड़ी कई महत्वपूर्ण समझौतों (एमओयूएस) पर हस्ताक्षर होने की उम्मीद है। गौरतलब है कि यह दौरा इसलिए भी खास है क्योंकि भारत और अंगोला के बीच औपचारिक राजनयिक संबंधों की शुरूआत 1985 में हुई थी और इस वर्ष इन संबंधों की 40वीं वर्षगाठ मनाई जा रही है। साथ ही अंगोला साल 2025 के लिए अफ्रीकी संघ का अध्यक्ष देश भी है।

पाकिस्तान को एक और झटका

भारत ने सभी प्रकार की डाक और पार्सल सेवाओं पर लगाई रोक

नई दिल्ली, 3 मई (एजेंसियां)। भारत ने पाकिस्तान के लिए सभी श्रेणियों की डाक और पार्सल सेवाओं पर रोक लगा दी है। अब डाक और पार्सल को हवाई और जमीनी रास्तों से न ही भेजा जा सकेगा और न ही प्राप्त किया जा सकेगा। सूत्रों ने शनिवार को यह जानकारी दी।

दक्षिण कश्मीर के पहलगाम में आतंकी हमले के बाद भारत एक के बाद एक कदम पाकिस्तान के खिलाफ उठा रहा है। डाक और पार्सल पर रोक लगाने का फैसला उसी कड़ी का हिस्सा है। आतंकी हमले में 26 लोगों की बर्बर तरीके से हत्या कर दी गई थी, जिनमें अधिकांश पर्यटक थे। इस हमले की जिम्मेदारी पाकिस्तान स्थित आतंकी संगठन लश्कर-ए-तइबा से जुड़े गुट द रेसिस्टेंस फ्रंट (टीआरएफ) ने ली। फरवरी, 2019 में पुलवामा में हुए हमले के बाद से जम्मू-कश्मीर में यह सबसे बड़ा आतंकी हमला था। उस हमले में सीआरपीएफ के 47 जवान शहीद हो गए थे। इससे पहले पहलगाम में आतंकी हमले के बाद

सुरक्षा मामलों की कैबिनेट समिति (सीसीएस) की बैठक में कई बड़े फैसले लिए गए थे। इसमें 1960 की सिंधु जल संधि को तत्काल प्रभाव से स्थगित कर दिया गया था। इसके साथ ही एकीकृत चेक पोस्ट अटारी को तत्काल प्रभाव से बंद कर दिया गया था। इसके अलावा पाकिस्तानी नागरिकों को सार्क वीजा छूट योजना के तहत भारत की यात्रा करने की अनुमति देने पर रोक लगा दी गई थी। भारत में मौजूद किसी भी पाकिस्तानी नागरिक को भारत छोड़ने के लिए 48 घंटे का समय दिया गया था।

पीएम मोदी ने दी थी सख्त चेतावनी :

इससे पहले 'मन की बात' कार्यक्रम में पीएम मोदी ने एक बार फिर से पहलगाम हमले को लेकर दुख जताया था। साथ ही उन्होंने पहलगाम के दोषियों को कड़ी सजा देने की बात दोहराई थी। उन्होंने कहा था कि पहलगाम की घटना ने देशवासियों को पीड़ा पहुंचाई है और इसे लेकर देशवासियों के मन में गहरी पीड़ा है। लोग पीड़ित परिजनों के दर्द को महसूस कर सकते हैं। हर भारतीय का खून आतंक की तस्वीरों को देखकर खौल रहा है। ऐसे समय में जब कश्मीर में शांति लौट रही थी और लोकतंत्र मजबूत हो रहा था। पर्यटकों की संख्या में अभूतपूर्व बढ़ोतरी हो रही थी और लोगों की कमाई बढ़ रही थी, लेकिन देश के दुश्मनों को और जम्मू कश्मीर के दुश्मनों को ये रास नहीं आया। आतंकी चाहते हैं कि कश्मीर फिर से तबाह हो जाए। इस मुश्किल वक्त में 140 करोड़ देशवासियों की एकता सबसे बड़ा आधार है।

पीएम मोदी ने कहा कि हमें इस चुनौती का सामना करने के लिए अपने संकल्पों को मजबूत करना है। हमें एक दृढ़ राष्ट्र के रूप में अपनी इच्छाशक्ति को मजबूत करना है। भारत के लोगों में जो आक्रोश है, वो पूरी दुनिया में हैं। इस आतंकी हमले के बाद दुनियाभर से लगातार संवेदनाएं आ रही हैं। कई राष्ट्राध्यक्षों ने मुझे भी फोन करके पहलगाम की घटना पर दुख जताया है। इस जघन्य तरीके से किए गए आतंकी हमले की सभी ने कठोर निंदा की है। पूरा विश्व आतंकवाद के खिलाफ लड़ाई में देश के साथ खड़ा है।

देश के कई राज्यों में गर्मी के साथ आंधी-तूफान-बारिश

नई दिल्ली, 3 मई (एजेंसियां)। मई की शुरूआत से ही मौसम ने करवट ले जी है। देश के हिस्सों में तेज धूप के साथ साथ तूफान और बारिश का दौर भी देखने को मिल रहा है। हालांकि कुछ हिस्सों में हुई तेज बारिश से लोगों को गर्मी से राहत जरूर मिली है। इस बीच भारतीय मौसम विभाग ने अनुमान दिया है कि देश के कई हिस्सों में आगामी दिनों में बारिश बनी रहेगी। उत्तर-पश्चिम भारत में अगले 24 घंटों के दौरान अधिकतम तापमान में गिरावट दर्ज की जा सकती है। इसके साथ ही राजधानी दिल्ली और एनसीआर के लिए येलो अलर्ट जारी किया गया है। मौसम विभाग का अनुमान है कि, बिहार, झारखंड, ओडिशा, पश्चिम बंगाल और सिक्किम में 3 मई तक हल्की से मध्यम बारिश, गरज-चमक और तेज हवाएं चलने की संभावना है। जबकि मध्य प्रदेश, छत्तीसगढ़ और महाराष्ट्र के विदर्भ क्षेत्र में भी 5 मई तक ऐसा ही मौसम रह सकता है। 3 और 4 मई को ओडिशा, झारखंड, पश्चिम बंगाल के कुछ हिस्सों और बिहार के कुछ इलाकों में तेज आंधी और ओलावृष्टि की भी संभावना है।

भारत पर हमला करेंगे-सिंधु के पानी को लेकर पाकिस्तानी रक्षा मंत्री की गीदड़भभकी

> बम से ढांचा उड़ाने की दी धमकी

इस्लामाबाद, 3 मई (एजेंसियां)। इस बीच पाकिस्तान के रक्षा मंत्री ख्वाजा आसिफ ने सिंधु जल संधि को लेकर भड़काऊ बयान दिया है। आसिफ ने पानी को लेकर भारत को युद्ध की गीदड़भभकी दी है। पाकिस्तानी रक्षा मंत्री ने कहा कि अगर भारत ने पानी रोकने के लिए किसी तरह का ढांचा बनाया तो पाकिस्तान हमला करेगा और इसे नष्ट कर दिया जाएगा। सिंधु जल समझौते पर भारत के रोक लगाने के बाद से ही पाकिस्तान बिलबिला रहा है। पहलगाम हमले के बाद भारत ने इस समझौते को निलंबित कर दिया था। इस हमले में 26 लोग मारे गए थे, जिसमें अधिकांश पर्यटक हैं।

पाकिस्तान को डर है कि भारत नदियों का पानी रोक सकता है, जो उसके लोगों के लिए तबाही की वजह बन सकता है। पाकिस्तान के प्रधानमंत्री भारत से जाने वाले पानी को 24 करोड़ पाकिस्तानियों के लिए जीवन रेखा बता चुके हैं। विशेषज्ञों का कहना है कि अगर भारत पानी का कुछ हिस्सा भी रोकता है तो पाकिस्तान में हाहाकार मचना तय है। पाकिस्तान की फसलें सूखने के कगार पर होंगी और लोगों को पीने के लिए भी पानी की किल्लत हो जाएगी।

ख्वाजा आसिफ ने भारत के खिलाफ जहर उगलते हुए कहा कि सिंधु नदी का पानी रोकने के लिए कोई भी ढांचा पाकिस्तान के खिलाफ आक्रामकता की कार्रवाई होगी। आसिफ ने कहा, अगर भारत किसी तरह का ढांचा (बांध) बनाने की कोशिश करता है तो हम बिल्कुल उस पर हमला करेंगे। पाकिस्तान के रक्षा मंत्री ने पानी रोकने को युद्ध की कार्रवाई बताया और कहा कि हमला केवल तोप और बंदूक चलाने से नहीं होता है। ये भी (पानी रोकना) एक तरीका है। इसमें कौमें प्यास या भूख से मर सकती हैं। अगर उन्होंने इस तरह का ढांचा बनाने का प्रयास भी किया तो पाकिस्तान उस ढांचे को नष्ट करेगा। सिंधु जल समझौते पर रोक ने पाकिस्तान को ऊपर से नीचे तक हिला दिया है। कुछ दिन पहले ही शहबाज शरीफ ने सिंधु जल समझौते पर भारत को धमकी दी थी। शहबाज शरीफ ने पानी रोकने के किसी भी प्रयास को युद्ध की कार्रवाई बताया था और पाकिस्तान की तरफ से कड़े जवाब की धमकी दी थी।

राष्ट्रीय सुरक्षा के लिए घातक मुनीर बर्खास्त

पाकिस्तानी महिला से शादी छिपाने का आरोप

नई दिल्ली, 3 मई (एजेंसियां)। केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल यानी सीआरपीएफ ने अपने एक जवान मुनीर अहमद को पाकिस्तानी महिला से अपनी शादी की बात छिपाने के आरोप में सेवा से बर्खास्त कर दिया है, क्योंकि जवान का आचरण राष्ट्रीय सुरक्षा के लिए हानिकारक पाई गई। जवान मुनीर अहमद की आखिरी तैनाती देश के प्रमुख आंतरिक सुरक्षा बल सीआरपीएफ की 41वीं बटालियन में थी। आधिकारिक सूत्रों ने बताया कि जवान मुनीर अहमद को उन नियमों के तहत सेवा से बर्खास्त किया गया है, जिसके तहत जांच की जरूरत नहीं होती।

जवान मुनीर अहमद पर क्या है आरोप?

'मुनीर अहमद को पाकिस्तानी नागरिक से अपनी शादी को छिपाने और जानबूझकर उसके वीजा की वैधता से परे उसे शरण देने के कारण तत्काल प्रभाव से सेवा से बर्खास्त कर दिया गया है। सीआरपीएफ के प्रवक्ता उप महानिरीक्षक (डीआईजी) एम दिनाकरन ने कहा, 'उनके कार्यों को सेवा आचरण का उल्लंघन और राष्ट्रीय सुरक्षा के लिए हानिकारक पाया गया।'

ऐसे हुए सीआरपीएफ जवान के शादी का खुलासा

बता दें कि, पहलगाम में हुए आतंकी हमले के बाद उठाए गए कूटनीतिक उपायों के तहत भारत की तरफ से पाकिस्तानी नागरिकों को देश छोड़ने के लिए कहने के बाद सीआरपीएफ जवान मुनीर अहमद की मिनल खान के साथ शादी का पता चला। दोनों ने पिछले साल 24 मई को एक वीडियो कॉल के जरिए शादी की थी। सीआरपीएफ की जांच में पाया गया कि जवान ने संबंधित अधिकारियों को अपनी शादी और उसके भारत में रहने की सूचना नहीं दी थी।

100 जगह रेड, 3000 से पूछताछ

पहलगाम तक कैसे पहुंचे आतंकी?

नई दिल्ली, 3 मई (एजेंसियां)। नेशनल इन्वेस्टिगेशन एजेंसी (एनआईए) के महानिदेशक (डीजी) सदानंद दाते आज श्रीनगर से दिल्ली लौट सकते हैं और पहलगाम आतंकी हमले पर प्रारंभिक रिपोर्ट गृह मंत्रालय को सौंपेंगे। इस हमले को लेकर केंद्र सरकार बेहद गंभीर है और जांच एजेंसियों को सभी पहलुओं की गहन पड़ताल के निर्देश दिए गए हैं। मामले की जांच कर रही एनआईए की टीम ने पीड़ित परिवारों के भी बयान दर्ज किया था।

अपने दौरे के दौरान डीजी एनआईए ने बाइसारन घाटी का दौरा किया और मौके पर जांच की प्रगति की समीक्षा की। उन्होंने स्थानीय अधिकारियों के साथ एक उच्चस्तरीय बैठक भी की। इस बैठक में मौजूदा सुरक्षा हालात की समीक्षा के साथ-साथ खुफिया तंत्र को मजबूत करने और साझा सूचनाओं के बेहतर आदान-प्रदान पर विशेष जोर दिया गया। इस बीच, जम्मू-

एनआईए जल्द देगी रिपोर्ट

कश्मीर पुलिस (जेकेपी), सेना और अन्य सुरक्षा एजेंसियों ने संयुक्त अभियान चलाते हुए गिरफ्तार ओवरग्राउंड वर्करों (ओजीडब्ल्यू) से जुड़े लगभग 100 ठिकानों पर छापेमारी की। छापेमारी के दौरान प्रतिबंधित आतंकी संगठन अल-उमर मुजाहिदीन के संस्थापक मुश्ताक अहमद जरगर उर्फ लत्रम के घर की भी तलाशी ली गई। जरगर वही आतंकी है जिसे 1999 में इंडियन एयरलाइंस के विमान आईसी-814 के अपहरण के बाद छोड़ा गया था।

3000 संदिग्धों से पूछताछ :

एनआईए और जम्मू-कश्मीर पुलिस ने अब तक 90 ओजीडब्ल्यू के खिलाफ यूएपीए के तहत मामला दर्ज किया है, जबकि करीब 3,000 संदिग्धों से पूछताछ की गई है. जांच एजेंसियों का मानना है कि इस हमले के पीछे गहरी साजिश है, जिसकी परतें धीरे-धीरे खुल रही हैं। केंद्रीय गृह मंत्रालय इस रिपोर्ट के आधार पर आगे की रणनीति तय करेगा और सुरक्षा व्यवस्था को और चाक-चौबंद करने के निर्देश जारी कर सकता है।

22 अप्रैल को हुआ था आतंकी हमला :

पहलगाम में 22 अप्रैल को आतंकियों ने 26 लोगों की गोली मारकर हत्या कर दी थी। घटना को अंजाम देने के बाद आतंकी भाग खड़े हुए। घटना के बाद एनआईए ने अटैक की जांच भी शुरू कर दी थी। एनआईए के अधिकारियों ने घटना में जान गंवाने वालों को परिजनों से भी बात की जो उस वक्त उनके साथ थे।

जांच टीम घटना के तह तक पहुंचने की कोशिश कर ही है कि आखिर आतंकियों ने पर्यटकों को निशाना क्यों बनाया और इसके पीछे उनकी क्या मंशा छिपी थी।

राजकोट में नाबालिग समेत तीन पाकिस्तानी नागरिक हिरासत में लिए गए

भारत में अवैध रूप से रहने का आरोप

राजकोट, 3 मई (एजेंसियां)। गुजरात के राजकोट जिले में अवैध रूप से रहने के आरोप में 50 वर्षीय पाकिस्तानी महिला, उसके बेटे और दो साल पोते को हिरासत में लिया गया है। राजकोट पुलिस ने शनिवार को यह जानकारी दी है। मामले में अधिकारियों ने बताया कि महिला और उसका बेटा 25 वर्षों से अधिक समय से भारत में रह रहे थे, जबकि नाबालिग बच्चा बेटे की भारतीय पत्नी से पैदा हुआ है।

बता दें कि, राजकोट ग्रामीण स्थानीय अपराध शाखा को हाल ही में सूचना मिली थी कि कुछ पाकिस्तानी नागरिक लोधिका तालुका में अवैध रूप से रह रहे हैं और इसके बाद जांच शुरू की गई। जबकि 22 अप्रैल को पहलगाम में हुए आतंकवादी हमले के बाद अधिकारियों ने भारत में अवैध रूप से रह रहे पाकिस्तानी नागरिकों के खिलाफ कार्रवाई शुरू कर दी है। मामले में अपराध शाखा ने एक बयान में कहा कि पाकिस्तान के कराची की रहने वाली रिजवानाबेन तातारिया जुलाई 1999 से राजकोट जिले के लोधिका तालुका में रह रही थी। राजकोट जिले के निवासी उसके पति मुनाफ तातारिया ने 1992 में काम करने की वीजा पर कराची की यात्रा के दौरान उससे मुलाकात की और उससे शादी कर ली। इस दंपति का एक बेटा जीशान था। इस बयान में आगे कहा गया है कि उसका पति 1994 में भारत लौट आया, जबकि रिजवानाबेन और जीशान 30 जुलाई, 1999 को संयुक्त पाकिस्तानी पासपोर्ट पर देश आए और फिर कभी पाकिस्तान नहीं लौटे।

हिंदू छात्राओं से रेप के आरोपी फरहान का शॉर्ट एनकाउंटर

> भोपाल में पेशाब के बहाने पुलिस वाहन रुकवाया > एसआई से पिस्टल छीनने की कोशिश की

भोपाल, 3 मई (एजेंसियां)। भोपाल में हिंदू छात्राओं से गैंगरेप के मुख्य आरोपी फरहान को गोली लगी है। बताया जा रहा है कि उसने सब इंस्पेक्टर से पिस्टल छीनने की कोशिश की। इस बीच छीनाझपटी में गोली चल गई, जो फरहान के पैर में लगी है। आरोपी फरहान को घायल हालत में हमीदिया अस्पताल ले जाया गया है। अस्पताल में भारी पुलिस बल तैनात किया गया है। फरहान पर अब हत्या के प्रयास का केस भी दर्ज किया गया है।

बता दें कि शुक्रवार को भोपाल की अशोका गार्डन थाना पुलिस को फरहान की रिमांड मिली है। रिमांड के दौरान पुलिसकर्मी उसे थाने से उसकी निशानदेही पर एक अन्य आरोपी की तस्दीक के लिए ले जा रहे थे। इसी दौरान फरहान ने पुलिसकर्मी की पिस्टल छीनने का प्रयास किया।

पेशाब करने का कहकर गाड़ी रुकवाई

ये घटनाक्रम शुक्रवार रात करीब 11 बजे से 11:30 बजे के बीच का है। अशोका गार्डन थाना प्रभारी हेमंत श्रीवास्तव के मुताबिक आरोपी फरहान ने पुलिस को गुमराह करने के लिए बताया था कि मामले में एक और फरार आरोपी अबरार बिलकिसगंज जिला सीहोर में छिपा है। इसके बाद SI विजय बामने के साथ कुल पांच पुलिसकर्मी फरहान के साथ वाहन में सवार होकर तस्दीक के लिए रवाना हुए थे। इसी बीच राती बड़ थाना क्षेत्र में आने वाले सरवर गांव के पास आरोपी फरहान ने पेशाब करने का कहकर वाहन रुकवाया। वाहन के रुकने पर फरहान के साथ SI भी नीचे उतरे। तभी फरहान ने SI की सर्विस रिवॉल्वर को छीनने का प्रयास किया। छीना झपटी में गोली चली और आरोपी के पांव में लग गई।

लड़कियों से रेप और ब्लैकमेलिंग का आरोपी है फरहान

फरहान भोपाल के एक कॉलेज से एमबीए कर रहा है। पहले इसी कॉलेज से बीबीए कर चुका है। हिंदू छात्राओं से रेप केस के मामले में सबसे पहले फरहान ही गिरफ्तार किया गया था। फरहान पर आरोप है कि उसने लड़कियों को ब्लैकमेल कर उनके अश्लील वीडियो रिकॉर्ड किए हैं। ये सारी लड़कियां एक ही कॉलेज की पढ़ने वाली हैं। इसके अलावा दूसरे जितने आरोपी पकड़े गए हैं, वो सब भी फरहान के दोस्त हैं।

तीन लड़कियों से एक साथ रेप किया

मुख्य आरोपी फरहान के मोबाइल से मिला एक वीडियो ऐसा है जिसमें वह एक साथ तीन लड़कियों के साथ रेप कर रहा है। उन्हें बेरहमी से पीट रहा है। एक अन्य वीडियो में आरोपी इंदौर की पीड़िता से रेप करने के साथ ही उसे सिगरेट से दाग रहा है। आरोपी लड़कियों के साथ क्रूरता करता था। उन्हें मारता-पीटता था। वीडियो भी बनाता था और अपने मोबाइल फोन में सेव कर लेता था। पीड़िताओं के वीडियो आरोपी ने एक अलग फोल्डर में सेव कर रखे थे। पूछताछ में उसने बताया कि वह गांजा पीने का आदी है। इंदौर की पीड़िता को उसने कई बार मजबूर कर गांजा और शराब पिलाई है। उसे अपने किए पर कोई पछतावा नहीं है। पुलिस को गुमराह करने के लिए आरोपी ने यह भी बताया कि वह इंदौर की पीड़िता से प्यार करता था। उससे शादी करना चाहता था।

बंगलूरू में नाइस रोड पर मिला वकील का शव

शरीर पर मिले गंभीर चोट के निशान; पुलिस ने दर्ज किया केस

बंगलूरू, 3 मई (एजेंसियां)। कर्नाटक की राजधानी बंगलूरू के एनआईसीई रोड पर एक वकील का शव मिला है। मामले में पुलिस ने बताया कि केंगेरी में सीवी रमन एस्टेट के पास एनआईसीई रोड पर गंभीर चोटों के साथ एक 46 वर्षीय वकील का शव मिला है। मृतक की पहचान जगदीश एच के रूप में हुई है। जो केंगेरी के एमएमवी लेआउट का रहने वाला है। इसके साथ ही मौका-ए-वारदात से मृत वकील का मोबाइल फोन भी गायब है।

पुलिस ने बताया कि शुक्रवार रात करीब साढ़े दस बजे मामले में मृतक के रिश्तेदार ने शिकायत दर्ज की है। शिकायत में अज्ञात लोगों के खिलाफ भारतीय न्याय संहिता की धारा 103 (1) हत्या के तहत मामला दर्ज किया गया है। पुलिस ने बताया कि हमने मामला दर्ज कर आगे की जांच शुरू कर दी है। पुलिस के अनुसार शिकायत में रिश्तेदार ने आरोप लगाया है कि जगदीश का शव उसकी कार से करीब 150 मीटर दूर पड़ा मिला। कार पूरी तरह क्षतिग्रस्त थी। हालांकि, उसकी गाड़ी की पार्किंग लाइट जल रही थी और दरवाजे बंद थे।

पाकिस्तान का समर्थन करने के आरोप में एक और शख्स गिरफ्तार

अब तक 37 लोगों पर कसा शिकंजा

नई दिल्ली, 3 मई (एजेंसियां)। पहलगाम आतंकवादी हमले के बाद पाकिस्तान का कथित रूप से बचाव करने के आरोप में असम से एक और व्यक्ति को गिरफ्तार किया गया है। मुख्यमंत्री हिमंत बिस्वा सरमा ने बताया, आरोपी असम के धुबरी जिले से गिरफ्तार किया गया है। असम सरकार पाकिस्तान के पक्ष में बोलने वाले लोगों के खिलाफ लगातार कार्रवाई कर रही है। मुख्यमंत्री ने हिमंत ने बताया कि पाकिस्तान के बचाव करने में अब तक कुल 37 लोगों को गिरफ्तार किया गया है।

22 अप्रैल को जम्मू कश्मीर के पहलगाम में पाकिस्तानी आतंकवादियों ने 26 पर्यटकों को मार दिया था। सरमा ने एक्स पर एक पोस्ट में कहा कि भारत की धरती पर पाकिस्तान का बचाव करने वाले देशद्रोहियों के खिलाफ कार्रवाई पर का अपडेट। अब तक कुल 37 राष्ट्रद्रोहियों को सलाखों के पीछे भेजा जा चुका है। उन्होंने बताया कि धुबरी से गिरफ्तार किये गये व्यक्ति की पहचान अमर अली के रूप में हुई है।

पहलगाम हमले के पीछे पाकिस्तान की साजिश

रोकना चाहता है जम्मू-कश्मीर की प्रगति; बोले फारूक अब्दुल्ला

जम्मू, 3 मई (एजेंसियां)। नेशनल कॉन्फ्रेंस के अध्यक्ष फारूक अब्दुल्ला ने कहा कि 26/11, उड़ी, पुलवामा और पठानकोट हमलों को अंजाम देने वाले ही पहलगाम की बायसरन घाटी में 22 अप्रैल की घटना के पीछे हैं। उन्होंने कहा कि पहलगाम हमले के पीछे पाकिस्तान का उद्देश्य जम्मू-कश्मीर की प्रगति की यात्रा को बाधित करना है। उन्होंने कहा कि जम्मू-कश्मीर में लोग शांति से रह रहे हैं और हजारों पर्यटक यहां घूम रहे हैं। पाकिस्तान को यह पसंद नहीं है। वे चाहते हैं कि मिलजुल कर न रहें। कहा कि दोषियों को पकड़ा जाना चाहिए और उन्हें कड़ी सजा दी जानी चाहिए। उन्होंने कहा कि इस तरह की घटनाएं किसी की मदद के बिना नहीं हो सकती हैं।उन्होंने दिसंबर 1999 में कंधार में अपहृत इंडियन एयरलाइंस की फ्लाइट 814 के बंधकों को छोड़ने के बदले में भारत सरकार के मसूद अजहर को रिहा करने को गलती करार दिया। उन्होंने कहा कि जब अजहर को रिहा किया गया था, तो उन्होंने कहा था कि उसे मत छोड़ो। उन्होंने मेरे चचेरे भाई को उसके घर पर गोली मार दी। उसे बड़ी मुश्किल से पकड़ा था। लेकिन वे उसे विमान में कंधार ले गए। इस मामले में किसी ने उनकी बात नहीं सुनी। उन्होंने कहा कि पहलगाम हमला बहुत दर्दनाक और मानवता की हत्या है। कहा कि पहलगाम की घटना में कोई भी शामिल हो सकता है। जब तक उन्हें पकड़ नहीं लेते, नहीं कह सकते कि वे कौन हैं।

गोवा के शिरगांव में भगदड़, 7 की मौत-50 घायल

बिजली तार गिरने से हादसा, एक-दूसरे पर गिरे लोग; 20 की हालत गंभीर पीएम ने जताया दुख

बिचोलिम, 3 मई (एजेंसियां)। गोवा के शिरगांव में श्री लैराई जात्रा (यात्रा) के दौरान शुक्रवार रात मची भगदड़ में 7 लोगों की मौत हो गई। जानकारी शनिवार सुबह आई है। हादसे में 50 से ज्यादा लोग घायल हैं, जिनमें 20 गंभीर हैं। राहत-बचाव कार्य जारी है। मृतकों की संख्या बढ़ सकती है। शुक्रवार शाम को बड़ी संख्या में श्रद्धालु जात्रा में शामिल होने मंदिर की ओर जा रहे थे। इसी दौरान एक दुकान के सामने बिजली के तार से करंट लगने के बाद कुछ लोग गिर गए। तभी अफरा-तफरी हुई और भगदड़ मच गई। क्राउड मैनेजमेंट के पर्याप्त इंतजाम नहीं होने की वजह से हादसा हुआ। मुख्यमंत्री प्रमोद सावंत ने घटना की जांच के आदेश दे दिए हैं।

श्री लैराई जात्रा नॉर्थ गोवा के बिचोलिम तालुका के शिरगांव गांव में आयोजित होने वाला हिंदू धार्मिक उत्सव है। जात्रा हर साल अप्रैल या मई में होती है। इसमें गोवा, महाराष्ट्र, और कर्नाटक से हजारों श्रद्धालु आते हैं। जात्रा 2 मई की शाम से 3 मई की सुबह तक आयोजित की गई थी। इसी दौरान हादसा हुआ।

40 हजार श्रद्धालु यात्रा में शामिल होने पहुंचे थे

गोवा पुलिस के मुताबिक- महाराष्ट्र, कर्नाटक सहित कई राज्यों के 30 से 40 हजार लोग यात्रा में शामिल होने पहुंचे थे। शुक्रवार शाम भीड़ मंदिर की ओर जा रही थी, तभी एक ढलान पर कुछ लोग गिर पड़े। इसके बाद पीछे से आ रहे लोग भी एक-दूसरे पर गिरते चले गए। 40 से 50 लोग इस दौरान नीचे गिर गए। इसके बाद अफरा-तफरी होने से भगदड़ मच गई। यात्रा के लिए एक हजार पुलिसकर्मियों की ही तैनाती हुई थी। वहीं, भीड़ की एक्टिविटी को ड्रोन की मदद से ट्रैक किया जा रहा था।

पीएम मोदी ने हादसे को लेकर सीएम सावंत से बात की

सीएम प्रमोद सावंत ने 'एक्स' पर लिखा- शिरगांव के लैराई जात्रा में हुई भगदड़ से दुखी हूं। मैंने नॉर्थ गोवा डिस्ट्रिक्ट हॉस्पिटल पहुंचकर घायलों का हाल जाना।

लगातार स्थिति की निगरानी कर रहा हूं और प्रभावित परिवारों को हर संभव सहायता दी जा रही है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने भी फोन कर स्थिति की जानकारी ली और हरसंभव मदद का आश्वासन दिया। सावंत ने कहा-गोवा में पहली बार ऐसा मामला सामने आया है। मैं मौके पर पहुंचा हूं और घायलों से अलग-अलग अस्पतालों में जाकर मिला हूं।

'ईडी के 98 प्रतिशत मामले विपक्षी नेताओं के खिलाफ'

टीएमसी नेता साकेत गोखले ने लगाया बड़ा आरोप

नई दिल्ली, 3 मई (एजेंसियां)। टीएमसी नेता साकेत गोखले ने आरोप लगाया है कि ईडी के 98 प्रतिशत मामले विपक्षी नेताओं के खिलाफ दर्ज हुए हैं। टीएमसी नेता ने कहा कि बचे हुए दो प्रतिशत लोग वो हैं, जो भाजपा में शामिल हो गए। गोखले ने ईडी निदेशक राहुल नवीन के गुरुवार को दिए बयान का हवाला दिया, जिसमें राहुल नवीन ने कहा कि 2014 से पहले धन शोधन विरोधी कानून काफी हद तक अप्रभावी था, लेकिन 2014 के बाद ईडी द्वारा दर्ज मामलों में उल्लेखनीय तेजी आई है। इस पर निशाना साधते हुए टीएमसी नेता ने दावा किया कि 2014 के बाद ईडी द्वारा दर्ज मामलों में उछाल मोदी सरकार के इशारे पर हुआ, जो उसी साल सत्ता में आए थे। एक्स पर साझा एक पोस्ट में गोखले ने कहा, 'कल, केंद्रीय एजेंसी ईडी के प्रमुख ने स्वीकार किया कि 2014 में मोदी सरकार के सत्ता में आने के बाद दर्ज मामलों में उछाल आया है।' उन्होंने कहा, 'पिछले 11 वर्षों में ईडी द्वारा कुल 5,297 मामले दर्ज किए गए। कितने मामलों में सुनवाई के लिए अदालत में ले जाया गया? केवल 47।'

कोर्ट ने भाजपा सांसद योगेंद्र चंदोलिया के खिलाफ आरोप किए तय

नई दिल्ली, 3 मई (एजेंसियां)। नई दिल्ली राउज एवेन्यू कोर्ट ने शनिवार को भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के सांसद योगेंद्र चंदोलिया के खिलाफ एक सरकारी कर्मचारी पर हमला करने के आरोप में आपराधिक मामले में आरोप तय किए।

चंदोलिया के खिलाफ 2020 में प्रसाद नगर थाने में एफआईआर दर्ज की गई थी। अतिरिक्त मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट (एसीजेएम) नेहा मित्तल की अदालत ने भारतीय दंड संहिता (आईपीसी) की धारा 341, 353 और 356 के तहत आरोप तय किए। उन्हें आईपीसी की धारा 186 के तहत आरोपमुक्त कर दिया गया है। चंदोलिया अदालत में मौजूद थे। चंदोलिया की ओर से अधिवक्ता हरिओम गुप्ता के साथ अधिवक्ता सुकृत और अनन्या पेश हुए। अदालत ने मामले को अभियोजन साक्ष्य के लिए 22 मई को सूचीबद्ध किया है।

कर्नाटक के मंत्री की गुहार : 'मोदी, शाह मुझे बम दें..मैं फिदायीन बनकर पाकिस्तान पर हमला करूंगा'

बैंगलूरू, 3 मई (एजेंसियां)। कर्नाटक के आवास और अल्पसंख्यक कल्याण मंत्री बी.जेड. जमीर अहमद खान का एक हालिया बयान चर्चा का विषय बन गया है। पहलगाम हमले के बाद भारत और पाकिस्तान के बीच पैदा हुए तनाव को बीच मंत्री जमीर अहमद खान का कहना है कि अगर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और गृह मंत्री अमित शाह उन्हें अनुमति दें तो वे पड़ोसी देश से जंग के लिए खुद ही फिदायीन हमलावर बनकर जाने के लिए तैयार हूं।

प्रेस कॉन्फ्रेंस के दौरान दिया गया उनका यह नाटकीय बयान तुरंत वायरल हो गया और राजनीतिक हलकों में इस पर तीखी प्रतिक्रिया हुई। वायरल हो रही वीडियो में कर्नाटक सरकार के मंत्री जमीर खान कह रहे है कि पाकिस्तान हमेशा से ही भारत का दुश्मन रहा है। ऐसे दुख के मौके पर अगर प्रधानमंत्री मोदी और गृहमंत्री अमित शाह मुझे मौका देते हैं तो मैं खुद सीमा पर जाकर युद्ध करने के लिए तैयार हूं।

जमीर खान यहीं नहीं रुके, उन्होंने आगे कहा, हम सब भारतीय हैं, हम हिन्दुस्तानी हैं। हमारा पाकिस्तान से कोई नाता नहीं है। पाकिस्तान हमेशा से हमारा दुश्मन मुल्क रहा है। मैं पाकिस्तान जाकर युद्ध करने के लिए तैयार हूं। मोदी, शाह मुझे आत्मघाती बम दें, मैं बांधकर पाकिस्तान जाऊंगा और हमला करूंगा। मंत्री ने कहा कि वह देश के लिए अपनी जान कुर्बान करने को तैयार हैं और उन्होंने केंद्र से निर्णायक कार्रवाई करने का आग्रह किया। खान के इस बयान के बाद आस-पास मौजूद सभी लोग हंसने लगे, लेकिन उन्होंने कहा, ₹मैं यह मजाक नहीं कर रहा हूं या इसे मजाकिया अंदाज में नहीं कह रहा हूं, मैं इसे लेकर बहुत गंभीर हूं। उन्होंने कहा कि आतंकवाद का सामना करने के लिए हर भारतीय को एकजुट होना चाहिए। गौरतलब है कि जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में बीते मंगलवार 22 अप्रैल को आतंकियों ने पर्यटकों पर अंधाधुंध गोलियां बरसा कर 26 लोगों की नृशंस हत्या कर दी थी। सेना की वर्दी में आए दहशतगर्दों ने पहलगाम की बायसरन घाटी में पर्यटकों से पहले उनका धर्म पूछा, परिचय पत्र देखे और फिर हिंदू हो कहकर गोली मार दी।

तीन जुलाई से शुरू होने जा रही श्रीअमरनाथ यात्रा से पहले इस कायराना हमले की जिम्मेदारी पाकिस्तानी आतंकी संगठन लश्कर-ए-ताइबा से जुड़े गुट द रेजिस्टेंस फ्रंट (टीआरएफ) ने ली है।

मणिपुर हिंसा के दो साल, राज्य में हाई अलर्ट

मैतेई-कुकी संगठनों ने बंद बुलाया; 3 जिलों में कड़ी सुरक्षा, 10 हजार और जवान तैनात

इम्फाल, 3 मई (एजेंसियां)। मणिपुर हिंसा को आज यानी 3 मई को दो साल हो गए हैं। इस दौरान 250 से ज्यादा मौतें हुईं। 50 हजार लोग आज भी विस्थापित हैं। जो 6 हजार एफआईआर दर्ज हुईं, उनमें करीब 2500 में कार्रवाई आगे नहीं बढ़ी।

जो गंभीर अपराध हैं, उन पर सीबीआई या राज्य शासन कोई अपडेट नहीं दे रहा है। शनिवार को मैतेई संगठन कोऑर्डिनेटिं कमेटी ऑन मणिपुर इंटीग्रिटी ने लोगों ने सभी गतिविधियां बंद रखने और अपने कन्वेंशन में शामिल होने के लिए कहा है।वहीं, कुकी स्टूडेंट्स ऑर्गनाइजेशन (केएसओ) और जोमी स्टूडेंट्स फेडरेशन (जेडएसएफ) ने भी कुकी आबादी वाले इलाकों में बंद बुलाया है। मणिपुर में लगभग सभी जगह आज बाजार, दुकानें और स्कूल-कॉलेज बंद हैं और सड़कों पर सन्नाटा पसरा है। कुकी समुदाय आज के दिन को डे ऑफ आइसोलेशन के रूप में मना रहा है। इधर, राज्य में तनाव को देखते हुए सुरक्षाबलों ने इम्फाल, चुराचांदपुर और कंगपोकपी में कड़ी सुरक्षा व्यवस्था की है। मणिपुर हिंसा की दूसरी बरसी से एक दिन पहले (2 मई) सुरक्षाबलों ने फ्लैग मार्च किया। केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल (सीआरपीएफ) की 34 बटालियन के डीआईजी सुशांकर उपाध्याय ने बताया कि इस फ्लैग मार्च से लोगों में एक भरोसा पैदा होगा।

जगन्नाथ मंदिर विवाद पर बंगाल-ओडिशा आमने-सामने

> भाजपा बोली-ममता बनर्जी सोचती नहीं हैं

कोलकाता, 3 मई (एजेंसियां)। पश्चिम बंगाल के दीघा में बने जगन्नाथ मंदिर को लेकर ओडिशा और पश्चिम बंगाल में ठनी हुई है। ओडिशा के श्रद्धालु और पुजारी दीघा में बने जगन्नाथ मंदिर के नाम को लेकर आपत्ति जता रहे हैं। जब इसे लेकर भाजपा नेता दिलीप घोष की प्रतिक्रिया मांगी गई तो उन्होंने ममता बनर्जी पर इसका ठीकरा फोड़ दिया। उल्लेखनीय है कि दीघा में बने मंदिर को पुरी के जगन्नाथ मंदिर की तर्ज पर ही बनाया गया है और उसका नाम भी जगन्नाथ मंदिर ही रखा गया है, इस पर ओडिशा के लोगों ने आपत्ति जताई है। ओडिशा के लोगों का कहना है कि जगन्नाथ मंदिर करोड़ों लोगों की आस्था का केंद्र है, ऐसे में एक जैसे नाम से लोगों में भ्रम की स्थिति बन सकती है। दिलीप घोष ने कहा कि 'ममता बनर्जी सोच विचार नहीं करती हैं। वे बस मनमाने तरीके से नामकरण करती हैं। इसका आस्था पर कोई असर नहीं पड़ता। ओडिशा के लोगों को सीएम ममता बनर्जी को पत्र लिखना चाहिए। उन्होंने ही जय बांग्ला का नारा दिया था, जिसका बांग्लादेश के लोगों ने यह कहकर विरोध किया था कि यह उनका नारा है। वे (ममता बनर्जी) सिर्फ गलत काम करती हैं। ये लोगों से जुड़ा मसला नहीं है। लोग तो बस सभी मंदिर जाना चाहते हैं।' पश्चिम बंगाल के भाजपा अध्यक्ष और केंद्रीय मंत्री सुकांत मजूमदार ने भी ममता पर भगवान के ऊपर राजनीति करने का आरोप लगाया । उन्होंने कहा कि एक तरफ आप हिंदुओं की हत्या होने दे रही हैं और दूसरी तरफ आप मंदिर बना रही हैं। मंदिर या मस्जिद बनाना सरकार का काम नहीं है। अयोध्या राम मंदिर के लिए लोगों ने जुटाया था। दीघा में बने जगन्नाथ मंदिर के लिए लोगों को धन जुटाना चाहिए था। राज्य सरकार इसमें शामिल क्यों हुई? ममता बनर्जी भगवान जगन्नाथ के कंधों पर चढ़कर चुनाव जीतने की कोशिश कर रही हैं। आरोप है कि पुरी के कुछ सेवकों ने दीघा के जगन्नाथ मंदिर में प्राण प्रतिष्ठा समारोह में हिस्सा लिया था और दीघा मंदिर की मूर्तियां बनाने के लिए 2015 के 'नवकलेवर' (नए रूप) से बची हुई 'नीम' की लकड़ी का इस्तेमाल किया था।

खबरें जरा हटके

सालों से बंद था गुफा का दरवाजा, लड़की ने खोल दिया 'पाताल लोक' का रास्ता, तुरंत पहुंच गई दूसरी दुनिया!

दुनिया में ऐसी कई जगहें हैं, जिनकी खोज अचानक की गई. लोगों को पता भी नहीं था कि ऐसी जगहें मौजूद भी हैं. अचानक ही किसी ने गलती से कोई दरवाजा खोल दिया और सदियों पुरानी दुनिया लोगों के सामने आ गई. सोशल मीडिया पर अब ऐसे खोजी ग्रुप्स बन गए हैं जो इसी तरह की छिपी दुनिया को ढूंढ-ढूंढकर लोगों के सामने लाते हैं. इनका मकसद है उस दुनिया से लोगों को रूबरू करवाना जो सदियों पहले मौजूद थे लेकिन अब गायब हो चुके हैं. इंस्टाग्राम पर ऐसे कई पेजेस हैं जो इस तरह की खोज कर लोगों को दिखाते हैं. इंग्लैंड के बर्मिंघम में रहने वाले दोस्तों की एक टीम ने भी ऐसा ही एक अकाउंट बना रखा है. इस ग्रुप की एक खास बात है. ये गुफाओं या बंकरों के अंदर की दुनिया ढूंढते हैं. हाल ही में उन्होंने एक गुफा को एक्सप्लोर किया. जब टीम अंदर गई तो उन्हें अपनी आंखों पर यकीन नहीं हुआ. सदियों से बंद इस गुफा के अंदर उन्हें दूसरी ही दुनिया नजर आई.

टीम को एक वीरान एरिया में बड़ा सा गुफा नजर आया. इसके अंदर जाना काफी रिस्की हो सकता था. कई बार ऐसी गुफाएं खतरनाक जानवरों का घर होती है. लेकिन टीम ने सारे सेफ्टी मेजर्स का ध्यान रखते हुए गुफा का दरवाजा खोल दिया. लाइट्स के साथ जब टीम अंदर गई तो हैरान रह गई. अंदर पूरा का पूरा घर था. इसमें फ्रिज से लेकर रोजमर्रा के इस्तेमाल का सारा सामान मौजूद था. अंदर पानी की पाइपलाइन भी थी. ऐसा लग रहा था कोई यहां अपने परिवार के साथ रहता था लेकिन किसी कारणवश उसे इसे छोड़कर जाना पड़ा. फ्रिज में एक्सप्लोरर्स को काफी सामान भी मिला.

अंदर से था पाताल का रास्ता

इस गुफा के अंदर सोने तक की जगह बनाई गई थी. जब एक्सप्लोरर्स और अंदर गए तो गुफा के अंदर से ही नीचे जाने की सीढ़ियां भी थी. ये सीढ़ियां पाताल की तरफ जा रही थी, जहां से कई सुरंगें नजर आई. एक्सप्लोरर्स कुछ सुरंगो के अंदर गए जिसके रास्ते काफी संकरे थे. किसी में आगे पानी भरा था तो कोई जंगल में दूसरी तरफ जाकर खुलता था. लोगों को ऐसी जगहों को एक्सप्लोर करने वाले वीडियोज काफी पसंद आ रहे हैं. इन्हें लाखों व्यूज मिलते हैं. यही वजह है कि टीम ढूंढ-ढूंढकर ऐसी जगहों पर जाकर वीडियो बनाती है.

कोयले-सी काली है ये मॉडल, दिन के उजाले में भी नहीं आती नजर, मॉडलिंग की दुनिया में मचाई सनसनी

कहते हैं कि भगवान हर किसी को खूबसूरत बनाता है. प्रकृति में ऐसी एक भी चीज नहीं है जो बेकार है. हर कुछ खूबसूरत है. भगवान ने काफी सोच-समझकर एक-एक चीज की रचना की है. लेकिन लोग भगवान के फैसले के खिलाफ जाकर कई बार उनके द्वारा बनाई चीजों से छेड़छाड़ करने लगते हैं. ये बात लोगों के स्किनटोन और चेहरे-मोहरे पर आज के समय में सबसे ज्यादा सटीक बैठती है. खासकर लड़कियां अपने रंग और फीचर्स को और और एन्हांस करने के लिएब कई तरह की सर्जरी करवाती हैं. भारत में अगर लड़की का जन्म डार्क स्किनटोन के साथ हो जाए तो हंगामा मच जाता है. घरवालों को उसकी शादी से लेकर उनके फ्यूचर की चिंता सताने लगती है. ऐसे में बचपन से ही कई तरह के उबटन और क्रीम लड़कियों को मले जाने लगते हैं., ऐसी सोसाइटी, जहां लोगों को गोरे रंग से ऑब्सेशन है, वहां एक डार्क स्किन टोन की लड़की ने सनसनी मचा रखी है. हम बात कर रहे हैं साउथ सूडान की न्याकिम गैटवेच के बारे में. न्याकिम गैटवेच इतनी काली हैं कि दिन के उजाले में भी नजर नहीं आती हैं.

डार्कनेस की महारानी

न्याकिम गैटवेच को क्वीन ऑफ डार्क के नाम से भी जाना जाता है. इन दिनों न्याकिम गैटवेच सनसनी बनी हुई हैं. जहां लोग गोरेपन के पीछे भागते हैं, वहीं न्याकिम गैटवेच ने अपने डार्क रंग को एम्ब्रेस किया और उसी के साथ कामयाबी की सीढ़ियां चढ़ रही हैं. न्याकिम गैटवेच ऑस्ट्रेलिया में रहती हैं और कई नामी कंपनीज की ब्रांड एम्बेस्डर हैं. सोशल मीडिया पर अपनी तस्वीरें शेयर कर न्याकिम गैटवेच काफी चर्चा बटोरती रहती हैं.

काट-काटकर जार में रखती है अंग, शीशी में सजाए हैं नाक-कान और जीभ, महिला ने सुंदर चेहरे का करा लिया सत्यानाश!

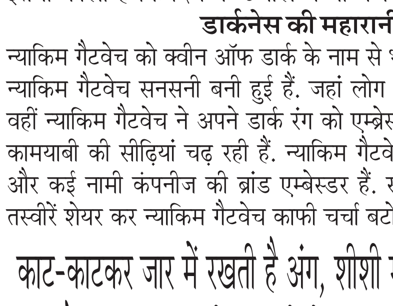

आमतौर पर हम सभी चाहते हैं कि हम अच्छे दिखे और सुंदर लगें. जब भी कोई हमसे मिले, तो हमारी तारीफ करे. हालांकि दुनिया में हर कोई ऐसा नहीं सोचता. कुछ लोग ऐसे भी होते हैं, जिन्हें कुदरत ने अच्छा बनाकर भेजा भी, तो वे उसे संभाल नहीं सके. उन्होंने अपने अच्छे-भले शरीर को खुद ही बर्बाद कर दिया. आज हम आपको एक ऐसी ही महिला ने मिलवाएंगे. मिरर की रिपोर्ट के मुताबिक टॉक्सी नाम की एक बेल्जियन महिला का अजीब ही शौक है. लोग परफेक्ट दिखना चाहते हैं और वो खराब दिखने के लिए अपने शरीर का सत्यानाश करा चुकी है. अब उसे देखने के बाद कोई पहली नज़र में डर जाएगा. उसके चेहरे में वो चीज़ें भी नहीं हैं, जो आम इंसान के चेहरे पर होती हैं. हमें ये अजीब लग रहा है, लेकिन उसको अपनी हरकत पर कोई पछतावा नहीं है. 31 साल की टॉक्सी पहले भूरे बालों और नीली आंखों वाली सामान्य सी लड़की थी. धीरे-धीरे उस पर बॉडी मॉडिफिकेशन का भूत यूं चढ़ा कि उसके अपने शरीर के हर हिस्से पर टैटू बनवा डाला. इतना ही नहीं उसके ऊपरी हिस्से को इंक से पूरा ही काला करा लिया है. उसने अपने माथे पर सींगें भी उगवा रखी हैं और अपनी जीभ को भी दो हिस्सों में बंटवा रखा है. उसके कान का ऊपरी और निचला हिस्सा भी उसने कटवा दिया है और सामान्य लोगों की तरह उसके चेहरे पर नाक भी नहीं है.

THE LARGEST CIRCULATED AND READ HINDI DAILY IN TELANGANA & ANDHRA PRADESH

स्वतंत्र वार्ता

रविवार, 4 मई, 2025

सुविचार: जमाने में अगर आप सच्चे है तो भले आज आपसे कोई दूर रहे कल बहुत से आयेंगे ।

केंद्र द्वारा जाति जनगणना की घोषणा तेलंगाना सरकार की जीत : भट्टी

डिप्टी सीएम ने 50 बिस्तरों वाले सरकारी अस्पताल के निर्माण की आधारशिला रखी

हैदराबाद, 3 मई (स्वतंत्र वार्ता)। उपमुख्यमंत्री भट्टी विक्रमार्क ने कहा कि केंद्र सरकार द्वारा जाति जनगणना कराने की घोषणा तेलंगाना सरकार और अखिल भारतीय कांग्रेस द्वारा डाले गए दबाव का परिणाम है। तेलंगाना की जनता की सरकार ने वैज्ञानिक तरीके से जाति जनगणना कराई है, जिससे राज्य पूरे देश के लिए एक आदर्श बन गया है। भारत को आजादी मिलने के बाद, केवल तेलंगाना में ही बिना किसी आपत्ति के इतनी व्यापक जाति जनगणना सफलतापूर्वक की गई थी। उन्होंने कहा कि सरकार इस जाति सर्वेक्षण के निष्कर्षों को अपने नीति-निर्माण निर्णयों में शामिल करने के लिए प्रतिबद्ध है। भट्टी ने आगे कहा कि जाति जनगणना के परिणामों को लोगों तक ले जाना चाहिए और पिछड़ा वर्ग (बीसी) को सरकार के समर्थन में खड़ा होना चाहिए। बीसी कर्मचारी संघ और विभिन्न बीसी जाति संगठनों के नेताओं ने शनिवार को खम्मम में प्रजा भवन कैंप कार्यालय में भट्टी विक्रमार्क को शॉल से सम्मानित किया और बधाई दी। इस अवसर पर, उपमुख्यमंत्री ने कहा कि देश भर में जाति जनगणना कराने की केंद्र सरकार की घोषणा तेलंगाना के लोगों और उनकी सरकार की जीत है। उन्होंने केंद्र को यह निर्णय लेने के लिए प्रेरित करने के लिए तेलंगाना सरकार का आभार व्यक्त किया। एआईसीसी अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे, लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी और कांग्रेस नेता सोनिया गांधी के निर्देशों के तहत काम करते हुए, तेलंगाना सरकार ने बिना किसी त्रुटि के सावधानीपूर्वक जाति जनगणना की। भट्टी विक्रमार्क ने कहा कि राज्य विधानसभा में बीसी को 42 प्रतिशत आरक्षण देने का प्रस्ताव पारित किया गया और काफी दबाव के साथ केंद्र को सौंपा गया। उन्होंने यह भी बताया कि गुजरात में कांग्रेस कार्यसमिति (सीडब्ल्यूसी) की बैठक में एक प्रस्ताव पारित किया गया था, जिसमें तेलंगाना की तरह ही देश भर में जाति जनगणना की मांग की गई थी। इसके बाद संसद में इस मुद्दे को उठाया गया, जिसने अंततः केंद्र को राष्ट्रीय जाति जनगणना के लिए सहमत होने के लिए मजबूर किया। भट्टी विक्रमार्क ने इस बात पर प्रकाश डाला कि 1930 के बाद से भारत में कोई जाति जनगणना नहीं हुई थी और तेलंगाना की पहल स्वतंत्रता के बाद पहला सफल प्रयास है। उन्होंने स्वीकार किया कि इस तरह का सर्वेक्षण करना एक जटिल कार्य था, लेकिन मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी ने खुद (उपमुख्यमंत्री के रूप में) और पूरे मंत्रिमंडल ने इस चुनौती को स्वीकार किया और 50-55 दिनों के भीतर प्रक्रिया पूरी कर ली। उन्होंने स्पष्ट किया कि जाति जनगणना केवल जातियों के बारे में जानकारी एकत्र नहीं करती है, बल्कि लोगों की आर्थिक, राजनीतिक और रोजगार की स्थिति, समुदायों के बीच प्राकृतिक संसाधनों का वितरण और उनके जीवन स्तर पर भी डेटा एकत्र करती है। यह डेटा सरकार की भविष्य की कल्याण और विकास नीतियों को सूचित करेगा। उपमुख्यमंत्री ने अपील की कि जाति जनगणना के नतीजों को जनता तक पहुंचाया जाना चाहिए और इस बात पर जोर दिया कि पिछड़े वर्ग को जनता की सरकार के साथ मजबूती से खड़ा होना चाहिए। उन्होंने कहा कि 42 प्रतिशत पिछड़े वर्ग के आरक्षण का क्रियान्वयन केवल जनता की सरकार के तहत ही संभव है और मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी पूरे मंत्रिमंडल के साथ इस लक्ष्य की दिशा में ईमानदारी से काम कर रहे हैं। कार्यक्रम में पोथागनी वेंकन्ना, गौड़, यादव, नाई ब्राह्मण, राजका, पद्मशाली, विश्वकर्मा, शालिवाहन और कापू सहित विभिन्न पिछड़े वर्ग समुदायों के नेता शामिल हुए। इसी क्रम में उपमुख्यमंत्री मल्लू भट्टी विक्रमार्क ने खम्मम जिले के मुदिगोंडा मंडल केंद्र में 50 बिस्तरों वाले सरकारी अस्पताल के नव निर्माण की आधारशिला रखी और इंदिरा डेयरी का उद्घाटन किया।

कम उम्र में गाड़ी चलाने वाले 295 नाबालिगों और उनके माता-पिता को पुलिस ने दिया परामर्श

आदिलाबाद, 3 मई (स्वतंत्र वार्ता)। पुलिस ने शनिवार को यहां दोपहिया और चार पहिया वाहन चलाते पकड़े गए नाबालिगों और उनके अभिभावकों को परामर्श दिया। पुलिस अधीक्षक अखिल महाजन इस कार्यक्रम के मुख्य अतिथि थे। अखिल ने कहा कि नाबालिगों द्वारा वाहन चलाना अपराध है। उन्होंने कहा कि अगर नाबालिगों के माता-पिता अपने बच्चों को बाइक या कार चलाने की अनुमति देते हैं तो उनके खिलाफ मामला दर्ज किया जाएगा। उन्होंने युवाओं को सलाह दी कि अगर उनकी उम्र 18 साल से अधिक है तो उन्हें ड्राइविंग लाइसेंस बनवा लेना चाहिए। उन्होंने युवाओं को लाइसेंस बनवाने में सहयोग देने का वादा किया। एसपी ने बताया कि पुलिस द्वारा चलाए गए एक सप्ताह के विशेष अभियान के दौरान 295 नाबालिगों को हिरासत में लिया गया।

उन्होंने बताया कि उनके वाहन जब्त कर लिए गए हैं। हालांकि, वाहन उनके माता-पिता को लौटा दिए जाएंगे। उन्होंने बताया कि नाबालिग, रात में लापरवाही से वाहन चला रहे थे, जिससे सड़क दुर्घटनाएं हुईं और निर्दोष लोगों की जान चली गई।

सभी पात्र लोगों को राशन कार्ड जारी होगा : मंत्री पोन्नम प्रभाकर

नागरिक आपूर्ति दुकान 602 पर लाभार्थियों को चावल वितरित

हैदराबाद 3, मई (स्वतंत्र वार्ता)। परिवहन और पिछड़ा वर्ग कल्याण मंत्री पोन्नम प्रभाकर ने हिमायत नगर आदर्श बस्ती में नागरिक आपूर्ति दुकान 602 पर लाभार्थियों को चावल वितरित किया। इसके बाद मंत्री ने नारायणगुडा गांधी कॉटेज में एक चावल लाभार्थी के घर दोपहर का भोजन किया। इस अवसर पर मंत्री पोन्नम प्रभाकर ने कहा कि भारत में पहली बार, तेलंगाना सरकार ने उगादि त्यौहार से चावल योजना शुरू की है ताकि यह सुनिश्चित किया जा सके कि अमीर और गरीब सभी लोग चावल खा सकें। परिवहन एवं पिछड़ा वर्ग कल्याण मंत्री पोन्नम प्रभाकर ने कहा कि हैदराबाद में चुनाव आचार संहिता के कारण वे चावल वितरित करने में असमर्थ थे। उन्होंने कहा कि इस महीने की पहली तारीख से हैदराबाद जिले की 653 राशन दुकानों में बढ़िया चावल का वितरण शुरू हो गया है। उन्होंने कहा कि यह चावल सन्ना चावल कार्यक्रम के तहत सफेद राशन कार्ड रखने वाले सभी लोगों को वितरित किया जा रहा है। हम सभी पात्र लोगों को नए राशन कार्ड दे रहे हैं।

उन्होंने कहा कि पिछली सरकार ने 10 साल तक राशन कार्ड जारी नहीं किए और राशन कार्ड में कोई बदलाव नहीं किया। उन्होंने कहा कि तेलंगाना सरकार जाति जनगणना सर्वेक्षण, प्रजा वाणी एप्लीकेशन और एमआरओ कार्यालयों से प्राप्त नियमित आवेदनों के माध्यम से राशन कार्ड जारी करेगी। उन्होंने कहा कि गरीबों को चावल वितरित करना एक ऐतिहासिक निर्णय है, उन्होंने कहा कि बाहर चावल बाजार में चावल 60 रुपये प्रति किलो उपलब्ध है। यह योजना गरीबों के लिए बहुत उपयोगी होगी। उन्होंने कहा कि तेलंगाना सरकार ने 200 यूनिट मुफ्त बिजली, 500 यूनिट गैस, छोटे किसानों के लिए 500 यूनिट चावल बोनस प्रदान किया है और 65,000 नौकरियां भरी हैं। उन्होंने कहा कि हम हैदराबाद के व्यापक विकास पर आगे बढ़ेंगे और हैदराबाद के लोग इस सन्ना चावल योजना का उपयोग कर सकते हैं और इस सरकार को आशीर्वाद दे सकते हैं। उन्होंने कहा कि युवा विकासम योजना के माध्यम से बेरोजगार युवाओं को रोजगार के अवसर उपलब्ध कराए जा रहे हैं। बाद में, मंत्री ने स्थानीय विधायक दानम नागेन्द्र, महापौर गदवाल विजयलक्ष्मी, पार्षद विजया रेड्डी, महालक्ष्मी और अधिकारियों के साथ नारायणगुडा गांधी कॉटेज में एक चावल लाभार्थी के घर पर दोपहर का भोजन किया। इस अवसर पर उत्तम चावल के लाभार्थियों ने खुशी जाहिर की।

28 सरकारी डिग्री कॉलेजों ने शुरू किए नए पाठ्यक्रम

हैदराबाद, 3 मई (स्वतंत्र वार्ता)। छात्रों की रोजगार क्षमता को बढ़ावा देने के लिए, 28 सरकारी डिग्री कॉलेज (जीडीसी) शैक्षणिक वर्ष 2025-26 के लिए नए अप्रेंटिसशिप एम्बेडेड डिग्री कार्यक्रम शुरू करने के लिए तैयार हैं। ये कार्यक्रम हैं- बीकॉम बैंकिंग, वित्तीय सेवाएं और बीमा (बीएफएसआई), बीकॉम ई-कॉमर्स ऑपरेशंस, बीकॉम रिटेल ऑपरेशंस, बीएससी टूरिज्म एंड हॉस्पिटैलिटी ऑपरेशंस, बीएससी डिएओजिटल/इंडस्ट्रियल इलेक्ट्रॉनिक्स, बीएससी मार्केटिंग एंड सेल्स, बीएससी फार्मास्युटिकल मैन्युफैक्चरिंग एंड क्वालिटी, और कंटेंट और क्रिएटिव राइटिंग में बीबीए। इन नई पेशकशों का उद्देश्य रोजगार क्षमता को बढ़ाना, कौशल उन्मुख शिक्षा को बढ़ावा देना, तथा शिक्षा जगत और उद्योग के बीच की खाई को पाटना है - जिससे जी.डी.सी. के लिए एक परिवर्तनकारी युग की शुरुआत होगी।

कॉलेजिएट शिक्षा आयुक्तालय द्वारा यह कदम ऐसे समय उठाया गया है जब पिछले आठ वर्षों में डिग्री कॉलेजों में नामांकन में उल्लेखनीय वृद्धि देखी गई है। पिछली बीआरएस सरकार की पहलों की बदौलत, जिसमें 2021 में बकेट सिस्टम की शुरूआत भी शामिल है, जो छात्रों को पूल से अपने स्नातक विषय चुनने की अनुमति देता है, जीडीसी में प्रवेश में 80 प्रतिशत की वृद्धि हुई है। आयुक्तालय द्वारा साझा की गई जानकारी के अनुसार, जीडीसी में दाखिले 2018 में 28,035 से बढ़कर वर्तमान शैक्षणिक वर्ष 2024-25 तक 50,477 हो गए, जो 80 प्रतिशत की वृद्धि है। 2019 में शुरू किए गए एक महत्वपूर्ण सुधार, च्वाइस बेस्ड क्रेडिट सिस्टम (सीबीसीएस) के कारण 2019 में केवल एक वर्ष में 14,250 अतिरिक्त दाखिले हुए।

मुख्य सचिव ने "मिस वर्ल्ड 2025" के प्रबंधों की समीक्षा की

हैदराबाद, 3 मई (स्वतंत्र वार्ता)। मुख्य सचिव के रामकृष्ण राव ने वरिष्ठ पुलिस और अन्य अधिकारियों के साथ टेलीकांफ्रेंस की और 10 मई से हैदराबाद में आयोजित होने वाले मिस वर्ल्ड 2025 के लिए किए जा रहे प्रबंधों की समीक्षा की।

उन्होंने अधिकारियों को मुख्यमंत्री के निर्देशों के अनुसार प्रतिष्ठित कार्यक्रम के लिए पुख्ता प्रबंध करने के निर्देश दिए। उन्होंने अधिकारियों को मुख्यमंत्री द्वारा आयोजित समीक्षा बैठक के दौरान कार्यक्रम के लिए किए गए प्रबंधों पर विस्तृत कार्रवाई रिपोर्ट प्रस्तुत करने का निर्देश दिया।

पुलिस विभाग को प्रतिभागियों के ठहरने के दौरान किसी भी तरह की असुविधा न हो, इसके लिए सुरक्षा और बंदोबस्त के संबंध में व्यापक प्रबंध करने के लिए कहा गया। उन्हें हवाई अड्डे और होटलों में कड़ी सुरक्षा प्रदान करने के लिए कहा गया है, जहां दुनिया भर से आए मेहमान ठहरते हैं और अंतरराष्ट्रीय कार्यक्रमों के आयोजन स्थल पर भी कड़ी सुरक्षा प्रदान करने के लिए कहा गया है। पर्यटन विभाग के अधिकारियों को प्रतियोगियों को सौंपी जाने वाली एक विस्तृत पुस्तिका तैयार करने के लिए कहा गया। जीएचएमसी के अधिकारियों को उन सभी स्थानों का सौंदर्यीकरण करने का निर्देश दिया गया, जहां मेहमान और प्रतिभागी आएंगे। टेलीकांफ्रेंस में डीजीपी जितेन्द्र, सीएम के एसपी सीएस जयेश रंजन, प्रमुख सचिव स्वास्थ्य क्रिस्टीना जेड चोंगथु, सीआईपीआर विनय कृष्ण रेड्डी और अन्य अधिकारी शामिल हुए।

मिस कनाडा सुश्री एम्मा डीनना कैथरीन मॉरिसन हैदराबाद पहुंचीं

हैदराबाद, 3 मई (स्वतंत्र वार्ता)। हैदराबाद में आयोजित होने वाली मिस वर्ल्ड प्रतियोगिता में भाग लेने वाली विभिन्न देशों की सुंदरियों का आगमन शुरू हो गया है। इस मिस वर्ल्ड प्रतियोगिता की प्रतियोगी 6 मई से हैदराबाद पहुंचेंगी।

मिस कनाडा सुश्री एम्मा डीनना कैथरीन मॉरिसन आज शाम शमशाबाद हवाई अड्डे पर पहुंचीं। शमशाबाद पहुंची मिस कनाडा का तेलंगाना संस्कृति और परंपराओं के अनुसार अधिकारियों द्वारा भव्य स्वागत किया गया।

सिग्नी ने खोली 4.8 गीगावाट घंटा बीईएसएस गिगाफैक्ट्री

2027 तक उत्पादन दोगुना हो जाएगा

हैदराबाद, 3 मई (स्वतंत्र वार्ता)। हैदराबाद मुख्यालय वाली सिग्नी एनर्जी ने अपने चरण-I, पूर्ण रूप से चालू और स्वचालित बैटरी ऊर्जा भंडारण प्रणाली (बीईएसएस) गिगाफैक्ट्री के शुरू होने की घोषणा की है। हैदराबाद के महेश्वरम में इलेक्ट्रॉनिक्स मैन्युफैक्चरिंग क्लस्टर (ईएमसी) में ई-मोबिलिटी वैली में स्थित यह भारत की पहली लीडरशिप इन एनर्जी एंड एनवायरनमेंटल डिजाइन (एलईईडी) योग्य सुविधा है, जो एक उन्नत इंजीनियरिंग लैब और बैटरी प्रबंधन प्रणाली (बीएमएस) लैब से सुसज्जित है।

100 करोड़ रुपये से अधिक के निवेश से स्थापित, 1,60,000 वर्ग फुट का चरण-I सुविधा 5 एकड़ के परिसर में स्थित है और इसे इलेक्ट्रिक वाहनों और ऊर्जा भंडारण प्रणालियों के लिए 4.8 गीगावाट घंटे की उच्च क्षमता वाली बैटरी पैक बनाने की प्रारंभिक क्षमता के साथ डिजाइन किया गया है। एक प्रेस विज्ञप्ति में कहा गया है कि ये उन्नत बीईएसएस सिस्टम बड़े ग्रिड-स्केल स्थिर भंडारण परियोजनाओं और स्वतंत्र बिजली उत्पादकों (आईपीपी) की जरूरतों को पूरा करेंगे।

विद्यार्थियों को पढ़ाई के साथ ही साहसिक खेलों में भी महारत हासिल होनी चाहिए : सैदुलु

बी.सी. छात्रों के नौकायन प्रशिक्षण शिविर का समापन

हैदराबाद, 3 मई (स्वतंत्र वार्ता)। महात्मा ज्योतिबा फुले बीसी गुरुकुल शैक्षणिक संस्थान सोसायटी के सचिव बादुगु सैदुलु ने कहा कि बीसी गुरुकुल शैक्षणिक संस्थान में पढ़ने वाले विद्यार्थियों को पढ़ाई के साथ-साथ साहसिक खेलों में भी महारत हासिल करने का प्रशिक्षण दिया जा रहा है। उन्होंने बी.सी. छात्रों के नौकायन प्रशिक्षण शिविर की समापन समारोह में भाग लिया। उन्होंने कहा कि बीसी गुरुकुल शिक्षण संस्थान विद्यार्थियों की रुचि को ध्यान में रखते हुए खेल, कला, संगीत और शिल्प जैसे विभिन्न विषयों में प्रशिक्षण प्रदान करने को अत्यधिक महत्व देता है तथा इस उद्देश्य के लिए विशेष ग्रीष्मकालीन शिविरों का आयोजन करता है।

इसके तहत हुसैन सागर में यॉट क्लब के तत्वावधान में बीसी गुरुकुल के विद्यार्थियों को नौकायन का प्रशिक्षण दिया जा रहा है, जिसका उद्देश्य नौकायन खेल के माध्यम से वैज्ञानिक प्रशिक्षण के साथ-साथ पानी में कौशल, धैर्य और चपलता जैसे गुणों का विकास करना है। उन्होंने बताया कि पिछले दस दिनों से राज्य के सभी गुरुकुल विद्यालयों से चयनित 60 विद्यार्थियों को नौकायन का दूसरा चरण प्रशिक्षण दिया जा रहा है। उन्होंने बताया कि चयनित 30 विद्यार्थियों को इस महीने की 8 तारीख से एक माह का विशेष प्रशिक्षण दिया जाएगा। उन्होंने बताया कि इस प्रशिक्षण में प्रतिभा दिखाने वालों को जून माह में हैदराबाद में होने वाली राष्ट्रीय नौकायन प्रतियोगिता में भेजा जाएगा। उन्होंने बताया कि इसके बाद उन्हें प्रशिक्षित किया जाएगा और राष्ट्रीय तथा अंतर्राष्ट्रीय प्रतियोगिताओं में भाग लेने के लिए भेजा जाएगा। उन्होंने कहा कि नौकायन में असाधारण प्रतिभा दिखाने वाले छात्रों को बेहतर प्रशिक्षण दिया जाएगा और उन्हें 2026 एशियाई खेलों और 2028 ओलंपिक में भाग लेने का अवसर दिया जाएगा। उन्होंने बताया कि राज्य भर के बीसी गुरुकुलों में अध्ययनरत 14 वर्ष से कम आयु के विद्यार्थियों में से जो इच्छुक थे, उन्हें बुनियादी प्रशिक्षण के लिए चुना गया तथा जिन्होंने इसमें प्रतिभा दिखाई, उन्हें पिछले दस दिनों से प्रशिक्षण दिया जा रहा है। उन्होंने बताया कि इन प्रशिक्षण कक्षाओं में कुल 60 छात्र शामिल हुए। उन्होंने नौकायन प्रशिक्षण प्राप्त करने वाले छात्रों के साथ बातचीत में कुछ समय बिताया तथा उनके अनुभवों के बारे में जाना। इस कार्यक्रम में एमजेपी संयुक्त सचिव तिरुपति और यॉट क्लब आयोजकों ने भाग लिया।

सोहेल ने वक्फ संशोधन अधिनियम को वापस लेने की मांग की, सर्वदलीय विरोध में शामिल हुए

वारंगल, 3 मई (स्वतंत्र वार्ता)। बीआरएस नेता शेख अब्दुल्ला सोहेल ने शनिवार को वक्फ संशोधन अधिनियम को तत्काल वापस लेने की मांग की, इसे वक्फ बोर्डों की स्वायत्तता को खत्म करने और मुस्लिम समुदाय की संपत्तियों पर नियंत्रण करने का एक सुनियोजित प्रयास बताया।

ऑल इंडिया मुस्लिम पर्सनल लॉ बोर्ड (एआईएमपीएलबी) द्वारा दिए गए राष्ट्रव्यापी आह्वान के बाद वारंगल में आयोजित सर्वदलीय विरोध प्रदर्शन में भाग लेते हुए, शेख अब्दुल्ला सोहेल ने कहा, यह केवल एक कानूनी संशोधन नहीं है- यह हमारे संवैधानिक अधिकारों, धार्मिक संस्थानों और पीढ़ियों से बने समुदाय के कल्याण ढांचे पर सीधा हमला है। वक्फ बोर्ड अनाथों, गरीबों, शिक्षा और धार्मिक सेवाओं के लिए बनाई गई संपत्तियों का प्रबंधन करते हैं। यह अधिनियम उनके अधिकार को कमजोर करता है और राजनीतिक हस्तक्षेप और अतिक्रमण को आमंत्रित करता है।

सभा को संबोधित करते हुए, सोहेल ने जोर देकर कहा कि यह मुद्दा राजनीति से परे है और इसने पार्टी लाइनों से परे मुसलमानों को एकजुट किया है। उन्होंने कहा, आज मैं सिर्फ बीआरएस नेता के तौर पर नहीं, बल्कि मुस्लिम समुदाय के सदस्य के तौर पर बोल रहा हूं। चाहे कोई बीआरएस, कांग्रेस या वामपंथी हो, इस अन्यायपूर्ण कानून का विरोध करने में सभी एकमत हैं। इस लड़ाई में हर धर्मनिरपेक्ष सोच वाला नागरिक हमारे साथ खड़ा है। उन्होंने चेतावनी दी कि संशोधन हाशिए पर पड़े समुदायों की सेवा करने वाली संस्थाओं के लिए गंभीर खतरा है। उन्होंने कहा, हजारों वक्फ संपत्तियां खतरे में हैं। अगर इस कानून को निरस्त नहीं किया गया, तो इससे जमीन का नुकसान होगा, सेवाओं में बाधा आएगी और मुसलमानों में अलगाव की भावना बढ़ेगी। सोहेल ने यह भी कहा कि बीआरएस पार्टी ने संसद और सार्वजनिक मंचों दोनों पर वक्फ संशोधन अधिनियम का विरोध किया था।

उन्होंने कहा कि पार्टी देश भर में, खासकर तेलंगाना में आयोजित किए जा रहे सभी लोकतांत्रिक विरोधों का समर्थन करना जारी रखेगी। तेलंगाना राज्य हज समिति के अध्यक्ष खुसरो पाशा बियाबानी, उप महापौर मसूद अहमद और जमात-ए-इस्लामी और जमीयतुल उलेमा के प्रतिनिधियों सहित अन्य नेताओं ने विरोध प्रदर्शन में भाग लिया और इसी तरह की चिंताओं को दोहराया और संशोधन को अल्पसंख्यक अधिकारों के लिए एक गंभीर झटका बताया। विरोध प्रदर्शन में कांग्रेस, बीआरएस, वामपंथी दलों और अन्य धर्मनिरपेक्ष संगठनों के नेताओं ने भाग लिया।

राज्यपाल ने पर्यावरण अनुकूल पत्ती प्लेट बनाने के लिए मशीनरी वाहनों को हरी झंडी दिखाई

हैदराबाद, 3 मई (स्वतंत्र वार्ता)। राज्यपाल जिष्णु देव वर्मा ने राज्यपाल के विवेकाधीन अनुदान से वित्त पोषित आदिवासी गांवों में पर्यावरण अनुकूल पत्ती प्लेट और कप बनाने के लिए मशीनरी ले जाने वाले वाहनों को हरी झंडी दिखाई। शनिवार को राजभवन में यह कार्यक्रम हुआ, जिसका उद्देश्य विशेष रूप से कमजोर आदिवासी समूहों की आजीविका का समर्थन करना था।

ध्वजारोहण के बाद, राज्यपाल ने आदिवासी समुदायों के युवा सदस्यों के साथ बातचीत की, जिनमें प्रकृति गाइड और पत्ती प्लेट उत्पादन में प्रशिक्षण प्राप्त करने वाले लोग भी शामिल थे। 32 स्थानीय युवाओं के

एक समूह (मुख्य रूप से जंगल से मजबूत बंधन वाले चेंचू समुदाय से) को बेंगलुरू के द नेचुरलिस्ट स्कूल में प्रकृति गाइड के रूप में प्रशिक्षित किया गया।

नागरकर्नूल जिले के लिए राज्यपाल से 15 लाख रुपये के समर्थन के साथ, इन युवाओं को नौकरी खोजने में मदद करने के लिए कार्यक्रम शुरू किया गया था, जबकि पर्यटकों को नल्लमाला जंगल की संस्कृति और जैव विविधता का वास्तविक स्वाद दिया गया था।

अपने संबोधन में राज्यपाल ने आदिवासी समुदायों के सांस्कृतिक महत्व पर प्रकाश डाला और उन्हें प्रकृति का मूल संरक्षक बताया। उन्होंने केंद्रित विकास कार्यक्रमों के माध्यम से उनके जीवन को बेहतर बनाने की प्रतिबद्धता दोहराई। जिष्णु देव वर्मा ने आगे कहा कि आदिवासी जाति, पंथ या धर्म की सीमाओं से परे रहते हैं। उनका जीवन जीने का तरीका प्रकृति से गहराई से जुड़ा हुआ है और सदियों पुरानी परंपराओं पर आधारित है।

उन्होंने कहा कि सादगी और न्यूनतम जरूरतों के साथ जीवन जीते हुए, वे भौतिक संपदा में नहीं बल्कि प्राकृतिक दुनिया के साथ अपने घनिष्ठ संबंध में संतोष पाते हैं। आदिवासी युवाओं की ऊर्जा की प्रशंसा करते हुए राज्यपाल ने कहा, ये उपकार नहीं हैं, ये आपके अधिकार हैं। यह आपका समय है। इस कार्यक्रम में राज्यपाल के प्रधान सचिव एम. दाना किशोर, एनआईआरडीपीआर के महानिदेशक डॉ.जी. नरेंद्र कुमार, आदिवासी कल्याण सचिव डॉ.ए. शरत, नागरकर्नूल जिले के कलेक्टर बदावथ संतोष सहित प्रमुख अधिकारी शामिल हुए रोहित गोपीडी, आईटीडीए (चेंचस) के परियोजना अधिकारी, डॉ.ए. श्री रामुलु, सीईओ, भारतीय रेड क्रॉस सोसाइटी (तेलंगाना) और लीफ प्लेट टेक्नोलॉजीज प्राइवेट लिमिटेड, राजभवन और नागरकर्नूल, भद्राद्री कोत्तागुडेम और आदिलाबाद जिलों की रेड क्रॉस जिला इकाइयों के प्रतिनिधि।

सीएम योगी ने आवास एवं शहरी नियोजन विभाग की समीक्षा बैठक की

> दो साल में बन जाएगा विश्वस्तरीय कन्वेंशन सेंटर

लखनऊ, 3 मई (एजेंसियां)। राजधानी लखनऊ में शनिवार को मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने आवास में आवास एवं शहरी नियोजन विभाग की समीक्षा बैठक की। इसमें उन्होंने विकास प्राधिकरणों में लंबित भवन मानचित्रों के मामलों की जानकारी ली। निर्देशित किया कि मानचित्र से जुड़े मामलों में बार-बार आपत्तियां लगाया जाना अनुचित है। इसे सरल तरीके से एक ही बार में निस्तारित करें। इस तरह के जो भी मामले लंबित हैं, एक समय सीमा तय करके उनका निस्तारण करें। मुख्यमंत्री ने आगे कहा कि इस महीने के अंत तक नगरों में जीआईएस बेस्ड मास्टर प्लान अप्रूव करा लें। शहरी नियोजन, आवासीय सुरक्षा, अधोसंरचना विकास एवं डिजिटल प्रबंधन जैसे सभी घटकों को एकीकृत दृष्टिकोण से लागू करना आवश्यक है।

मेट्रो परियोजनाओं की प्रगति की जानकारी ली

इस दौरान अधिकारियों ने सीएम को मेट्रो परियोजनाओं की प्रगति की जानकारी दी। बताया कि कानपुर मेट्रो के मोतीझील से कानपुर सेंट्रल स्टेशन तक 6.7 किमी लंबे अंडरग्राउंड सेक्शन का निर्माण पूर्ण हो गया है। कॉरिडोर एक और दो का काम इस साल के अंत तक पूरा कर लिया जाएगा। आगरा मेट्रो के प्रथम कॉरिडोर को भी दिसंबर 2025 तक पूरा करने का लक्ष्य है।

वहीं द्वितीय कॉरिडोर का काम 2026 तक निर्धारित किया गया है। लखनऊ मेट्रो परियोजना के तहत चारबाग से बसंतकुंज तक (11.165 किमी) की प्रक्रिया तेजी से चल रही है। बैठक में मुख्यमंत्री ने लखनऊ विकास प्राधिकरण के सीमा विस्तार की आवश्कता जताई। साथ ही जेपीएनआईएसी को यथाशीघ्र लखनऊ विकास प्राधिकरण को हस्तांतरित करने के भी निर्देश दिए।

अधिकारियों ने सीएम को बताया कि भवन निर्माण एवं विकास उपविधि के प्रारूप पर 16 अप्रैल से 30 मई तक जनसामान्य से सुझाव आमंत्रित किए गए हैं। प्राप्त सुझावों के आधार पर इस उपविधि को अंतिम रूप में दिया जाएगा।

'इंटरनेशनल एक्जीबिशन-कम-कन्वेंशन सेंटर' का काम को दो साल में पूरा करें

मुख्यमंत्री ने आगे कहा कि 900 करोड़ से बनने वाले विश्वस्तरीय 'इंटरनेशनल एक्जीबिशन-कम-कन्वेंशन सेंटर' का काम दो साल में पूरा करना है। यह कन्वेंशन सेंटर नए लखेनऊ की पहचान बनेगा। इसके साथ ही यूपी-एससीआर परियोजना लखनऊ, हरदोई, सीतापुर, उन्नाव, रायबरेली और बाराबंकी जिलों को समाहित करती है। इसके डीपीआर की प्रक्रिया में अब विलंब न हो।

कार ने टेंपो में मारी टक्कर सड़क पर पड़े घायलों को डंपर ने कुचला; चार की मौत

मथुरा, 3 मई (एजेंसियां)। मथुरा में दर्दनाक सड़क हादसा हुआ। तेज रफ्तार थार (कार) और सवारी टेम्पो की टक्कर में कई लोग घायल हो गए। सड़क पर चीख-पुकार मची थी, तभी तेज रफ्तार में आ रहे डंपर ने घायलों को कुचल दिया। चार लोगों की मौत हो गई। सूचना पर पुलिस पहुंच गई। घटनास्थल का दृश्य देख लोगों की चीख निकल गई। हादसा मथुरा के थाना जैत क्षेत्र के रामताल नगला की रोड पर कृष्णा कुटीर के समीप हुआ। तेज रफ्तार में आ रही कार ने सवारी टेम्पो को चपेट में ले लिया। टक्कर इतनी जबरदस्त थी कि टेपों के परखच्चे उड़ गए। मौके पर चीख-पुकार मच गई। हादसे में घायल सड़क पर मदद के लिए पुकार रहे थे। इस दौरान तेज रफ्तार में आ रहे डंपर ने घायलों को कुचल दिया। इसमें चार लोगों की मौके पर ही मौत हो गई। सड़क पर खून से सने शव बिखरे पड़े थे। घटनास्थल का दृश्य देख लोगों की चीख निकल गई। सूचना पर पुलिस पहुंच गई।

'दलित-ओबीसी के प्रति उमड़ा प्रेम कांग्रेस का छलावा'

मायावती बोलीं-वोट के स्वार्थ में अवसरवादी राजनीति

लखनऊ, 3 मई (एजेंसियां)। उत्तर प्रदेश की पूर्व मुख्यमंत्री एवं बसपा सुप्रीमो मायावती ने शनिवार को कांग्रेस को निशाने पर लिया। उन्होंने केंद्र सरकार के जातीय जनगणना कराने के निर्णय पर कांग्रेस द्वारा धन्यवाद रैली निकालने पर तंज कसा। सोशल मीडिया साइट एक्स पर पोस्ट करते हुए लिखा कि केंद्र सरकार के निर्णय का श्रेय कांग्रेस लेना चाह रही है। लेकिन, वह भूल गई कि दलित व ओबीसी समाज को आरक्षण एवं उनके संवैधानिक हक से वंचित रखने में उसका इतिहास एक काला अध्याय है। इसी कारण उसे सत्ता भी गंवानी पड़ी।

मायावती ने एक्स पर पोस्ट करते हुए लिखा कि दलित और ओबीसी समाज के प्रति अचानक उमड़ा प्रेम कांग्रेस का छलावा है। वोट के स्वार्थ में यह अवसरवादी राजनीति है। आरक्षण को निष्क्रिय बनाकर इसको खत्म करने की कांग्रेस की मंशा को भुलाया नहीं जा सकता। हालांकि आरक्षण एवं संविधान के जनकल्याणकारी उद्देश्यों को फेल करने में भाजपा भी कांग्रेस से कम नहीं है। इस मामले में दोनों एक ही थाली के चट्टे-बट्टे हैं।

कांग्रेस और भाजपा की राजनीति के खेल से लोग सावधान रहें

बसपा सुप्रीमो ने आगे लिखा कि वोट के स्वार्थ एवं सत्ता के लालच के कारण भाजपा को जातीय जनगणना की जन अकांक्षा के आगे झुकना पड़ा है। भाजपा के इस निर्णय का स्वागत है। हालांकि डॉ. भीमराव आंबेडकर को भारत रत्न से सम्मानित करने से लेकर ओबीसी को आरक्षण देने तक के मामलों में कांग्रेस और भाजपा का रवैया जातिवादी एवं द्वेषपूर्ण रहा है। इनके वोट की राजनीति के खेल निराले हैं। लोग इनसे सावधान रहें।

संभल सीओ अनुज चौधरी का ट्रांसफर

हिंसा के 5 महीने बाद चंदौसी भेजे गए आईपीएस आलोक भाटी को कमान सौंपी

संभल, 3 मई (एजेंसियां)। होली एक, जुमा-52 कहने वाले संभल सीओ अनुज चौधरी का ट्रांसफर हो गया है। उन्हें चंदौसी सर्किल की जिम्मेदारी मिली है। उनकी जगह आईपीएस आलोक भाटी को संभल सर्किल का नया प्रभार दिया गया है। आलोक सिद्धू को बहजोई सर्किल की जिम्मेदारी सौंपी गई है।

पुलिस अधीक्षक कृष्ण कुमार बिश्नोई ने शनिवार को सीओ के ट्रांसफर किए। यातायात सीओ संतोष कुमार सिंह को यूपी डायल 112 का चार्ज मिला है। बहजोई सर्किल के सीओ डॉ. प्रदीप कुमार को यातायात सीओ नियुक्त किया गया है।

12 थानों के इंस्पेक्टर और थाना अध्यक्षों का भी तबादला

यातायात प्रभारी निरीक्षक प्रमोद कुमार मान को लाइन हाजिर कर दिया गया था। उनकी जगह दुष्यंत कुमार बालियान को यातायात प्रभारी बनाया गया है। सीओ के तबादलों से पहले 12 थानों के इंस्पेक्टर और थाना अध्यक्षों में भी फेरबदल किया गया था।

अब संभल सीओ का वो बयान, जिस पर विवाद हुआ

6 मार्च को संभल कोतवाली में पीस कमेटी की मीटिंग हुई थी। एसडीएम डॉ. वंदना मिश्रा और सीओ अनुज चौधरी ने होली और जुमा एक ही दिन होने के कारण सभी धर्म के लोगों के साथ बैठक की थी। सीओ ने कहा था कि साल में जुमा 52 बार आता है और होली एक बार आती है, ईद भी एक बार आती है। रंगों से किसी को परहेज है, तो वह घर से ना निकले या जिसे रंग से परहेज है, वह उस स्थान पर न जाए। अपना दिल बड़ा करें, रंग पड़ गया तो पड़ गया।

रंग से आपका धर्म भ्रष्ट हो जाएगा, तो उस दिन ना निकलें

सीओ अनुज चौधरी ने कहा था, मेरा सीधा साफ-साफ ये कहना है कि मुस्लिम समुदाय में किसी को लगता है कि होली के रंग से आपका धर्म भ्रष्ट हो जाएगा...तो वो उस दिन घर से ना निकले। अगर निकले तो उसका इतना बड़ा दिल होना चाहिए कि भाई सब एक जैसे हैं। रंग तो रंग है। जिस तरह मुस्लिम पूरे साल ईद का इंतजार करते हैं, उसी तरह हिंदू होली का इंतजार करते हैं। होली रंग डाल के, मिठाई खिला के, बुरा ना मानो होली है... कहकर मनाई जाती है। ईद में भी लोग सेवइयां बनाते हैं, गले मिलते हैं। एक दूसरे के यहां जाते हैं। दोनों पक्ष हिंदू-मुस्लिम आप एक दूसरे का सम्मान करें। अनावश्यक किसी पर रंग न डालें। यह अपील हिंदू समुदाय के लिए भी है कि अगर कोई हिंदू समाज का आदमी रंग से बच रहा है तो उस पर भी न डालें।

राम मंदिर से मुस्लिम महिला को हिरासत में लिया

दर्शन करके निकल रही थी बाहर, संदिग्ध एक्टिविटी पर सुरक्षाकर्मियों ने रोका

अयोध्या, 3 मई (एजेंसियां)। अयोध्या के राम जन्मभूमि परिसर में दर्शन कर वापस लौट रही मुस्लिम महिला को सुरक्षाकर्मियों ने हिरासत में ले लिया है। पुलिस और एजेंसियां महिला के नाम, पता के वेरिफिकेशन में जुट गई हैं। महिला महाराष्ट्र की रहने वाली है। उसका नाम इरिम है। महिला शुक्रवार को दोपहर में राम जन्मभूमि परिसर में अन्य श्रद्धालुओं के साथ दर्शन करने गई थी।

शुक्रवार को महिला श्रीराम जन्मभूमि परिसर में दर्शन करने के लिए आई थी। वह अन्य महिलाओं के साथ दर्शन करके लौट रही थी। जैसे ही वो मंदिर के एग्जिट पर पहुंची यहां मौजूद सुरक्षाकर्मियों ने हावभाव देखकर उसे रोक लिया। महिला ने सिर और चेहरे पर नीले कपड़े से बांध रखा था। सूत्रों के अनुसार वहीं पर सुरक्षाकर्मियों को उलटा जवाब देने लगी। मामला संदिग्ध देख पूरे मामले की जानकार सुरक्षाकर्मियों ने अधिकारियों को दी। इसके बाद महिला के वेरिफिकेशन के लिए राम जन्मभूमि थाने भेज दिया गया। थाना पुलिस और सुरक्षा एजेंसियों ने महिला से कई राउंड पूछताछ की है। सीओ अयोध्या आशुतोष तिवारी ने बताया- महिला का वेरिफिकेशन हो गया है। वह महाराष्ट्र के वर्धा की रहने वाली है। अभी महिला को महिला थाने में रखा गया है। परिवार के लोगों को सूचना दे दी गई है। परिजनों ने बताया- महिला थोड़ा मानसिक बीमार है और वो घूमती रहती है।

ज्वेलर की सरेआम हत्या

आगरा, 3 मई (एजेंसियां)। आगरा में ज्वेलर की हत्या का लाइव वीडियो सामने आया है। इसमें दिख रहा है कि 10 लाख की ज्वेलरी लेकर दो बदमाश शोरूम से निकल रहे हैं, तभी कारोबारी योगेंद्र चौधरी पहुंच जाते हैं। बदमाशों को रोकने का प्रयास करते हैं, तभी बदमाशों ने उनके पेट में गोली मार दी। गोली लगते ही वे गिर पड़े और तड़पने लगे। वारदात के बाद बदमाश पैदल भाग गए। घटना के बाद गुस्साए व्यापारियों ने बाजार बंद कर दिया। इस घटना को लेकर लोगों में जमकर आक्रोश है।

जनगणना के बाद प्राइवेट सेक्टर में भी आरक्षण लागू हो'

> तेजस्वी ने पीएम मोदी को लिख दिया खरा-खरा खर्रा

पटना, 3 मई (एजेंसियां)। पीएम मोदी सरकार ने जब से जातीय जनगणना कराने का फैसल लिया है, तब से बिहार की सियासत काफ गरमा गई है। अब तेजस्वी यादव ने पीएम नरेंद्र मोदी को जातीय जनगणना को लेकर एक पत्र लिखा है। इसमें तेजस्वी ने सरकार की घोषणा पर संदेह जताया और आरक्षण नीतियों की समीक्षा और परिसीमन आयोग द्वारा निर्वाचन क्षेत्रों के पुनर्निर्धारण की मांग की। तेजस्वी यादव ने पिछड़ा और अति पिछड़ा वर्ग के लिए विधायिका और संसद में उनकी आबादी के अनुपात में प्रतिनिधित्व सुनिश्चित करने की मांग की। उन्होंने कहा कि उनकी सरकार के जाति सर्वेक्षण को पहले 'विभाजनकारी और अनावश्यक' बताकर खारिज किया गया था, लेकिन अब जाति जनगणना की घोषणा की गई है। इतना ही नहीं तेजस्वी ने निजी क्षेत्र में भी आरक्षण की मांग की है।

सिर्फ जाति जनगणना कराने से सामाजिक न्याय नहीं मिलेगा

तेजस्वी यादव ने बिहार में हुई जातीय गणना पर खुद का क्रेडिट लेते हुए कहा कि बिहार में उनकी सरकार द्वारा कराए गए जाति सर्वेक्षण में पिछड़ा और अति पिछड़ा वर्ग की आबादी लगभग 63 फीसदी पाई गई, जिससे कई मिथक टूटे। उन्होंने कहा कि इसी तरह के परिणाम राष्ट्रीय स्तर पर भी सामने आ सकते हैं, जिससे सत्ता में बैठे लोगों के लिए राजनीतिक मुश्किलें खड़ी हो सकती हैं। कहा कि सिर्फ जाति जनगणना कराने से सामाजिक न्याय नहीं मिलेगा। इसके लिए आरक्षण नीतियों की समीक्षा और परिसीमन आयोग द्वारा निर्वाचन क्षेत्रों का पुनर्निर्धारण भी जरूरी है। उन्होंने ओबीसी और ईबीसी के लिए विधायिका और संसद में उनकी आबादी के अनुपात में प्रतिनिधित्व सुनिश्चित करने की मांग की।

तेजस्वी की मांग-निजी क्षेत्र में भी लागू हो आरक्षण

नेता प्रतिपक्ष ने पत्र में यह भी लिखा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को लिखे पत्र में जाति जनगणना के आंकड़ों के आधार पर निजी (प्राइवेट) क्षेत्र में भी आरक्षण लागू करने की मांग उठाई है। उन्होंने कहा कि निजी क्षेत्र को सार्वजनिक संसाधनों का बड़ा लाभ मिला है, इसलिए उन्हें भी देश के सामाजिक ताने-बाने को प्रतिबिंबित करना चाहिए। निजी कंपनियों को रियायती दरों पर जमीन, बिजली सब्सिडी, कर छूट, बुनियादी ढांचे का समर्थन और विभिन्न वित्तीय प्रोत्साहन मिले हैं, जो करदाताओं के पैसे से वित्त पोषित हैं।

ऐसे में उनसे देश के सामाजिक ताने-बाने को प्रतिबिंबित करने की अपेक्षा करना बिल्कुल उचित है। उन्होंने कहा कि जाति जनगणना से बने माहौल में निजी क्षेत्र में समावेश और विविधता पर खुली बातचीत होनी चाहिए।

बदमाशों ने वकील को गोली मारी

प्रयागराज, 3 मई (एजेंसियां)। प्रयागराज में बदमाशों ने दिनदहाड़े वकील को गोली मार दी। बाइक सवार तीन बदमाशों ने कोर्ट जा रहे वकील को रोका। इसके बाद सीने में गोली मार दी। आसपास के लोग फायरिंग की आवाज सुनकर पहुंचे तो बदमाश फरार हो गए। वकील 20 मिनट तक जमीन पर तड़पते रहे। लोगों ने उनसे नाम और पता पूछा। लोगों ने वकील को अस्पताल पहुंचाया। घटना सोरांव थाना के कल्याण शाह का पूरा गांव के पास की है। वकील मान सिंह मऊआइमा थाना के किंग्रिया का पूरा गांव के रहने वाले हैं।

प्रेमी संग जाने पर अड़ी नौ बच्चों की मां, मेहंदी लगाने वाले से हुआ प्यार तो महिला ने कर दी हद पार

शाहजहांपुर, 3 मई (एजेंसियां)। शाहजहांपुर के जलालाबाद क्षेत्र में पांच दिन पहले नौ बच्चों की मां अपने बेटे से भी कम उम्र के आशिक के साथ फरार हो गई। किसी तरह महिला और उसके प्रेमी को बुलाकर पति और बेटे उसे थाने लेकर पहुंचे, लेकिन महिला प्रेमी के साथ जाने की जिद पर अड़ी हुई है। हैरत की बात यह है कि प्रेमी के साथ जाने वाली महिला के दो बेटों और एक बेटी की शादी भी हो चुकी है। बेटे के भी दो बच्चे हैं। खास बात यह है कि महिला के प्रेमी की भी शादी तय हो चुकी है और छह मई को उसकी बरात जानी है। महिला पड़ोस के गांव का रहने वाला करीब 22 वर्षीय युवक मेहंदी लगाने का काम करता है। यह युवक महिला के गांव में आता जाता था।

मेहंदी लगवाने के दौरान करीब दो साल पहले इस महिला से युवक की दोस्ती हो गई। धीरे-धीरे युवक का महिला के घर पर आना जाना शुरू हो गया। पति के मुताबिक उसने और उसकी बहू ने युवक और पत्नी को कई बार घर में ही आपत्तिजनक हालत में देखा। महिला का पति ईंट भट्ठे पर काम करता है। उसने बताया कि बार-बार मना करने के बाद भी पत्नी नहीं मानी और कई बार वह युवक उसके घर में आकर रुक जाता था। इस कारण उसके परिवार की बदनामी होने लगी। उसके और बेटे द्वारा सख्ती करने पर 29 अप्रैल को वह महिला अपने दो छोटे बच्चों को साथ लेकर युवक के साथ चली गई। पति के मुताबिक दो मई को पत्नी की बेटे से फोन पर बात हो गई। बेटे द्वारा काफी समझाने पर उसकी पत्नी उस युवक के साथ गांव लौट आई लेकिन वह घर में रहने को तैयार नहीं थी।

हेड कॉन्स्टेबल ने की 5 शादी, छठवीं की थी तैयारी

पांचवी शिक्षिका पत्नी थाने पहुंची, तब खुला राज-एफआईआर, हरियाणा पुलिस में तैनात है आरोपी

मेरठ, 3 मई (एजेंसियां)। मुजफ्फरनगर निवासी हेड कॉन्स्टेबल ने पांच शादियां की। छठवीं शादी की तैयारी में था। आरोपी की पांचवीं शिक्षिका पत्नी ने थाने पहुंचकर शिकायत की। जिसके बाद पूरा मामला सामने आ गया। अरोपी हरियाणा पुलिस में है और गुरुग्राम में तैनात है। जबकि पत्नी बरेली के एक सरकारी स्कूल में शिक्षिका है। पत्नी की शिकायत पर मेरठ के कंकरखेड़ा थाने में आरोपी हेड कॉन्स्टेबल, मां व जेठ पर मुकदमा दर्ज कर लिया है।

पत्नी का आरोप है कि उसका हेड कॉन्स्टेबल पति पहले 4 शादियां कर चुका है। जिसे उसने तलाक नहीं दिया। उसके बाद उसने मुझसे 5वीं शादी की और अब छठवीं शादी करने की तैयारी में है। पुलिस ने मुकदमा दर्ज मामले की जांच शुरू कर दी है।

जानिए पूरा मामला

मेरठ के कंकरखेड़ा के श्रद्धापुरी निवासी रश्मि तोमर बरेली के मीरगंज ब्लॉक के गुगई गांव में सहायक शिक्षिका के पद पर कार्यरत है। उनके पिता वायुसेना से सेवानिवृत्त हैं। उनकी शादी वर्ष 2023 में मुजफ्फरनगर के बधाईकला गांव निवासी राहुल से हुई थी। राहुल वर्तमान में गुरुग्राम पुलिस मुख्यालय में समन सेल में तैनात है। शिक्षिका का आरोप है कि शादी के बाद से पति शराब पीकर अतिरिक्त दहेज की मांग करता है और मारपीट करता है। आरोप है कि जेठ प्रशांत कुमार व सास सतवीरी भी शिक्षिका से अभद्र व्यवहार करते हैं। रश्मी ने बताया कि शादी के एक साल बाद महिला को जानकारी हुई कि उसके पति राहुल ने उससे पहले चार शादियां कर रखी हैं। जिसको लेकर जब उसने पति राहुल से बात तो वह लोग प्रताड़ित करने लगे। रश्मी ने बताया कि अभी कुछ दिन पहले पता चला है कि उसके पति राहुल एक और महिला के संपर्क में हैं। राहुल अब छठी शादी करने की तैयारी में है। उसने विरोध किया, तो आरोपी ने बरेली पहुंचकर पीड़िता से मारपीट की। आरोप है कि इस दौरान शिक्षिका का गर्भ भी गिर गया। आरोपी पीड़िता को जबरन कार में बैठाकर मेरठ ले आया और मायके में छोड़कर भाग गया।

बिना तलाक दिए कर रहा छठवीं शादी

पीड़िता ने पुलिस को बताया कि उसका पति राहुल शराब पीकर उसके साथ मारपीट करता है। बरेली जाकर भी हंगामा करता है। आरोप लगाया कि पति राहुल पहले से निशी निवासी इंचौली, सोनू निवासी नई मंडी मुजफ्फरनगर, मनोरमा देवी और शिवानी से चार शादी कर चुका है।

मगर, किसी से भी तलाक नहीं लिया। अब मुजफ्फरनगर निवासी युवती से छठी शादी करने की फिराक में है।

विरोध करने पर पीटा तो हो गया गर्भपात

महिला ने आरोप लगाया जब उसे इसका पता चला तो उसने विरोध किया तो उसके साथ मारपीट की गई, जिससे उसका तीन माह का गर्भपात हो गया। पीड़िता ने पुलिस से कहा कि उसके पिता एयरफोर्स से सेवानिवृत्त है और भाई सेना में अधिकारी है। साथ ही पति राहुल का साथ उसकी मां सतवीरी और बड़ा भाई प्रशांत कुमार भी देते हैं।

कोर्ट से फरार कुख्यात अपराधी ने लड़की को किया अगवा, पुलिस को भनक तक नहीं लगी

मोतिहारी, 3 मई (एजेंसियां)। मोतिहारी में कानून व्यवस्था को लेकर एक बार फिर कई सवाल खड़े हो गए हैं। सेंट्रल जेल मोतिहारी से फरार एक कुख्यात अपराधी ने हरसिद्धि पुलिस को चुनौती देते हुए अपने ही बगल के गांव से एक नाबालिग लड़की का अपहरण कर लिया और फरार हो गया। घटना के कई दिन बाद भी पुलिस का हाथ अब तक खाली है। न ही आरोपी को गिरफ्तार कर सकी है और न ही लड़की के बारे में पता लगा सकी है।

पीड़िता के परिजनों ने आरोप लगाया है कि पुलिस अब तक इस प्रकरण में जांच भी नहीं की है, जिससे उन्हें डर सता रहा है कि कहीं आरोपी ने उनकी बेटी की हत्या तो नहीं कर दी। पूरी घटना की शुरुआत 17 अप्रैल को हुई, जब हरसिद्धि थाना क्षेत्र के मुरारपुर बड़वा टोला निवासी अरुण साहनी कोर्ट में पेशी के दौरान पुलिस हिरासत से चकमा देकर फरार हो गया था। वह मोतिहारी सेंट्रल जेल में ऑर्म्स एक्ट के एक मामले में कैद था। कोर्ट से फरार होने के बाद नगर थाने में एफआईआर दर्ज की गई और तलाश शुरू हुई। लेकिन अरुण ने पुलिस की गंभीर लापरवाही का फायदा उठाते हुए 18 अप्रैल की रात अपने ही बगल के गांव से एक नाबालिग लड़की का अपहरण कर लिया। वहीं, अपहृता के पिता ने बताया कि अरुण ने करीब एक साल पूर्व में धमकी दी थी कि अगर उसे जेल भेजा गया तो वह उनकी बेटी को उठा ले जाएगा। लेकिन उसके गिरफ्तारी के बाद ही यह मामला शांत हो गया। लेकिन अब अरुण ने अपने धमकी को सच कर दिखाया है। पीड़िता के पिता ने थाने में प्राथमिकी दर्ज कराई है और बेटी को सुरक्षित बरामद करने की गुहार लगाई है। वहीं, इस मामले में प्राथमिकी दर्ज होने के कई दिन बाद भी पुलिस न तो घटना स्थल पर पहुंची है न ही पीड़िता के परिवार से कोई संपर्क किया है। परिजनों का कहना है कि उन्हें हर पल यह भय सता रहा है कि कहीं आरोपी उनकी बेटी की हत्या न कर दे। क्योंकि अरुण सहनी और उसके भाई का अपराधिक इतिहास रहा है, वह कई मामलों में नामजद अभियुक्त भी है। वहीं, इस पूरे मामले में अरेराज एसडीपीओ रंजन कुमार ने बताया कि प्रारंभिक जांच में यह प्रेम-प्रसंग से जुड़ा मामला प्रतीत हो रहा है। लेकिन पुलिस आरोपी और लड़की को जल्द ही बरामद करने में जुटी है।

छेड़खानी से परेशान छात्रा ने किया सुसाइड

इटावा, 3 मई (एजेंसियां)। इटावा में छेड़खानी से परेशान बीएससी की छात्रा ने सुसाइड कर लिया। मुस्लिम युवक छात्रा के मोबाइल पर अश्लील मैसेज भेजता था। स्कूल जाते समय छेड़छाड़ करता था, एक सप्ताह पहले छात्रा के पिता ने युवक के खिलाफ थाने में शिकायत दी थी, लेकिन कोई सुनवाई नहीं हुई। छात्रा की मौत के बाद गांव में तनाव हो गया है। हिंदू संगठन के कार्यकर्ता पहुंच रहे हैं। एसपी संजय वर्मा ने छात्रा के घर के आसपास 12 थाने की फोर्स तैनात कर दी है। परिजनों की शिकायत के बाद वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक संजय कुमार वर्मा ने ऊसराहार थाना प्रभारी मंसूर अहमद पर जांच बैठा दी है। जांच रिपोर्ट के बाद आगे की कार्रवाई का आश्वासन दिया है।

लॉरेंस की धमकी से पाकिस्तानी डॉन बौखलाया

> भट्टी बोला-मूसेवाला-सिद्दीकी मर्डर के राज खोल दूंगा

> गैंगस्टर ने कहा था-पहलगाम हमले का बदला लूंगा

जालंधर, 3 मई (एजेंसियां)। गैंगस्टर लॉरेंस की पहलगाम आतंकी हमले का बदला लेने की धमकी से पाकिस्तानी डॉन शहजाद भट्टी बौखला गया है। उसने कहा मैं पंजाबी सिंगर सिद्धू मूसेवाला और मुंबई में एनसीपी नेता बाबा सिद्दीकी की हत्या के राज खोल दूंगा। अब दोस्ती खत्म। देश पर बात आएगी तो चुप नहीं बैठेंगे। पाकिस्तानी डॉन शहजाद भट्टी ने इसका वीडियो जारी किया है, जिसमें उसने यह बात कही। उसने यह वीडियो कुछ दिन पहले लॉरेंस गैंग की धमकी देने के बाद जारी की है। पहलगाम आतंकी हमले के बाद लॉरेंस ग्रुप ने सोशल मीडिया पर एक पोस्ट शेयर की थी, जिसमें पाकिस्तानी आतंकी हाफिज सईद की फोटो पर क्रॉस लगाया था।

एक चिड़िया तक नहीं मार सकता

वीडियो में भट्टी ने कहा- मेरा यह वीडियो लॉरेंस के लिए है, जिसने कहा है कि पाकिस्तान में घुसकर वह एक लाख मुस्लिमों को मारेगा। पहले तो मैं बता देना चाहता हूं कि पाकिस्तान तो बहुत दूर की बात है, तुम किसी भी देश में एक चिड़िया तक नहीं मार सकते हो। मैं तुम्हें अच्छे से जानता हूं और तू मुझे भी जानता है कि मेरा सिस्टम क्या है और क्या नहीं?

ऑडियो-वीडियो मीडिया में देने पर सरकार सवाल-जवाब करेगी

भट्टी ने आगे कहा- मुझे मजबूर न करो, वे तमाम ऑडियो और वीडियो मैसेज में मीडिया में दे दूं, जिसके बाद तुम्हारी सरकार तुमसे सवाल जवाब करे, जिसमें मुंबई के एनसीपी नेता बाबा सिद्दीकी को किस राजनेता के कहने पर मारा गया। तुम सब को पहले से ही पता है कि जीशान अख्तर पहले से ही बाबा सिद्दीकी हत्या केस में शामिल है और वह फरार चल रहा है। साथ ही वह किसके पास है, ये भी सभी को पता है।

बाबा सिद्दीकी हत्याकांड के सभी सबूत मेरे पास

उसने कहा-सभी सबूतों के साथ मैं ये सभी वीडियो और ऑडियो मीडिया के सामने रखूंगा। साथ ही किस राजनेता ने जीशान को बाबा सिद्दीकी की हत्या के लिए पैसे दिए, इसके भी सारे प्रूफ मेरे पास है। हत्या के वक्त जीशान के साथ कॉल पर कौन मौजूद था, ये सभी प्रूफ मेरे पास पड़े हैं। किसकी शह पर ये हत्याकांड हुआ, मेरे पास सब के प्रूफ हैं।

मूसेवाला के मर्डर का भी सारा रिकॉर्ड मौजूद

भट्टी ने कहा-सिद्धू मूसेवाला किसने मरवाया? किस व्यक्ति ने हथियारों के पैसे दिए? हथियार कहां से आए? किस व्यक्ति ने भारतीय रुपए दिए और क्या-क्या, कहां-कहां हुआ? सब रिकॉर्ड है मेरे पास। अगर दोबारा मेरे देश पर बात आई तो सब कुछ बाहर आ जाएगा।

कभी झूठी पोस्ट डालकर डॉन नहीं बना

उसने कहा-जब मेरा तुम्हारे साथ संबंध था, तब भी मैं तुमसे बड़ा था और आज भी तुमसे बड़ा हूं। न मैं कभी झूठी पोस्ट डालकर डॉन बना हूं, न मैंने किसी फेमस व्यक्ति को टारगेट कर मशहूर होने की कोशिश की है। मैंने जो काम किया है, अपने हाथों से किया है। इसलिए तुम मेरे देश, देश के किसी संस्थान या फिर किसी मुस्लिम के लिए कोई बात बोलने से पहले सोच लेना।

तुमने पिछली बार पोस्ट डाली कि तुम्हें शहजाद भट्टी मारना है, मैंने उसे एकदम इग्नोर किया। भट्टी ने कहा-तुम लोगों का सिस्टम अलग है। तुम्हारा मीडिया चीजों को उछालता है। मगर मैंने अपने हाथों से काम किया है। जब मेरे देश (पाकिस्तान) पर बात आएगी तो मैं चुप नहीं बैठूंगा।

पिता-पुत्र की हत्या मामले में एक और गिरफ्तारी, दंगे के बाद से ही था फरार

कोलकाता, 3 मई (एजेंसियां)। पश्चिम बंगाल पुलिस ने मुर्शिदाबाद दंगे के दौरान मारे गए पिता-पुत्र की हत्या के मामले में एक मुख्य आरोपी को गिरफ्तार किया है। इसके साथ ही इस मामले में गिरफ्तार आरोपियों की संख्या आठ हो गई है। पुलिस ने बताया कि आरोपी नुरुल इस्लाम को फरक्का से शनिवार की सुबह गिरफ्तार किया गया। वह दंगे के दौरान पिता-पुत्र की हत्या के बाद से ही फरार था।

पुलिस ने बताया कि आरोपी को शनिवार को ही अदालत में पेश किया जाएगा। वक्फ कानून के विरोध में पश्चिम बंगाल के मुर्शिदाबाद जिले में हिंसा भड़क गई थी, जिसमें पिता-पुत्र समेत तीन लोगों की मौत हुई थी। दंगे के मामले में अब तक 274 से ज्यादा लोगों को गिरफ्तार किया गया है। बीती 21 अप्रैल को पश्चिम बंगाल पुलिस और एसटीएफ की टीमों ने मुर्शिदाबाद हिंसा के 12 आरोपियों को हिरासत में लिया था। हिरासत में लिए गए लोगों में पिता-पुत्र की हत्या के मुख्य आरोपी जियाउल शेख के दो बेटे भी शामिल थे।

कलिंगा यूनिवर्सिटी सुसाइड केस

यूजीसी ने फैक्ट फाइंडिंग कमेटी बनाई

10 दिन में रिपोर्ट देगी; 3 महीनों में 2 नेपाली स्टूडेंट की मौत का मामला

भुवनेश्वर, 3 मई (एजेंसियां)। कलिंगा इंस्टीट्यूट ऑफ इंडस्ट्रियल टेक्नोलॉजी (केआईआईटी) में नेपाली स्टूडेंट का शव मिलने के यूनिवर्सिटी ग्रांट कमीशन (यूजीसी) ने फैक्ट फाइंडिंग कमेटी बनाई है। कमेटी में चार सदस्य हैं। इंदिरा गांधी नेशनल ओपन यूनिवर्सिटी (आईजीएनओयू) के पूर्व कुलपति नागेश्वर राव को कमेटी का अध्यक्ष बनाया गया है। कमेटी को 10 दिन में अपनी रिपोर्ट सौंपनी है। कमेटी न केवल दो नेपाली स्टूडेंट की मौतों की जांच करेगी, बल्कि स्टूडेंट वेलफेयर, सिक्योरिटी रेगुलेशन और ऐसी घटनाएं रोकने का उपाय भी सुझाएगी। कमेटी केआईआईटी के मेंटल हेल्थ सपोर्ट सिस्टम को भी परखेगी। बीटेक कंप्यूटर साइंस इंजीनियरिंग के फर्स्ट ईयर की स्टूडेंट प्रिसा साह का शव 1 मई को हॉस्टल रूम के पंखे से लटकता मिला था। इससे पहले फरवरी में भी एक अन्य नेपाली स्टूडेंट प्रकृति लामसाल ने सुसाइड कर लिया था।

मामले में भारत के विदेश मंत्रालय ने कहा कि ताजा घटना को लेकर हम लगातार ओडिशा सरकार के संपर्क में हैं। राज्य सरकार ने मृतक के परिवार को पूरी मदद दी है। पुलिस मामले की जांच कर रही है। भारत सरकार सभी इंटरनेशनल स्टूडेंट्स की सिक्योरिटी और वेलफेयर को बहुत गंभीरता से लेती है। हम इस मामले में रियलटाइम कम्युनिकेशन और कॉर्डिनेशन के लिए नेपाली अधिकारियों, ओडिशा सरकार और केआईआईटी मैनेजमेंट के साथ संपर्क में हैं। वहीं, नेपाल के विदेश मंत्री आरजू राणा देउबा ने कहा कि घटना के बाद कूटनीतिक प्रयास शुरू कर दिए गए हैं। दिल्ली में नेपाली दूतावास जांच के लिए भारत और राज्य सरकार के वरिष्ठ अधिकारियों के साथ कॉर्डिनेशन कर रहा है।

मोदी सरकार का आतंकवाद के खिलाफ जीरो टॉलरेंस की नीति : नित्यानन्द राय

वैशाली, 3 मई (एजेंसियां)। केंद्रीय गृह राज्यमंत्री नित्यानंद राय ने कहा कि मोदी सरकार की आतंकवाद के खिलाफ जीरो टॉलरेंस की नीति है। सेना को खुली छूट दे दी गई है। उन्होंने दावा किया कि इस देश में एक भी आतंकवादी नहीं बचेगा। नित्यानंद राय ने कहा कि वर्षों से आतंकवाद को यहां पाल-पोस कर रखा गया था, जब से नरेंद्र मोदी की सरकार बनी है, तब से आतंकवाद पर नकेल कसा गया है। आतंकवाद अब अंतिम सांस गिन रहा है। पत्रकारों से बातचीत के दौरान उन्होंने कहा कि पहले सेना के हाथों को भी बांधकर रखा गया था और दुश्मन हम पर प्रहार करते थे, जिसे सहना पड़ता था।

लेकिन, आज सेना को पूरी छूट है। उन्होंने कहा कि आज देश की सीमा पर हमारे जवान बुलंदी के साथ दुश्मनों को जवाब दे रहे हैं। सेना के हाथ बांधने वाला कोई भी देश अपनी सुरक्षा नहीं कर सकता है। हाजीपुर के एक मंदिर में प्राण प्रतिष्ठा कार्यक्रम में पहुंचे केंद्रीय गृह राज्य मंत्री नित्यानंद राय ने आतंकवाद पर कड़ा रुख दिखाते हुए कहा कि सेना पर कटाक्ष करने वाले और उनका मनोबल गिराने वाले मूर्ख हैं। आतंकवाद को समाप्त करने के लिए सरकार तैयार है। जातीय जनगणना पर विपक्ष द्वारा श्रेय लिए जाने पर उन्होंने कहा कि जनता सब देख रही है। कई वर्षों तक कांग्रेस सत्ता में रही, जिसमें राजद के नेता लालू यादव बड़े ओहदे पर रहे, लेकिन जातीय जनगणना नहीं कराई गई। भ्रम फैलाने के लिए एक सर्वे कराया गया, लेकिन उसकी भी रिपोर्ट प्रकाशित नहीं कराई गई।

पाकिस्तानी हैकर्स ने भारत पर साइबर अटैक किया

आर्मी स्कूल-एयर फोर्स की वेबसाइट हैक करने की कोशिश, सिक्योरिटी एजेंसियों ने रोका

नई दिल्ली, 3 मई (एजेंसियां)। पहलगाम आतंकी हमले के बाद से पाकिस्तानी साइबर हैकर्स लगातार भारतीय संस्थानों और कंपनियों की वेबसाइट हैक करने की कोशिश कर रहे हैं। 1 मई को HOAX1337 और नेशनल साइबर क्रू नाम के हैकर्स ग्रुप्स ने आर्मी पब्लिक स्कूल नगरोटा और सुंजवान की वेबसाइट पर साइबर अटैक किया। गनीमत यह रही कि हैकर्स इसमें कामयाब नहीं हो सके। क्योंकि अलर्ट मोड पर मौजूद इंडियन साइबर एजेंसियों ने रियल टाइम में हैकिंग का पता लगाया और इसे फेल कर दिया।

हैकर्स इन वेबसाइट को हैक करके पहलगाम आतंकी हमले से जुड़ी फेक पोस्ट करने की कोशिश कर रहे हैं। पीड़ितों का मजाक उड़ाने वाले मैसेज लिख रहे हैं। डेटा चोरी की कोशिश कर रहे हैं। रिपोर्ट्स के मुताबिक इन हैकर्स ने रिटायर्ड सर्विसमैन की हेल्थकेयर सर्विस से जुड़ी वेबसाइट को भी हैक करने की कोशिश की।

इसके अलावा आर्मी वेलफेयर हाउसिंग ऑर्गेनाइजेशन (एडब्ल्यूएचओ) और भारतीय वायु सेना के प्लेसमेंट पोर्टल में भी सेंध लगाने की कोशिश हुई। हालांकि, इन साइबर अटैक को तुरंत रोक दिया गया था।

मानसून सत्र में पेश हो सकता है जातीय जनगणना बिल

2026 से जनगणना, परिसीमन, महिला आरक्षण की कवायद शुरू होगी; सीमाएं बदलने की छूट 31 दिसंबर तक बढ़ेगी

नई दिल्ली, 3 मई (एजेंसियां)। देश में जनगणना, जातियों की गिनती, परिसीमन और संसद में महिला आरक्षण की कवायद एक साथ शुरू होगी, क्योंकि इनकी टाइमलाइन एक साथ आ गई हैं। जनगणना और जातीय गणना 2026 से शुरू होगी। क्योंकि 2001 में लोकसभा सीटों की संख्या 2026 तक फ्रीज की गई थी। परिसीमन की कवायद भी 2026 से होगी। क्योंकि 2021 में जनगणना समय पर होती तो परिसीमन 2031 की जनगणना के आधार पर होता। प्रशासनिक सीमाएं बदलने की छूट 31 दिसंबर 25 तक बढ़ेगी, यह पहले 1 जून 2025 थी। वहीं, महिला आरक्षण का अधिनियम 20 सितंबर 2023 में पारित हुआ था। इसमें यह व्यवस्था की गई कि इस अधिनियम के पारित होने के बाद आगामी परिसीमन और जनगणना के आंकड़ों के आधार पर महिलाओं के लिए लोकसभा और विधानसभाओं में सीटें आरक्षित होंगी।

समय, जो जनगणना-परिसीमन में लगेगा

जनगणना; प्रश्नावली, सॉफ्टवेयर और तकनीकी उपकरण तैयार करने में 1-2 साल लगते हैं। इसके बाद फील्ड वर्क शुरू होता है, जो 2-3 महीने चलता है। फिर डेटा सत्यापन और प्रकाशन में 1-2 साल लगते हैं यानी 3-4 साल लगते रहे हैं।

परिसीमन; आयोग गठन में 1-2 महीने लगते हैं। डेटा संग्रह व विश्लेषण में 6-12 महीने खर्च होते हैं। सार्वजनिक परामर्श में 6-12 महीने लगते हैं। 3-6 माह में अंतिम रिपोर्ट बनती है। लागू होने में 6-12 माह लगते हैं। यानी 2-3 साल लगते हैं। यह समयावधि अनुमानित है। कम-ज्यादा भी हो सकती है।

एक अनुमान के अनुसार, जनगणना के लिए करीब 14 हजार करोड़ रु. का आवंटन किया जा सकता है। यानी प्रति भारतीय औसतन 100 रु. का खर्च आएगा। इसमें जातीय जनगणना के अलावा नेशनल पापुलेशन रजिस्टर अपडेट करने की कवायद भी शामिल है।

बता दें कि केंद्र सरकार ने 2019 में 8,754 करोड़ रु. मंजूर किए थे और 3,941 करोड़ रु. नेशनल पॉपुलेशन रजिस्टर अपडेट करने के लिए रखे गए। बता दें कि विपक्षी दलों ने 2025-26 के बजट में इस मद में सिर्फ 578 करोड़ रखने को लेकर सरकार की मंशा पर सवाल उठाए थे। देश में आखिरी जनगणना 2011 में हुई थी। 2021 की जनगणना कोविड-19 महामारी के कारण टाल दी गई थी। आखिरी बार पूर्ण जातीय जनगणना 1931 में ब्रिटिश शासन में हुई थी। 2011 में भी हुई थी, लेकिन जाति आधारित आंकड़े सार्वजनिक नहीं हुए। आखिरी बार परिसीमन 2002 में हुआ था, जो 2001 की जनगणना के आधार पर 2008 तक लागू किया गया।

तमिलनाडु विधानसभा चुनाव की तैयारी में जुटी भाजपा

जेपी नड्डा ने पार्टी नेताओं को दिए अहम निर्देश

चेन्नई, 3 मई (एजेंसियां)। तमिलनाडु में अगले साल होने वाले विधानसभा चुनाव के लिए राजनीतिक गलियारे में हलतेज हो गई है। सभी राजनीतिक पार्टियों ने अपनी-अपनी तैयारी तेज भी कर दी है। इसी बीच भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के राष्ट्रीय अध्यक्ष और केंद्रीय मंत्री जेपी नड्डा ने शनिवार को तमिलनाडु भाजरा के 2026 विधानसभा चुनाव की तैयारियों की समीक्षा की। उन्होंने राज्य के वरिष्ठ नेताओं से मुलाकात की। साथ ही कहा कि चुनावी तैयारियों के साथ-साथ संगठनात्मक काम को भी तेजी से आगे बढ़ाया जाए। बता दें कि जेपी नड्डा और तमिलनाडु भाजपा नेताओं के साथ यह बैठक चेन्नई में हुई, जिसमें तमिलनाडु भाजपा अध्यक्ष नैनार नागेंद्रन, राष्ट्रीय सह-प्रभारी पी सुधाकर रेड्डी, वरिष्ठ नेता एच राजा, महिला मोर्चा अध्यक्ष वनाथी श्रीनिवासन, और पूर्व राज्य अध्यक्ष डॉ. तमिलिसाई सौंदरराजन समेत कई बड़े नेता शामिल हुए। बैठक के बाद तमिलनाडु चुनाव में भाजपा की रणनीति को लेकर पार्टी नेता विनोज पी सेल्वम ने जानकारी दी। उन्होंने बताया कि बैठक में नैनार नागेंद्रन ने संकल्प लिया कि 2026 के चुनाव में सत्तारूढ़ (डीएमके) सरकार को सत्ता से हटाया जाएगा और विधानसभा में भाजपा की मौजूदगी को मजबूत किया जाएगा। इसके साथ ही केंद्रीय मंत्री जेपी नड्डा ने चेन्नई में धर्मापुरम अधीनम द्वारा आयोजित छठे अंतरराष्ट्रीय सैव सिद्धांत सम्मेलन में भी हिस्सा लेने पहुंचे थे, जो एसआरएम इंस्टिट्यूट ऑफ साइंस एंड टेक्नोलॉजी में आयोजित हो रहा है।

नवकलेवर अनुष्ठान की लकड़ी दीघा मंदिर को देने का आरोप

> ओडिशा सरकार ने पुरी मंदिर से जांच को कहा

> मंत्री बोले- धार्मिक भावनाएं आहत हुईं

भुवनेश्वर, 3 मई (एजेंसियां)। पश्चिम बंगाल सरकार के दीघा मंदिर विवाद के बीच ओडिशा के कानून मंत्री पृथ्वीराज हरिचंदन ने श्री जगन्नाथ मंदिर प्रशासन (एसजेटीए) से मामले की जांच करने को कहा। मीडिया रिपोर्ट्स में सामने आया था कि पुरी जगन्नाथ मंदिर के सेवक दीघा मंदिर के समारोह में शामिल हुए थे। उन्होंने मूर्तियां बनाने के लिए मंदिर को 2015 के नवकलेवर से बची नीम की लकड़ी दी।

नवकलेवर हर 12 या 19 साल में होने वाला अनुष्ठान है। इसमें पुरी के मंदिर में भगवान बलभद्र, देवी सुभद्रा और भगवान जगन्नाथ की लकड़ी की मूर्तियां बदली जाती हैं। इसके अलावा पुजारियों, भक्तों, विद्वानों और पंडितों ने दीघा मंदिर को पश्चिम बंगाल सरकार के 'जगन्नाथ धाम' कहे जाने पर भी आपत्ति जताई है। मंत्री ने अपनी चिट्ठी में लिखा, 'इस घटना ने श्रद्धालुओं और ओडिशा के 4.5 करोड़ लोगों की धार्मिक भावनाओं को ठेस पहुंचाई है।'

दीघा मंदिर के लिए मूर्तियां पुरी से गई

दीघा मंदिर को लकड़ी देने का आरोप सेवकों के एक समूह दैतापति निजोग के सचिव रामकृष्ण दासमोहपात्रा पर लगा है। पुरी में एक प्रेस कॉन्फ्रेंस में दासमोहपात्रा ने कहा, 'मैंने कभी नहीं कहा कि पुरी मंदिर की लकड़ी का इस्तेमाल दीघा में मूर्ति बनाने के लिए किया गया। मैंने मंदिर अधिकारियों से कहा था कि भगवान जगन्नाथ की पत्थर की मूर्तियों की पूजा नहीं की जा सकती।'

उन्होंने बताया, 'इसके बाद प्राण-प्रतिष्ठा समारोह के लिए मैं यहां (पुरी) से नीम की लकड़ी की मूर्ति ले गया। मैंने किसी टेलीविजन चैनल को ब्रह्म की स्थापना के बारे में भी कुछ नहीं बताया है। न ही मैंने मूर्ति पर ऐसी कोई सामग्री रखी है। मैंने पूजा के दौरान निर्धारित प्रक्रियाओं की निगरानी की है।' 'ब्रह्म' एक ऐसा पदार्थ है जिसे भगवान जगन्नाथ की आत्मा माना जाता है। इसे नवकलेवर अनुष्ठान के दौरान पुरानी मूर्ति से निकालकर नई मूर्ति में स्थापित किया जाता है।

हिंदू कार्यकर्ता सुहास शेट्टी की हत्या के मामले में 8 लोग गिरफ्तार

गृह मंत्री ने की शांति की अपील

बैंगलूरू, 3 मई (एजेंसियां)। कर्नाटक के मंगलूरू में हिंदू कार्यकर्ता सुहास शेट्टी की हत्या के मामले में तनाव बढ़ता ही जा रहा है। इसी बीच कर्नाटक पुलिस ने मामले में कार्रवाई करते हुए 8 लोगों को गिरफ्तार किया गया है। यह जानकारी राज्य के गृह मंत्री जी. परमेश्वर ने शनिवार को दी। बता दें कि चर्चित राउडी शीटर सुहास शेट्टी को गुरुवार देर रात बाजपे थाना क्षेत्र में अज्ञात हमलावरों ने मार डाला था। हत्या के बाद शुक्रवार को विश्व हिंदू परिषद (वीएचपी) ने बंद का आह्वान किया, जिसके चलते मंगलूरू शहर में कई दुकानों को बंद कर दिया गया। मामले में गृह मंत्री परमेश्वर और जिले के प्रभारी मंत्री दिनेश गुंडू राव शुक्रवार को ही मंगलुरू पहुंचे और पुलिस कमिश्नर अनुपम अग्रवाल व डिप्टी कमिश्नर मुलई मुहिलन के साथ कानून-व्यवस्था की समीक्षा बैठक की। इसके साथ ही मंत्री ने शांति बनाए रखने की अपील करते हुए भरोसा दिलाया कि दोषियों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की जाएगी।

पहलगाम हमला : जांच के लिए 3डी मैपिंग तकनीक का इस्तेमाल करेगी एनआईए

नई दिल्ली, 3 मई (एजेंसियां)। जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में स्थित बायसरन घाटी में हुए आतंकी हमले की जांच पूरी रफ्तार से जारी है। राष्ट्रीय जांच एजेंसी (एनआईए) की एक टीम बुधवार से ही हाईटेक उपकरणों के साथ घटनास्थल पर जांच में जुटी है। इस बीच सामने आया है कि एनआईए की एक विशेष टीम बायसरन घाटी में हमले की जांच के लिए आधुनिक फॉरेंसिक उपकरणों का इस्तेमाल करने वाली है। इसमें 3डी मैपिंग तकनीक के इस्तेमाल की बात भी सामने आई है।

पहले जानें-क्या होती है 3डी मैपिंग तकनीक?

एनआईए लगातार तीन दिनों से बायसरन का एक थ्री-डायमेंशनल नक्शा बनाने की कोशिश में जुटी है। इस तकनीक के तहत किसी भी क्षेत्र, माहौल या वस्तु का प्रतीकात्मक चित्रण बना लिया जाता है। एक तरह से समझें तो यह टीवी पर चलती फिल्म की तरह है, लेकिन इस फिल्म के सारे आयाम आपके आसपास ही दिखते हैं, बिल्कुल इस तरह कि जैसे पूरा घटनाक्रम आपके आसपास ही हुआ हो।

3डी मैपिंग काम कैसे करती है?

बायसरन की 3डी मैपिंग के लिए एजेंसी इलाके की सैटेलाइट पिक्चर्स, ड्रोन्स से बनाए गए वीडियो और पीड़ितों के परिजनों से मिली जानकारी, घोड़े चलाने वाले, दुकानदारों और आसपास काम करने वाले लोगों से मिली जानकारी का इस्तेमाल कर रहे हैं। इसके जरिए पहलगाम हमले के घटनास्थल पर पूरा सीन डिजिटल स्तर पर रिक्रिएट किया जा रहा है।

इस मैपिंग के लिए लीडार स्कैनर्स का इस्तेमाल होता है, जो कि सैटेलाइट फोटोज और ड्रोन वीडियोज या यहां तक कि स्मार्टफोन से बनाए गए वीडियो के आधार पर भी इलाके का सही-सही डाटा के आधार पर थ्री डी मैप तैयार कर देते हैं। इस डाटा को ऑगमेंन्टेड रिएलिटी या वर्चुअल रिएलिटी प्लेटफॉर्म्स के जरिए आसपास देखा और समझा जा सकता है।

3डी मैपिंग का फायदा क्या होगा?

गौरतलब है कि जिस जगह यह पूरा घटनाक्रम हुआ है, वहां की जमीन जगह-जगह पर ऊबड़-खाबड़ और पहाड़ी होने के साथ संकरी भी है। इतना ही नहीं यह इलाका जंगलों से भी घिरा है। इसके चलते घटनास्थल पर आतंकियों के आने और उनके भाग निकलने का रूट भ्रम पैदा करने वाला है। यहां 3डी मैपिंग तकनीक काम में आती है, जो कि उन जटिल परिस्थितियों को सामने से आसान कर के दिखाएगी। रिपोर्ट्स की मानें तो 3डी मैपिंग से घटनास्थल का जो नक्शा तैयार किया जाएगा, वह बिल्कुल सटीक, ग्राफिक्स से परिपूर्ण होगा।

इसका इस्तेमाल बाद में सैकड़ों लोगों से पूछताछ के दौरान किया जा सकता है, वह भी बिना उन लोगों को असल घटनास्थल पर लाए, लेकिन बिल्कुल उसी के माहौल में। इस 3डी मैपिंग तकनीक के जरिए घटना से जुड़े हर व्यक्ति की सही लोकेशन भी पता चलेगी और आतंकियों के एंट्री और एग्जिट की भी सही जानकारी मिलेगी। जम्मू-कश्मीर में मौजूद सैन्य सूत्रों के मुताबिक, आतंकी पहलगाम के बायसरन में हमले को अंजाम देने के बाद दक्षिण कश्मीर के घने जंगलों में भाग निकले।

चिकित्सा के इतिहास रचयिता : डा डी नागेश्वर रेड्डी

अतुल कुमार

चिकित्सा जगत का जानामाना नाम डा डी नागेश्वर रेड्डी का है . चिकित्सा क्षेत्र में जहां कार्डियोलाजिस्ट (हृदय रोग विशेषज्ञ) को जितना मान सम्मान मिलता है उसकी तुलना में अन्य को कम इस धारणा को डा डी नागेश्वर रेड्डी ने अपने ट्रीट्मेंट (उपचार कौशल) से तोडा .वह गैस्ट्रोएंटरोलांजी (पाचन तंत्र विज्ञान) यानी चिकित्सा की वह शाखा जो पाचन तंत्र और उससे संबंधित रोगों की रोकथाम करती है , के प्रसिद्ध विशेषज्ञ हैं जिन्होंने अपने नवाचार के तौर तरीकों से इस क्षेत्र में जो शोहरत पायी उसे इसी से समझा जा सकता है कि पिछले दिनों उन्हें भारत सरकार के बडे सम्मान पद्म विभूषण से सम्मानित किया गया . उनकी ख्याति जितनी मशहूर डाक्टर के रूप में है उतनी ही एक लेखक और शोध कर्ता के रूप में भी है . अभी तक 1016 आर्टिकल्स और कई पाठ्य पुस्तकें गैस्ट्रोएंटरोलाजी पर लिख चुके हैं . अपने क्षेत्र में उनके योगदान की सर्वत्र सराहना और उल्लेख होते हैं . देश विदेश में उनकी लोकप्रियता डाक्टर , लेखक ,रिसर्च कर्ता और प्राध्यापक के रूप में है . युवा पीढी के डाक्टरों को प्रशिक्षण दे प्रेरित करते हैं .

लीवर पेट व आंत की बीमारियों के इलाज के लिये एकदम आधुनिक तकनालाजी को इंट्रोड्यूस कर सिद्ध किया कि मेडिकल फील्ड में कैसे इसके बेहतर इस्तेमाल से पारंपरिक इलाजों की तुलना में अच्छे परिणामों को पाया जा सकता है ,और नई नई विधाओं से रोग को जल्द

पकड इलाज किया सकता है जिससे रोगी को किसी तरह की कोई परेशानी नहीं हो .वास्तव में मेडिकल फील्ड में आ रहे नये बदलावों ने ट्रीट्मेंट का जिस तरह ट्रांस्फार्मेशन किया उसने उपचार की नयी शैलियों को विकसित किया इसका श्रेय डा डी नागेश्वर रेड्डी जैसे नामी चिकित्सकों को है .जिन्होंने अपनी सिद्धि को व्यापक पंख प्रदान कर लोगों के भरोसे को जीता .

पहले एंडेस्कोपी जांच से सिर्फ पता लगाया जा सकता था कि कैंसर है या नहीं ? कुछ और भी बीमारियों के लिये इसका इस्तेमाल होता, लेकिन अब इससे शुरुआती स्टेज पर बीमारी को पकडा जा सकता है . डा रेड्डी ने देश में पहली बार रोबोटिक एंडेस्कोपी की शुरुआत कर चिकित्सा क्षेत्र में तहलका मचाया जिससे कम खर्च पर पांच मिनिट में बडे से बडा आपरेशन किया जा सकता है . इसकी सफलता दर 90 % है और रोगी उसी दिन या अगले दिन घर जा सकता है . ओपन सर्जरी में पेट को खोलना पडता है ,लेकिन नयी पद्धति ने बडी सहूलियत पेशेंट्स को दी . डा रेड्डी ने इसकी शुरुआत पांच छः वर्ष पहले की . जिसके अच्छे नतीजे सामने आये . आंत (इंटेस्टाइन) दिल से कम महत्वपूर्ण नहीं है यह दिल ,दिमाग और गुर्दे के बीच का सबसे इंपार्टेंट भाग है जो पाचन ,मस्तिष्क और हृदय को प्रभावित करता है .

दिल और दिमाग के बाद आंत को शरीर की नींव माना जाता है .आंत के बैक्टेरिया भोजन को संसाधित करते हैं सकृय आंत के बैक्टेरिया सेहत को चुस्त और बेहतर बनाते हैं . इसके असंतुलन से सुस्ती मोटापे की समस्या होती है . हाल में हुए रिसर्च के अनुसार आंत के बैक्टेरिया को हृदय रोग से जोडा गया . आंत का ठीक रहना हृदय संबंधी समस्या को रोकने में महत्वपूर्ण हो सकता है . जानकारों के अनुसार मेटाजीनोमिक्स , मेट्रूराकोमिक्स और मेटाबोलोमिक्स जैसे नवाचारों ने समझ में क्रांतिकारी बदलाव लाये . डा रेड्डी के अनुसार फैटी लीवर रोग एक बढती हुई महामारी है जिसकी दर तेज़ी से बड रही है .

इसका मुख्य कारण फास्ट फूड्स जैसे नूडल्स ,मैगी ,बर्गर ,और चिप्स आदि खाद्य पदार्थ हैं इससे बच्चों ,नौजवानों और आई टी प्रोफेशनल्स का स्वास्थ्य गडबडा रहा है इसे रोकना होगा .

शराब के सेवन से लीवर से जुडी समस्याएं पैदा हो रही हैं विशेषकर लीवर का कैंसर बड रहा है. डा रेड्डी के मतानुसार कोविड – 19 ने टीकाकरण के प्रति जन जागरूकता को बढाया इससे यह धारणा बदली कि टीके सिर्फ बच्चों के लिये होते हैं . वयस्कों के लिये भी यह महत्वपूर्ण हैं इनमें प्रमुख टीकों में जैसे इंफ्लूएंज़ा फ्लू का टीका है .चूंकी फ्लू के स्ट्रेन हर साल बदलते हैं इसलिये टीका फायदेमंद होता है .

डा रेड्डी लैसेट गैस्ट्रो इंटेस्टाइनल एंडेस्कोपी ,डाइजेस्टिव एंडेस्कोपी वर्ल्ड जर्नल आफ गैस्ट्रोएंटरलाजी एंड हेपेटोलांजी जैसी नामी पत्रिकाओं के सहकर्मी समीक्षक हैं .

हैदराबाद स्थित एशियन इंस्टीट्यूट आफ गैस्ट्रोएंटरोलोजी (ए आई जी) के वह संस्थापक और अध्यक्ष हैं . आज यह दुनिया का सबसे बडा गैस्ट्रोएंटरोलोजी का अस्पताल है जिसकी सर्वत्र ख्याति और साख है.

अतः मेडिकल टूरिस्म का बडा डेस्टिनेशन है जहां बडी संख्या में पेशेंट्स आते हैं .यह अस्पताल डा डी नागेश्वर रेड्डी की ऐतिहासिक उपलब्धि है जिसे उन्होंने अपनी सूझबूझ ,जुनून और ,जज़्बात से स्थापित किया .जिन दिनों पाचन विज्ञान के बारे में कोई खास सोचता भी नहीं था ,तब उन्होंने अपनी दूर दृष्टि से जाना कि आने वाले समय की बडी स्वास्थ्य से जुडी समस्याएं गैस्ट्रोएंटरोलोजी से जुडी होंगी .क्यों कि आदमी की जीवन शैली असंतुलित हो गयी है .

इन समस्याओं से छुटकारा दिलवाने को जीवन का उद्देश्य बनाया. चिकित्सा जगत में खूब प्रसिद्धी पायी . 19 मार्च 1956 को विशाखापत्तनम में जन्मे इस चिकित्सक ने एमबीबीएस , एम डी ,डीएम की पढाई कर्नूल मेडिकल कालेज और मद्रास मेडिकल कालेज पोस्टग्रैजुएट इंस्टिट्यूट आफ मेडिकल एजुकेशन एंड रिसर्च से पूरी की . उनका पूरा नाम दुव्वुर नागेश्वर रेड्डी है .

कहा जाता है कि " डाक्टर की एक मुस्कान ही मरीज़ के लिये दवा से कई गुणा असरदार होती है " डा रेड्डी ने यही किया और अपने ट्रीट्मेंट के तरीकों में समयानुकूल बदलाव किये जिससे रोगियों में उनकी छवि योद्धा के रूप में बनी . किसी ने खूब कहा डाक्टर इस वास्तविक दुनिया के असली हीरो होते हैं जो जीवन की रक्षा करते हैं .

कई सम्मानों पुरस्कारों और उपाधियों से सम्मानित डा रेड्डी ने चिकित्सा जगत में गैस्ट्रोएंटरोलाजी का सुनहरा अध्याय लिखा है . अत; वह इस क्षेत्र के इतिहास रचयिता हैं .

काव्य कुंज

बेगुनाहों की पुकार

डॉ.प्रतिमा सिंह
हैदराबाद

वे उन्मादी थे बह गए,
आ गए किसी बहकावे में,
हँसती- खेलती जिंदगियों को
निष्पंद कर गए पल भर में ।
बर्बरता का खेल- खेल कर
निकल गए वे पल भर में,
पर उनका क्या जो बिखर गए
दो देशों के इस कशमकश में,
दूल्हा बनकर जो बैठे थे
दूर देश में जाने को,
जाना उनका दूभर हुआ अब आतंक के इस चपेटे में।
कितनी माँयें सिसक रही हैं, इस खींच-तान के झमेले में,
कुछ ही पलों के खूनी खेल में कैसे सब बेहाल हुए,
किसी का घरबार छूटा कोई बिछ्डा अपने बच्चों से।
छूटा किसी का परिजन कहीं, कहीं किसी का व्यापार,
विवश हुए भटकने को, इस पार उस पार रेले में।
दो दिन और कुछ ही घंटों में, बिखर गए सब इधर -उधर,
तुम इधर की नहीं, तुम उध्रर के नहीं
क्या करें ? और अब कहाँ जाएँ?
फँस गए निरीह इस घन चक्कर में,
क्या दोष हमारा ? हमें सजा क्यों ?
प्रश्न चिहन सी आँखें उनकी तकती थी
इस उलट -फेर के मेले में ।
ये आग है उस दावानल का जिसमें,निरीह जल मरते हैं ।
जो आग लगाने वाले हैं वो शातिर भाग निकलते हैं,
कुदरत के निर्मित बंदे सब कोई नाम नहीं, पहचान नहीं।
गढे गए एक ही मिट्टी से, धर्मांध मजहबी कुचालों से,
बेगुनाह मिल गए मिट्टी में ।

हमें तो हिंदुस्तान चाहिए

कुमुद बाला,
हैदराबाद

जलती धरा और ना ही
लता आसमान चाहिए
हमें तो सिर्फ बस हमारा
प्यारा हिंदुस्तान चाहिए।।
धरा हमारी इतनी प्यारी ,
पीली सरसों लहराती है
ज्वार,मकई,चना और बाज़रे ,
की फसलें बल खाती हैं
नई उम्मीदों पे रख भरोसा , विपिन-उद्यान मुस्कुराता है
खेत में सब्जियों की लताएँ,आपस में मिल बतियाती हैं
नई पीढ़ी के हर बच्चे में , भगत , रहमान चाहिए।
जलती धरा और ना ही जलता आसमान चाहिए।
हमें तो सिर्फ बस हमारा प्यारा,हिंदुस्तान चाहिए।।
हर मज़दूर को काम मिले , न भूखा कोई सोये यहाँ पर
सजग रहें देश के प्रहरी , न हो कोई उलझन सीमा पर
हिमालय की हो पैनी नज़र,हरआतंकियों के उपद्रव पर
बरखा की बूँदें शोर मचाएँ , जब हो ज़रूरत सीमा पर
हम मिलजुलकर रहें,पुरखों का देश महान चाहिये।
एवरेस्ट पर सदा हमारा ही , तिरंगा लहराना चाहिये
तिरंगे के सम्मान में नागरिक को शीश झुकाना चाहिये
देशभक्ति का जोश औ जज्बा हरेक दिल मे होना चाहिये
वीरों के पदचिन्हों से अवगत , सबको करवाना चाहिए
देश के नौजवानों के अधरों , पर मुस्कान चाहिए।
वीरजवां अशफ़ाकउल्ला सा,इसदेश को शहीदचाहिए
वीर सुखदेव, भगत,खुदीराम,आजाद व हमीद चाहिए
लालबहादुर,सुभाष,तिलक,गोखलेकी ललकारचाहिए
लक्ष्मीबाई , दुर्गावती , कर्णावती की तलवार चाहिए
बनें एकता की मिसाल हमें हमारा सम्मान चाहिए।
मज़बूत हम अपना देश बनायें , देश की रोटी खायें
तीज - त्यौहार पर साथ रहें औ ईद - दीवाली मनायें
जय जवान और जय किसान का नारा घरघर पहुँचायें
सुजलां,सुफलां,मलयज,शीतलां हम देशगीत गुनगुनायें
शिक्षा की मशाल जली रहे अब हमें उड़ान चाहिए।
जलती धरा और ना ही जलता , आसमान चाहिए।
हमें तो सिर्फ बस हमारा प्यारा हिंदुस्तान चाहिए।।

लहू पुकार रहा नहीं मिलेगी खीर...!

संजय एम.
तराणेकर, इंदौर

आज सुनाई दे रही हैं पहलगाम की चीख,
हाँ, दिन ऐसा आएगा आतंकी मांगे भीख।
निर्दोषो की बलि चढ़ी हैं बही लहू की धार,
हैवानों ने पर्यटकों की इज़्ज़त की तार-तार।
इन श्वानों ने ली हैं परीक्षा हमारी बार-बार,
कल्पना से ज्यादा सज़ा कर उठे चित्कार।
आज सुनाई दे रही हैं पहलगाम की चीख,
हाँ, दिन ऐसा आएगा आतंकी मांगे भीख।
उजड़े हुए सुहाग की कीमत मांगे हिंदुस्तान,
दाना-पानी को तरसेगा प्रतिदिन पाकिस्तान।
पुलवामा से नहीं शायद ली कोई भी सीख,
दुनियाभर से मांग रहा कटोरा लेकर भीख।
आज सुनाई दे रही हैं पहलगाम की चीख,
हाँ, दिन ऐसा आएगा आतंकी मांगे भीख।
ऐसा सबक सिखाओ मोदी-शाह-राजनाथ,
दरदर भटके न मिले पनाह मलते रहें हाथ।
हाँ, लेना है प्रतिशोध जन-जन हुआ अधीर,
आज तो लहू पुकार रहा नहीं मिलेगी खीर।

सरहदें

टी तारासिंह
हैदराबाद

तुम अजनबी नही हो
तुम देश के रखवाले हो
तुम हिंदुस्तानी हो, भारतीय हो
तुम्हारा सर हमेशा उच्चा रखना
भाषा, जाति ओर प्रांत जो भी हो
तुम मे है देशभक्ति, तुम हो देशप्रेमी
जिसकी आन के लिए आप मर मिटते
सरहदो की है तुम्हे फिक्र
घर से रहते हो बहुत दूर
तुम जागते हो हम चैन की नींद सोते
तुम्हारे कण-कण मे है विरता
धूप हो या बारिश डटे रहते हो सरहद पर
तुमको है सलाम, भारतवासियो का नमन ।।

संगीत और गीत

गजानन पाण्डेय

संगीत में बड़ी ताकत है
स्वर - लहरियां
हृदय को झंकृत करती हैं
दिल में जोश भरती है ।
फिल्मी गीतों में,
ज़िंदगी का हर रंग है
हर जुबां पर
सजते हैं बोल
यही तो
शब्दों का कमाल है ।

शाम की ख्वाहिशें

मनीषा मंजरी
दरभंगा

शाम की ख्वाहिशों को,
कभी तो चैन आये,
कि भटकते मुसाफिर को,
दहलीज कोई बुलाये।
बातों की ज़िद हो ऐसी,
कि खामोशी भी मुस्कुराये,
हवाएँ भीगे दुपट्टे को, परों पर अपनी उड़ाए।
नजदीकियों की कशिश में, दूरियां खुद को हीं मिटाये,
खोयी चाहतों की संदूक से, एक सपना कभी चुराए।
इंतज़ार के लम्हात ना हो, यूँ क़दमों की आहटें छाये,
जो छूट गयी वो आदतें, कभी मिलकर हमें रुलाये।
पत्थर हुई नजरों को, कभी नज़ारे तो आ सहलाये,
और मोहब्बत अलविदा कहकर, मासूमियत की उम्र लौटाए।
घर लौटते परिंदे कभी तो, वो क्षितिज हमें दिखाए,
जहां जगमगाते सितारों को, कोई दुआ ना तोड़ पाए।
धड़कनों में उठती बेचैनियां, आँखों को ना सताये,
हकीकत के आसमां तले, कभी तो मुलाकाते हमें भरमायें।
ये धुंधली लकीरें कभी तो, एक शाम ऐसी सजाये,
कि सुकूं भरे लम्हों में, सिरकतें यादों की ना हो पाएं।

काश्मीर घाटी

बेला विरदी,
जगाधरी

स्वर्ग सी सुन्दर घाटी आज फिर दहल गई
कायरता पूर्ण घटना के
बेकसूर सैलानी शिकार बने।
भौगोलिक सुंदरता को निहारते
हंसते खेलते खुशी बटोरते
निर्भय पर्यटक मौत के तांडव के
प्रत्यक्षदर्शी बने।
पिछले दो वर्षों से घाटी में
स्थानीय लोग प्रसन्न थे
व्यापार व्यवसाय से आय के आसार बढ़े।
कायर शैतानों ने सेना की वर्दी पहन
अपनी पहचान छुपाई
यात्रियों से पूछ पहचान, धर्म
उन पर गोलियां चलाईं।
देश के दुश्मन नहीं चाहते
देश में रहे शान्ति समृद्धी
पर्यटन स्थलों को चुनकर
भय का माहोल बना रहे
पड़ोसी देश पाकिस्तान
कर न सका अपना विकास
नहीं सह सकता भारत का
होता विश्व सम्मान।
पुनः सैलानियों में भय छा जायेगा
स्थानीय लोगों की आय रास्ता रुक जायेगा।

विदाई गीत...

ओमकार सर्डिवाल,
हैदराबाद

मान्यवर...महोदय...
आपको प्रणाम कहते हैं..
आपकी विदाई के लिए,
चंद शब्द हमने जोड़े हैं।
जो कुछ आपसे मिला,
उसे हम याद रखते हैं।
अगर हमसे गलती हो तो
हमें माफ कर देना।
मान्यवर...महोदय... आपको प्रणाम कहते हैं..
सूरज को दिया दिखाएं, वह काम हमारे बस का है कहां।
आपकी कर्मशिलाता देखें, हमने बहुत सीखा है।
आपके कार्य की परछाई, हम सदा साथ रखेंगे।
आज विदाई आपको देते हैं मन भीगा होता है मान्यवर...
आंख हमारी न जाने क्यों, आज नम होती है।
प्रकृति का विधान जो ठहरा, उसे हम स्वीकार करते हैं।
अपनी इस भीनी आंखों से, आपके विदाई देते हैं...
मान्यवर... महोदय... आपको प्रणाम कहते हैं..

लय और ताल

डॉ शोभा भंडारी
हैदराबाद

लय और ताल जब तक नहीं मिलती,
जीवन की गाड़ी पटरी पर नहीं चलती,
बिना दो हथेलियों के ताली नहीं बजती,
और स्त्री एवं पुरुष के बिना,
वैवाहिक जीवन की परिकल्पना
नहीं हो सकती,
विवाह और परिवार की आधारशिला नहीं बन सकती।
जैसे नदी के अस्तित्व के बिना,
सरोवर या पुष्कर की पूर्णता नहीं होती,
जैसे संगीत में ताल के बिना,
लय की पूर्णता नहीं होती,
वैसे ही गौरी और शंकर से पृथक,
सृष्टि की आत्मिक सुंदरता नहीं होती।।
विवाह मात्र एक संस्था ही नहीं,
ब्रम्हांड रचयिता का दिव्य अस्त्र भी है,
प्रकृति के संतुलन का आधार है,तत्व है,
शताब्दियों से इस परम्परा का विशेष महत्व है।
इसका संवर्धन और संरक्षण करना,
समूचे समाज का कर्तव्य है,
क्षत-विक्षत न हो ये भव्यता,
इसको अक्षुण्ण रखना हमारा गंतव्य है।।

हम - तुम

गीता अग्रवाल
हैदराबाद

हम-तुम के स्वर्णिम स्वप्न,
चल पड़ी बारात है।
जब मिले हम तुम,
बरसी खुशियों की सौगात है।।
हम तुम के स्वर्णिम स्वप्न....
सपने हमारे अपने रहे,चक्रव्यूह के घेरे रहे,
रहे चक्रव्यूह प्रेम के, लेने कुछ फेरे रहे ,
साथ हम तुम का, प्रेम ही तो मकसद रहा
साथ में ही छिपा हुआ जीवन अरशद रहा,
प्रेम ही तो जीवन के लिए विशुद्ध निशात है।
जब मिले हम तुम,बरसी खुशियों की सौगात है।।
नेक हम ,नेक तुम, तो तकदीर ने साथ दिया,
न जीत हार हम तुममें , न कोई शह मात दिया,
हम तुम बस प्रेम की बारीकियां चुनते रहेंगे,
हम तुम प्रेम-तप के, प्रमाण बनके रहेंगे,
हमारा तुम्हारा प्रेम आलिंगन,अमृत की बरसात है।
जब मिले हम तुम, बरसी खुशियों की सौगात है।।
हम तुम के स्वर्णिम स्वप्न, चल पड़ी बारात है।।

जमाने को ये क्या हो गया है

संजीव ठाकुर,
रायपुर

खून से महंगा पानी हो गया है,
जमाने को ये क्या हो गया है।
रोटी आटा पहुंच से बाहर हो गया है,
हर एक निवाले का हिसाब हो गया है।
खून की कीमत क्या पूछते हो भाई,
हर सांस का भी हिसाब हो गया है।
अस्पताल अब प्रयोगशाला बन गए हैं
आदमी का एटीएम सा हाल हो गया है।
आदमी अब कहाँ रह गया है इंसान
शरीर कमाई का औजार हो गया है।
कीमत नहीं किसी जिंदगी की संजीव
हर अंग का अलग हिसाब हो गया है।

तारीफों के पुल के नीचे..

दर्शन सिंह
हैदराबाद

न कोई तीज त्यौहार,
फूलों का गुलदस्ता लिए आते हैं
अमर रहे, अमर रहे,
जिंदाबाद जिंदाबाद
हवा में उछाले रहते हैं
जानता है वह भी रेत पर
महल सजाने का समीकरण
अगर किनारे लगानी है नौका
रंगोली सजाए रहते हैं
समझे राज अगर
पुरवाईयां गिरफ्त में रहती हैं
तारीफों के पुल के नीचे मतलब की नदियां बहती हैं
चाहे कोई भी पहर
मान्यवर , सरकार के दरबार में हाजिर हो जाता है
अवगत
कोल्हू बैल की तरह वफादारी के फायदे
चाटुकारिता की दुकान चला ली
बवंडरों को पांव तले दबाता है
माना कि आगे कुआं पीछे जैसी है सिचुएशन
हां जी, हां जी
सुनामी का मुख मोड सकती है
दीप्त उजाले में सत्य हांफते, कांपते रहता है
नाक की सीध में चला, आंसुओं से लिपटे रहता है
जानता, अंततः सत्य की होगी विजय
समय लगेगा, गड्ढों में धसे रहता है
तू तू मैं मैं, बेकार की कारीगरी
तत्काल जुगाड की व्याकरण को समझे, तो
बहारें स्वागत करती है
तारीफों के पुल के नीचे...

"भ्रमण"

हेमंत सुराना,
उदयपुर

सफर जिंदगी का है अजीब,
बिना कुछ लिए आते हैं सभी
हर चीज की चाहत हे रखते ,
अंत में सब छोड़कर चले जाते
अनंत यात्रा में कितने रंग दिखलाते ,
अनजानी यात्रा में कितने राही मिलवाते
ढल जाता है सब कुछ,
अपने तय वक्त पर
रह जाती है तो सिर्फ,
रिश्ता, प्रेम और दोस्ती
आज बचपन, कल जवानी,
परसों बुढ़ापा और खत्म कहानी
निकल जाते हैं सपने,
किसी अनंत की यात्रा पर
आओ जिंदगी में गाते चले,
कुछ बातें मन की करते चले
कुछ बोल मीठे बोलते चले,
जीवन की कहानी लिखते चले,
जीवन की कहानी लिखते चले ।

जाना है उस पार

सलाखों की दीवार
मैं इस पार तू उस पार
ताला नहीं फिर भी कैद हम
बस है रोशनी का इंतजार
खील रही है धूप कही दूर
अंदर है घना अंधेरा
फिर भी खोजते कही कोने मे जुगनू
साया ही हमारा दीखता है बारबार
इस धूप छाव से निपट लेंगे हम
पल भर ही सही हो जाए दीदार
बस कुछ इने गीने सांसोकी जिंदगी
हर किसी को जाना है ऊस पार!

-विजय पांढरीपांडे

पहलगाम

जे गंगाधर 'गंध'
हैदराबाद

पहल ग़म फलाने की,
सोची समझी साजिश की,
जिहादी क्रूर मानसिकता की,
निर्दयी अमानुषिक दरिंदों की,
कारस्तानी है पाकिस्तानी की ।
रण चण्ड प्रचण्ड भीषणता की,
अब सख्त पहल लगाम कसने की,
पड़ौसी गद्दार नापाक पाकिस्तान की,
ही हो गर्दन मरोड़कर कमर तोड़ने की ।
वैसे बाहरी पाकिस्तानियों को मिटाने की,
बात से पहले भीतरी इन पाकिस्तानियों की,
षड़यंत्रकारी चहल-पहल को भी दबोचने की,
अत्यंत आवश्यक है इन्हें नेस्तनाबूद करने की ।

उलझन

डॉ डी डी देसाई

कोई तो पूछो...उलझन मेरी..
जो दिमाग़ में अँधेरा कर बैठी हैं।
प्रज्वालित हो स्वयं से कोई जुगनू...
अलोकित करे दिमागी संदूक को,
मिटाना चाहता हूँ...अँधेरा....
जो मेरी नींद भी खा गया हैं।
बिस्तर से अभी उठा नहीं...कि....
सोफे पर फैली पड़ी हैं एक और उलझन,
मेरी निद्राभंग के इंतजार में...
लालच भरी नेत्रों से ताकती खड़ी हैं..
पुनः मुझपर सवार होने के लिए...।
मैं बेबस.... लाचार...हतबल.... उसे रोक न सका...।
अब उलझने मुझपर हैं सवार,
मस्ती में धुत...अपनी ही धून में सवार ।
बोझ तले दबी साँसे भी मेरी...
धड़कनें भी थरथरा रही हैं।
खुली हवा की चाहत में, घर से बाहर निकला....।
दरवाजे पर खड़ी मेरे अतिथ्य में,
फिर एक उलझन दूसरी उलझन के बाद ।
उलझनों की कतार बढ़ती ही गयी...
लंका दहन में हनुमान की पूँछ हो जैसे।
मैं बेबस...असमर्थ...असहाय...।
सवारी पर सवारी बैठती गयी।
मैं जीवन रथ खिंचता रहा...।
साँसे भी दबी...आवाज़ भी दबी,
कदम भी लड़खड़ाने लगे।
खुद को घसीटते ले जा रहा हूँ।
मैं ठहरा आम आदमी...
अब निभाह भी मुश्किल हैं।
फिर भी ढ़ो रहा हूँ....
बोझ उलझनों का......।

स्वतंत्र वार्ता
काव्य कुंज ब्लॉग
AGA, Publications, Ltd,
396, Lower Tankbund,
Hyderabad-500080

जाति जनगणना से खत्म होगी जातिवाद की राजनीति

मोदी सरकार ने देश में जनगणना में जाति जनगणना को शामिल करने का फैसला किया है। ऐसे में जाति जनगणना के कई ईमानदार विरोधियों का कहना है कि आधुनिक भारत में जाति पर जोर देने से एक ऐसी संस्था को फिर से वैध और मजबूत किया जा सकता है जिसे आधुनिकता ने अवैध बना दिया है। संविधान और इसकी लोकतांत्रिक व्यवस्था ने कानून के दायरे से बाहर कर दिया है। कुछ लोगों को यह नासमझी लगेगी। इससे भी महत्वपूर्ण बात यह है कि जाति जनगणना पर आपत्ति इस संभावना को नजरअंदाज करती है कि ऐसी जनगणना के निष्कर्ष जाति की राजनीति के अंत की शुरुआत हो सकते हैं।

कानूनी मानदंडों की परवाह किए बिना, जाति समकालीन भारत में एक वास्तविकता है। बहुत से उपनाम जाति की पहचान हैं। विवाह जाति के भीतर ही तय किए जाते हैं।

ग्रामीण और छोटे शहरों में, निम्न जातियों के सदस्यों को न केवल भेदभाव बल्कि उनकी सामाजिक स्थिति के आधार पर उत्पीड़न का भी सामना करना पड़ता है।

यह दिखावा करना कि जाति अप्रासंगिक हो गई है और जाति आधारित सर्वेक्षण और कोटा केवल पुरानी बुराई को नया जीवन देने का काम करते हैं, विशेष रूप से उपयोगी नहीं है। जाति जनगणना से ऐसे आंकड़े मिलेंगे जिनके आधार पर मान्यताओं और परिकल्पनाओं का परीक्षण किया जा सकेगा।

देश भर में जातियों की विशाल संख्या, जाति के नामों में क्षेत्रीय भिन्नता, गुण-निर्धारण में कठिनाई, उप-जाति और जाति के बीच अस्पष्ट भेद, सर्वेक्षण में पूछे जाने वाले प्रश्नों पर आम सहमति तक पहुंचने में लगने वाला समय, जनगणना के संचालन में होने वाली देरी, गणना से प्राप्त आंकड़ों के प्रोसेसिंग में और अधिक देरी, तथा विवादास्पद परिसीमन प्रक्रिया को वर्तमान संसद के कार्यकाल से आगे स्थगित करने के निहितार्थ को देखते हुए सर्वेक्षण प्रश्नावली कैसे तैयार की जाए, ये सभी महत्वपूर्ण मुद्दे हैं, जिन पर केंद्रित चर्चा की आवश्यकता है।

यहां, आइए हम जाति जनगणना के राजनीति पर पड़ने वाले प्रभावों पर ध्यान केंद्रित करें, उस चालाकी से परे जिसने राहुल गांधी के नेतृत्व वाली कांग्रेस द्वारा सत्ता से बाहर रहने के दौरान इस्तेमाल किए गए एकमात्र राजनीतिक मुद्दे को सत्ताधारी पार्टी को सौंप दिया है। जनगणना द्वारा प्रकट जाति शक्ति के आधार पर कोटा संशोधन की अनुमानित मांगों के अलावा, दो तरह के राजनीतिक निहितार्थ हैं। इनमें से एक किसी दिए गए क्षेत्र में जातियों की सापेक्ष संख्यात्मक शक्ति की धारणाओं से संबंधित है। नेता इस आधार पर नेता बनते हैं कि उनकी अनुमानित जाति के अनुयायी कितने बड़े हैं, और वे अपने सत्ता गठबंधन में अन्य समुदाय के नेताओं को समायोजित करने में कितने अच्छे हैं।

कर्नाटक के जाति सर्वेक्षण से लीक हुए आंकड़ों से पता चलता है कि, हालांकि किसी प्रभावशाली जाति की पहचान उसके सामाजिक और आर्थिक प्रभाव के संदर्भ में सटीक हो सकती है, लेकिन उसकी वास्तविक संख्यात्मक ताकत हाशिये पर मानी जाने वाली जातियों की तुलना में काफी कम हो सकती है।

जाति जनगणना का नतीजा यह हो सकता है कि आंकड़ों से यह पता चल सकता है कि जाति के समर्थकों की अनुमानित सेना नेताओं और अनुयायियों की अपेक्षा बहुत छोटी या बहुत बड़ी है। इससे पार्टियों के भीतर और बाहर पुनर्संयोजन की होड़ मच सकती है। जाति जनगणना का दूसरा, अधिक महत्वपूर्ण राजनीतिक परिणाम यह हो सकता है कि इससे जाति और धार्मिक राजनीति का आकर्षण खत्म हो जाएगा, तथा राजनीति को उसका मूल मुक्तिदायी अधिकार पुनः मिल जाएगा, जिसे रचनात्मक नीति और प्रभावी शासन के माध्यम से प्राप्त किया जा सकता है।

पिछली बार जाति जनगणना औपनिवेशिक सरकार द्वारा 1931 में की गई थी। विभिन्न समुदायों की सापेक्षिक ताकत नाटकीय रूप से बदल गई होगी। सामाजिक-आर्थिक लाभ वाले वर्ग न केवल वंचितों की तुलना में अपने जीवन और कार्य के क्षेत्र में अधिक प्रगति और वैश्वीकरण कर चुके होंगे, बल्कि उन्होंने सबाल्टर्न समूहों की तुलना में अपनी कुल प्रजनन दर में भी तेज गिरावट देखी होगी।

जाति की राजनीति, निम्न वर्ग के समूहों के पूर्ण रूप से अशक्तीकरण के संदर्भ में, महत्वपूर्ण रूप से महत्वपूर्ण थी। बिहार के मुख्यमंत्री के पद पर लालू यादव के करिश्माई उदय ने पुलिस और प्रशासन की उस संकीर्णता को तोड़ दिया जो सत्ताधारी कुलीन समूहों के बाहर के किसी भी व्यक्ति की शिकायतों और चिंताओं के प्रति नहीं थी।

मायावती के मुख्यमंत्रित्व काल में न केवल भूमि का वास्तविक पुनर्वितरण हुआ बल्कि उस स्थिति को भी समाप्त किया, जिसमें दलित उच्च जाति के अपराधी के खिलाफ पुलिस में शिकायत भी दर्ज नहीं करा सकते थे। इस अर्थ में, जातिगत लामबंदी और ऐसी लामबंदी पर हासिल राजनीतिक पद ने निम्न वर्ग के लोगों को बुनियादी रूप से सशक्त बनाने का काम किया।

हालांकि, जातिगत राजनीति वंचितों को सामान्य आर्थिक खुशहाली या सांस्कृतिक पूंजी नहीं दे सकी। प्रशासनिक मशीनरी पर उच्च जाति के आधिपत्य को खत्म करने की प्रक्रिया में, लालू यादव की राजनीति ने शासन को ही खत्म कर दिया। रसायन विज्ञान के रूपक का उपयोग करें तो लालू इतिहास में बदलाव के मुख्य अभिकर्मक के बजाय उत्प्रेरक के रूप में जाने जाएंगे।

मायावती की प्रशासन पर बेहतर पकड़ थी, लेकिन भ्रष्टाचार की धारणा ने उनकी सरकार को अपनी गिरफ्त में ले लिया। वह और उनके रिश्तेदार समृद्ध हुए, जबकि उनके समर्थकों का जनसमूह वैसा ही रहा। मुलायम सिंह यादव और उनकी पार्टी के साथ भी कहानी बहुत अलग नहीं है। यदि जाति जनगणना अब सामुदायिक उत्थान के लिए जाति प्रमुखों के चुनाव की अपर्याप्तता को उजागर करती है, जिसमें शासक परिवार के बाहर जाति के सदस्यों की भौतिक संपत्ति, शैक्षिक योग्यता और व्यावसायिक प्रोफाइल के बारे में स्पष्ट और घिनौने विवरण शामिल हैं, तो यह एक नई तरह की राजनीति का मार्ग खोल सकता है।

आंकडे इस धारणा को भी गलत साबित कर देंगे कि धर्म के नाम पर लामबंदी से मुक्ति मिलती है। लोग खुद देख पाएंगे कि इस तरह की लामबंदी के आधार पर बनी सत्ता उन बहुसंख्यक आस्थावानों के जीवन में कोई खास बदलाव नहीं लाती, जिन्होंने आह्वान का जवाब दिया। बेशक, इसे हल्के में नहीं लिया जा सकता। संभावना सिर्फ संभावना ही है जब तक कि राजनीतिक उद्यमी उस अवसर का फायदा न उठाएं। लेकिन हमें यह ध्यान रखना चाहिए कि जाति जनगणना राजनीति में आमूलचूल परिवर्तन की संभावना खोल सकती है।

बिहार की टॉप 25 जाति

किसमें हैं दूसरों का खेल बिगाड़ने की ताकत

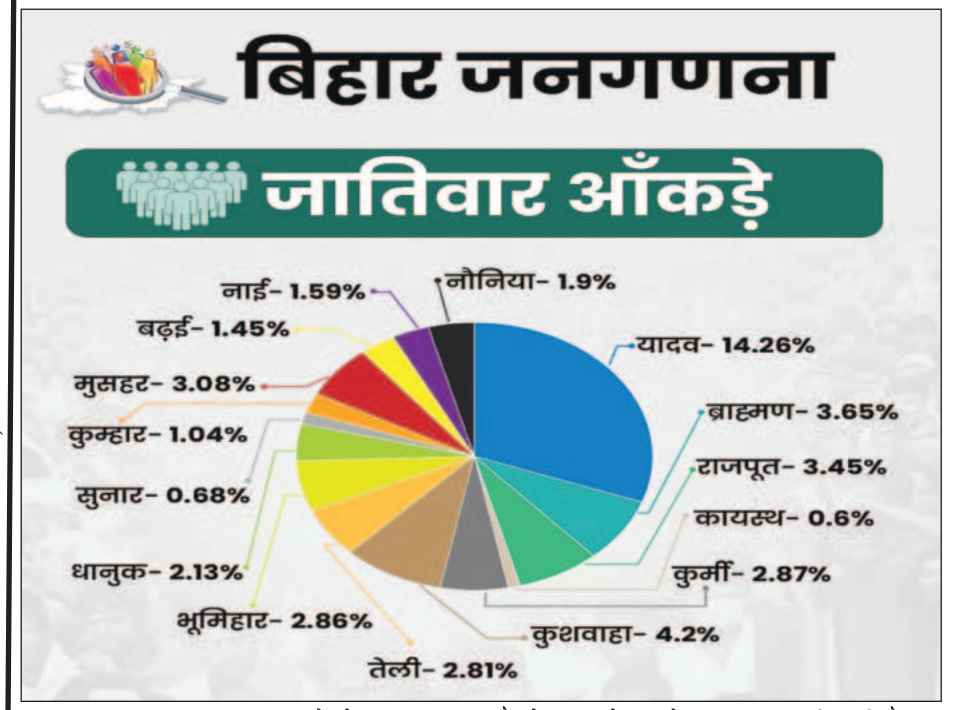

बिहार विधानसभा चुनाव 2025 को लेकर अलचल तेज हो गई है। इसी बीच केंद्र सरकार ने देशभर में जातीय जनगणना कराए जाने की घोषणा कर बिहार की राजनीति में एक नया तरंग छेड़ दिया है। इस बात से शायद ही कोई इनकार करे कि देश के किसी भी राज्य की राजनीति में जाति केंद्र बिंदु नहीं है। जाति जनगणना कराए जाने की घोषणा के बाद सबसे पहले बिहार में विधानसभा चुनाव हैं, इसलिए आइए जानते हैं कि इस राज्य में किस जाति की कितनी ताकत है।

पासी, बिंद, कुल्हैया, भूइया और धोबी की आबादी 1-1 फीसदी है। जिसकी जितनी आबादी उसकी उतनी हिस्सेदारी के फॉर्मूल के तहत इन जातियों के कम से कम एक विधायक होने चाहिए, लेकिन ऐसा नहीं है। क्योंकि ये कहीं भी एकत्रित नहीं हैं। बिखराव के चलते इनका कोई प्रभावशाली नेता भी नहीं है। बिहार की पिछले तीन दशक की राजनीति पर नजर दौड़ाएं तो धोबी समाज से आने वाले समाजवादी नेता श्याम रजक जाने पहचाने नेता रहे। श्याम रजक पहले लालू यादव और राबड़ी की सरकारों में मंत्री रहे, फिर वह नीतीश कुमार की सरकारों में भी मंत्री रहे। पान या सवासी, कहार या चंद्रवंशी, नाई, बढ़ई और कुम्हार ये पांच जातियां ऐसी हैं जिनकी आबादी डेढ़ से दो फीसदी के बीच है। जहां तक इन जाति के लोगों की संख्या का सवाल है तो ये 18 से 20 लाख के बीच हैं। ये पांच वो जाति हैं जिनके वोट किसी भी प्रत्याशी के हार जीत को बदलने में सक्षम होता है। इन पांच जाति के लोगों का अलग अलग विधानसभा बिखराव होने के चलते राज्य स्तर पर इनका भी कोई सर्वमान्य नेता नहीं है। नोनिया, धानुक, कानू, वैश्य, मल्लाह ये पांच ऐसी जातियां हैं जिनकी आबादी दो से ढाई फीसदी के बीच है। इनमें हरके की आबादी 25 से 35 लाख के बीच है। ये बिहार में किंगमेकर जातियां मानी जाती हैं। इन जातियों में बनिया सामान्य वर्ग में आता है। साथ ही ये धनाड्य जाति है। बाकी चारो जाति अतिपिछड़े वर्ग में आती हैं। संख्या बल में ज्यादा होने के चलते इन जातियों के अपने अपने समूह हैं और कई नेता भी हैं। बिहार की सभी प्रमुख राजनीतिक दलों में इन दलों के नेताओं को तवज्जो मिलती रही है। तेली, भूमिहार, कुर्मी, मुसहर और राजपूत बिहार की वो जातियां हैं जिनकी आबादी ढाई से तीन फीसदी है। इनका संख्या बल 35 से 45 लाख तक है। इन जातियों से बिहार में कई बड़े नेता आते रहे हैं। उदाहरण के तौर पर मुसहर में केंद्रीय मंत्री जीतन राम मांझी, कुर्मी में मुख्यमंत्री नीतीश कुमार, भूमिहारों में गिरिराज सिंह जैसे चेहरे हैं। बिहार के राजनीतिक इतिहास को देखें तो ये वो जातियां हैं जिन्होंने अपनी संख्या से ज्यादा सत्ता का सुख भोगा है। यादव, पासवान, चमार, कुशवाहा और ब्राह्मण ऐसी जातियां हैं जो बिहार की राजनीति की दिशा को तय करते हैं। इन जातियों से बिहार में पहले और मौजूदा वक्त में कई बड़े नेता हैं। सबसे बड़ी आबादी वाले यादव जाति में सबसे लोकप्रिय नेता लालू प्रसाद यादव और उनका परिवार है। इस वक्त लालू के बेटे तेजस्वी यादव यादवों के सर्वमान्य नेता माने जाते हैं। वहीं पासवान में पहले लंबे समय तक रामविलास पासवान अब उनके बेटे चिराग पासवान और पूरा परिवार इस समाज की राजनीति करते हैं। कुशवाहा समाज से उपेंद्र कुशवाहा, सम्राट चौधरी सरीखे नेता अपनी अलग दखल रखते हैं। ब्राह्मण समाज से भी अलग अलग दलों में कई प्रमुख चेहरे हैं, उदाहरण के लिए जनसुराज के संस्थापक प्रशांत किशोर, जेडीयू में संजय कुमार झा, बीजेपी में मंगल पांडेय, आरजेडी में मनोझ झा ऐसे चेहरे हैं जिनकी अलग साख है।

तकनीक का अंधेरा पक्षः ई-वेस्ट और हमारी लापरवाही

प्रो. आरके जैन

क्या आपने कभी सोचा कि आपके चमकदार स्मार्टफोन का अंत कहाँ होता है? वह फोन, जिसे आप रात-दिन थामे रहते हैं, एक दिन "बेकार" होकर कूड़े के ढेर में दफन हो जाता है। लेकिन रुकिए—यह सिर्फ कचरा नहीं है; यह इलेक्ट्रॉनिक कचरा (ई-वेस्ट) है, एक ऐसा ज़हर जो हमारी धरती की नसों में घुल रहा है, हवा को विषैला कर रहा है, और हमारी सेहत को चुपके से निगल रहा है। हम तकनीक की चकाचौंध में खोए हैं, लेकिन इस चमक के पीछे छिपा है एक अंधेरा खतरा, जो हमारी अनदेखी का इंतज़ार कर रहा है। ई-वेस्ट सिर्फ पुराने गैजेट्स का ढेर नहीं—यह हमारी लापरवाही का वह दाग है, जो आने वाली पीढ़ियों को भी भुगतना पड़ेगा। हम तकनीक के युग में जी रहे हैं, जहाँ हर साल नया स्मार्टफोन, टीवी, या लैपटॉप बाजार में आता है, और पुराना सामान या तो घर के किसी कोने में धूल खाता है या कचरे में फेंक दिया जाता है। लेकिन यह कचरा इतना साधारण नहीं। संयुक्त राष्ट्र की 2024 ग्लोबल ई-वेस्ट मॉनिटर रिपोर्ट के मुताबिक, 2022 में दुनिया ने 62 मिलियन टन ई-वेस्ट पैदा किया, और यह 2030 तक 82 मिलियन टन तक पहुँच सकता है। भारत इस मामले में तीसरे नंबर पर है, जहाँ हर साल 3.2 मिलियन टन ई-वेस्ट उत्पन्न होता है, जैसा कि सेंट्रल पॉल्यूशन कंट्रोल बोर्ड (CPCB) बताता है। लेकिन चिंता की बात? इसमें से सिर्फ 32% ही सुरक्षित रूप से रीसाइकल होता है। बाकी या तो लैंडफिल में सड़ता है या असंगठित क्षेत्रों में जहरीले तरीकों से निपटाया जाता है। ई-वेस्ट में लेड, मरकरी, कैडमियम, और ब्रोमीन जैसे जहरीले रसायन होते हैं। जब पुराने उपकरण खुले में जलाए जाते हैं, तो डाइऑक्सिन और फ्यूरान जैसी विषैली गैसें निकलती हैं, जो हवा को प्रदूषित करती हैं। विश्व स्वास्थ्य संगठन (WHO) के अनुसार, इन रसायनों के संपर्क में रहने से कैंसर, श्वसन रोग, त्वचा विकार, और मस्तिष्क संबंधी समस्याएँ हो सकती हैं। बच्चे और गर्भवती महिलाएँ इनके सबसे आसान शिकार हैं। जब ये उपकरण लैंडफिल में दबाए जाते हैं, तो उनके रसायन मिट्टी और भूजल में मिलकर उन्हें ज़हरीला बनाते हैं। एक अध्ययन के मुताबिक, भारत के 70% से ज्यादा भूजल स्रोत पहले ही प्रदूषित हो चुके हैं, और ई-वेस्ट इसका एक बड़ा कारण है।भारत में ई-वेस्ट की तस्वीर और भी डरावनी है। दिल्ली के सीलमपुर, मुंबई के धारावी, और बेंगलुरु के बाहरी इलाकों में हजारों गरीब मजदूर और बच्चे असंगठित क्षेत्रों में ई-वेस्ट को तोड़ते हैं। बिना मास्क या दस्तानों के, वे जहरीली धूल और गैसों के बीच तांबा, सोना, और अन्य धातुएँ निकालते हैं। एक रिपोर्ट के अनुसार, ऐसे क्षेत्रों में काम करने वाले 70% से ज्यादा लोग श्वसन और त्वचा रोगों से पीड़ित हैं। यह सिर्फ पर्यावरणीय आपदा नहीं, बल्कि मानवीय त्रासदी भी है। इन मजदूरों को न तो उचित मजदूरी मिलती है, न स्वास्थ्य सुविधाएँ, और न ही उनके अधिकारों की रक्षा होती है। दिल्ली के मंडोली जैसे इलाकों में ई-वेस्ट जलाने से निकलने वाला धुआँ आसपास के लोगों के लिए साँस लेना मुश्किल कर देता है।

पाकिस्तान पर 21.6 लाख करोड़ कर्ज, तिजोरी खाली

पाकिस्तान का हर बच्चा इस वक्त अपने सिर 86.5 हजार रुपए कर्ज लेकर पैदा होता है। तेल और गैस का इम्पोर्ट बिल हो या सैलरी और सब्सिडी जैसे रोजमर्रा के खर्च, पाकिस्तान की पूरी इकोनॉमी ही कर्ज पर चल रही है। लेकिन अब भारत आईएमएफ से पाकिस्तान को मिलने वाले लोन के खिलाफ वोट कर सकता है।

पाकिस्तान सरकार की जून 2024 की रिपोर्ट के मुताबिक, इस समय देश पर कुल 256 बिलियन डॉलर यानी करीब 21.6 लाख करोड़ रुपए का सार्वजनिक कर्ज है। ये पाकिस्तान की कुल जीडीपी का 67% है। इसके 2 हिस्से हैं...। विदेशी कर्ज वह पैसा है जो पाकिस्तान ने दूसरे देशों, इंटरनेशनल बैंकों या आईएमएफ जैसे ऑर्गनाइजेशन से उधार लिया है। यह कर्ज आमतौर पर अमेरिकी डॉलर में होता है और इसे चुकाने के लिए पाकिस्तान को फॉरेन करेंसी यानी डॉलर की जरूरत होती है। स्टैटिस्टिक टाइम्स के मुताबिक, पाकिस्तान के पास सिर्फ 1.3 लाख करोड़ रुपए विदेशी मुद्रा भंडार बचा है, जिससे महज 3 महीने का इम्पोर्ट बिल ही चुकाया जा सकता है। द वर्ल्ड बैंक इंटरनेशनल डेब्ट रिपोर्ट 2024 के मुताबिक, दिसंबर 2024 तक चीन ने पाकिस्तान को 28.7 बिलियन डॉलर यानी करीब 2.42 लाख करोड़ रुपए विदेशी कर्ज दिया। पॉलिसी पर्सपेक्टिव फाउंडेशन की रिपोर्ट के मुताबिक, 2000-2021 तक चीन ने पाकिस्तान को सीपीईसी के तहत सड़कों, बिजलीघरों और बंदरगाहों के लिए बड़े कर्ज दिए। इस दौरान 433 प्रोजेक्ट्स के लिए कर्ज लिया गया। हालांकि, पाकिस्तान सरकार चीन से लिए विदेशी कर्ज की पूरी डिटेल्स जारी नहीं करती। दिसंबर 2024 तक सऊदी अरब ने 9.16 बिलियन डॉलर, यानी करीब 77.2 हजार करोड़ रुपए कर्ज दिया। पाकिस्तान के कुल विदेशी कर्ज में सऊदी अरब की 7% हिस्सेदारी है। यह हिस्सेदारी 2023 में 5% थी। 2019 में 3 बिलियन डॉलर का कैश डिपॉजिट लिया, जिससे हर साल रोलओवर किया जा रहा। 2023 में 300 मिलियन डॉलर तेल और पेट्रोलियम के इम्पोर्ट के लिए लिया। 2024 में 5 बिलियन डॉलर का कैश डिपॉजिट लिया, जिसे 2025 में रोलओवर किया जाएगा।दिसंबर 2024 तक आईएमएफ ने पाकिस्तान को 7.5 बिलियन डॉलर, यानी करीब 64 हजार करोड़ रुपए कर्ज दिया। इसमें 7 बिलियन डॉलर का 37 महीने का एक्सटेंडेड फंड फैसिलिटी प्रोग्राम भी शामिल है, जिसे सितंबर 2024 में शुरू किया था। 1958 से 2024 तक पाकिस्तान ने IMF से 25 बार में करीब 15 बिलियन डॉलर से ज्यादा कर्ज लिया, जिसमें से कुछ चुका दिया है।ईएफएफ के तहत 7 बिलियन डॉलर की राशि में से सितंबर 2024 में 1 बिलियन डॉलर की पहली किस्त फौरन दी गई। बाकी 6 बिलियन डॉलर अगले 37 महीनों में दिए जाएंगे। इसके अलावा पाकिस्तान को कर्ज देने वालों में यूएई और कतर की भी बड़ी हिस्सेदारी है।पाकिस्तान कर्ज के जाल में फंस चुका है। विदेशी कर्ज का इस्तेमाल दो प्रमुख चीजों में किया जाता है... ।कर्ज चुकाने के लिए नया कर्जः दिसंबर 2020 में चीन ने पाकिस्तान को करीब 12.6 हजार करोड़ रुपए ($1.5 बिलियन) का कर्ज दिया था। इसी समय पाकिस्तान को सऊदी अरब से लिए लोन की किस्त चुकानी थी, जिसमें करीब 8.4 हजार करोड़ रुपए ($1 बिलियन) चले गए। इसी तरह पिछले साल मार्च में IMF ने पाकिस्तान को लगभग 9.2 हजार करोड़ रुपए ($1.1 बिलियन) का लोन मंजूर किया था। इसके अगले ही महीने पाकिस्तान ने लगभग 8.4 हजार करोड़ रुपए ($1 बिलियन) के मैच्योर हुए यूरो बॉन्ड का पेमेंट कर दिया।विदेशों से जरूरत का सामान खरीदने के लिएः पाकिस्तान पेट्रोलियम प्रोडक्ट्स और गैस का बहुत बड़ा हिस्सा आयात करता है। सितंबर 2024 के पहले हफ्ते में पाकिस्तान का विदेशी मुद्रा भंडार करीब महज 79.2 हजार करोड़ रुपए ($9.4 बिलियन) बचा था, जिससे वह सिर्फ एक महीना का आयात कर सकता था। इस समय पाकिस्तान विदेशों में काम कर रहे अपने अधिकारियों को सैलरी भी नहीं दे पा रहा था। ऐसे में आईएमएफ ने पाकिस्तान के लिए लगभग 59 हजार करोड़ रुपए (7 बिलियन) के कर्ज को मंजूरी दे दी। चीन, सउदी अरब और यूएई जैसे देशों ने भी पाकिस्तान की मदद का आश्वासन दिया था। इसके अलावा कर्ज का कुछ हिस्सा सीधे या अप्रत्यक्ष रूप से रक्षा बजट को बनाए रखने में जाता है। साथ ही बिजली, पेट्रोल, आटा आदि पर दी जाने वाली सब्सिडी भी कर्ज से फंड की जाती है। प्रशासनिक खर्च, सरकारी वेतन जैसे ऑपरेशनल खर्चों के लिए भी कर्ज लिया जाता है। 9 मई 2025 को आईएमएफ के एग्जीक्यूटिव बोर्ड की अगली मीटिंग होगी। इसमें पाकिस्तान को 1.3 अरब डॉलर यानी करीब 10.9 हजार करोड़ रुपए के कर्ज का रिव्यू किया जाएगा। रिपोर्ट के मुताबिक भारत 'आतंकवाद' का मुद्दा उठाकर पाकिस्तान को ये पैसा देने का विरोध कर सकता है। पिछली बैठक में भारत ने पाकिस्तान के बेलआउट पैकेट पर वोटिंग नहीं की थी। हालांकि, इस बार भारत पाकिस्तान को लोन देने के खिलाफ वोट कर सकता है। भारत का तर्क होगा कि पाकिस्तान आईएमएफ फंड का गलत इस्तेमाल कर रहा है और इससे आतंकवाद की मदद कर रहा है। आईएमएफ के किसी देश को लोन देने के अलग पैरामीटर्स हैं। आईएमएफ मेम्बर्स कई पैमानों पर तय करते हैं कि किसी देश को लोन देना चाहिए या नहीं। इसमें आईएमएफ की शर्तें, एफएटीएफ रैंकिंग और लोन वापस करने की क्षमता को देखा जाता है। भारत मीटिंग में पाकिस्तान के लोन को रुकवाने की कोशिश जरूर कर सकता है, लेकिन पाकिस्तान का लोन रोक पाना फिलहाल मुश्किल है।' भारत के पास पाकिस्तान के खिलाफ पुख्ता सबूत नहीं है। अभी पहलगाम हमले की जांच चल रही है और पाकिस्तान पर इस हमले में शामिल होने के आरोप हैं। सिर्फ इसके दम पर भारत लोन नहीं रुकवा पाएगा। हां, अगर जांच पूरी हो गई होती या आतंकवादियों को पकड़ लिया गया होता और वे पाकिस्तान से संबंध होना कबूल कर लेते तो जरूर एक्शन लिया जा सकता था। ऐसी स्थिति में FATF पाकिस्तान को ग्रे लिस्ट में डाल देती, जिससे आईएमएफ लोन रोक सकती थी। पाकिस्तान को अगले चार सालों में 100 बिलियन डॉलर यानी करीब 8.4 लाख करोड़ रुपए का विदेशी कर्ज चुकाना है। वहीं जुलाई 2025 तक पाकिस्तान को विदेशी कर्ज और ब्याज मिलाकर 30.35 बिलियन डॉलर यानी करीब 2.56 लाख करोड़ रुपए चुकाने हैं। 27 अप्रैल को स्टेट बैंक ऑफ पाकिस्तान के गवर्नर जमील अहमद ने बताया था कि जून 2025 तक पाकिस्तान का फॉरेन एक्सचेंज रिजर्व बढ़कर 14 बिलियन डॉलर, यानी करीब 1.18 लाख करोड़ रुपए हो जाएगा। फिर भी पाकिस्तान पर इससे दोगुना कर्ज होगा। ऐसे में कर्ज चुकाना आसान नहीं होगा। मई 2024 में आईएमएफ ने पाकिस्तान के कर्ज चुकाने की क्षमता पर संदेह जताया था। आईएमएफ ने कहा कि पाकिस्तान की कर्ज चुकानी की क्षमता पर जोखिम है। यह पाकिस्तान की नीतियों और समय पर बाहरी कर्ज मिलने पर निर्भर करेगा की वे लोन चुका पाएंगे या नहीं।कर्ज लेना हमेशा देश के लिए खराब नहीं होता। वहीं आमतौर पर इसका महंगाई से कोई सीधा संबंध भी नहीं है। सरकार कर्ज के पैसे को इनकम बढ़ाने के लिए इस्तेमाल करती है। कर्ज का पैसा जब बाजार में आता है तो इससे सरकार का रेवेन्यू बढ़ता है। अगर कर्ज के पैसे का गलत इस्तेमाल हो तो महंगाई बढ़ भी सकती है। जैसे- कर्ज लेकर पैसा आम लोगों में बांट दिया जाए तो लोग ज्यादा चीजें खरीदने लगेंगे। इससे बाजार में चीजों की मांग बढ़ेगी। मांग बढ़ने के बाद आपूर्ति सही नहीं रही तो चीजों की कीमत बढ़ेगी। पाकिस्तान के मामले में स्थिति अलग है। पाकिस्तान के कर्ज लेने से उसके देश में महंगाई बढ़ी है। इसकी वजह आईएमएफ ने पाकिस्तान को लोन देने के बदले सब्सिडी बंद करने की शर्त रखी है। इससे चीजों की कीमतें बढ़ जाती हैं। पाकिस्तान के अलावा दूसरे देश भी कर्ज लेते हैं, लेकिन वे अपने देश के विकास पर कर्ज के पैसे खर्च करते हैं। पाकिस्तान के केस में ऐसा नहीं है। 2014 में पाकिस्तान की जीडीपी 22.8 लाख करोड़ रुपए (271 बिलियन) थी। अगले 10 सालों में महज 37% बढ़कर 31.5 लाख करोड़ रुपए ($373 बिलियन) हुई। वहीं इसी दौरान भारत की जीडीपी में 92% तक बढ़ोतरी हुई। इससे यह साफ है कि पाकिस्तान कर्ज में लिए पैसों का इस्तेमाल देश के विकास के अलावा दूसरे कामों में करता है। दिसंबर 2024 में भारत पर कुल विदेशी कर्ज करीब 60 लाख करोड़ ($717.9 बिलियन) है। भारत पाकिस्तान की तरह आर्मी को फंड करने या कर्ज चुकाने कर्ज नहीं लेता, बल्कि देश के विकास और सरकारी योजनाओं पर कर्ज के पैसे खर्च करता है। भारत की जीडीपी में होती बढ़ोतरी इसका सबूत है। 2014 में जहां भारत की जीडीपी $2,039 बिलियन, यानी लगभग 172 लाख करोड़ थी, वह 2024 तक 92% बढ़कर $3,909 बिलियन, यानी लगभग 330 लाख करोड़ हो गई है। 2020 में आई कोविड-19 महामारी के बाद से भारत सरकार कई तरह की सब्सिडी भी दे रहा है। जैसे- 80 करोड़ लोगों को हर महीने मुफ्त अनाज। करीब 10 करोड़ से ज्यादा महिलाओं को उज्जवला योजना के तहत मुफ्त गैस सिलेंडर। करीब 9 करोड़ किसानों को सालाना 6 हजार रुपए। पीएम आवास योजना के तहत दो करोड़ लोगों को घर बनाने में आर्थिक सहायता।

कर्ज लेना हमेशा किसी देश के लिए खराब ही नहीं होता है। भारत की इकोनॉमी 3 ट्रिलियन से ज्यादा की हो गई है। इस हिसाब से देखें तो उसका कर्ज उतना ज्यादा नहीं है। ये पैसा सरकार वंदे भारत जैसी ट्रेन चलाने, रोड और एयरपोर्ट बनाने पर खर्च करती है, जो देश के विकास के लिए जरूरी है।

कर्ण को हमेशा आता था परेशान करने वाला सपना

महाभारत में सबसे जबरदस्त योद्धा माने जाने वाले कर्ण जब तक जिंदा रहे। तब तक उन्हें एक बहुत परेशान करने वाला सपना आता था। वह ये सपना देखकर बेचैन हो जाते थे। हमेशा उनके सपने में एक दुखी महिला आती थी। जिसके आंसू उनके ऊपर गिरते थे। हालांकि सपने में कभी उनको इस महिला का चेहरा नहीं दिखता था। बहुत बाद में जाकर उनको पता लगा कि इस सपने का मतलब क्या है और कौन सी वो महिला थी, जो उनको सपनों में उदास और दुखी होकर आती थी। उस महिला का उनसे क्या रिश्ता था।

कर्ण की जिंदगी भी दुखों से भरी कही जा सकती है। उनकी मां ने बचपन में ही उन्हें यतीम करके नदी में बहा दिया। उनका पालन पोषण जिस शख्स ने किया, वो सामाजिक स्तर पर नीचे था, लिहाजा कर्ण को हमेशा एक अलग निगाह से देखा और व्यवहार किया गया। ऐसे में उनको एक ऐसा साथी मिला जिसने उन्हें सम्मान, राजपाट और रूतबा दिया।

महाभारत के पराक्रमी योद्धा कर्ण को अक्सर एक सपना आता था कि एक राजसी महिला घूंघट में उनके पास आती है। उसकी आंखों से आंसू निकलते हैं...और ये सपना उन्हें बेचैन कर देता था। महाभारत और अन्य ग्रंथों के अनुसार केवल कर्ण ही नहीं बल्कि कुंती को एक सपना आता था, जो उन्हें बेचैन करता था। ये सपना आखिर दोनों को क्यों आता था। इसका मतलब क्या था। जब पहली बार कुंती सूर्य की आराधना करते हुए कर्ण से मिलीं तब पता चला कि ये सपना क्यों आता है।

महाभारत में जितने कैरेक्टर हैं, उतनी ही उनकी कहानियां। कर्ण पांडवों की मां कुंती के ही बेटे थे। कुंती ने कुंवारे रहते हुए सूर्य की मदद से कर्ण को जन्म दिया था लिहाजा लोकलाज के डर से जन्म देने के बाद नवजात कर्ण को एक टोकरी में रखकर नदी में बहा दिया।

कर्ण को सूत अधिरथ और उसकी पत्नी ने पाला-पोसा। ये बात कर्ण को अक्सर विचलित करती थी कि आखिर वो किसके बेटे हैं। हालांकि वह पराक्रमी थे। हालात ने उन्हें दुर्योधन का मित्र बना दिया।

तब स्तब्ध रह गए कर्ण

कर्ण जीवनभर अपने असली मां-बाप की तलाश में लगे रहे। जब एक दिन इसका पता लगा तो वह स्तब्ध रह गए। तब फिर हैरान रह गए जब एक दिन उनकी असल मां कुंती अचानक सामने आकर खड़ी हो गईं। वह उन्हें पहचानते नहीं थे लेकिन वह उस सपने में आने वाली महिला जैसी थीं, जो उनके सपने में आया करती थीं। इसी मिलन में कर्ण ने पहली बार अपना दिल खोला।

दरअसल जब पांडवों का वनवास खत्म हुआ तो कृष्ण हस्तिनापुर महाराजा धृतराष्ट्र से मिलने गए। कोशिश की गई कि पांडवों को उनका हक दिलाया जाए। ऐसा नहीं हुआ। राजसभा में दुर्योधन के अडियलपन के बाद तय हो गया कि युद्ध तो अब होकर रह रहेगा।

तब कृष्ण अकेले में कर्ण से मिले

इसके बाद कृष्ण दो लोगों से मिले। एक कुंती थीं और दूसरे कर्ण। जब वह कर्ण से मिले तो पहली बार इस राज से पर्दा उठाया कि वह असल में कौन हैं और उनकी मां कौन हैं। तब उन्हें पता लगा कि असल में वह पांडवों के भाई हैं।

सच जान कर्ण रोने लगे

कर्ण की सांसें मानो अटक गईं। उनकी आंखें आंसुओं से भर गईं। चेहरे का रंग उड़ गया। रुंधे हुए गले से उन्होंने कृष्ण से कहा, 'तो क्या आप कह रहे हैं कि पांडव मेरे भाई हैं और कुंती मेरी मां। कृष्ण ने हां में सिर हिलाया। कर्ण की रुलाई फूट पड़ी। हालांकि ये जानने के बाद भी उन्होंने कहा, मैं दुर्योधन के साथ ही लड़ूंगा, भले बर्बाद हो जाएं।'

फिर कुंती कर्ण से मिलने गई

जब महाभारत का युद्ध होना तय हो गया। तब चिंतित कुंती एक दिन कर्ण से मिलने गईं। जब वह गईं तो कर्ण दोपहर के समय गंगा किनारे उस समय सूर्य की आराधना कर रहे थे। इतने बरसों में वह हस्तिनापुर में कभी कुंती से नहीं मिले थे। तो कैसे पहचान पाते। हां, कुंती को देखकर उसे ये तो लगा कि ये महिला निश्चित तौर पर राजवंश की हैं। लेकिन कुंती को देखकर उन्हें ये भी लग रहा था कि शायद वह उनसे मिल चुके हैं।

तब कर्ण ने मां से क्या कहा

तब कर्ण ने कहा, 'मुझे लगता है जैसे मैं आपको हमेशा से जानता हूं। मैंने आपकी उदास आंखें, कोमल आवाज और चेहरा सपनों में लगातार देखा है। ये सपने मुझे हर बार बेचैन कर देते हैं। सपने में क्या होता था जो बेचैन हो जाते थे कर्ण ने आगे कहा, 'वर्षों से हर रात मुझे एक ही सपना आता है, मैं ऐसी महिला को देखता हूं, जो राजकुमारी की तरह है, उसका चेहरा हमेशा घूंघट से ढका रहता है। वह मेरे ऊपर झुकती है। उसकी आंखों से गर्म आंसू मेरे चेहरे पर गिरकर मुझे जला देते हैं। वह कहती है, "मैंने तुम्हारे साथ जो अन्याय किया है, मैं उसके लिए रो रही हूं। मैं तुमसे केवल तुम्हारे सपनों में ही बात कर सकती हूं। मैं जब पूछता हूं कि "तुम कौन हो?" तो जवाब नहीं मिलता, वह तब सपने से गायब हो जाती हैं।'

कर्ण मां से लिपटकर रोने लगा

तब शर्मसार कुंती ने बताया, 'मैं तुम्हारी मां हूं, तुम मेरे सबसे बड़े बेटे हो। पांडव तुम्हारे भाई हैं। ये सुनकर कर्ण सकते में आ गए। किस्मत के खेल ने उन्हें भावुक कर दिया, ये वो क्षण था, जिसका उन्होंने जीवनभर इंतजार किया था। अब वो क्षण सामने तो था लेकिन अजीब तरह से हैरान कर देने वाला। वह रोते हुए मां से लिपट गए। हालांकि कर्ण ने कुंती से साफ कर दिया कि वह युद्ध में दुर्योधन का ही साथ देंगे। उन्होंने कहा, पांडवों के खिलाफ लड़ना उनकी मजबूरी है। हां, आपके पांच पुत्र जरूर जीवित रहेंगे, ये मेरा वचन है।

कुंती को कौन सा सपना आता था

अब आइए हम आपको बताते हैं कि कुंती को कौन सा सपना आता था, जिसमें वह कर्ण से मिलती थीं, उसे अपने पास बुलाती थीं। उसे बताती थीं कि वह उनकी मां हैं। सपने में वह अपने बेटे को अपनाने की इच्छा जरूर जाहिर करती थीं। कुंती के सपनों में कर्ण का रूप एक वीर योद्धा का होता था, जो अपनी पहचान की खोज में बेचैन है।

सपनों में कुंती और कर्ण के बीच गहरे संवाद होते थे, जहां कुंती अपने बेटे से अपनी भावनाओं को साझा करती थीं। ये भी बताती थीं कि कैसे उन्होंने उसे जन्म दिया लेकिन सामाजिक दबाव के कारण छोड़ना पड़ा।

कुंती ने ये असलियत पांडवों को कब बताई ये सपने कुंती को बेचैन कर देते थे, क्योंकि तब वह कर्ण के लिए तड़प उठती थीं। उससे मिलना चाहती थीं। बताना चाहती थीं कि वह उनके ही बेटे हैं, पांडवों के भाई हैं लेकिन सामाजिक डर से ऐसा नहीं कर पाती थीं। हालांकि बाद में ये काम उनको करना पड़ा। तब तक बहुत देर हो चुकी थी। ये बात उन्होंने पांडवों को तब बताई जब महाभारत के युद्ध के बाद तर्पण हो रहा था। तब कुंती ने युधिष्ठिर को पहली बार बताया कि कर्ण उनका बड़ा भाई था, उसका तर्पण पांडवों को करना चाहिए। युधिष्ठिर ये जानकर बहुत नाराज हुए कि कुंती ने ये बात पहले क्यों नहीं बताई। अगर बताई होती तो कभी युद्ध की नौबत ही नहीं आती। तब नाराज युधिष्ठिर ने अपनी मां को पहली बार श्राप भी दिया।

परमात्मा बेटियों के प्रति अतिरिक्त रूप से उदार है

बेटे-बेटी के लालन-पालन में सावधानी के स्तर पर जरूर फर्क रखिए, लेकिन लाड़-प्यार में अंतर नहीं होना चाहिए। बेटी बचाओ और बेटी पढ़ाओ- इसमें पढ़ाना शब्द बड़ा गहरा है। पुरुष की शिक्षा स्त्री की शिक्षा से तब भी अलग थी और आज भी अलग है।

व्यावसायिक जीवन में एक जैसे शिक्षित व्यक्ति के लिए संघर्ष बदल जाता है। परिवार की बात करें तो एक आंकड़ा बहुत सुखद इन दिनों नजर आता है कि पढ़ी-लिखी बेटियां बेटों के मुकाबले बुढ़ापे में अपने मां-बाप की सेवा अधिक कर रही हैं।

इनका प्रतिशत 28 है। लेकिन चार रिश्ते परिवार के चतुर्भुज हैं और अगर इसे ठीक से समझ लें तो स्वर्ग धरती पर उतर आए- सास, मां, बेटी और बहू। सास कितनी मां बनती है, बहू को कितनी बेटी माना जाता है और बेटी को बहू बनाते समय क्या समझाया जाता है। भागवत ग्रंथ के अनुसार संसार में पहली पांच संतानों में तीन बेटियां थीं। तो परमात्मा बेटियों के प्रति अतिरिक्त उदार है, कृपावंत है, और यही काम हमें अपने परिवारों में करना चाहिए।

हर व्यक्ति बनवा रहा अटैच्ड लेट-बाथ जीवन पर पड़ेगा बुरा असर!

किस दिशा में हो बाथरूम और कहां हो दरवाजा?

आजकल ज़्यादातर घरों में बाथरूम और टॉयलेट एक साथ बने होते हैं, जिसे हम अटैच्ड वॉशरूम कहते हैं। यह सुविधा के लिहाज़ से अच्छा माना जाता है, लेकिन अगर इसके साथ वास्तु के कुछ ज़रूरी नियमों का ध्यान न रखा जाए, तो इससे घर के माहौल पर असर पड़ सकता है। वास्तु कोई तंत्र या जादू नहीं है, बल्कि यह घर में ऊर्जा के संतुलन को बनाए रखने का एक तरीका है।

अगर बाथरूम और टॉयलेट एक साथ हैं तो उससे निकलने वाली गंध, नमी और नकारात्मकता पूरे घर को प्रभावित कर सकती है। इसलिए जरूरी है कि इन जगहों को सही दिशा में बनाया जाए और कुछ आसान नियमों का पालन किया जाए ताकि घर में सुख शांति बनी रहे।

बाथरूम का दरवाजा सही दिशा में हो

अगर आपके घर में अटैच्ड बाथरूम है, तो उसका दरवाजा उत्तर या पूर्व दिशा की तरफ होना चाहिए। कोशिश करें कि दरवाजा दक्षिण पश्चिम दिशा में न हो, क्योंकि यह दिशा घर की ऊर्जा को प्रभावित करती है। अगर पहले से वॉशरूम इसी दिशा में बना है, तो दरवाजे पर मोटा परदा लगाएं और हमेशा बंद रखें।

बाथरूम और टॉयलेट की सही दिशा क्या हो

अटैच्ड वॉशरूम को उत्तर, उत्तर पश्चिम या उत्तर पूर्व दिशा में बनवाना अच्छा माना जाता है। ये दिशाएं पानी और सफाई से जुड़ी होती हैं। अगर ये टॉयलेट घर के बीच या दक्षिण दिशा में हो, तो यह घर की शांति और ऊर्जा को बिगाड़ सकता है। घर के बीच वाला हिस्सा यानी सेंटर सबसे पवित्र हिस्सा माना जाता है, वहां गंदगी या नमी नहीं होनी चाहिए।

सीढ़ियों के नीचे वॉशरूम न बनवाएं

सीढ़ियों के नीचे टॉयलेट या बाथरूम बनाना वास्तु के अनुसार ठीक नहीं माना जाता। इससे घर में लगातार नकारात्मकता बनी रह सकती है। कोशिश करें कि वॉशरूम का दरवाजा बाहर की तरफ खुले और हर वक्त साफ सुथरा रहे।

हवादार और रौशनी वाला हो बाथरूम

अटैच्ड वॉशरूम में रौशनी और हवा का आना बहुत जरूरी है। अगर यह हिस्सा अंधेरा और बंद रहेगा, तो वहां से नकारात्मक ऊर्जा पूरे घर में फैल सकती है। खिड़की या एग्जॉस्ट फैन लगवाना इस समस्या का हल हो सकता है।

पार्टीशन से करें टॉयलेट और बाथरूम को अलग अगर बाथरूम और टॉयलेट दोनों एक साथ हैं तो दोनों के बीच में एक मोटा परदा, स्लाइडिंग दरवाजा या कोई पार्टीशन लगवाना अच्छा होता है। इससे दोनों हिस्सों में फर्क बना रहता है और नमी या गंदगी पूरे वॉशरूम में नहीं फैलती।

भानु सप्तमी के दिन ऐसे करें सूर्य देव की पूजा

सनातन धर्म में भानु सप्तमी का अधिक महत्व है। यह हर माह के कृष्ण पक्ष की सप्तमी तिथि को मनाई जाती है। इस बार फाल्गुन महीने में 03 मार्च को भानु सप्तमी है। इसे कई नामों से जाना जाता है जैसे- रथ सप्तमी और अचला सप्तमी। इस विशेष तिथि पर भगवान सूर्य देव की विशेष पूजा- अर्चना की जाती है। इसके अलावा पूजा, जप-तप और दान करने का भी विधान है। धार्मिक मान्यता के अनुसार, भानु सप्तमी के दिन भगवान सूर्य देव की विधिपूर्वक पूजा करने से साधक को कारोबार में सफलता प्राप्त होती है और घर में खुशियों का आगमन होता है।

भानु सप्तमी पूजा विधि

भानु सप्तमी के दिन सुबह ब्रह्म मुहूर्त में उठे और दिन की शुरुआत भगवान सूर्य देव और देवी-देवता के ध्यान से करें। इसके बाद स्नान कर पीले वस्त्र धारण करें। मंदिर की साफ-सफाई करें। अब भगवान सूर्य देव को जल अर्पित करें। इस दौरान इस मंत्र का जाप करें।

-एहि सूर्य सहस्त्रांशो तेजोराशे जगत्पते ।
अनुकम्पय मां देवी गृहाणार्घ्यं दिवाकर।।
-ॐ भूर्भुवः स्वःतत्सवितुर्वरेण्यं
भर्गो देवस्यः धीमहि धियो यो नः प्रचोदयात॥

जल देते समय काले तिल प्रवाहित करें। भगवान सूर्य को पीले रंग का फूल और जौ अर्पित करें। इसके पश्चात दीपक जलाएं और आरती करें। साथ ही सच्चे मन से सूर्य चालीसा और सूर्य कवच का पाठ करें। अंत में सुख-समृद्धि की कामना करें। सूर्य देव को फल और मिठाई का भोग लगाएं और लोगों में प्रसाद का वितरण करें। अगर आप सूर्य देव का आशीर्वाद प्राप्त करना चाहते हैं, तो श्रद्धा अनुसार गरीबों को विशेष चीजों का दान करें।

उगते सूरज को अर्घ्य दें और बिना नमक का व्रत रखें पूजा विधिः सूर्योदय से पहले नहाने के बाद तांबे के लोटे में शुद्धजल भर लें। उसके साथ ही लोटे में लाल चंदन, लाल फूल, चावल और कुछ गेहूं के दाने भी डाल लें। ऊं घृणि सूर्याय नमः मंत्र बोलें और उगते हुए सूरज को इस लोटे का जल चढ़ाएं। इसके बाद भगवान भास्कर को नमस्कार करें। गायत्री मंत्र का जाप करें और हो सके तो आदित्य हृदय स्तोत्र का भी पाठ करें। इसके अलावा भगवान सूर्य के 12 नामों का जाप भी कर सकते हैं।

व्रत विधिः सूर्य के सामने बैठकर दिनभर बिना नमक का व्रत करने का संकल्प लें। संभव हो तो पूरे दिन तांबे के बर्तन का पानी पीएं। पूरे दिन व्रत रखें और फलाहर में नमक न खाएं। एक समय भोजन करें तो उसमें भी नमक का इस्तेमाल न करें। सूर्य को अर्घ्य देने के बाद श्रद्धानुसार भोजन, वस्त्र या कोई भी उपयोगी वस्तु दान करें। गाय को चारा खिलाएं और अन्य पशु-पक्षियों को भी खाने की कोई वस्तु खिलाएं। दूर होती हैं बीमारियां भानु सप्तमी पर सूर्य को जल चढ़ाने से बुद्धि का विकास होता है और मानसिक शांति मिलती है और वह व्यक्ति कभी भी अंधा ,दरिद्र, दुखी नहीं रहता। सूर्य की पूजा करने से मनुष्य के सब रोग दूर हो जाते हैं। भानु सप्तमी के दिन दान करने से पुण्य बढ़ता है और लक्ष्मीजी भी प्रसन्न होती हैं। पूर्ण श्रद्धा और विश्वास के साथ यह व्रत करने से पिता और पुत्र में प्रेम बना रहता है। इस दिन सामर्थ्य के अनुसार गरीबों और ब्राह्मणों को दान देना चाहिए।

क्यों शनि प्रभावित जातकों को उठानी पड़ती है पीड़ा?

समुद्र मंथन की घटना से हम सभी परिचित हैं। समुद्र मंथन हिंदू धर्म की सबसे रोचक और प्रसिद्ध कथाओं में से एक है। यह कहानी देवताओं और असुरों के बीच के संघर्ष को दर्शाती है। समुद्र मंथन की कथा और इसमें छिपे शनि से प्रभावित जातकों का क्या कनेक्शन है। जब मंथन प्रारंभ हुआ तो मंदार पर्वत के भारी भार और उससे उत्पन्न घर्षण के कारण पृथ्वी और पर्वत नीचे धंसने लगे, जिससे मंथन असंभव हो गया। जब भगवान विष्णु ने यह समस्या देखी तो उन्होंने कर्म के देवता शनि से ऊर्जा ग्रहण कर एक कच्छप (कछुए) के रूप में अवतार लिया।

वे बिना किसी को दिखाई दिए चुपचाप मंदार पर्वत के नीचे जाकर स्थिर हो गए, जिससे मंथन सुचारु रूप से चलने लगा। इस दौरान उन्हें अपने शरीर पर असहनीय पीड़ा भी सहनी पड़ी।

मंथन की समाप्ति के पश्चात सभी पक्ष समुद्र से प्राप्त विशिष्ट वस्तुओं और शक्तियों को अपने-अपने हित में ले गए लेकिन किसी ने भी कच्छप रूपी शनिदेव की अवस्था की चर्चा नहीं की, न ही उनके अति महत्वपूर्ण सहयोग की कोई सराहना की। कार्य समाप्त होने पर वे पुनः शनिदेव में विलीन हो गए।

यद्यपि अवतारों की श्रृंखला में यह कथा सबसे छोटी प्रतीत होती है, लेकिन यह बेहद महत्वपूर्ण है। इस कच्छप अवतार को ध्यान में रखते हुए अगर हम शनि से प्रभावित जातकों की मानसिकता को समझें तो पाते हैं कि ऐसे जातकों को जीवन में अक्सर कठिन और चुनौतीपूर्ण परिस्थितियों से गुजरना पड़ता है, जिनका सामाजिक महत्व अत्यधिक होता है। इन जातकों को पीड़ा सहते हुए भी अपने कार्यों को निरंतर आगे बढ़ाना होता है। सबसे बड़ी पीड़ा तब होती है जब उनके द्वारा किया गया महत्वपूर्ण योगदान, जिसके बिना सफलता संभव नहीं थी। अनदेखा कर दिया जाता है और कोई सराहना नहीं मिलती। ऐसे में जातक को अपेक्षाओं से ऊपर उठकर सेवा और सहयोग की भावना से अपने प्रत्येक कर्म को करना चाहिए।

6 मई को खुलेंगे धन के द्वार, शुक्र का नक्षत्र परिवर्तन

जिस तरह देवताओं के गुरु बृहस्पति ग्रह माने जाते हैं। उसी तरह देत्यो के गुरु शुक्र माने जाते हैं। हर ग्रह की तरह शुक्र एक निश्चित अवधि में अपना राशि परिवर्तन करते हैं। सिर्फ राशि ही नहीं, बल्कि एक निश्चित समय में अपना नक्षत्र भी परिवर्तन करते हैं।

जब शुक्र अपनी चाल में परिवर्तन करते हैं, चाहे वो राशि परिवर्तन हो या नक्षत्र परिवर्तन प्रभाव मानव जीवन के साथ-साथ सभी राशियों के ऊपर पड़ता है। किसी राशि के ऊपर सकरात्मक प्रभाव पड़ता है, वहीं मई के महीने में शुक्र अपना नक्षत्र परिवर्तन करने वाले हैं। हालांकि जब शुक्ला नक्षत्र परिवर्तन करेंगे, तो कई राशियों के ऊपर अच्छी और बुरी दोनों दृष्टि पड़ने वाली है। शुक्र की अच्छी दृष्टि व्यक्ति को धनवान बनाता है। व्यक्ति को हर कार्य में सफलता मिलती है और कष्ट समाप्त हो जाता है।

वहीं देवघर के प्रसिद्ध ज्योतिषाचार्य पंडित नंद किशोर मुद्गल ने जानकारी देते हुए कहा कि 16 में को शुक्र बुध के नक्षत्र में प्रवेश कर जाएंगे। यानी शुक्र रेवती नक्षत्र में प्रवेश करने वाले हैं, जो बेहद शुभ माना जाता है और 31 मई तक इसी नक्षत्र में रहने वाले हैं। इसका प्रभाव चार राशियों के ऊपर सकारात्मक पड़ने वाला है।

शुक्र के नक्षत्र परिवर्तन करने से वृषभ राशि जातक के ऊपर सकारात्मक प्रभाव पड़ने वाला है। लंबे समय से रुकी हुई कोई इच्छा पूर्ण होने वाली है। आर्थिक स्थिति अच्छी होने वाली है। आय के नये-नये स्रोत बनने वाले है। धन ऐश्वर्या मे तेज़ी से बढ़ोतरी होने वाली है।

शुक्र के नक्षत्र परिवर्तन करने से कर्क राशि पर सकरात्मक प्रभाव पड़ने वाला है। भूमि, भवन, वाहन मामलो मे आपार सफलता मिलने वाली है। नौकरीपेशा लोगो को वरिष्ठ अधिकारीयों को भरपूर साथ मिलेगा जो आपके लिए काफी लाभकारी रहने वाला है। रोजी रोजगार की तलाश पूरी होगी। हर कार्य मे सफलता हासिल होगी।

शुक्र के नक्षत्र परिवर्तन करने से तुला राशि पर सकरात्मक प्रभाव पड़ने वाला है। अध्यात्म की ओर झुकाव होगा। जिस वजह से कई धार्मिक कार्यों में भी आप भागीदारी दे सकते हैं। व्यापार मे कोई बडा डील मिल सकता है। जिससे भरपूर मुनाफा होगा। आर्थिक स्थिति मजबूत होगी।

शुक्र के नक्षत्र परिवर्तन करने से मकर राशि पर सकारात्मक प्रभाव पड़ेगा। आत्मविश्वास में तेजी से वृद्धि होगी। आकस्मिक धन लाभ के योग बनेंगे। संतान पक्ष से कोई शुभ समाचार की प्राप्ति हो सकती है। इसके साथ ही बौद्धिक क्षमता में बढ़ोतरी होगी। व्यापार के क्षेत्र में कोई बड़ा लाभ मिल सकता है।

किस्मत में लिखा है अभिनय करना तो करूंगी : राशा थडानी

जब से मैंने अपनी मां को कैमरे पर देखा, मुझे पता था कि मैं यही करना चाहती हूं। स्कूल में, मेरा झुकाव हमेशा रचनात्मक कलाओं की ओर था। मैं शीशे के सामने खड़ी होकर खुद को देखती और नाचती गाती थी।

लोकप्रिय बॉलीवुड अभिनेत्री रवीना टंडन की बेटी राशा थडानी ने मां की तरह ही हीरोइन बनने की ओर कदम बढ़ा दिए हैं। उसने इसी साल निर्देशक अभिषेक कपूर की फिल्म 'आजाद' से अपनी अभिनय यात्रा शुरू की और पहली ही फिल्म में अपने अभिनय के लिए तारीफें बटोरने के साथ ही इसमें डांस नम्बर 'ऊई अम्मा...' से अपने ग्लैमरस अवतार की बदौलत भी सबका दिल जीत लिया है।

यह वास्तव में एक बहुत ही मजेदार कहानी है। हम किसी के जन्मदिन पर थे और एक लाइव सिंगर परफॉर्म कर रहा था। मैं स्टेज के पास उसके गानों पर डांस कर रही थी और वह भी। हमने एक-दूसरे को देखा, साथ में डांस करना शुरू किया और सचमुच बस इतना ही काफी था। हम बहुत जल्दी घुल-मिल गईं और अब मुझे नहीं पता कि मैं उनके बिना क्या करूंगी। वर्तमान में, तमन्ना और विजय वर्मा (तमन्ना का एक्स ब्वॉयफ्रेंड) मेरे सबसे करीब हैं, वे मेरे गॉडपेरेंट्स की तरह हैं।

जब मैंने पहली बार फोटोग्राफरों और मीडिया का सामना किया, तो यह डराने वाला था। वे अक्सर कहीं से भी कैमरा लेकर आ जाते थे और मैं सोचती थी- 'अब मैं क्या करूं ?' पहले तो यह डरावना था लेकिन आप इसे अनुभव के माध्यम से ही संभालना सीख सकते हैं, चाहे सोशल मीडिया हो, फोटोग्राफरों के साथ या इंटरव्यू में। शुरुआत में, मुझे चिंता होती थी कि कोई गलत जवाब न दे दूं या गलत न कह दूं, लेकिन समय के साथ, मैंने सबसे महत्वपूर्ण बात सीख ली है : बस अपने प्रति सच्चे रहें। हर परिस्थिति में ईमानदार और प्रामाणिक होना सबसे अच्छे से काम करता है।

पूजा दीदी तथा मैं एक टीम हैं और छाया दीदी तथा रणबीर दूसरी टीम हैं। पूजा दीदी और मैं शरारती हैं जबकि छाया दीदी और रणबीर बिलकुल सीधे-साधे हैं इसलिए पूजा दीदी और मैं उन्हें हर समय परेशान करते रहते हैं।

जब से मैंने अपनी मां को कैमरे पर देखा, मुझे पता था कि मैं यही करना चाहती हूं। मुझे हमेशा से प्रदर्शन कलाएं पसंद रही हैं। स्कूल में मेरा झुकाव हमेशा रचनात्मक कलाओं की ओर था। मैं शीशे के सामने खड़ी होकर खुद को देखती और नाचती गाती थी। मैं गाने और प्यानो बजाने का नाटक करती थी लेकिन एक समय ऐसा भी था जब मैं पशु चिकित्सक बनना चाहती थी।

जब हम बच्चे थे तब मैं अनन्या (पांडे), शनाया (कपूर) और सुहाना (खान) को जानती थी। ऐसे कई मौके आए जब हमारे माता-पिता लंदन, जर्मनी जैसी जगहों पर शूटिंग कर रहे होते थे तो ह साथ में यात्रा करते थे। मैं उन्हें छाया दीदी मुंबई वापस चली गई हैं और पूजा दीदी दक्षिण अफ्रीका में रहती हैं लेकिन जब भी वे घर पर होती हैं, तो यह पूरी तरह पागलपन भरा माहौल होता है। दिसंबर में, हम सभी एक स्कूल घर में साथ रहे। मां वहां से बस जाना चाहती और थीं क्योंकि हमने उन्हें वाकई पागल कर दिया था। बाहर भी हम चारों मिलकर व्यावहारिक रूप से बहुत उथल-पुथल मचा सकते हैं, इसलिए हमारी अपनी जानती थी।

मैं अपने माता पिता दोनों के बराबर करीब हूं। मैं अलग-अलग तरह की सलाह के लिए दोनों के पास जाती हूं। मो और मेरे पास हर दिन बात करने के लिए बहुत कुछ होता हैं। वह मेरा भावनात्मक सहारा हैं। जहां तक पिताजी की बात है, तो वह मुझे अपने व्यावसायिक दृष्टिकोण से मार्गदर्शन देते हैं। उन्होंने हमेशा मुझे जमीन से जुड़े रहने के लिए कहा है। वह कहते हैं, 'अगर आप कड़ी मेहनत करेंगे तो परिणाम जरूर दिखेंगे। अगर आपको नतीजें नहीं मिल रहे हैं, तो इसका

मैगजीन के कवर में आना आश्चर्यजनक से कम नहीं महसूस होता। साथ ही, यह डरावना भी है। बहुत कुछ है, जिसे मैं अभी भी समझ नहीं पा रही हूं। मुझे लगता है कि यह भावनाओं का बवंडर हैं। मेरा मानना है कि यह किस्मत है। जो कुछ भी होना है, वह अपने समय पर होता ही है। यहां तक कि पहली फिल्म साइन करना भी मुझे विश्वास की छलांग लगाने जैसा लगा। जब मुझे साइन किया गया, तब मैं 11वीं कक्षा में पढ़ाई कर रही थी। मुझे स्क्रिप्ट पसंद आई और मैंने हां कह दिया। अभी भी मैं पढ़ाई कर रही हूं।

मुझे मुंबई की याद आती है : पूजा बनर्जी

लोकप्रिय धारावाहिक 'कुमकुम भाग्य' में काम कर चुकी पूजा बनर्जी दूसरी बार मां बनने वाली है। इसका खुलासा उसने एक सोशल मीडिया पोस्ट के जरिए किया। एक बातचीत में उसने बताया कि वह अपनी प्रैग्नेंसी के समय को काफी एन्जॉय कर रही है। साथ ही दिल्ली शिफ्ट होने के एक्सपीरियंस पर बात करते हुए उसने राष्ट्रीय राजधानी और मुंबई के बीच बड़े अंतर का भी खुलासा किया।

पूजा ने कहा, ऐसा लगता है कि इस बार 24 घंटे भी कम हैं। मैं भले मुंबई में रहूं या नहीं या फिर बतौर एक्ट्रैस काम करूं या नहीं, मैं काफी बिजी रहती हूं। सचमुच समय तेजी से निकलता है। मैं बेटी सना, उसके शैड्यूल और स्टूडियो के काम में इतनी बिजी हूं कि मुझे सचमुच लगता है कि मेरे पास समय कहां है ? यह थोड़ा थका देने वाला हो जाता है, क्योंकि प्रैग्नेंसी में मुझे काफी सफर करना पड़ रहा है। फिर भी मैं इस समय को बेहद एन्जॉय कर रही हूं और अपने बच्चों को कहानियां सुनाने के लिए एक्साइटेड हूं।₹ दूसरे बच्चे की प्लानिंग को लेकर पूजा ने बताया कि वह हमेशा से अपने पहले बच्चे को एक भाई या बहन देना चाहती थी, क्योंकि यह एक ऐसा शानदार गिफ्ट है जो आप अपने बच्चे को दे सकते हैं। उसने बताया कि उसके पतिसंदीप का भी ऐसा ही मानना है।

उसने कहा, "शुक्र है कि संदीप भी इसी सोच के हैं। मैं दो भाइयों के साथ बड़ी हुई हूं, इसलिए मुझे भाई - बहन के रिश्ते की अहमियत अच्छे से पता है।

पर्दे पर वापसी के सवाल पर पूजा ने कहा, यह सब मेरी हैल्थ और बच्चों की जरूरतों पर निर्भर करता है। मैं खुद पर ज्यादा दबाव नहीं डालना चाहती इसलिए मैं खुद को समय दूंगी और देखूंगी कि मेरे लिए किस तरह के मौके आते हैं।

नई दिल्ली शिफ्ट होने के अनुभव को शेयर करते हुए उसने कहा, यह मुंबई से काफी अलग है। यहां ज्वाइंट फैमिली है, परिवार के कई लोग बच्चों की देखभाल करते हैं और यहां हमेशा अलग तरह के सैलिब्रेशन होते रहते हैं। सबसे ज्यादा मुझे यह पसंद है कि यहां मुंबई की तुलना में अधिक जगह है।

मुंबई लौटने के बारे में पूजा ने कहा, "मुझे मुंबई की याद आती है, मैं कैमरे और एक्टिंग को काफी मिस कर रही हूं लेकिन मैं खुश हूं कि मुझे अपने बच्चों की परवरिश के लिए, उनके खेलने के लिए और नई-नई चीजें सीखने के लिए एक बड़ी जगह मिल रही है।

घरवालों की मर्जी के खिलाफ 'शादी' करके पछताई कंगना शर्मा

बॉलीवुड और टी.वी. जगत में बहुत-सी अभिनेत्रियां ऐसी हैं जिन्हें प्यार और शादी में धोखा मिल चुका है। अपनी बोल्डनैस को लेकर सुर्खियां बटोरने वाली कंगना शर्मा भी इनमें से एक है।

कंगना का करियर काफी उथल- पुथल भरा रहा और इसके पीछे वजह थी उसकी शादी। दरअसल, करियर शुरू होते ही उसकी मुलाकात एक ऐसे शख्स से हुई, जिससे उसे प्यार हो गया।

कंगना ने कुछ समय पहले एक इंटरव्यू में अपनी पर्सनल लाइफ को लेकर खुलकर बात की थी। इसी दौरान उसने अपनी जिंदगी में प्यार, शादी और फिर प्रैग्नेंसी को लेकर भी बात की।

कंगना ने बताया कि 2019 में योगेश नामक शख्स से उसकी मुलाकात हुई थी, जिसने उसे प्रपोज किया।

कंगना ने अपना करियर शुरू ही किया था और उस वक्त वह शादी नहीं करना चाहती थी लेकिन भावनाओं में बहकर वह योगेश से शादी के लिए राजी हो गई। हालांकि, उसके परिवार वाले इस शादी के खिलाफ थे, लेकिन अभिनेत्री ने परिवार की मर्जी के खिलाफ जाकर योगेश से शादी कर ली और फिर कुछ समय में ही प्रैग्नेंट भी हो गई।

कंगना ने कहा, " शादी के बाद शुरुआत में सब अच्छा लग रहा था, लेकिन शादी के डेढ़ महीने बाद ही प्रैग्नेंट हो गई। मेरी मां और बहन शादी टूटने के दर्द से गुजर चुकी थीं और मुझे भी इस बात का डर सताता रहता था।

उसने आगे कहा, "प्रैग्नेंसी के दौरान योगेश मुझे मेरी मां के पास छोड़ गया, तब मुझे पता चला कि वह तो पहले से शादीशुदा था और तलाक लेने वाला था। तब तक मैं मां बन चुकी थी। इतना ही नहीं, बाद में कंगना को यह भी पता चला कि उसके और भी कई लड़कियों के साथ अफेयर थे।

उसने 2016 में रिलीज हुई एडल्ट कॉमडी फिल्म 'ग्रेट ग्रैंड मस्ती' से बॉलीवुड में अपनी शुरुआत की थी लेकिन इस गलती ने उसके करियर को बर्बाद कर दिया। हालांकि उसने कभी हौसला नहीं हारा और मेहनत करती चली गई। भले ही फिल्मों में वह जगह बनाने में सफल नहीं रही लेकिन सोशल मीडिया, वीडियो एल्बम और वैब सीरीज के जरिए लोगों के दिलों में जगह बनाने में सफल रही है।

मैं हमेशा फिल्मों के साथ समाज सेवा करती रहूंगी : संजना सांघी

संयुक्त राष्ट्र विकास कार्यक्रम (यू. एन. डी. पी.) की यूथ चैम्पियन संजना सांघी ने गत दिनों संयुक्त राष्ट्र महासभा को संबोधित करते हुए शिक्षा के महत्व को रेखांकित किया। उसका मानना है कि अशिक्षा ही हमारे देश में सबसे बड़ा सामाजिक मुद्दा है।

उसने अपने अंतर्राष्ट्रीय काम के अनुभव पर भी बात की और बताया कि उसे किस बात ने प्रेरित किया। उसने कहा, "मुझे याद है कि मैंने एम्मा वाटसन को यू. एन. में बोलते हुए देखा था और मुझ पर वहीं से प्रभाव पड़ा। बच्चों को पढ़ाने से मुझे उनसे जुड़ाव का एहसास हुआ।

"आखिरकार, मैंने वॉलंटियर्स को सलाह देना शुरू कर दिया और उस पहल को आगे बढ़ाया। मेरा सपना एक ऐसे संगठन का निर्माण करने का है, जिससे हमारे देश में कोई भी अशिक्षित न रहे, मुझे लगता है कि शिक्षा की कमी हमारे देश में सबसे बड़ा सामाजिक मुद्दा है।

संजना का मानना है कि शिक्षा से जैंडर और वेतन असमानता तथा स्वास्थ्य जागरूकता की कमी जैसे कई मुद्दों का समाधान हो सकता है। संजना ने आगे कहा,

शिक्षा की कमी हमारे सामने आने वाले बड़े मुद्दों की जड़ है। इसे हल करें और आप लिंग तथा वेतन असमानता, मासिक धर्म स्वास्थ्य जागरूकता, महिला अधिकार जैसे विषयों पर खुलकर बात कर सकेंगे। दुर्भाग्य से लॉकडाऊन में अध्ययनों से पता चलता है कि 1 करोड़ लड़कियों को स्कूल छोड़ने और घर पर रहने के लिए मजबूर किया गया। वहीं, लड़कों की संख्या 10 लाख से कम थी।

असफलता और चुनौतियों से निपटना

अपने करियर के दौरान शुरुआती असफलता और चुनौतियों से निपटने के बारे में उसने बताया, फिल्म 'ओम' के बॉक्स ऑफिस पर सकारात्मक प्रदर्शन न करने से मुझे एहसास हुआ कि 'प्रक्रिया ही पुरस्कार है। उसने आगे कहा, मुझे याद है कि मैंने शुक्रवार को रिलीज के जश्न के लिए अपने सभी दोस्तों को बुलाया था, क्योंकि इस फिल्म की शूटिंग एक ऐसी यात्रा थी, जिसका मैंने बहुत आनंद लिया और यह मेरे लिए एक अनुभव के रूप में मजेदार थी।

कम फिल्में करने की वजह

जब संजना से पूछा गया कि क्या कम फिल्में करने की वजह सामाजिक कार्यों पर उसका ध्यान केंद्रित करना है, तो संजना ने बताया, "मैं जान- बूझ कर कम फिल्में नहीं कर रही। मेरे डेब्यू को चार साल हो चुके हैं और तब से मैं 4 प्रोजैक्ट्स का हिस्सा रही हूं - इस दौरान हमने कोविड- 19 का भी सामना किया। इसके अलावा, हमारी इंडस्ट्री पिछले साल से ही मुश्किल दौर से गुजर रही है - इसलिए युवा कलाकारों के रूप में हमें उन बदलते परिदृश्यों के साथ तालमेल बिठाना होगा।

संजना ने आगे बताया, मेरा इरादा हर समय और बहुत सारा काम करने का है। भले ही मैं एक साल में चार फिल्में करूं, फिर भी मेरा ध्यान सोशल वर्क पर ही रहेगा। हम सभी अपनी इंडस्ट्री के फिर से अच्छे और स्वस्थ होने का इंतजार कर रहे हैं, ताकि सब कुछ पहले जैसा चल सके।

'धक धक 2' के बारे में बोली

संजना की साल 2023 में आई रोड एडवेंचर ड्रामा फिल्म 'धक धक' को फिल्म प्रेमियों ने खूब पसंद किया। फिल्म में उसके साथ रत्ना पाठक शाह, दीया मिर्जा रेखी और फातिमा सना शेख भी मुख्य भूमिकाओं में थीं। संजना ने हाल ही में बताया कि फिल्म के निर्माता इसके सीक्वेल पर काम कर रहे हैं। संजना ने बताया, ₹लोगों ने ओ.टी. टी. पर हमारी फिल्म 'धक धक' को बहुत प्यार दिया और इस वजह से हम इसका सीक्वेल लेकर आ रहे हैं, जिसे लेकर मैं बहुत उत्साहित हूं।

हालांकि फिल्म 'दिल बेचारा' से बॉलीवुड में डेब्यू करने वाली इस अभिनेत्री ने सीक्वेल के बारे में और ज्यादा जानकारी नहीं दी, लेकिन यह देखना रोमांचक होगा कि निर्माता इस बार कौन-सी कहानी लेकर आते हैं।

तरुण दुदेजा द्वारा लिखित और निर्देशित 'धक धक' चार महिलाओं की प्रेरक कहानी थी जो आत्म- खोज की यात्रा पर अपनी बाइक्स पर दुनिया के सबसे ऊंचे मोटरेबल दर्रे खारदुंगला की सड़क यात्रा पर निकलती हैं। महज 40 दिनों में फिल्माई गई यह फिल्म 13 अक्तूबर 2023 को दर्शकों के लिए रिलीज हुई थी।

मुझे लंगर सेवा करना बहुत पसंद है।

संजना ने गत दिनों अमृतसर में स्वर्ण मंदिर में माथा टेका। उसने बताया कि स्वर्ण मंदिर उसकी जिंदगी में खास अहमियत रखता है। शहर से अपने गहरे जुड़ाव के बारे में बात करते हुए संजना ने बताया कि बचपन में वह अपनी मां और भाई के साथ कैसे ट्रेन से दिल्ली से अमृतसर आया करती थी।

संजना ने कहा, अमृतसर मेरे दिल के बहुत करीब है। स्वर्ण मंदिर का हमारे जीवन में एक विशेष स्थान है। मैं अपने जन्मदिन पर कई बार स्वर्ण मंदिर आई हूं। मुझे अपना 18वां जन्मदिन, 21वां जन्मदिन, लगभग 7-8 जन्मदिन अमृतसर में मनाने का सौभाग्य मिला। मैं अब अपने माता-पिता की सालगिरह पर यहां आई हूं। हालांकि, काम की व्यस्तता के चलते अब यहां आना कम हो गया है, लेकिन आज भी वही श्रद्धा है। मुझे गुरुद्वारे और लंगर में सेवा करना बहुत पसंद है और मैं अक्सर ऐसा करती आई हूं, चाहे मैं देश के किसी भी हिस्से में रहूं।

एनएमडीसी का उत्पादन में सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन

हैदराबाद, 03 मई (स्वतंत्र वार्ता)। भारत के सबसे बड़े लौह अयस्क उत्पादक एनएमडीसी ने अप्रैल 2025 के माह में शानदार प्रदर्शन किया।

कंपनी ने 4.00 एमटी लौह अयस्क का उत्पादन किया तथा 3.63 एमटी बिक्री की, जो इसकी स्थापना के बाद से अब तक का सर्वोच्च उत्पादन अप्रैल माह में किया । पिछले वर्ष की इसी समान अवधि की तुलना में राष्ट्रीय खनन कंपनी ने उत्पादन में 15% तथा बिक्री 2.8% की वृद्धि के साथ नए सर्वोच्च रिकार्ड दर्ज किए हैं तथा वित्त वर्ष 2026 की मजबूत शुरुआत की है। वित्त वर्ष 26 की इस असाधारण शुरुआत पर एनएमडीसी के सीएमडी अमिताभ मुखर्जी ने कहा अपने संबोधन में कहा कि;हमारा लगातार प्रदर्शन एनएमडीसी की उत्कृष्टता और विकास के प्रति प्रतिबद्धता को दर्शाता है। अप्रैल माह में हमारा रिकॉर्ड-तोड़ प्रदर्शन के साथ ही हमारी प्रमुख लौह अयस्क खानों - किरंदुल, बचेली तथा दोणिमलै से अब तक के सर्वश्रेष्ठ डिस्पैच आंकड़े जो कि पिछले वर्ष की इसी समान अवधि की तुलना में क्रमशः 12%, 4% एवं 88% की वृद्धि हुई है जो कि हमारी अग्रणी स्थिति को मजबूत करता है और 2030 तक 100 एमटी खनन कंपनी बनने के हमारी महत्वाकांक्षी लक्ष्य को प्राप्त करने के लिए एक मजबूत आधार प्रदान करता है। अप्रैल 2025 में, एनएमडीसी ने अपना अब तक का सर्वोच्च मासिक डिस्पैच हासिल किया, जो पिछले वर्ष की इसी समान अवधि की तुलना में 23% की उल्लेखनीय वृद्धि को दर्शाता है। बचेली कॉम्प्लेक्स ने भी उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हुए 2.22 लाख टन (एलटी) के साथ अप्रैल माह में अब तक का सर्वश्रेष्ठ रोड डिस्पैच दर्ज किया जो 25% की उल्लेखनीय वृद्धि हुई । इसके अलावा, कंपनी का पेलेट उत्पादन 0.23 लाख टन के सर्वोत्तम उच्च स्तर पर पहुंच गया जो कि 2018 में पिछले अप्रैल माह का रिकॉर्ड को पार कर गया। एनएमडीसी का उल्लेखनीय प्रदर्शन इसकी प्रचालन क्षमता तथा रणनीतिक दृष्टि को प्रदर्शित करता है। कंपनी कच्चे माल को सुरक्षित करने तथा भारत की बढ़ती इस्पात मांग को पूरा करने के लिए समर्पित है जो कि राष्ट्रीय इस्पात नीति में निहित है।

गौतम अडाणी के भतीजे प्रणव पर इनसाइडर ट्रेडिंग का आरोप

सेबी ने कहा– एसबी एनर्जी खरीदने की जानकारी लीक की, रिश्तेदारों ने 90 लाख मुनाफा कमाया

मुंबई, 3 मई (एजेंसियां)। अडाणी ग्रुप के चैयरमेन गौतम अडाणी के भतीजे प्रणव पर इनसाइडर ट्रेडिंग के नियमों का उल्लंघन करने के आरोप लगे हैं। रॉयटर्स के अनुसार एसईबीआई ने प्रणव अडाणी पर मई 2021 में अडाणी ग्रीन की एसबी एनर्जी को खरीदने की गुप्त जानकारी लीक करने आरोप लगाया है। प्रणव ने एसबी एनर्जी को खरीदने की डील की इन्फॉर्मेशन ब्रदर इन-लॉ कुणाल शाह और उनके भाई नृपाल शाह के साथ शेयर की थी। शाह ब्रदर्स ने इस इन्फॉर्मेशन का फायदा उठाकर 90 लाख रुपए का मुनाफा कमाया था। मामले में सेबी ने कहा कि कॉल रिकॉर्ड्स और ट्रेडिंग पैटर्न से पता चला कि 16 मई 2021 को एसबी एनर्जी को खरीदने की डील से 2-3 दिन पहले जानकारी लीक हुई। इसके जवाब में प्रणव ने रायटर्स से कहा की वे आरोपों को स्वीकार नहीं करते हैं। उन्होंने कहा मैंने कोई कानून नहीं तोड़ा। आरोप न मानते हुए भी सेटलमेंट चाहते हैं, ताकि मामला खत्म हो। वहीं, शाह बंधुओं के वकील ने कहा, ट्रेड्स सार्वजनिक जानकारी के आधार पर हुए। इसमें कोई गलत इरादा नहीं था।

अडाणी ग्रीन ने की थी रिन्यूएबल एनर्जी सेक्टर की सबसे बड़ी डील

अडाणी ग्रीन ने एसबी एनर्जी को 3.5 अरब डॉलर (करीब 30,000 करोड़ रुपए) में खरीदकर भारत के रिन्यूएबल एनर्जी सेक्टर की सबसे बड़ी डील की थी। प्रणव पर इसी डील की जानकारी लीक करने के आरोप हैं।

अडाणी ग्रुप पर अमेरिका में धोखाधड़ी के आरोप लग चुके

नवंबर 2024 में अडाणी समेत 8 लोगों पर सरकारी अधिकारियों को 250 मिलियन डॉलर यानी करीब 2,029 करोड़ रुपए की रिश्वत देने का आरोप लगाया गया था। पिछले साल अमेरिका में अडाणी समेत 8 लोगों पर अरबों रुपए की धोखाधड़ी के आरोप लगे थे। अमेरिकी अटॉर्नी ऑफिस आरोप पत्र के मुताबिक, अडाणी की कंपनी ने भारत में रिन्यूएबल एनर्जी के प्रोजेक्ट गलत तरीके से हासिल किए थे। इसके लिए सरकारी अधिकारियों को रिश्वत दी गई थी।वहीं अमेरिका में भी इन्वेस्टर्स और बैंकों से झूठ बोलकर पैसा इकट्ठा किया। यह पूरा मामला अडाणी ग्रुप की कंपनी अडाणी ग्रीन एनर्जी लिमिटेड और एक अन्य फर्म से जुड़ा हुआ था। 24 अक्टूबर 2024 को न्यूयॉर्क की फेडरल कोर्ट में यह केस दर्ज हुआ था।

सोने-चांदी में लगातार गिरावट : सोना 1,677 गिरकर 93,954 पर

चांदी 3,559 कम होकर 94,125 किलो बिक रही

नई दिल्ली, 3 मई (एजेंसियां)। इस हफ्ते सोने-चांदी के दामों में गिरावट रही। इंडिया बुलियन एंड ज्वैलर्स एसोसिएशन की वेबसाइट के अनुसार पिछले शनिवार यानी 26 अप्रैल को सोना 95,631 रुपए पर था, जो अब (3 मई) को 93,954 रुपए प्रति 10 ग्राम पर आ गया है। यानी इस हफ्ते इसकी कीमत 1,677 रुपए कम हुई है। वहीं, चांदी की बात करें तो ये पिछले शनिवार को 97,684 रुपए पर थी, जो अब 94,125 रुपए प्रति किलोग्राम पर आ गई है। इस तरह इस हफ्ते इसकी कीमत 3,559 रुपए कम हुई है।

महानगरों में सोने की कीमत

दिल्ली : 10 ग्राम 22 कैरेट सोने की कीमत 87,800 रुपए और 10 ग्राम 24 कैरेट सोने की कीमत 95,660 रुपए है।

मुंबई : 10 ग्राम 22 कैरेट सोने की कीमत 87,550 रुपए और 10 ग्राम 24 कैरेट सोने की कीमत 95,510 रुपए है।

कोलकाता : 10 ग्राम 22 कैरेट गोल्ड की कीमत 87,550 रुपए और 24 कैरेट 10 ग्राम सोने की कीमत 95,510 रुपए है।

चेन्नई : 10 ग्राम 22 कैरेट सोने की कीमत 87,550 रुपए और 10 ग्राम 24 कैरेट सोने की कीमत 95,510 रुपए है।

भोपाल : 10 ग्राम 22 कैरेट सोने की कीमत 87,600 रुपए और 10 ग्राम 24 कैरेट सोने की कीमत 95,560 रुपए है।

हैदराबाद : सोने(गोल्ड) का रेट 24 कैरेट के लिए 95,510 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट के लिए 87,550 रुपये है।

अपने ऑल टाइम हाई से 5,146 रुपए कम हुई सोने की कीमत

सोना की कीमत बीते 11 दिनों में अपने ऑल टाइम हाई से 5,146 रुपए कम हो चुकी है। वहीं चांदी की की बात करें तो इसकी कीमत 6,809 रुपए कम हो चुकी है। सोने ने 22 अप्रैल को 99,100 का और 28 मार्च को चांदी ने 1,00,934 का ऑल टाइम हाई बनाया था।

20 साल में 1.55 लाख करोड़ की संपत्ति अटैच

100 पीएमएलए अदालतें फिर भी मामलों में हो रही देरी

नई दिल्ली, 3 मई (एजेंसियां)। प्रवर्तन निदेशायल की ताजा रिपोर्ट के अनुसार 50,000 करोड़ रुपये से अधिक की संपत्ती की जब्ती मुकदमेबाजी और स्थगन आदेश के कारण अटकी पड़ी है। इन संपत्तियों को ईडी ने धन शोधन निवारण कानून के तहत अनंतिम रूप से अटैच किया था। जांच एजेंसी को धन शोधन निवारण अधिनियम (पीएमएलए) के तहत जांच के दौरान उन संपत्तियों को अस्थायी रूप से अटैच करने का अधिकार है, जिनके बारे में संदेह है कि वे अपराध की आय हैं। इस तरह के अनंतिम आदेश को जारी होने के 180 दिनों के भीतर उक्त कानून के न्यायाधिकरण की ओर से पुष्टि की जानी चाहिए। रिपोर्ट के अनुसार ईडी ने 2005 से लेकर 2025 तक पीएमएलए के प्रभावी होने के बाद से 1.55 लाख करोड़ रुपये की संपत्ति अचैट की है, जिनमें से 1.07 करोड़ रुपये मूल्य की संपत्तियों की पुष्टि वित्तीय वर्ष 2024-25 के अंत तक न्यायाधिकरण की ओर से की जा चुकी है, लेकिन कानूनी बाधाओं के कारण 50 हजार करोड़ रुपये से अधिक की जब्ती अभी भी अटकी हुई है।

100 पीएमएलए अदालतें फिर भी मामलों में हो रही देरी

ईडी ने अपनी रिपोर्ट में कहा है कि देशभर में 100 विशेष पीएमएलए अदालतें होने के बावजूद मनी लॉन्ड्रिंग मामलों की सुनवाई समय पर पूरी नहीं हो पाती। इसमें व्यवस्थागत व प्रक्रियात्मक बाधाएं आ रही हैं। कई अदालतें अन्य कानूनों के तहत मामलों के बोझ से दबी हुई हैं। रिपोर्ट में कहा गया है, अक्सर अंतरिम आवेदन, रिट याचिका और जमानत के मामले दायर होने से मुकदमे बाधित होते हैं। इनमें से कुछ मामले हाईकोर्ट और सुप्रीम कोर्ट तक पहुंचते हैं, जिससे पीएमएलए के तहत मुकदमों की निरंतरता और शीघ्र निपटान प्रभावित होता है।

ईडी की सजा दर 93 प्रतिशत

इस बीच बीते बृहस्पतिवार को 'ईडी दिवस' पर आयोजित एक कार्यक्रम में प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) के निदेशक राहुल नवीन ने कहा कि एजेंसी की सजा दर 93.6 प्रतिशत है। क्योंकि अब तक अदालतों की ओर से तय किए गए 47 मामलों में से केवल तीन मामलों में ही आरोपी बरी हुआ है। एजेंसी प्रमुख ने कहा कि वह स्पष्ट रूप से स्वीकार करते हैं कि धन शोधन निवारण अधिनियम (पीएमएलए) के तहत शुरू की गई कई जांचें बहुत लंबे समय से लंबित थीं, लेकिन इस साल हमारा ध्यान जांच पूरी करने और आखिरी आरोपपत्र तेजी से दाखिल करने के प्रयासों पर है।

विनिर्माण क्षेत्र की गतिविधियां 10 महीने के शीर्ष पर

नए ऑर्डर की रफ्तार 14 साल में सबसे ज्यादा

नई दिल्ली, 3 मई (एजेंसियां)। देश के विनिर्माण क्षेत्र की गतिविधियां अप्रैल, 2025 में सुधरकर 10 महीने के उच्च स्तर पर पहुंच गईं। इसमें नए ऑर्डर में मजबूत वृद्धि की महत्वपूर्ण भूमिका रही है। एचएसबीसी इंडिया विनिर्माण खरीद प्रबंधक सूचकांक (पीएमआई) पिछले महीने बढ़कर 58.2 पहुंच गया, जो जून, 2024 के बाद सबसे ज्यादा है। मार्च में विनिर्माण पीएमआई 58.1 रहा था। एचएसबीसी इंडिया की मुख्य अर्थशास्त्री प्रांजुल भंडारी ने कहा, नए निर्यात ऑर्डर में उल्लेखनीय वृद्धि भारत में उत्पादन में संभावित बदलाव का संकेत दे सकती है। व्यवसाय उभरते व्यापार परिदृश्य और अमेरिकी शुल्क घोषणाओं के अनुकूल हो रहे हैं। इस सकारात्मक प्रवृत्ति के साथ रोजगार और खरीद गतिविधि में बड़ा उछाल देखने को मिला है।

कंपनियों को उत्पादन बढ़ने की उम्मीद

कीमतों के मोर्चे पर भंडारी ने कहा, भारतीय वस्तुओं की मजबूत मांग ने कंपनियों की मूल्य निर्धारण क्षमता को बढ़ावा दिया। इससे कच्चे माल की लागत में मामूली वृद्धि के बावजूद बिक्री शुल्क अक्तूबर, 2013 के बाद सबसे अधिक बढ़ गया। भंडारी ने कहा, अप्रैल के आंकड़े बताते हैं कि विनिर्माण क्षेत्र की कंपनियों में आने वाले वर्ष में उत्पादन बढ़ने की संभावनाओं को लेकर धारणा मजबूत है। यह मांग में मजबूती की उम्मीदों से प्रेरित है।

नए ऑर्डर की रफ्तार 14 साल में सबसे ज्यादा

सर्वे के मुताबिक, उत्पादन के मोर्चे पर सुधार में योगदान देने वाला एक प्रमुख कारक नए व्यवसाय में तेज वृद्धि रही। विनिर्माण क्षेत्र की विस्तार दर को बेहतर घरेलू और अंतरराष्ट्रीय मांग से समर्थन मिला। वित्त वर्ष 2025-26 की शुरुआत में घरेलू विनिर्माण कंपनियों को विदेश से मिलने वाला नया ऑर्डर 14 वर्ष में सबसे अधिक तेजी से बढ़ा। अफ्रीका, एशिया, यूरोप, पश्चिम एशिया और अमेरिका से घरेलू कंपनियों को सबसे ज्यादा ऑर्डर मिले।

पाकिस्तान के सेंधा नमक पर लगा बैन,क्या भारत को होगा करोड़ों का नुकसान?

नई दिल्ली, 3 मई (एजेंसियां)। पहलगाम में हुए आतंकी हमले के बाद भारत सरकार पूरे एक्शन मोड में हैं। सरकार ने अब पाकिस्तान से आने वाले सामानों पर पूरी तरीके से रोक लगा दी है। भारत ने पाकिस्तानी आयात पर पूरे तरीके से बैन लगा दिया, जिसमें सेंधा नमक भी शामिल है। लेकिन क्या आपको पता है कि भारत की ओर पाक से इंपोर्ट बैन करने से भारत के कारोबारियों का करोड़ों रुपये का नुकसान होगा।भारत और पाकिस्तान एक दूसरे के पड़ोसी मुल्क हैं। इन दोनों देशों से आपस में कई सारी चीजों का इंपोर्ट एक्सपोर्ट होता है। हालांकि, अब भारतीय सरकार ने पाक ट्रेड पर रोक लगा दी। भारत में पाकिस्तान से हिमालयी रॉक सॉल्ट जिसे सेंधा नमक कहते हैं। उसका इंपोर्ट खूब होता है। पाकिस्तान से करीब-करीब हर साल 74,450 टन सेंधा नमक भारत आता है, लेकिन इस बैन के बाद जितना पाकिस्तान को नुकसान होगा। उतना ही भारत को भी होगा। क्योंकि जो सेंधा नमक पाकिस्तान में 2-3 रुपये किलो है। उसे भारत के व्यापारी वहां से मंगा कर करीब-करीब 60-70 रुपये किलो में बेचते हैं। भारत में व्रत और आयुर्वेदिक उपयोग के लिए इस्तेमाल होने वाला सेंधा नमक असल में पाकिस्तान के खेवड़ा की खदानों से आता है। जिसके आयात पर भारत सरकार ने रोक लगा दी है।भारत और पाकिस्तान के बीच पिछले दो सालों से ट्रेड में काफी गिरावट आई है। संयुक्त राष्ट्र कॉमट्रेड डेटाबेस के मुताबिक, भारत में पाकिस्तान की ओर से साल 2024 में कुल आयात करीब-करीब 550 करोड़ रुपये का था, जो कि साल 2023 के मुकाबले 16.6% कम है। वहीं, साल 2023 में यह आंकड़ा और बढ़ गया था। इस साल भारत में पाकिस्तानी इंपोर्ट 61.4 प्रतिशत कम हुआ था।

दोनों देशों के बीच आयात में पहले भी गिरावट आई थी।अब पूरी तरीके से बैन होने से करोड़ों रुपये का नुकसान होगा।

एसबीआई एक शेयर पर 15.90 रुपए डिविडेंट देगा

चौथी तिमाही में बैंक का मुनाफा 10% कम हुआ, आमदनी 12% बढ़कर 1.44 लाख करोड़ रही

मुंबई, 3 मई (एजेंसियां)। देश के सबसे बड़े सरकारी बैंक स्टेट बैंक ऑफ इंडिया को वित्त वर्ष 2024-25 की चौथी तिमाही में 18,643 करोड़ रुपए का शुद्ध मुनाफा (स्टैंड अलोन नेट प्रॉफिट) हुआ है।सालाना आधार पर इसमें 10% की कमी आई है। एक साल पहले यानी वित्त वर्ष 2023-24 की चौथी तिमाही में बैंक को 20,698 करोड़ रुपए का मुनाफा हुआ था।

एसबीआई की टोटल इनकम 12.04% बढ़ी

जनवरी-मार्च तिमाही में बैंक की टोटल इनकम सालाना आधार पर 12.04% बढ़कर 1,43,876 करोड़ रुपए रही। पिछले साल की समान तिमाही में यह 1,28,412 करोड़ रुपए रही थी। वहीं, पिछली तिमाही के मुकाबले यह 11.99% ज्यादा रही।

नेट इंटरेस्ट इनकम 8% बढ़ी

जनवरी-मार्च तिमाही में एसबीआई की नेट इंटरेस्ट इनकम यानी शुद्ध ब्याज आय सालाना आधार पर 8% बढ़कर 1,19,666 करोड़ रुपए रही। पिछले साल की समान तिमाही में ये 1,11,043 करोड़ रुपए रही थी। अक्टूबर-दिसंबर तिमाही में यह 1,17,427 करोड़ रुपए रही थी। तिमाही आधार पर यह 2% बढ़ी है। चौथी तिमाही के नतीजों के साथ स्टेट बैंक ने अपने शेयरधारकों को प्रति शेयर 15.90 रुपए का डिविडेंड यानी लाभांश देने का ऐलान किया है। कंपनियां अपने मुनाफे से कुछ हिस्सा अपने शेयरहोल्डर्स को देती हैं, इसे लाभांश या डिविडेंड कहते हैं।

कंपनियों के रिजल्ट दो भागों में आते हैं- स्टैंडअलोन और कंसॉलिडेटेड। स्टैंडअलोन में केवल एक सेगमेंट या यूनिट का वित्तीय प्रदर्शन दिखाया जाता है। जबकि, कंसॉलिडेटेड या समेकित फाइनेंशियल रिपोर्ट में पूरी कंपनी की रिपोर्ट दी जाती है।

वापस नहीं मिली राशि एनपीए हो जाती है

बैंक जो लोन या एडवांस देता है, अगर वह समय पर वापस नहीं मिलाता है तो उस राशि को बैंक एनपीए यानी नॉन-परफॉर्मिंग एसेट घोषित कर देता है। सामान्य तौर पर 90 दिनों तक रिटर्न नहीं मिलने की स्थिति में लोन या एडवांस अमाउंट को बैंक एनपीए की लिस्ट में डाल देता है। इसका मतलब यह की इस राशि से बैंक को फिलहाल कोई फायदा नहीं मिल रहा है।

देश का सबसे बड़ा सरकारी बैंक है एसबीआई

एसबीआई भारतीय स्टेट बैंक देश का सबसे बड़ा सरकारी बैंक है। एसबीआई में सरकार की 57.59% हिस्सेदारी है। 1 जुलाई 1955 को इसकी स्थापना हुई थी। बैंक का मुख्यालय मुंबई में है।

जो तुर्की पाकिस्तान का करता है खुला समर्थन

उसकी एयरलाइंस का इंडिगो से रिश्ता, उठे सवाल

नई दिल्ली, 3 मई (एजेंसियां)। तुर्की पाकिस्तान का बड़ा समर्थक है। इसके बावजूद भारत की विमानन कंपनी इंडिगो उसकी राष्ट्रीय विमान सेवा तुर्किश एयरलाइंस के लिए महत्वपूर्ण पार्टनर बनी हुई है। इसे लेकर लोगों में गुस्सा है। हाल ही में टर्किश एयरलाइंस का विमान पाकिस्तान में उतरा। इसके बाद भारत में तुर्की के खिलाफ गुस्सा बढ़ गया। लोगों ने इंडिगो से तुर्किश एयरलाइंस के साथ संबंध तोड़ने की मांग की। दोनों एयरलाइंस के बीच पिछले कुछ सालों से मजबूत संबंध रहे हैं। कुछ समय पहले टाटा संस ने एयर इंडिया के सीईओ के लिए इल्कर आयसी को चुना था। आयसी तुर्किश एयरलाइंस के चेयरमैन रह चुके थे। उनकी नियुक्ति पर विवाद हो गया था। विवाद की वजह थी तुर्की का पाकिस्तान के साथ दोस्ताना रिश्ता। इसके बाद लोगों ने इंडिगो से भी तुर्किश एयरलाइंस से रिश्ता तोड़ने को कहा है। हाल ही में तुर्की का एक C-130 हरक्यूलिस विमान पाकिस्तान में उतरा। यह ऐसे समय पर हुआ जब भारत-पाकिस्तान के रिश्ते और खराब हो गए हैं। तुर्की ने कहा कि विमान में कोई सैन्य सामान नहीं था। वह सिर्फ ईंधन भरने के लिए आया था। लेकिन, भारत में लोगों ने तुर्की का विरोध किया। तुर्की के राष्ट्रपति एर्दोगान ने भी कहा कि वह पाकिस्तानी लोगों को मजबूत समर्थन देते हैं। स्टॉकहोम इंटरनेशनल पीस रिसर्च इंस्टीट्यूट के आंकड़ों के अनुसार, 2020 से 2024 के बीच तुर्की से पाकिस्तान को होने वाले हथियारों के निर्यात का लगभग 10% हिस्सा ड्रोन का था। इन सब बातों के बाद लोगों ने इंडिगो से भी तुर्किश एयरलाइंस के साथ संबंध तोड़ने की मांग की। दोनों एयरलाइंस के बीच पिछले कुछ सालों में मजबूत संबंध बने हैं।एक व्यक्ति ने बताया कि तुर्की ने इंडिगो का इस्तेमाल उन चीजों को हासिल करने के लिए किया है जो वह खुद नहीं कर सकता था। तुर्की भारत से ज्यादा उड़ान अधिकार चाहता था ताकि वह अपने इस्तांबुल हब को और बढ़ा सके। यह दुबई, अबू धाबी और दोहा जैसे खाड़ी देशों के हब की तरह ही है, जिन्हें भारतीय यातायात से फायदा हुआ है। यह और बात है कि कई दौर की बातचीत और तुर्की के राजदूतों के बार-बार भारत के विमानन मंत्रालय जाने के बावजूद तुर्की को अतिरिक्त उड़ान अधिकार नहीं मिल सके।

दैनिक पंचांग

ग्रह गोचर

श्री सिद्धार्थी नामक संवत्सर-विक्रम संवत्- 2082
शक संवत् -1947,सूर्य उत्तरायणे,ऋतु- ग्रीष्म
महावीर निर्वाण संवत् -2551
कलियुग अवधि-432000 — सूर्योदय - 05-52, सूर्यास्त - 18-33
भोग्य कलि वर्ष-426874
कलियुग संवत् -5126 वर्ष,
कल्पारंभ संवत् -1972949126
सृष्टि ग्रहारंभ संवत्-1955885126

ग्रह स्थिति		लग्नारंभ समय	
सूर्य-	मेष मे	मेष---	04-44 बजे
चंद्र-	कर्क मे	वृष---	06-28 बजे
मंगल	कर्क मे	मिथुन..	08-29 बजे
बुध-	मीन मे	कर्क---	10-41 बजे
गुरु-	वृष मे	सिंह---	12-53 बजे
शुक्र-	मीन मे	कन्या--	15-00 बजे
शनि-	मीन मे	तुला----	17-05 बजे
राहु-	मीन मे	वृश्चिक--	19-16 बजे
केतु-	कन्या मे	धनु......	21-29 बजे
		मकर...	23-35 बजे
		कुंभ....	01-25 बजे
		मीन....	03-04 बजे

दिशाशूल - पश्चिम - पान खाकर घर से निकले
तिथि- सप्तमी 07-19 तक उपरान्त अष्टमी
मास - वैशाख शुक्ल , रविवार 04 May
नक्षत्र - पुष्य 12-53 तक उपरान्त आश्लेषा
योग - गण्ड 00-41 तक उप वृद्धि
करण- वणिज 07-19 तक उप विष्टी (भद्रा)
विशेष:- रविपुष्य योग
व्रत -त्योहार - भद्राकाल 07-19 से

विशेष:- राशिफल गृहों के गोचर के आधार पर लिखा गया है।सूक्ष्म फलादेश क लिए जन्म पत्रिका की सूक्ष्म स्थिति जानने के लिए जन्म कुण्डली दिखाना चाहिए।

राहुकाल 17:00 से 18:36 तक

पं महेशचन्द्र शर्मा मो. 9247132654, 9167555710

दिन का चौघड़िया			रात का चौघड़िया		
उत्पात	05:52 - 07:26	अशुभ	शुभ	18:33 - 20:00	शुभ
चंचल	07:26 - 09:01	शुभ	अमृत	20:00 - 21:24	शुभ
लाभ	09:01 - 10:37	शुभ	चंचल	21:24 - 22:49	शुभ
अमृत	10:37 - 12:13	शुभ	रोग	22:49 - 00:13	अशुभ
काल	12:13 - 13:49	अशुभ	काल	00:13 - 01:37	अशुभ
शुभ	13:49 - 15:25	शुभ	लाभ	01:37 - 03:01	शुभ
रोग	15:25 - 17:00	अशुभ	उत्पात	03:01 - 04:25	अशुभ
उत्पात	17:00 - 18:33	अशुभ	शुभ.	04:25 - 05:52	शुभ

आपका राशिफल

मेष — चू,चे, चो, ला, ली, लू , ले, लो, अ,
आज का दिन सृजनात्मक प्रवृति के लोगों के लिए बहुत अच्छा साबित होगा | आपके हुनर और कार्यों दोनों की ही प्रशंसा होगी |अपने कार्य के लिए धन प्राप्ति भी संभव है | अगर आप विद्यार्थी हैं तो आपके लिए समय अच्छा है और परीक्षा से डरने के स्थान पर उसका सामना करना बेहतर होगा |

वृष — ई, उ, ए, जो, वा, वी, वू, वे, वो,
आज अपने सिद्धांतों की व्याख्या और पुनर्मुल्यांकन का दिन है |आप पिछले फैसलों के लिए खुद से और अपने साथी से भी सवाल कर सकते हैं |फिर भी आप उसके प्रति बहुत अच्छे बने रहेंगे और उससे भी बदले में यही उम्मीद रखेंगे | जब पुराने विचारों से कोई काम बनता दिखाई न दे रहा हो तो नए विचारों को अपना लेने में कोई बुराई नही है |

मिथुन — का, की, कू, घ, ड, छ, के, को, ह,
आपकी सोच आज अद्भुत रूप से साफ़ और स्पष्ट है और आज आप अपने कार्यों के आने वाले समय में लाभ का बिलकुल ठीक अंदाजा लगा पायेंगे | इसीलिए आज का दिन आपके रास्ते में आने वाले अवसरों और निवेश का मुलांकन करके किसी सही निर्णय पर पहुंचने के लिए बिलकुल ठीक है |

कर्क — ही, हू ,हे , हो, डा , डी, डू, डे, डो,
आप बहुत अच्छे निर्णायक हैं और सब चीजों का आसानी से विश्लेष्ण कर लेते हैं | आज आपको अपनी इस विशेषता के लिए खूब तारीफ मिलेगी | लोग अच्छी तरह काम करने के लिए आपकी ओर देखेंगे और आपसे सीखेंगे | आपको किसी खतरनाक जगह पर यात्रा करने की जरूरत सम्बन्धी सूचना मिलेगी |घबराएं नही,यह यात्रा छोटी सी होगी |

सिंह — मा, मी ,मू ,मे, मो, टा, टी ,टू ,टे,
पिछले कुछ समय से आप आवेग के प्रभाव में आकर फैसले ले रहें हैं ,लेकिन आज आपको योजना बनाकर सही ढंग से काम करने की महता का पता चलेगा |इसी से आपकी प्रवृति बदल जायेगी और आपके काम का ढंग नियोजित होता जाएगा |योजना बनाने के लिए कभी देर नही होती,जब जागो तभी सवेरा |योजना बनाकर आप सभी कामो को सही ढंग से कर भी पायेंगे |

कन्या — टो पा पी पू ष ण ठ पे पो
यह समय मजे और स्वतन्त्रता दोनों में से किसी एक को चुनने का है | अगर आप जिम्मेदार हैं तो आपको स्वतंत्रता भी मिल ही जायेगी | हालाँकि अत्यधिक परिश्रम के बाद भी आप अपनी मंजिल पर तो नही पहुंच पायेंगे लेकिन बाद में आपको इसका फल जरुर मिलेगा इसलिए परिश्रम करते रहें | वित्तीय स्थिति के लिए भी परेशान न हों,समय के साथ ठीक होती जायेगी |

तुला — रा, री, रू ,रे ,रो , ता, ती, तू ,ते,
आज आप एक साथ कई परियोजनाओं के बोझ तले दबा हुआ सा महसूस कर सकते हैं। आप अपने कार्य को कुछ देर से शुरू कर पायेंगे क्यों की काम के बोझ से आप अपने को थका हुआ महसूस करेंगे । आप एक के बाद एक काम के कारण अपने आपको एक दुष्चक्र में फंसा हुआ महसूस करेंगे ।

वृश्चिक — तो,ना,नी, ने,नू, नो, या, यी ,यू,
आप आगे बढ़ रहे हैं , वहीं लोग आपको नीचे खींचने की और कोशिश कर सकते हैं। मौखिक विवाद में न फंसे । आप प्रयास करे की आपका कार्य बोले । आप एक ऐसी स्थिति में पहुंच जायेंगे जहा से आपको नीचे धकेलना मुश्किल होगा । अच्छा काम करते रहे । अपने सहयोगियों और अधीनस्थों के साथ सौहार्द बनाए एवं मधुर वाक्यों का प्रयोग करे।

धनु — ये, यो,भा, भी, भू धा ,फा, ढा, भे
आप इस समय शांति में नहीं हैं। आपके दिल और दिमाग के बीच एक निरंतर युद्ध है की किस तरह से नैतिक और तार्किक रूप से सही निर्णय लिया जाये । अपने दिल की बात सुने और अपने मन को शांत करने के लिए कुछ करे । अपने आप को एक नई जिम्मेदारी सौपे । अगर आप बिना सोच के खर्च करेंगे तो आपको वित्तीय परेशानी हो सकती है।

मकर — भो, जा, जी, खो, खू, खे, खो, गा, गी
आज आपको एक अच्छी नौकरी की पेशकश मिल सकती हैं , लेकिन आपको इस नौकरी का लाभ लेने के लिए एक अलग शहर या यहां तक कि किसी दूसरे देश में बदलाव करना पड़ सकता है । ये नौकरी की पेशकश बहुत ही आकर्षक लग सकती है पर यह आपके परिवार के सदस्यों पर प्रभाव डालेगी।

कुंभ — गू, गे ,गो, सा, सी, सू, से, सो, दा,
आज काफी सारी बाते आपके ध्यान देने योग्य होगी जिससे आप का सब पर ध्यान लगाना मुश्किल होगा । ज्यादा तनाव न पाले । बैठ कर शांति से निर्णय के बारे में सोचे और उसके अनुसार कार्य करे । आज आप एक पुराने दोस्त से मिल सकते है। कोई जानकर आपके सामने एक दिलचस्प प्रस्ताव रख सकता है जिसको जानकर आप लालायित हो सकते है।

मीन — दी, दू,थ, झ, ञ, दे, दो, चा,ची
इस बात के काफी मजबूती से संकेत मिल रहे है की आप को अपनी नौकरी की वजह से विदेश जाना पड़ सकता है । जिन विद्यार्थियों ने वीसा के लिए आवेदन किया हुआ है उनका काम आज पूर्ण होने के आसार बन रहे है । आपका कार्य स्थान का परिवर्तन ऐसी जगह हो सकता है जिससे आप अनजान हो ।

श्री पंचागुली ज्योतिष केन्द्र

महंत बोले- बस्तर नक्सल मुक्त हो, लेकिन उद्योग न लगे

नेता प्रतिपक्ष ने कहा- उद्योगपतियों को ठेका दिया तो विरोध करेंगे, पीसीसी अध्यक्ष की रेस में नहीं

बिलासपुर, 3 मई (एजेंसियां)। छत्तीसगढ़ के नेता प्रतिपक्ष चरणदास महंत बस्तर में नक्सलियों के सफाए और शांति के समर्थन में हैं। महंत ने कहा कि बस्तर को नक्सलमुक्त कराकर बड़े-बड़े उद्योगपतियों को ठेका देकर उद्योग लगाए जाएंगे तो इसका विरोध करेंगे। उन्होंने ये बातें बिलासपुर में स्वास्थ्य न्याय यात्रा के दौरान कही।

नेता प्रतिपक्ष ने राज्य सरकार पर भी तंज कसा है, महंत ने आगे कहा, कि हम जैसे चालू टाइप के नेता लोगों को भी पता नहीं चल रहा है कि, छत्तीसगढ़ में विष्णुदेव साय सरकार चला रहे हैं या फिर ओपी चौधरी या बाकी डिप्टी सीएम।

डॉ. महंत ने आगे कहा, कि प्रदेश में इनके अलग-अलग दिशाओं में काम हो रहे हैं। कोई कुछ कहता है, इतने सालों बाद आईएएस के ट्रांसफर हुए, आईपीएस के ट्रांसफर हुए। अब प्राचार्यों की पदोन्नति हुई, जिसमें हाईकोर्ट का स्टे लग गया।

उन्होंने मंत्रिमंडल विस्तार पर भी कहा कि, हमारी बात छोड़िए, भाजपा नेताओं और विधायकों को दो माह से अनेक बार बधाई दे चुका हूं, जिनका नाम चल रहा है, लेकिन अब वे भी रोने की स्थिति में आ गए हैं, पता नहीं क्या होगा।

महंत ने कांग्रेस में नए प्रदेश अध्यक्ष की बात भी कही, कहा कि इसके लिए कई नेता लगे हुए हैं। लेकिन, मैं अध्यक्ष बनने की रेस में नहीं हूं। कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे और राहुल गांधी प्रदेश अध्यक्ष तय करेंगे। नेता प्रतिपक्ष डॉ. महंत ने कहा कि दिख रहा है कि नक्सल सरेंडर कर रहे हैं, मारे भी जा रहे हैं और हमारे गांव के निर्दोष लोग भी मारे जा रहे हैं। हम लोगों को अच्छा लग रहा है कि बस्तर शांत होने जा रहा है। बस्तर में शांति आएगी उसका लाभ लोगों को मिलना चाहिए।

झारखंड पहला राज्य जहां अधिवक्ताओं का हुआ स्वास्थ्य बीमा

सीएम हेमंत सोरेन ने किया शुभारंभ

रांची, 3 मई (एजेंसियां)। झारखंड के अधिवक्ताओं को मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने तोहफा दिया है। दरअसल, राजधानी रांची के खेलगांव स्टेडियम में आयोजित कार्यक्रम में मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने राज्य के तमाम अधिवक्ताओं के बीच स्वास्थ्य बीमा का शुभारंभ किया।

मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन द्वारा राज्य के तमाम अधिवक्ताओं को बड़ा सौगात दिया गया है। शनिवार को झारखंड सरकार द्वारा कार्यक्रम आयोजन कर मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन के कर कमलों द्वारा अधिवक्ताओं को समर्पित स्वास्थ्य बीमा योजना का प्रारंभ किया गया है। बता दें कि झारखंड पहला राज्य बन चुका है, जहां अधिवक्ताओं के लिए स्वास्थ्य बीमा का शुभारंभ किया गया है। अधिवक्ताओं को निःशुल्क स्वास्थ्य बीमा योजना प्रदान करने के लिए वित्तीय वर्ष 2024-2025 में हाईकोर्ट के स्तर पर गठित झारखंड अधिवक्ता कल्याण निधि न्यासी समिति के अंतर्गत निबंधित अधिवक्ताओं को बीमा योजना का लाभ प्रदान करने के लिए छह हजार रुपये प्रीमियम भुगतान के लिए नौ करोड़ रुपये जारी कर चुकी है। अधिवक्ताओं के लिए स्वास्थ्य बीमा योजना का शुभारंभ किया गया। इसके साथ-साथ राज्य के मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन द्वारा अधिवक्ताओं को अधिवक्ता स्वास्थ्य बीमा कार्ड भी सौंपा गया।

एमजीएम अस्पताल के मेडिसिन वार्ड का छज्जा गिरा

चार मरीज मलबे में दबे, सुरक्षित निकाले गए, हॉस्पिटल में मची अफरातफरी

जमशेदपुर, 3 मई (एजेंसियां)। जमशेदपुर स्थित महात्मा गांधी मेमोरियल अस्पताल (एमजीएम) में शनिवार को बड़ी घटना हो गई। यहां मेडिसिन वार्ड की छत अचानक भरभरा कर नीचे गिर गई। इस घटना में मलबे के नीचे चार मरीज फंस गए।

इसे लावारिस वार्ड भी कहा जाता है। एक घंटे की मशक्कत के बाद चारों मरीजों को सुरक्षित बाहर निकाल लिया गया। इन्हें हल्की चोटें आईं हैं। वहीं, घटना के बाद हॉस्पिटल परिसर में अफरातफरी मच गई।

प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, यह वार्ड पिछले कई वर्षों से जर्जर स्थिति में था, लेकिन इसमें मरीजों को रखा जा रहा था। छज्जा गिरते ही पूरे परिसर में भगदड़ मच गई और मरीज जान बचाने के लिए वार्ड से बाहर निकलकर अस्पताल परिसर के मैदान में आकर बैठ गए। हादसे की जानकारी मिलते ही अस्पताल प्रबंधन ने तुरंत वरिष्ठ अधिकारियों को सूचित किया। दमकल विभाग और जिला प्रशासन की टीम मौके पर पहुंची और बचाव कार्य शुरू किया। करीब एक घंटे के प्रयास के बाद सभी मरीजों को बाहर निकाल लिया गया। एमजीएम अस्पताल का पुराना भवन काफी जर्जर है। नया भवन बन रहा है, लेकिन अभी भी सैकड़ों मरीजों को पुराने भवन में रखा जा रहा है। स्थानीय लोगों और कर्मचारियों का कहना है कि वे कई बार भवन की मरम्मत की मांग कर चुके हैं। प्रशासन ने कोई कार्रवाई नहीं की।

छत्तीसगढ़ हाईकोर्ट 10 मई से 8 जून तक बंद रहेगा

ग्रीष्मकालीन अवकाश में बैठेंगे वेकेशन जज, सिर्फ जरूरी केस की होगी सुनवाई, अधिसूचना जारी

बिलासपुर, 3 मई (एजेंसियां)। छत्तीसगढ़ हाईकोर्ट में 10 मई से 8 जून तक समर वेकेशन घोषित किया गया है। अवकाश के दौरान केवल जरूरी मामलों की सुनवाई के लिए वेकेशन जज की व्यवस्था की गई है। अलग-अलग दिनों में केस की सुनवाई करेंगे। हाईकोर्ट के रजिस्ट्रार जनरल ज्यूडिशियल ने ग्रीष्मकालीन अवकाश की अधिसूचना जारी कर दी है। 9 जून सोमवार से हाईकोर्ट खुलेगा और सामान्य दिनों की तरह कामकाज शुरू होगा।

जारी अधिसूचना के मुताबिक, हाईकोर्ट में 12 मई से समर वेकेशन शुरू होगा। लेकिन 10 मई को शनिवार अवकाश रहेगा। लिहाजा, 9 मई को लास्ट वर्किंग डेट रहेगा। हालांकि, समर वेकेशन के दौरान रजिस्ट्री विभाग खुले रहेंगे और नई याचिकाएं दायर की जा सकेंगी।

ग्रीष्मकालीन अवकाश के दौरान केस की सुनवाई के अलावा दूसरे कामकाज जारी रहेंगे। जिसके लिए अलग से व्यवस्था की गई है। इसके तहत सभी सिविल, आपराधिक और रिट मामले दायर किए जाएंगे। समर वेकेशन के दौरान मंगलवार और गुरुवार को वेकेशन जज बैठेंगे, जो जरूरी मामलों की सुनवाई करेंगे। किसी भी आपात स्थिति में अवकाशकालीन जज चीफ जस्टिस की स्वीकृति प्राप्त करने के बाद अपने सुनवाई की अवधि को किसी अन्य जज के साथ बदल सकते हैं। अवकाशकालीन जज सुबह 10:30 बजे से डिवीजन बेंच में सुनवाई करेंगे।

आपातकालीन स्थिति में न्यायालयीन समय के बाद भी सुनवाई जारी रख सकते हैं। यदि समय मिला तो अवकाशकालीन जज डिवीजन बेंच के मामलों के पूरा होने के बाद सिंगल बेंच में सुनवाई करेंगे। ग्रीष्म अवकाश के दौरान रजिस्ट्री शनिवार, रविवार और छुट्टियों को छोड़कर प्रतिदिन सुबह 10:00 बजे से शाम पांच बजे तक खुली रहेंगी। सभी नई रिट, सिविल, आपराधिक मामलों के साथ ग्रीष्मावकाश के दौरान तुरंत सुनवाई के लिए आवेदन पेश किए जाएंगे। नए और लंबित जमानत आवेदनों में तुरंत सुनवाई के लिए आवेदन और ग्रीष्मावकाश के दौरान सुनवाई के लिए आवेदन की आवश्यकता नहीं है और उन्हें ग्रीष्मावकाश के दौरान सूचीबद्ध किया जाएगा। जमानत आवेदनों के अलावा अन्य लंबित मामलों को सूचीबद्ध करने के लिए, अर्जेंट हियरिंग के आवेदन और ग्रीष्मावकाश के दौरान सुनवाई के लिए आवेदन देना होगा। अवकाशकालीन जज के सामने न पहुंचे मामलों को अगले अवकाशकालीन जज के समक्ष एक अलग सूची में सूचीबद्ध किया जाएगा। समर वेकेशन के दौरान हाईकोर्ट में वेकेशन जज की व्यवस्था की गई है, जो हर मंगलवार और गुरुवार को केस की सुनवाई करेंगे। इसके तहत 13, 15, 20, 22, 27 और 29 मई के साथ ही तीन और पांच जून को अवकाशकालीन बेंच में मामलों की सुनवाई होगी।

क्रशर प्लांट में 80 लाख की पोकलेन मशीन जलाई

3 बदमाशों ने 5-6 दिन पहले दी थी धमकी, फायरिंग करते हुए फरार

पलामू, 3 मई (एजेंसियां)। पलामू जिले के हुसैनाबाद थाना क्षेत्र में एक क्रशर प्लांट की पोकलेन मशीन को अज्ञात बदमाशों ने जला दिया। दमदमी सोहेया पहाड़ के पास स्थित प्लांट में रात करीब 10:30 बजे यह घटना हुई।

बाइक पर सवार तीन बदमाश प्लांट में घुसे। उन्होंने पोकलेन पर तेल डालकर आग लगा दी। लगभग 80 लाख रुपए की कीमत वाली यह मशीन आग की चपेट में आ गई। प्लांट के गार्ड ने जब शोर मचाया तो बदमाश फायरिंग करते हुए फरार हो गए। प्लांट के मुंशी ने बताया कि पांच-छह दिन पहले भी बाइक पर दो लोग आए थे। वे पोकलेन की चाभी लेकर गए थे और क्रशर नहीं चलाने की धमकी दे गए थे। क्रशर प्लांट के मालिक ने तुरंत हुसैनाबाद थाना पुलिस और दमकल विभाग को सूचित किया। दमकल की गाड़ी की मदद से आग पर काबू पाया गया।

आंधी-बारिश से 500 एकड़ फसल बर्बाद, पकने से पहले गिरा आम

केला, पपीता की फसल जमींदोज, फल उगाने वाले किसानों को लाखों का नुकसान

दुर्ग, 3 मई (एजेंसियां)। छत्तीसगढ़ में एक दिन पहले आई आंधी और बारिश ने किसानों की फसल को बर्बाद कर दिया है। सबसे अधिक नुकसान फल उगाने वाले किसानों का हुआ है। दुर्ग जिले के धमधा क्षेत्र में 500 एकड़ में लगी केला, आम, पपीता और चीकू फसल तैयार होने से पहले ही जमींदोज हो गई। धमधा क्षेत्र के धौराभाठा में फलों की फसल लेने वाले किसानों के कृषि फार्म पहुंची। यहां सबसे जेएस फर्म के मालिक द्वारा 500 एकड़ के फार्म हाउस में पूरी तरह से ऑर्गेनिक खेती की जाती है। इतने बड़े कृषि फार्म में 20 प्रकार के फलों की पैदावार हर सीजन में ली जाती है।

इस समय यहां केला, पपीता और आम की मुख्य रूप से फसल लगी थी। गुरुवार शाम को आई तेज आंधी ने जहां पूरे केले के पेड़ को जमीन में गिरा ता तो वहीं पपीते, आम और चीकू पकने से पहले ही जमीन में चादर की तरह बिछ गए।

यहां के किसान राजेश पुनिया से बात की गई तो उन्होंने बताया कि अचानक जो मौसम की मार मिली है। उससे उन्हें 70-80 लाख रुपए का नुकसान हुआ है। अचानक आई आंधी ने इस क्षेत्र के छोटे कृषि फार्म संचालकों की फसल को भी बर्बाद कर दिया है। उनका कहना था कि फलों की फसल के भरोसे ही उनका जीवन यापन चलता था। इस बार मौसम की मार ने उन्हें बर्बाद कर दिया है। अब उन्हें शासन से कुछ मदद की दरकार है। नहीं तो वो लोग अपने यहां काम करने वाले कर्मचारियों का खर्च भी नहीं निकाल पाएंगे।

मौसम विभाग के मुताबिक गुरुवार शाम को 70 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से तेज आंधी चली साथ ही बारिश भी हुई। इसने बड़े बड़े पेड़ों को उखाड़ दिया। फसलों को तबाह कर दिया।

शहर से लेकर ग्रामीण क्षेत्र में तेज हवा और बारिश से कई फसलों, पेड़ पौधों और अन्य निर्माण को भारी नुकसान हुआ है।

गरियाबंद में बड़ा एनकाउंटर 8 लाख का इनामी नक्सली ढेर

भारी मात्रा में विस्फोटक भी बरामद

गरियाबंद, 3 मई (एजेंसियां)। छत्तीसगढ़ के गरियाबंद जिले में सुरक्षाबल के जवानों को बड़ी सफलता मिली है। जवानों ने मुठभेड़ में एक नक्सली को मार गिराया। मारे गए नक्सली के सिर पर 8 लाख रुपये का इनाम घोषित था। जिले के जुगाड़ थाना क्षेत्र के मोतीपानी और करीब के जंगलों में नक्सलियों के मौजूद होने की सूचना मिली थी। जिसके बाद शुक्रवार को सुरक्षाबल के जवानों ने सर्चिंग अभियान शुरू किया था। शुक्रवार को जिला बल, गरियाबंद जिले की विशेष इकाई 'ई-30' और केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल के संयुक्त दल को गश्त के लिए रवाना किया गया था।

नक्सली एनकाउंटर के बारे में शनिवार को अधिकारियों ने जानकारी दी। अधिकारियों ने बताया कि जब सुरक्षाबल के जवान शाम करीब छह बजे मोतीपानी गांव के जंगल में थे तब नक्सलियों ने उन पर गोलीबारी शुरू कर दी जिसके बाद सुरक्षाबलों ने भी जवाबी कार्रवाई की। उन्होंने बताया कि दोनों ओर से लगभग आधे घंटे तक गोलीबारी हुई और खुद को घिरता देख नक्सली वहां से भाग गए।

अधिकारियों ने बताया कि मुठभेड़ के बाद घटनास्थल की तलाशी में सुरक्षाबल के जवानों ने एक नक्सली का शव, एक एसएलआर हथियार, विस्फोटक और अन्य सामान बरामद किए। उन्होंने बताया कि मारे गए नक्सली की पहचान 'डिविजनल कमेटी' सदस्य योगेश के रूप में हुई है। योगेश के ऊपर आठ लाख रुपये का इनाम घोषित था और उसके खिलाफ गरियाबंद के मैनपुर थाना में अपराध दर्ज है।

बाइक और हाइवा की सीधी टक्कर

हाईवा चालक वाहन छोड़ हुआ फरार, शव को पोस्टमॉर्टम के लिए भेजा गया

गोड्डा, 3 मई (एजेंसियां)। गोड्डा जिले के देवडांड़ थाना क्षेत्र के जीतपुर बंगाली टोला चौक के पास एक तेज रफ्तार हाईवा और बाइक की आमने-सामने टक्कर हो गई। हादसे में बाइक सवार उदेश्वर राय (44) की मौके पर ही मौत हो गई। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, हाईवा तेज रफ्तार में था। टक्कर के बाद हाईवा चालक वाहन छोड़कर मौके से फरार हो गया। घटना की सूचना मिलते ही देवडांड़ थाना प्रभारी राहुल कुमार पुलिस दल के साथ मौके पर पहुंचे।

मृतक के परिजनों ने गोड्डा-देवडाड़ मुख्य मार्ग पर करीब 5 घंटे तक जाम लगाया। पुलिस ने काफी प्रयास के बाद जाम खुलवाया। पुलिस ने शव को पोस्टमॉर्टम के लिए गोड्डा भेज दिया है।

बेटी के गवाही पर हाई कोर्ट ने मां और प्रेमी को दी आजीवन कारावास की सजा

रायपुर, 3 मई (एजेंसियां)। छत्तीसगढ़ हाई कोर्ट ने एक नाबालिग बेटी की गवाही पर उसकी मां और प्रेमी को पिता की क्रूर हत्या के लिए दी गई आजीवन कारावास की सजा को बरकरार रखा है। यह घटना जंजगीर चांपा जिले के एक गांव की है। 27 मार्च 2023 की रात को पत्नी और उसके प्रेमी ने मिलकर पति की हत्या कर दी थी।

हत्या का कारण पति द्वारा दोनों को आपत्तिजनक स्थिति में देखना बताया गया है। बेटी जो उस समय आठ साल की थी ने अदालत में गवाही दी कि उसने अपनी मां को अपने पिता का गला घोंटते हुए देखा था। अदालत ने बच्चे की गवाही को महत्वपूर्ण मानते हुए दोषियों की अपील खारिज कर दी। अदालत ने कहा कि बच्चे की गवाही को सावधानीपूर्वक जांचना चाहिए और यदि यह विश्वसनीय और सत्य पाई जाती है, तो इसे केवल इसलिए नहीं नकारा जा सकता क्योंकि गवाह एक बच्चा है। यह मामला पूरे राज्य में सनसनी बन गया था। अभियोजन पक्ष के अनुसार 28 वर्षीय मां का 23 वर्षीय युवक के साथ अवैध संबंध था। 27 मार्च 2023 की रात को पति ने दोनों को आपत्तिजनक हालत में देख लिया। इसके बाद हुए झगड़े में उन्होंने दुपट्टे से गला घोंटकर पति की हत्या कर दी। फिर उन्होंने उसके शव को सोन नदी में फेंक दिया और उसका मोबाइल फोन भी फेंक दिया। पत्नी ने पुलिस को झूठी गुमशुदगी की रिपोर्ट दर्ज कराई, ताकि अधिकारियों को गुमराह किया जा सके। लेकिन तीन दिन बाद शव मिल गया। पुलिस जांच में प्रेमियों की गिरफ्तारी हुई। पुलिस द्वारा अपने अंदाज में पूछताछ करने पर मामला बाहर आया। इसके बाद दूसरे अतिरिक्त सत्र न्यायाधीश ने उन्हें आईपीसी की धारा 302/34 (हत्या), 201 (सबूत नष्ट करना), और 203 (पुलिस को गुमराह करना) के तहत दोषी ठहराया। इस मामले में सबसे महत्वपूर्ण मोड़ तब आया जब दंपति की छोटी बेटी ने अदालत को बताया कि वह रात में जाग गई थी और उसने हत्या देखी थी। उसने बताया कि कैसे उसकी मां ने दुपट्टे का इस्तेमाल करके उसके पिता का गला घोंटा, जबकि आदमी ने उसे पकड़ रखा था। शुरू में अपनी मां की धमकियों से चुप रहने वाली बच्ची ने मुकदमे के दौरान सच्चाई बताई। जब दोषियों की अपील हाई कोर्ट पहुंची, तो उसने भी बच्चे के बयान को संगत और विश्वसनीय पाया। खासकर चिकित्सा और भौतिक साक्ष्यों के आलोक में।

पोस्ट मार्टम रिपोर्ट में गला घोंटने से दम घुटने के कारण मौत की पुष्टि हुई, जिससे यह हत्या साबित हुई। जांचकर्ताओं ने अपराध में इस्तेमाल किया गया दुपट्टा, एक लोहे की छड़ और पीड़ित का मोबाइल फोन बरामद किया।

बाइक की टक्कर में बच्ची गिरी नीचे, ट्रैक्टर ने कुचला

हादसे में मासूम ने तोड़ा दम

पलामू, 3 मई (एजेंसियां)। पलामू जिले में मेदिनीनगर-पांकी मुख्य मार्ग पर शनिवार को एक दर्दनाक सड़क हादसा हुआ। लेस्लीगंज थाना क्षेत्र के बसौरा में इंजीनियरिंग कॉलेज के पास दो बाइक की आमने-सामने की टक्कर में 6 वर्षीय अंजनी कुमारी की मौत हो गई।

पहली बाइक पर भलमंडा निवासी अमित कुमार (30) अपनी पत्नी सुनीता देवी (25) और बेटी अंजनी के साथ सवार थे। दूसरी बाइक पर जोगेन्द्र साव (35) और बबन साव (32) यात्रा कर रहे थे। इंजीनियरिंग कॉलेज के पास दोनों बाइक की टक्कर हो गई।

टक्कर के बाद सड़क पर गिरी बच्ची उसी रास्ते से गुजर रहे एक ट्रैक्टर की चपेट में आ गई। हादसे में बच्ची के माता-पिता समेत चार लोग घायल हुए। सभी घायलों को मेदिनीराय मेडिकल कॉलेज अस्पताल में भर्ती कराया गया।

अस्पताल में डॉक्टरों ने अंजनी को मृत घोषित कर दिया। पोस्टमॉर्टम के बाद शव परिजनों को सौंप दिया गया है। पुलिस घायलों का बयान लेकर मामले की जांच कर रही है।

मुस्लिम युवक हिंदू लड़की को लेकर भागा

3 बच्चों का पिता है आरिफ, विहिप और बजरंग दल ने जताया विरोध

धनबाद, 3 मई (एजेंसियां)। धनबाद के बारामुड़ी क्षेत्र से एक युवती के लापता होने का मामला सामने आया है। युवती की मां ने धनबाद थाने में शिकायत दर्ज कराई है। दर्ज करायी गई शिकायत में मां ने आरोप लगाया है कि पुटकी के रहने वाला 45 साल का आरिफ हुसैन उर्फ आरिफ खान उनकी 19 वर्षीय बेटी को बहला-फुसलाकर भगा ले गया है।

दर्ज कराई गई शिकायत में यह भी बताया गया है कि बहकावे में आ कर बेटी अपने साथ 50 हजार रुपए नकद और 2 लाख रुपए के गहने लेकर गई है। आरोपी आरिफ तीन बच्चों का पिता है, जिसमें बड़ी बेटी 18 साल की है। शुक्रवार को आरिफ के कोर्ट में एफिडेविट कराने पहुंचने की सूचना लोगों को मिली। सूचना मिलते ही विश्व हिंदू परिषद के जिला अध्यक्ष द्वारिका तिवारी, महानगर उपाध्यक्ष पप्पू यादव, दिवाकर सिंह और बजरंग दल के गोविंद शुक्ला कोर्ट पहुंचे। लेकिन उनके पहुंचने से पहले ही आरोपी वहां से भाग निकला।

इसके बाद विहिप और बजरंग दल के कार्यकर्ताओं ने थाने पहुंचकर विरोध प्रदर्शन किया। उन्होंने युवती की बरामदगी और आरोपी की गिरफ्तारी की मांग की। थाना प्रभारी ने युवती को बरामद करने का आश्वासन दिया है। सामाजिक संगठनों ने चेतावनी दी है कि युवती की बरामदगी नहीं होने पर आंदोलन किया जाएगा।

विश्व हिन्दू परिषद के द्वारिका प्रसाद तिवारी के मुताबिक आरिश नेटवर्क मार्केटिंग का काम करता है। युवती के साथ नौकरी दिलाने के नाम पर संपर्क में आया। इसके बाद बहला-फुसला कर इस तरह की हरकत उसने की है।

बगीचे में घुसा भालू, लोगों की भीड़ ने घेरा

भालू को देखने के लिए उमड़े लोग, वनविभाग ने पास नहीं जाने की दी सलाह

गुमला, 3 मई (एजेंसियां)। गुमला के भरनो प्रखंड में शनिवार को एक भालू ने लोगों के बीच दहशत फैला दिया। दक्षिणी भरनो पंचायत के पड़कीटोली में किसान दुचला के बगीचे में भालू के प्रवेश से क्षेत्र में हड़कंप मच गया।

सैकड़ों लोग भालू को देखने के लिए मौके पर जमा हो गए। स्थानीय लोगों ने बगीचे को चारों तरफ से घेर लिया है, जिससे भालू वहां से निकल नहीं पा रहा। लोग उसे पत्थर भी मार रहे हैं।

इधर, सूचना मिलते ही बसिया वन विभाग के वनपाल लिबनुस कुल्लू के नेतृत्व में 6 सदस्यीय क्यूआरटी टीम मौके पर पहुंची। टीम ने लोगों को भालू के पास न जाने और उसे परेशान न करने की सलाह दी है।

मारासिली पंचायत के मुखिया सुकेश उरांव ने ग्रामीणों से भालू की सुरक्षा सुनिश्चित करने की अपील की है। उन्होंने कहा कि भालू के उग्र होने पर यह किसी को भी नुकसान पहुंचा सकता है। भरनो क्षेत्र में जंगली भालू और हाथियों का आना आम बात है। साल में तीन-चार बार ये वन्यजीव यहां आते हैं।

तीन साल पहले भरनो प्रखंड में ही एक भालू ने आतंक मचा दिया था। एक ही दिन में अलग-अलग समय पर 2 बार हमला कर भालू ने 3 लोगों को मार डाला था। 3 लोग घायल हो गए थे। घटना करंज थाना क्षेत्र अंतर्गत अंबेरा नागेसिया टोली गांव की थी।

इधर, हाथियों के उत्पात से लोग परेशान हैं। भरनो प्रखंड क्षेत्र में ही जंगली हाथी का उत्पात थमने का नाम ही नहीं ले रहा है। प्रत्येक दिन हाथी किसी न किसी ग्रामीणों के घरों और खेतों में फसलों को बर्बाद कर रहा है। क्षेत्र के लोग हाथियों के डर से रतजगा करने को विवश हैं। गुरुवार को अहले सुबह से 3 जंगली हाथियों का झुंड जिरहुलगांव के श्री पहाड़ के पास अपना डेरा जमाए हुए है, जिससे आसपास के ग्रामीण काफी भयभीत हैं।

ऑस्ट्रेलिया चुनाव में लेबर पार्टी जीती, फिर पीएम बनेंगे अल्बनीज

21 साल में दूसरी बार प्रधानमंत्री बनने वाले पहले नेता, विपक्षी पार्टी ने हार मानी

कैनबरा, 3 मई (एजेंसियां)। ऑस्ट्रेलिया में लेबर पार्टी दोबारा चुनाव गई है। चुनाव आयोग के मुताबिक अब तक 50% वोटों की गिनती हो चुकी है। लेबर पार्टी को 87 सीटों पर जीत हासिल हुई है, वहीं विपक्षी लिबरल-नेशनल गठबंधन 34 सीटों पर जीती है। चुनाव जीतने के लिए 76 सीटों की जरूरत होती है।

लेबर पार्टी की जीत से तय हो गया है कि एंथनी अल्बनीज एक बार फिर से प्रधानमंत्री बनेंगे। 21 साल में यह पहली बार होगा जब कोई नेता दोबारा पीएम बनेगा। इसे पहले 2004 में लिबरल पार्टी के जॉन हावर्ड लगातार दूसरी बार चुनाव जीते थे।

वहीं, विपक्षी लिबरल-नेशनल गठबंधन ने हार मान ली है। विपक्षी नेता पीटर डटन ने चुनाव में हार स्वीकार करते हुए कहा, हमने अच्छा प्रदर्शन नहीं किया, मैं इसके लिए पूरी जिम्मेदारी स्वीकार करता हूं।

ऑस्ट्रेलिया में 3 साल पर चुनाव होते हैं। देश में 28 मार्च 2025 को संसद भंग कर दी गई थी, जिसके बाद सरकार केयरटेकर मोड में चली गई थी। इसके बाद 22 से 30 अप्रैल तक पोस्टल वोटिंग की गई।

पिछली बार 2022 में हुए चुनाव में लेबर पार्टी को 77 और लिबरल-नेशनल गठबंधन को 58 सीटें मिली थीं।

इस बार मुख्य मुकाबला प्रधानमंत्री एंथनी अल्बनीज की लेबर पार्टी और विपक्षी नेता पीटर डटन के लिबरल-नेशनल गठबंधन के बीच था।

सिंगापुर में आम चुनाव के लिए मतदान खत्म

पीएम लॉरेंस के लिए पहला बड़ा परीक्षण

सिंगापुर, 3 मई (एजेंसियां)। सिंगापुर में आम चुनाव के लिए मतदान रविवार को समाप्त हो गया। यह चुनाव प्रधानमंत्री लॉरेंस वोंग के लिए पहला बड़ा परीक्षण माना जा रहा है, क्योंकि वह पिछले साल ही देश के प्रधानमंत्री बने हैं। प्रधानमंत्री वोंग की पीपल्स एक्शन पार्टी पिछले 66 वर्षों से सत्ता में है और माना जा रहा है कि वह एक बार फिर आसान जीत हासिल कर लेगी। हालांकि, इस पर भी नजर रखी जा रही है कि क्या विपक्ष सरकार की सख्त नीतियों और महंगाई को लेकर लोगों की नाराजगी के बीच कुछ और सीटें जीत सकता है। देशभर में वोटिंग के लिए 1,200 से ज्यादा मतदान केंद्र बनाए गए थे। ये मतदान केंद्र स्कूल, हाउसिल ब्लॉक और अन्य जगहों पर बनाए गए थे। जानकारी के मुताबिक, देश में मतदान करीब 12 घंटे तक चला। इस बार करीब 27.6 लाख लोग मतदान करने के पात्र थे।

पूर्व अमेरिकी एनएसए का भारत को खुला समर्थन

बोले– पाकिस्तान के खिलाफ कार्रवाई का पूरा अधिकार

वॉशिंगटन, 3 मई (एजेंसियां)। अमेरिका के पूर्व राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार (एनएसए) जॉन बोल्टन ने कहा कि कोई भी दक्षिण एशिया में व्यापक संघर्ष नहीं देखना चाहता लेकिन पहलगाम आतंकी हमले के बाद भारत को पाकिस्तान के खिलाफ आत्मरक्षा में कार्रवाई करने का पूरा अधिकार है। आईएएनएस के साथ एक विशेष इंटरव्यू में बोल्टन ने कहा कि यह बेहद दुर्भाग्यपूर्ण है कि जम्मू-कश्मीर के लोगों को एक स्थिर वातावरण में रहने नहीं दिया जा रहा, पर्यटकों को सीमा पार से लगातार आतंकवादी गतिविधि के कारण इस क्षेत्र में आने से रोका जा रहा है।

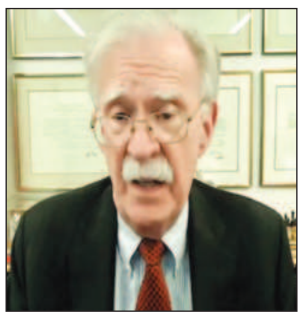

बोल्टन फरवरी 2019 में पुलवामा हमले के दौरान अमेरिकी एनएसए के रूप में कार्यरत थे। यह हमला पाकिस्तान स्थित आतंकवादी समूह 'जैश-ए-मोहम्मद' ने किया था जिसमें परिणामस्वरूप 40 सीआरपीएफ जवान शहीद हो गए थे। बोल्टन ने कहा, 'जब मैं राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार था, तो 2019 में हमारा सामना ऐसी ही परिस्थितियों से हुआ, उस वक्त पाकिस्तानी धरती से आतंकवादी हमला हुआ था।

हमने वरिष्ठ सरकारी अधिकारियों के साथ गहन परामर्श किया था। तब हमारा नजरिया यह था कि यदि भारत सरकार को विश्वास है कि यह हमला पाकिस्तानी धरती से हुआ है और पाकिस्तानी सरकार इसे रोकने में नाकाम रही या उसने इसमें मदद की, तो नई दिल्ली को आत्मरक्षा में कार्रवाई करने का पूरा अधिकार है।'

संयुक्त राष्ट्र में पूर्व अमेरिकी राजदूत रहे बोल्टन ने कहा, 'मुझे लगता है कि यही सिद्धांत आज भी लागू होता है। मेरे विचार से भारत के हित में यह है कि अगर सैन्य प्रतिक्रिया का फैसला लिया जाता है तो उसे सही साबित करने वाले कारण भी उसके पास होने चाहिए। कोई भी दक्षिण एशिया में व्यापक संघर्ष नहीं देखना चाहता लेकिन आतंकी हमलों का खतरा ऐसी चीज है जिसके साथ किसी को भी नहीं रहना चाहिए। इसीलिए प्रतिक्रिया और आत्मरक्षा पूरी तरह से स्वीकार्य है।'

आतंकियों ने 22 अप्रैल को जम्मू-कश्मीर में एक लोकप्रिय पर्यटन स्थल पहलगाम स्थित बैसरन घाटी में लोगों पर गोलियां चला दी थीं। हमले में 26 लोगों की मौत हो गई और कई अन्य घायल हो गए।

कांग्रेस की संविधान बचाओ रैली रांची में छह मई को

कांके विधायक सुरेश बैठा ने बीजेपी पर साधा निशाना

रांची, 3 मई (एजेंसियां)। कांग्रेस पार्टी के द्वारा देश के विभिन्न राज्यों में संविधान बचाओ रैली का आयोजन किया जा रहा है। इसी कड़ी में झारखंड की राजधानी रांची में भी संविधान बचाओ रैली का आयोजन आगामी छह मई को किया जा रहा है। मुख्य अतिथि के तौर पर पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे शामिल होंगे, जिसकी तैयारी जोरो शोरों से चल रही है। कांग्रेस से कांके विधायक सुरेश बैठा ने भाजपा पर निशाना साधते हुए कहा कि जिस प्रकार से संविधान को बदलने का कोशिश भाजपा करती है, यह अनुचित है।

प्रिंस हैरी बोले– परिवार से सुलह करना चाहूंगा

अब और नहीं लड़ना, पता नहीं मेरे पिता के पास कितना समय बचा है

लंदन, 3 मई (एजेंसियां)। ब्रिटेन के प्रिंस हैरी ने कहा है कि वह रॉयल फैमिली के साथ सुलह करना चाहते हैं, लेकिन उनके पिता किंग चार्ल्स उनसे बात नहीं कर रहे हैं। हैरी ने यह बयान उस दिन दिया जब वे ब्रिटिश सरकार के खिलाफ पुलिस सुरक्षा को लेकर चल रहा मुकदमा हार गए। बीबीसी को दिए एक इंटरव्यू में हैरी ने कहा, 'मैं अपने परिवार के साथ सुलह करना चाहूंगा। अब और लड़ाई का कोई मतलब नहीं है। जिंदगी कीमती है। मुझे नहीं पता कि मेरे पिता के पास कितना समय बचा है। वह मुझसे इस सुरक्षा विवाद के कारण बात नहीं कर रहे हैं, लेकिन सुलह करना अच्छा होगा।'

हैरी ने कहा कि मैं नहीं सोचता कि मैं कभी अपने परिवार को ब्रिटेन वापस ला पाऊंगा, क्योंकि मुझे लगता है कि वहां मेरे परिवार के लिए सुरक्षा की व्यवस्था नहीं है। उन्होंने आगे कहा कि मेरे और परिवार के कुछ सदस्यों के बीच काफी मतभेद रहे हैं, लेकिन अब मैंने उन्हें माफ कर दिया है।

अर्जेंटीना में 7.5 तीव्रता का शक्तिशाली भूकंप

15 मिनट में 3 बड़े आफ्टर शॉक भी आए, सुनामी की चेतावनी वापस ली गई

ब्यूनस आयर्स, 3 मई (एजेंसियां)। साउथ अमेरिकी देश अर्जेंटीना में 7.5 तीव्रता का शक्तिशाली भूंकप आया। इसके चलते सुनामी की चेतावनी जारी की गई थी, जिसे अब हटा लिया गया है। यह भूकंप भारतीय समयानुसार शाम 6:30 बजे आया था।

भूकंप का केंद्र अर्जेंटीना के दक्षिणी राज्य उशुआइया से 222 किमी दूर समुद्र में ड्रेक पैसेज में था, जिसकी गहराई 10 किमी थी। यूएस जियोलॉजिकल सर्वे के मुताबिक उसी जगह 15 मिनट में लगातार 5.4, 5.7 और 5.6 तीव्रता के 3 आफ्टर शॉक भी आए।

बता दें कि ड्रेक पैसेज दक्षिण अमेरिका के केप हॉर्न , चिली, अर्जेंटीना और अंटार्कटिका के दक्षिण शेटलैंड द्वीपों के बीच का समुद्री इलाका है। प्रशासन ने लोगों से ऊंची जगहों पर जाने के लिए कहा था। प्रभावित इलाकों में सुनामी की चेतावनी वाले सायरन बजना शुरू हो गए हैं। अभी तक किसी के हताहत होने की सूचना नहीं मिली है। एक दिन पहले भी अर्जेंटीना में 5.8 तीव्रता का भूंकप आया था।

अर्जेंटीना के पड़ोसी देश चिली के तटीय इलाकों भी को अलर्ट पर रखा गया है। चेतावनी में कहा गया है कि लहरें चिली के प्यूर्टो विलियम्स तक पहुंच सकती हैं। चिली की नेशनल डिजास्टर सर्विस ने पूरे दक्षिणी तट को खाली कराने के लिए कहा है। इसके लिए लोकल अधिकारियों को निर्देश दिए गए हैं।

चिली के राष्ट्रपति गेब्रियल बोरिक ने कहा कि भूकंप से निपटने के लिए देश के पास सभी संसाधन मौजूद हैं। उन्होंने सोशल मीडिया पोस्ट में कहा कि हम लोगों से अपील करते हैं कि वो मैगलन इलाके में समुद्र तट से दूर चले जाएं। इस समय हमें अधिकारियों के निर्देशों को पूरी तरह फॉलो करना है। अमेरिका का सुनामी वॉर्निंग सिस्टम अगले एक घंटे में फिर से चेतावनी जारी करेगा।

धरती बड़ी-बड़ी टैक्टोनिक प्लेट्स पर स्थित है। इसके नीचे तरल पदार्थ लावा है। ये प्लेट्स लगातार तैरती रहती हैं और कई बार आपस में टकरा जाती हैं। टकराने से कई बार प्लेट्स के कोने मुड़ जाते हैं और ज्यादा दबाव पड़ने पर ये प्लेट्स टूटने लगती हैं।

ऐसे में नीचे से निकली ऊर्जा बाहर की ओर निकलने का रास्ता खोजती है और इस डिस्टर्बेंस के बाद भूकंप आता है। धरती के कई मील भीतर जब टैक्टोनिक प्लेट हिलती हैं तो सैकड़ों परमाणु बम के बराबर एनर्जी निकलती है।

काश पटेल नाइट क्लब में रहते हैं

एफबीआई डायरेक्टर पर गंभीर आरोप पूर्व अमेरिकी अधिकारी ने उठाए सवाल

वॉशिंगटन, 3 मई (एजेंसियां)। फेडरल ब्यूरो ऑफ इन्वेस्टिगेशन (एफबीआई) के डायरेक्टर काश पटेल पर गंभीर आरोप लगे हैं। अमेरिका के एक पूर्व उच्च अधिकारी ने दावा किया है कि काश अपने पद की अहमियत को नहीं समझ रहे हैं और दफ्तर में बहुत कम समय देते हैं। एफबीआई डायरेक्टर होने के बावजूद वह अपने ऑफिस से ज्यादा नाइट क्लब और पार्टियों में दिखते हैं। रॉबर्ट मुलर के समय में एफबीआई के सहायक निदेशक रहे फ्रैंक फिग्लिउजी ने एमएसएनबीसी के एक कार्यक्रम में बोलते हुए काश पटेल के बारे में ये दावा किया है।

फ्रैंक फिग्लिउजी ने कहा कि काश पटेल अपने ऑफिस वॉशिंगटन डीसी से दूर लास वेगास स्थित अपने घर पर ज्यादा समय बिता रहे हैं। इससे ब्यूरो के अंदर पूरी तरह से अराजकता का माहौल बन गया है। हाल ही में सीनेट डेमोक्रेट ने भी एफबीआई के संसाधनों, खासकर प्राइवेट जेट के इस्तेमाल की जांच की मांग की है।

काश पर मीडिया लीक रोकने के लिए ब्यूरो ऑफ इन्वेस्टिगेशन के अंदर पॉलीग्राफ टेस्ट कराने के आरोप भी लग रहे हैं। फ्रैंक फिग्लिउजी ने दावा किया कि काश पटेल को नाइट क्लब में ज्यादा देखा जाता है, जबकि उन्हें हूवर बिल्डिंग के सातवें फ्लोर पर अपने ऑफिस में होना चाहिए। अब रोजाना दी जाने वाली ब्रीफिंग भी हफ्ते में दो बार ही हो पा रही है। फिग्लिउजी ने कहा कि काश पटेल जिस तरह से बिना अनुभव के मनमाने ढंग से चीजों को चलाने की कोशिश कर रहे हैं, उससे अमेरिका की इस अहम एजेंसी को नुकसान हो सकता है। डोनाल्ड ट्रंप के करीबी माने जाने भारतीय मूल के अमेरिकी काश पटेल इस साल फरवरी में संघीय जांच ब्यूरो (एफबीआई) के निदेशक बने हैं। इस पद को संभालने के लिए उन्होंने पूरे सिस्टम में बदलाव लाने और चीजों को ठीक करने की बात कही थी। हालांकि इस पद को संभालने के कुछ महीने के अंदर ही उन पर ठीक से काम नहीं करने के आरोप लगने लगे हैं।

ट्रम्प बोले– हार्वर्ड यूनिवर्सिटी का टैक्स फ्री दर्जा खत्म करेंगे

कहा– वे इसी के हकदार, 2.2 अरब डॉलर की मदद पहले ही रोक चुके हैं

वाशिंगटन, 3 मई (एजेंसियां)। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने कहा कि वह हार्वर्ड यूनिवर्सिटी का टैक्स फ्री संस्थान का दर्जा खत्म करने जा रहे हैं। ट्रम्प ने ट्रुथ सोशल पर पोस्ट करते हुए लिखा कि वे इसी के हकदार हैं। इससे पहले हार्वर्ड की 2.2 अरब डॉलर फंडिंग पर रोक लगा चुके हैं।

दरअसल ट्रम्प प्रशासन ने यूनिवर्सिटी से यह मांग की है कि वह अक्टूबर 2023 के बाद कैंपस में हुई यहूदी विरोधी घटनाओं पर बनी सभी रिपोर्ट और ड्राफ्ट भी सरकार को सौंपे। प्रशासन चाहता है कि इन रिपोर्टों को तैयार करने वाले सभी लोगों के नाम बताए जाएं और उन्हें संघीय अधिकारियों के इंटरव्यू के लिए उपलब्ध कराया जाए।

यूनिवर्सिटी ने इस आदेश के खिलाफ कोर्ट में केस भी किया है। यूनिवर्सिटी का आरोप है कि ट्रम्प सरकार राजनीतिक दबाव बनाकर शैक्षणिक कामकाज पर कंट्रोल करना चाहती है। हार्वर्ड यूनिवर्सिटी के प्रोफेसर्स ने भी 12 अप्रैल को राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प के प्रशासन के खिलाफ मैसाचुसेट्स की फेडरल डिस्ट्रिक्ट कोर्ट केस दायर किया था। प्रोफेसर्स के दो ग्रुप ने यूनिवर्सिटी फंड को रोकनी की धमकी के खिलाफ यह केस दर्ज किया था। दरअसल उस दौरान ट्रम्प प्रशासन हार्वर्ड यूनिवर्सिटी को मिलने वाले 9 अरब डॉलर के फंड की समीक्षा कर रहा था। हार्वर्ड के प्रोफेसर्स ने हवाला दिया कि ट्रम्प का यह फैसला अमेरिकी संविधान के फर्स्ट अमेंडमेंट (प्रथम संशोधन) का उल्लंघन करता है। प्रोफेसर्स का आरोप है कि यूनिवर्सिटी फंड में कटौती करना अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता का हनन है। कोर्ट में दायर याचिका में ट्रम्प प्रशासन के फैसले पर रोक लगाने की मांग भी की गई है। हाल ही में ट्रम्प प्रशासन ने हार्वर्ड को एक चिट्ठी भेजी थी। इस चिट्ठी में यूनिवर्सिटी को कुछ शर्तें पूरी करने के लिए कहा गया था। ऐसा न करने पर यूनिवर्सिटी की संघीय फंडिंग पर रोक लगाने की धमकी दी गई।

इस कदम के पीछे ट्रम्प प्रशासन का दावा था कि हार्वर्ड जैसे प्रतिष्ठित संस्थान एंटी-सेमिटिज्म (यहूदियों के खिलाफ नफरत) को रोकने में नाकाम रहे हैं। प्रशासन ने आरोप लगाया कि कैंपस में यहूदी छात्रों और प्रोफेसरों के खिलाफ भेदभाव हो रहा है।

इंडिया के ऐक्शन का डर

घबराए कमांडरों का हौसला बढ़ाने में लगे आर्मी चीफ मुनीर, भारत को दी गीदड़भभकी

इस्लामाबाद, 3 मई (एजेंसियां)। पहलगाम के बाद भारत के जवाबी ऐक्शन की आशंका से पाकिस्तानी सेना घबराई हुई है। इस बीच पाकिस्तान के सेना प्रमुख जनरल असीम मुनीर ने कोर कमांडरों की विशेष बैठक बुलाई, जिसमें देश की रक्षा के लिए सशस्त्र बलों की अटूट प्रतिबद्धता दिखाई गई। इस दौरान नई दिल्ली को गीदड़भभकी देने की कोशिश की गई और कहा गया कि भारत के युद्ध थोपने के किसी भी प्रयास का निर्णायक और पूरी ताकत से जवाब दिया जाएगा। ये बैठक ऐसे समय में हुई है, जब पहलगाम हमले के बाद दोनों देशों के बीच तनाव बढ़ा हुआ है। इस हमले में 26 लोग मारे गए थे। विश्लेषकों ने आशंका जताई है कि ताजा संकट दोनों के बीच युद्ध भड़का सकता है।

कोर कमांडर्स की बैठक के बाद जारी पाकिस्तानी सेना के बयान के अनुसार, भारत द्वारा किए गए किसी भी युद्ध प्रयास का प्रभावी ढंग से जवाब दिया जाएगा और पाकिस्तानी लोगों की आकांक्षाओं का हर कीमत पर सम्मान किया जाएगा।

जनरल मुनीर ने सभी संरचनाओं और रणनीतिक बलों पर पूरा भरोसा जताया। इस दौरान जनरल मुनीर के जरिए भारत के संभावित हमले से घबराई पाकिस्तानी जनता का हौसला बढ़ाने की कोशिश भी गई। जनरल मुनीर ने कहा, सशस्त्र बल लोगों के साथ एकजुट हैं। इस दौरान मौलाना मुनीर जम्मू-कश्मीर को लेकर भी राग अलापने से नहीं बाज आए। बयान में सिंधु जल समझौते को रोके जाने से पाकिस्तान की खीझ भी साफ नजर आई। इसमें कहा गया कि भारत सिंधु जल संधि को कमजोर करने और उसके मौलिक जल अधिकारों से वंचित करने का प्रयास कर रहा है।

यूक्रेन के खारकीव पर रूस का ड्रोन हमला, 47 लोग घायल

कीव, 3 मई (एजेंसियां)। यूक्रेन के दूसरे सबसे बड़े शहर खारकीव पर शुक्रवार देर रात रूसी ड्रोन हमले में 47 लोग घायल हो गए। मामले में खारकीव के मेयर इहोर तेरेखोव ने बताया कि 12 जगहों पर ड्रोन गिरे, जिससे रिहायशी इलाकों, नागरिक ढांचे और गाड़ियों को नुकसान पहुंचा। वहीं रूस के इस हमले के बाद यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोदिमिर जेलेंस्की ने अपने सहयोगी देशों से मजबूत और निर्णायक समर्थन की अपील की। हमले के बाद अपने सहयोगी देशों से मदद की अपील करते हुए जेंलेस्की ने कहा कि जब दुनिया फैसलों में देर करती है, तब हर रात यूक्रेन के लिए एक डरावना सपना बन जाती है। उन्होंने कहा कि हमें और मजबूत एयर डिफेंस सिस्टम की जरूरत है। मामले में यूक्रेनी वायुसेना के मुताबिक, रूस ने शुक्रवार रात 183 ड्रोन और डिकॉय लॉन्च किए, जिनमें से 77 को मार गिराया गया, जबकि 73 इलेक्ट्रॉनिक जामिंग के चलते नष्ट हो गए। इसके अलावा 2 बैलिस्टिक मिसाइलें भी दागी गईं। हालांकि रूस के रक्षा मंत्रालय ने दावा किया कि उसने 170 यूक्रेनी ड्रोन, 8 क्रूज मिसाइलें और 3 गाइडेड मिसाइलें रोकी हैं। इसके साथ ही दक्षिणी रूस के नोवोरोसिस्क बंदरगाह शहर में भी ड्रोन हमले में 4 लोग घायल हो गए, यह जानकारी क्रास्नोदार क्षेत्र के गवर्नर वेनियामिन कोंद्रात्येफ ने दी। गौरतलब है कि यह हमला ऐसे समय हुआ है जब अमेरिका और यूक्रेन के बीच एक समझौता हुआ है, जिसके तहत अमेरिका को यूक्रेन के खनिज संसाधनों तक पहुंच मिलेगी। इस समझौते से यूक्रेन को सैन्य सहायता मिलने की उम्मीद है, खासकर तब जब राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के रुख को लेकर अनिश्चितता बनी हुई है।

बच्चों को मेडिकल ट्रेनिंग, आसमान निहारते लोग, राशन जमा करने का आदेश

भारत के हमले की आशंका, पाकिस्तान कैसी तैयारियां कर रहा?

इस्लामाबाद, 3 मई (एजेंसियां)। पहलगाम आतंकी हमले के बाद कई बैठकों के बाद भारत की चुप्पी ने पाकिस्तान को परेशान कर रखा है। पाकिस्तान को समझ नहीं आ रहा है कि भारत क्या कार्रवाई करने वाला है। हालांकि शुरूआत में भारत ने कुछ सख्त कदम उठाए और पाकिस्तान के साथ सिंधु जल संधि को सस्पेंड कर दिया। भारत ने पाकिस्तान से आने वाली उड़ानों के लिए अपने हवाई क्षेत्र को बंद कर दिया है। पाकिस्तान ने भी ऐसा ही किया है। दोनों देशों के राजनयिक संबंध और खराब हो गए हैं। दोनों देशों ने अपने राजदूतों को निष्कासित कर दिया है। 2021 के युद्धविराम समझौते को तोड़ते हुए दोनों देशों की सेनाएं रात में सीमा पर गोलाबारी कर रही हैं।

इसके अलावा, भारतीय सशस्त्र बलों को पूरी आजादी दे दी गई है। प्रधान मंत्री नरेंद्र मोदी ने सुरक्षा बलों को अपनी पसंद के अनुसार जगह और समय पर पहलगाम हमले का बदला लेने के लिए कहा है। मोदी के अलावा अमित शाह ने कहा है कि पहलगाम हमले के हर आतंकवादी को ढूंढा जाएगा और उसे जवाबदेह ठहराया जाएगा। दिल्ली में एक कार्यक्रम में शाह ने कहा, जिसने भी पहलगाम में कायराना हमला किया है, हम किसी को नहीं बख्शेंगे। हम हर अपराधी को ढूंढ निकालेंगे। उन्होंने कश्मीर में आतंकवाद के प्रति मोदी सरकार की जीरो-टॉलरेंस नीति पर जोर दिया। अमित शाह ने कहा, 'अगर किसी को लगता है कि वह इस तरह का कायराना हमला करके बच जाएगा, तो वह गलत है। यह नरेंद्र मोदी की सरकार है। हम किसी को नहीं बख्शेंगे।' 22 अप्रैल को पहलगाम आतंकी हमले का जिक्र करते हुए उन्होंने कहा, 'यह मत सोचो कि तुमने 26 लोगों को मारकर जीत हासिल कर ली है। तुम सभी को जवाब देना होगा।' दूसरी तरफ पाकिस्तान हाफिज सईद को बचाने में लगा है।

भारत और पाकिस्तान के बीच तनाव अपने चरम पर है। इस्लामाबाद एक चिंता का जवाब दे रहा है, जिसे उसने अभी तक खुलकर स्वीकार नहीं किया है।

20 साल तक शरीर में उतारा जहर

कोबरा जैसे सांपों से 200 बार कटवाया, खून से वैज्ञानिकों ने बनाई कमाल की दवाई

वॉशिंगटन, 3 मई (एजेंसियां)। अमेरिका के रहने वाले टिम फ्राइड के खून से एंटीवेनम (सांप के जहर को बेसर करने वाली दवा) बनाने का दावा किया गया है। टिम फ्राइड ने बीते 20 सालों में 200 बार खुद को सांपों का जहर शरीर में इंजेक्ट कराया है। इससे उसके खून में सांप के जहर को बेअसर करने की क्षमता आ गई। अब उसके खून के इस्तेमाल से दवा बनाई गई है। वैज्ञानिकों का कहना है कि टिम के खून में ऐसे एंटीबॉडीज हैं, जो कई तरह के जहरीले सांपों से बचा सकते हैं। ये एंटीबॉडीज जानवरों पर किए गए टेस्ट में जानलेवा जहर से बचाने में सफल रहे हैं।

बीबीसी की रिपोर्ट के मुताबिक, अभी जो एंटीवेनम मौजूद हैं वे सिर्फ खास तरह के सांपों के जहर पर ही काम करते हैं। वहीं टिम फ्राइड की 20 साल की मेहनत से ऐसा एंटीवेनम बनाने में मदद मिली है, जो सभी तरह के सांपों के काटने पर काम आए। सांप के काटने से हर साल 14,000 से ज्यादा लोगों की मौत होती है। इसके अलावा करीब 50 हजार लोगों को लोगों को सांप के काटने की वजह हाथ, पैर या उंगलियां काटनी पड़ती हैं। टिम फ्राइड ने दुनिया के सबसे खतरनाक सांपों-जैसे कि मंबा, कोबरा, ताइपन और क्रेट से जहर लेकर खुद को 700 से ज्यादा इंजेक्शन लगाए। वह पहले सांपों को संभालते समय खुद को बचाने के लिए अपनी इम्युनिटी बढ़ाना चाहते थे।

ट्रक मैकेनिक रहे टिम ने बीबीसी को बताया कि एक दफा दो कोबरा सांपों ने उन्हें जल्दी-जल्दी काटा, जिससे वह कोमा में चले गए थे लेकिन उन्होंने हार नहीं मानी। उनका मकसद दुनिया के बाकी लोगों के लिए बेहतर इलाज विकसित करना था और वह इसके लिए कोशिश करते रहे। एंटीवेनम बनाने के लिए अभी तक सांपों के जहर की थोड़ी मात्रा घोड़े जैसे जानवरों में इंजेक्ट की जाती रही है।

केके विश्नोई का बेनीवाल पर तीखा हमला

कहा- व्हाइट की कमाई से बनाया है अपना घर

उनको बोलने का हक नहीं

जयपुर, 3 मई (एजेंसियां)। राजस्थान की राजनीति में एक बार फिर बयानबाजी तेज हो गई है। उद्योग राज्य मंत्री केके विश्नोई ने भाजपा प्रदेश कार्यालय में आयोजित प्रेस कॉन्फ्रेंस के दौरान नागौर सांसद हनुमान बेनीवाल पर जमकर निशाना साधा। विश्नोई ने बेनीवाल को राजस्थान की राजनीति का सबसे अविश्वसनीय नेता करार देते हुए कहा कि वह पाला बदलने में माहिर हैं और युवाओं को गुमराह कर रहे हैं।

विश्नोई ने आरोप लगाया कि खींवसर उपचुनाव के दौरान उन्होंने हनुमान बेनीवाल के झूठ और पाखंड को उजागर किया था, और जनता ने कमल के फूल को

जिताकर उन्हें करारा जवाब दिया। उन्होंने यह भी दावा किया कि बेनीवाल ने उन्हें धमकाया और बदनाम करने की कोशिश की।

'वाइट हाउस' को लेकर भी विवाद

प्रेस कॉन्फ्रेंस में विश्नोई ने अपने वाइट हाउस जैसे बंगले को लेकर भी सफाई दी और बेनीवाल पर तंज कसते हुए कहा कि वाइट कमाई से वाइट हाउस बनाया है। उन्होंने कहा कि यह संपत्ति विदेश में की गई मेहनत से कमाई गई है और बेनीवाल को सार्वजनिक रूप से इसके लिए माफी मांगनी चाहिए।

महिलाओं पर बयानबाजी को लेकर भी आरोप

विश्नोई ने कहा कि हनुमान बेनीवाल केवल अनर्गल बयानबाजी करते हैं और महिलाओं के खिलाफ भी गलत टिप्पणियां करने से नहीं चूकते। उन्होंने पूर्व मंत्री किरण महेश्वरी के खिलाफ बेनीवाल के पुराने बयानों का हवाला भी दिया।

केके विश्नोई ने कहा कि अब राज्य में भाजपा की भजनलाल सरकार है, जो मजबूत विचार और नीति के साथ काम कर रही है। उन्होंने तंज कसते हुए कहा कि सेटिंग का खेल अब ज्यादा दिन नहीं चलने वाला। प्रेस कॉन्फ्रेंस में राज्य मंत्री के बिश्नोई के साथ पूर्व प्रदेश अध्यक्ष अशोक परनामी, विधायक कैलाश वर्मा और प्रदेश उपाध्यक्ष मुकेश दाधीच भी मौजूद रहे।

लोकसभा स्पीकर ओम बिरला नशे के सख्त खिलाफ

जीरो टॉलरेंस नीति अपनाने के प्रशासन को दिए निर्देश

कोटा, 3 मई (एजेंसियां)। लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला ने संभागीय आयुक्त कार्यालय में कोटा शहर में चल रहे विकास कार्यों और जनसुविधाओं की प्रगति की समीक्षा की। उन्होंने विशेष रूप से शहर में नशीले पदार्थों की अवैध बिक्री पर गहरी चिंता जताते हुए प्रशासन और पुलिस अधिकारियों को निर्देश दिए कि नशे के खिलाफ जीरो टॉलरेंस नीति अपनाई जाए।

उन्होंने कहा कि पुलिस अधीक्षक के निर्देशन में हर ब्लॉक स्तर पर टीमें गठित की जाएं, सूचना तंत्र को मजबूत किया जाए और आमजन की भागीदारी से अभियान चलाकर नशे के अड्डों की पहचान कर सख्त कार्रवाई की जाए। हमारा लक्ष्य यह होना चाहिए कि कोटा नशामुक्त बने और युवा पीढ़ी इस खतरे से दूर रहे।

लोकसभा अध्यक्ष ने प्रस्तावित संविधान पार्क की प्रगति की जानकारी लेते हुए निर्देश दिए कि डिजिटल तकनीक का उपयोग कर पार्क को संविधान से जुड़ी जानकारी देने वाला प्रेरक केंद्र बनाया जाए। युवाओं के लिए इंटरएक्टिव माध्यमों से संविधान निर्माताओं, उद्देश्यों और संविधान सभा की चर्चाओं को समझने की व्यवस्था की जाए। साथ ही यह सुनिश्चित किया जाए कि चिन्हित भूमि पर किसी प्रकार का अतिक्रमण न हो।

बिरला ने कहा कि मानसून से पहले जलभराव वाले क्षेत्रों, नालों और सड़कों की डीपीआर तैयार कर आवश्यक मरम्मत कार्य समय पर पूरे किए जाएं। उन्होंने निर्देश दिए कि नगर निगम, केडीए और संबंधित विभागों के अधिकारी फील्ड में रहकर रोड लाइट, फुटपाथ और सफाई व्यवस्था की निगरानी करें।

बिरला ने शहर के सौंदर्यीकरण के तहत अवैध होर्डिंग्स हटाने, दोषियों पर जुर्माना लगाने और आवश्यकता अनुसार एफआईआर दर्ज करने के निर्देश दिए। फुटपाथों पर खड़े वाहनों को हटाने और किसी गरीब को बिना परेशान किए व्यवस्थित करने की योजना बनाई जाए।

उन्होंने सरकारी जमीनों की पहचान कर लैंड बैंक तैयार करने, सामुदायिक भवनों, पार्कों और स्टेडियमों के रखरखाव की कार्य योजना तैयार करने और सरकारी भूमि पर अवैध निर्माण के खिलाफ कठोर कार्रवाई करने के निर्देश भी दिए।

कंवरलाल मीणा की विधायकी खतरे में

विस अध्यक्ष करेंगे फैसला, तो छह महीने में हो सकते हैं उपचुनाव

जयपुर, 3 मई (एजेंसियां)। अंता विधानसभा क्षेत्र से एमएलए कंवरलाल मीणा की विधायकी अब संकट में है। बारां की एक अदालत द्वारा उन्हें दो साल की सजा सुनाए जाने के बाद उनकी विधानसभा सदस्यता समाप्त हो सकती है। उनकी सदस्यता पर फैसला विधानसभा अध्यक्ष वासुदेव देवनानी के हाथों में है। जानकारों की मानें तो सदन के किसी भी सदस्य के दोषी पाए जाने के बाद विधानसभा अध्यक्ष अपने विशेषाधिकार का उपयोग कर विधायक की सदस्यता खत्म कर सकते हैं। लिली थॉमस केस के बाद यह साफ हो गया है कि अदालत से दोषी होने पर कोई जनप्रतिनिधि सदन में नहीं रह सकता।

राजस्थान में 2001 से 2025 के बीच ऐसे कई मामले सामने आए, जिनमें विधायक या मंत्री गंभीर आपराधिक मामलों में आरोपित हुए। इनमें से कुछ को दोषी पाया गया और उनकी सदस्यता समाप्त कर दी गई। वहीं कई मामले ऐसे भी थे, जिनमें विधायकों पर गंभीर आरोप लगे, लेकिन बाद बाद में अदालत से बरी हो गए।

सुप्रीम कोर्ट का यह फैसला

2013 में 'लिली थॉमस बनाम भारत संघ' मामले में सुप्रीम कोर्ट ने फैसला सुनाया कि यदि किसी जनप्रतिनिधि को दो वर्ष या उससे अधिक की सजा होती है, तो वह स्वतः अयोग्य हो जाएगा। इससे पहले दोषसिद्ध जनप्रतिनिधियों को अपील के लिए तीन महीने का समय मिलता था और वे तब तक पद पर बने रह सकते थे।

कई विधायक खतरे की जद में

2024 तक राजस्थान विधानसभा में 40 से अधिक विधायकों पर आपराधिक मामले दर्ज हैं। इनमें से कुछ मामलों में चार्जशीट दाखिल हो चुकी है और कुछ की सुनवाई जारी है। जैसे-जैसे अदालतें तेजी से कार्य कर रही हैं, आने वाले समय में और भी विधायकों की सदस्यता पर खतरा मंडरा सकता है।

सिरोही में दिखा पूर्व सीएम वसुंधरा राजे का शायराना अंदाज

'गमों की आंच पर आंसू उबालकर देखो'

सिरोही, 3 मई (एजेंसियां)। पूर्व सीएम एवं भाजपा की राष्ट्रीय उपाध्यक्ष वसुंधरा राजे शायराना अंदाज़ देखने को मिला। इस दौरान उन्होंने विभिन्न मुद्दों पर चर्चा की। सिरोही के रेवदर में आंजनी माता मंदिर के समारोह में वसुंधरा राजे ने कहा- गमों की आंच पर आंसू उबालकर देखो, बनेंगे रंग किसी पर भी डालकर देखो, तुम्हारे दिल की चुभन जरूर कम होगी, किसी के पांव से कांटा निकालकर तो देखो। सभा को संबोधित करते हुए वसुंधरा ने कहा कि राजनीति में मुझे 25 साल हो गए हैं। बहुत सारे उतार-चढ़ाव आए, मगर आपका साथ ढाल बनकर हमेशा मेरे साथ खड़ा रहा है। वसुंधरा राजे ने 19 मिनट भाषण दिया। इस दौरान उन्होंने कहा कि बालिकाओं को अपने पैरों पर खड़ा करना है और उन्हें यह सीखना है कि अपनों का साथ अमूल्य होता है।

प्राण-प्रतिष्ठा कार्यक्रम को लेकर पूर्व सीएम ने कहा- प्राण-प्रतिष्ठा भारतीय संस्कृति का बहुत बड़ा हिस्सा है। मेरा मानना है कि यह हिंदू धर्म का एक महत्वपूर्ण प्रयोग है। यहां सामने सभी सनातनी विराजमान हैं। धर्म मानवता से बनता है, यह एक-दूसरे को जोड़ता है और आने वाले समय में देश का गौरव बनने की प्रेरणा देता है।

वसुंधरा राजे ने कहा कि अंजनी माता मंदिर का जुड़ाव माउंट आबू की अर्बुदा देवी से है। हमारे गुरु महाराज अर्बुदा देवी के यहां लंबे समय तक तपस्या करते रहे, इसलिए यहां से मेरा भी सीधा जुड़ाव है। उन्होंने कहा कि हमें समय के साथ आगे बढ़ना चाहिए, लेकिन अपनी संस्कृति और परिवेश को भी बनाए रखना है। उन्होंने कहा कि सामने बैठी महिलाएं आस-पास के राज्यों के बड़े शहरों से यहां पहुंची हैं, लेकिन उनकी वेशभूषा ग्रामीण परंपराओं से जुड़ी हुई है।

भाजपाइयों ने किया गर्मजोशी से अभिनंदन

भाजपा की राष्ट्रीय उपाध्यक्ष एवं पूर्व मुख्यमंत्री वसुंधरा राजे के सिरोही आगमन पर राज्यमंत्री ओटाराम देवासी, सांसद लुंबाराम चौधरी, विधायक समाराम गरासिया एवं भाजपा जिलाध्यक्ष डॉ. रक्षा भंडारी के नेतृत्व में भाजपा पदाधिकारियों, कार्यकर्ताओं और जनप्रतिनिधियों ने माल्यार्पण व दुपट्टा पहनाकर उनका गर्मजोशी से स्वागत किया। पूर्व मुख्यमंत्री राजे ने सभी कार्यकर्ताओं से सादगी से मुलाकात की और उनका कुशलक्षेम जाना। भाजपा जिला प्रवक्ता रोहित खत्री ने बताया कि वसुंधरा राजे के सिरोही आगमन पर भाजपा कार्यकर्ताओं ने भव्य स्वागत किया। सिरोही मुख्यालय पर स्वामीनारायण मंदिर के सामने कैबिनेट मंत्री जोगाराम पटेल ने उनका स्वागत किया।

तलवार की भेंट

भाजपा नगर मंडल ने उन्हें सारणेश्वर महादेव की तस्वीर भेंट की। इसके साथ ही भाजपा पदाधिकारियों व जनप्रतिनिधियों ने उन्हें सिरोही की प्रसिद्ध तलवार भेंट की। कृष्णगंज मंडल द्वारा कृष्णगंज बस स्टैंड पर उनका भव्य स्वागत किया गया।

एमएलए जाएंगे जेल? डॉ अर्चना शर्मा सुसाइड मामले में एससी से नहीं मिली राहत

जयपुर 3 मई (एजेंसियां)। राजस्थान के बहुचर्चित डॉ अर्चना शर्मा सुसाइड केस में खंडार विधायक जितेंद्र गोठवाल को सुप्रीम कोर्ट से बड़ा झटका लगा है। सुप्रीम कोर्ट ने राजस्थान हाईकोर्ट के उस फैसले पर स्टे लगा दिया है, जिसमें गोठवाल के खिलाफ लगे आरोपों को रद्द कर दिया गया था। कोर्ट के इस फैसले के बाद मामला अब फिर से एडीजे कोर्ट में सुना जाएगा और नए सिरे से जांच शुरू होगी।

हाईकोर्ट के आदेश पर सुप्रीम कोर्ट की रोक

इस मामले में सुनवाई एडीजे कोर्ट में चल रही थी, लेकिन गोठवाल ने राजस्थान हाईकोर्ट में एक रिवीजन याचिका दायर की। हाईकोर्ट ने एडीजे कोर्ट की सुनवाई पर स्थगन लगाते हुए उनके खिलाफ लगे चार्ज को रद्द कर दिया था। इसके विरुद्ध डॉ. अर्चना शर्मा के पति ने सुप्रीम कोर्ट में याचिका दायर की। अब सुप्रीम कोर्ट ने

हाईकोर्ट के आदेश पर रोक लगाते हुए निर्देश दिया है कि एडीजे कोर्ट में फिर से सुनवाई शुरू होगी और मामले की जांच दोबारा होगी।

दरअसल, यह मामला वर्ष 2022 में दौसा जिले के लालसोट में सामने आया था, जहां स्त्री रोग विशेषज्ञ डॉ. अर्चना शर्मा ने आत्महत्या कर ली थी। 28 मार्च 2022 को एक प्रसूता की मौत होने के बाद अस्पताल के बाहर शव को लेकर धरना दिया गया। इस दौरान प्रसूता के परिजनों ने डॉ. अर्चना शर्मा के खिलाफ केस दर्ज करवाया था। इस आरोप के बाद डॉ अर्चना शमा डिप्रेशन में चली गई और उन्होंने सुसाइड कर लिया। आत्महत्या से पूर्व उन्होंने एक सुसाइड नोट में उल्लेख किया था कि एक प्रसूता की मौत के बाद उनके खिलाफ झूठे आरोपों और पुलिस कार्रवाई से वे मानसिक रूप से टूट गई थीं।

डॉ. अर्चना शर्मा के पति डॉ. सुनीत शर्मा ने इस संबंध में लालसोट थाने में रिपोर्ट दर्ज करवाई थी, जिसमें उन्होंने खंडार विधायक जितेंद्र गोठवाल समेत 10 लोगों को जिम्मेदार ठहराया था। इसके बाद गोठवाल को गिरफ्तार किया गया और वह 53 दिन जेल में भी रहे। मई 2022 में उन्होंने जमानत प्राप्त कर ली थी। इसके बाद गोठवाल ने राजस्थान हाईकोर्ट में रिवीजन याचिका लगाई थी, इस पर हाईकोर्ट ने एडीजे कोर्ट की सुनवाई पर रोक लगाते हुए विधायक पर लगे चार्ज को रद्द करने का आदेश दे दिया था।

मुझे न्यायपालिका पर पूरा भरोसा- गोठवाल

सुप्रीम कोर्ट के आदेश पर प्रतिक्रिया देते हुए विधायक जितेंद्र गोठवाल ने इसे राजनीतिक साजिश करार दिया। उन्होंने कहा कि पूर्ववर्ती कांग्रेस सरकार ने मुझ पर झूठा केस दर्ज कराया। जांच अधिकारी ने मुझे निर्दोष पाया और हमने हाईकोर्ट का रुख किया। अब कांग्रेस से जुड़े कुछ लोग मेरी छवि खराब करने की कोशिश कर रहे हैं।

गोठवाल ने यह भी दावा किया कि जब उन्हें पहले जमानत मिली थी तब भी कांग्रेस सरकार सुप्रीम कोर्ट गई थी, लेकिन कोर्ट ने उस याचिका को खारिज कर दिया था। उन्होंने कहा कि मुझे न्यायपालिका पर पूरा भरोसा है। सत्य परेशान हो सकता है, लेकिन पराजित नहीं। सुप्रीम कोर्ट में जब सभी तथ्य सामने रखे जाएंगे, तब सच्चाई सामने आएगी और मुझे न्याय मिलेगा।

पत्नी के अंतिम संस्कार के बाद रस्मों में शामिल होंगे महेश जोशी

तीन दिन की अंतरिम जमानत

जयपुर, 3 मई (एजेंसियां)। राजस्थान के पूर्व मंत्री महेश जोशी को विशेष अदालत ने उनकी पत्नी के निधन के बाद होने वाले अंतिम संस्कार की रस्मों में शामिल होने के लिए तीन दिन की अंतरिम जमानत मंजूर की है। जयपुर की विशेष अदालत के न्यायाधीश खगेन्द्र कुमार शर्मा ने यह निर्णय सुनाया, जिसके तहत महेश जोशी को आठ मई से 10 मई तक के लिए जमानत दी गई है। अदालत में महेश जोशी की ओर से अधिवक्ता दीपक चौहान ने पेश होकर नौ दिन की अंतरिम जमानत की मांग की थी, लेकिन अदालत ने तीन दिन की अनुमति ही दी।

पूर्व मंत्री महेश जोशी इस समय प्रवर्तन निदेशालय की हिरासत में हैं। उनकी गिरफ्तारी 24 अप्रैल को जल जीवन मिशन से जुड़ी कथित मनी लॉन्ड्रिंग मामले में की गई थी। गिरफ्तारी के समय उनकी

पत्नी बीमार थीं और हाल ही में उनका निधन हो गया। इसके बाद अदालत में अंतिम संस्कार के बाद की रस्मों में शामिल होने के लिए अंतरिम जमानत की अर्जी लगाई गई थी।

महेश जोशी की गिरफ्तारी, राजस्थान में जल जीवन मिशन के क्रियान्वयन में कथित भ्रष्टाचार से जुड़े मामले में की गई है। यह मामला पहले राजस्थान भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो के पास था, जिसने आठ अगस्त 2023 को इस मामले में प्राथमिकी दर्ज की थी। इसके बाद प्रवर्तन निदेशालय ने 21 अगस्त 2023 को इस केस की जांच अपने हाथ में ली। एफआईआर में कुल 23 लोगों को आरोपी बनाया गया है। इनमें लोक स्वास्थ्य अभियांत्रिकी विभाग के पूर्व अतिरिक्त मुख्य सचिव और महेश जोशी के कथित नजदीकी संजय बधाया का भी नाम शामिल है।

इस पूरे घोटाले का खुलासा 6 अगस्त 2023 को हुआ, जब एसीबी ने पीएचईडी के इंजीनियरों सहित पांच लोगों को दो लाख रुपये की रिश्वत लेते हुए रंगे हाथ पकड़ा। यह रिश्वत ठेकेदार पदम चंद जैन से ली जा रही थी। इसके बाद जांच का दायरा बढ़ता गया और महेश जोशी तक पहुंचा। संजय बधाया, जिन्हें महेश जोशी का करीबी माना जाता है, को 16 जुलाई 2023 को गिरफ्तार किया गया था।

बारिश के बाद गिरा तापमान, जयपुर में अंधड़ के गिरे साथ ओले

जयपुर, 3 मई (एजेंसियां)। राजस्थान में शनिवार दोपहर बाद मौसम बदल गया और इसके बाद कई जिलों में बारिश हुई। जयपुर में अंधड़ के साथ बारिश होने से तापमान में गिरावट आई और लोगों को गर्मी से राहत मिली। वहीं सीकर-नागौर में ओले गिरे है। मौसम विभाग ने 4 मई को 12 जिलों में बरसात का अलर्ट जारी कर रखा है। मौसम के इस बदलाव से कई शहरों में तापमान गिरा और गर्मी से राहत मिली। कोटा, बारां, झालावाड़, अजमेर में भी आंधी चली और बादल छाने के बाद बूंदाबांदी हुई। पिछले 24 घंटे में जयपुर, अलवर, भरतपुर, दौसा, झुंझुनूं समेत अन्य पूर्वी जिलों में बादल छाए रहेंगे। पश्चिमी जिलों में हवा चली, लेकिन गर्मी से राहत नहीं मिली। बारिश के चलते अधिकांश जिलों में तापमान में 5 डिग्री सेल्सियस तक गिरावट दर्ज की गई है।

गेहूं के खेत में दबी मिली युवक की लाश

बारां 3 मई (एजेंसियां)। बारां। जिले के सीसवाली थाना इलाके से हत्या की खबर सामने आई है, जहां पर एक युवक की लाश गेहूं के खेत में बाइक के नीचे दबी मिली है। सूचना मिलते ही इलाके में हड़कंप मच गया और भारी संख्या में क्षेत्रीय लोग पहुंच गए। इस घटना की पुलिस जांच में जुट गई है। दरअसल, यह पूरा मामला सीसवाली थाना क्षेत्र के मूण्डली भैरूजी के बाबा झूझार सिंह महाराज चौराहे के पास का है। चौराहे के बगल में मौजूद गेहूं के खेत में युवक की लाश मिली है। घटनास्थल से आ रहे वीडियो में साफतौर पर देखा जा सकता है कि युवक की लाश बाइक के नीचे दबी है। लाश की सूचना मिलते ही क्षेत्रीय लोगों का घटनास्थल पर जमावड़ा लग गया. इसके अलावा सूचना पर पुलिस भी मौके पर पहुंची और जांच में जुट गई है। मृतक की पहचान आकाश पुत्र धर्मराज मीणा निवासी सोकन्दा के रूप में हुई है।

नोटों के बंडल नहीं, एटीएम का पूरा रैक ही उड़ा ले गए बदमाश

उदयपुर, 3 मई (एजेंसियां)। सलूम्बर जिला मुख्यालय से एटीएम लूट की खतरनाक वारदात सामने आई है. इस वारदात में लुटेरों ने एटीएम से 8.35 लाख रुपये लूट ले गए है. पूरी घटना का सीसीटीवी फुटेज सामने आया है, जिसमें देखा जा सकता है कि किस तरह से चोरों ने इस वारदात को अंजाम दिया.

सलूम्बर में हुई एटीएम लूट की घटना शुक्रवार रात की बताई जा रही है. वीडियो में दिख रहे समय के मुताबिक बदमाशों ने इस लूट कांड को रात में 3 बजे के बाद अंजाम दिया. वीडियो में साफतौर पर देखा जा सकता है कि लुटेरे एक लग्जरी गाड़ी से आते हैं. बिना किसी डर के वे सीधा गैस कटर लेकर एटीएम में घुस जाते हैं.

करेंसी का पूरा रैक ले जाते दिखा बदमाश

इस दौरान लुटेरे 5 मिनट के अंदर ही एटीएम को गैस कटर से काट देते हैं और नोटों के बंडल के साथ ही पूरा पैसों वाला रैक ही उठा लाते हैं. जिस एटीएम पर लूट हुई, यह एटीएम बैंक ऑफ इंडिया का बताया जा रहा है. मिली जानकारी के मुताबिक, एटीएम से 8 लाख 35 हजार की लूट हुई.

लूट में 4-5 बदमाश शामिल होने की आशंका

शनिवार को मामला सामने आने के बाद पुलिस जांच में जुट गई है.

वीडियो देखने के बाद लोगों को उम्मीद है कि इस वारदात में 4 से 5 बदमाश शामिल हो सकते हैं. पुलिस सीसीटीवी फुटेज के आधार पर जांच शुरू कर दी है. इसके साथ ही और भी सीसीटीवी फुटेज को पुलिस खंगाल रही है. फिलहाल, अभी तक लुटेरों के बारे में पुलिस को खास जानकारी नहीं मिल पाई है.

आगे डांस कर रहे थे परिवारजन, पीछे घोड़ी पर बैठे दूल्हे को मारा चाकू

मच गई भगदड़; बिना दुल्हन के लौटी बारात

कोटा 3 मई (एजेंसियां)। कोटा जिले के देवली मांझी थाना क्षेत्र में बारात में हुई चाकूबाजी के बाद दहशत का माहौल हो गया। दुल्हन के घर से महज 500 मीटर पहले घोड़ी पर दूल्हे पर एक अज्ञात युवक ने चाकू से ताबड़तोड़ हमला कर दिया। जिससे मौके पर भगदड़ मच गई और कई बाराती घायल हो गए।

दूल्हा लक्ष्मीनारायण बैरवा बूंदी जिले के इंद्रपुरिया गांव का निवासी था और उसकी शादी खातीखेड़ा गांव की मीनाक्षी से तय थी। देर रात जब बारात दुल्हन के घर की ओर बढ़ रही थी उस वक्त परिवारजन और दोस्त आगे डीजे पर नाचते हुए चल रहे थे और दूल्हा पीछे अकेला घोड़ी पर सवार था।

इसी दौरान अचानक पीछे से आए अज्ञात युवक ने दूल्हे पर ताबड़तोड़ चाकू से वार किए। जिससे दूल्हा घोड़ी से नीचे गिर पड़ा और खून से लथपथ हो गया। यह देख बारात में अफरा-तफरी मच गई। कुछ बाराती इस भगदड़ में घायल भी हो गए।

सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और घायल दूल्हे को नजदीकी निजी अस्पताल में भर्ती कराया। थानाधिकारी सुरेश मीणा ने बताया कि हमलावर मौके से भाग निकला। जिसके बाद मामला दर्ज करके जांच की जा रही है और फिलहाल गांव के ही एक युवक पर संदेह जताया जा रहा है जो हमले के बाद से गायब है। जिसके बाद बाराती बिना दुल्हन के और शादी किए बेरंग लौटे और विवाह की सारी रस्में रद्द करनी पड़ीं।

पति ने गला घोंटकर ली पत्नी की जान

शव को कबाड़ में छिपाया

जयपुर, 3 मई (एजेंसियां)। राजधानी जयपुर के विश्वकर्मा थाना क्षेत्र से एक सनसनीखेज वारदात सामने आई है, जहां पति ने गृह कलह के चलते पत्नी की गला घोंटकर हत्या कर दी। आरोपी मोहम्मद शाहिद कुरैशी ने अपनी 27 वर्षीय पत्नी फरहीन की हत्या कर शव को प्लास्टिक के कट्टे में डालकर कबाड़ गोदाम में छिपा दिया। आरोपी ने वारदात को अंजाम देने के बाद फरहीन के शव को अर्धनग्न हालत में प्लास्टिक के कट्टे में सील कर गोदाम के पिछले हिस्से में ले जाकर छिपा दिया। इसके बाद वह घर लौटकर बच्चों के साथ सो गया। पुलिस के अनुसार, आरोपी ने अपने एक मित्र को हत्या की जानकारी दी और सरेंडर करने की बात भी कही। जांच में सामने आया है कि मोहम्मद शाहिद कुरैशी मेरठ का निवासी है। वह पिछले डेढ़ साल से जयपुर के बढारणा गांव में कबाड़ गोदाम पर काम कर रहा था।

वीडियो बनाकर झूठा केस दर्ज कराने की धमकी दी

15 लाख रुपए मांगे; पति-पत्नी गिरफ्तार

श्रीगंगानगर 3 मई (एजेंसियां)। श्रीगंगानगर जिले के सूरतगढ़ के गांव 2 एसजेएम में रहने वाले प्रेम प्रकाश रामदासिया की भांजी का जिस महिला ने रिश्ता करवाया था, उसी ने उसे हनीट्रैप में फंसा लिया। वीडियो और फोटो बनाकर झूठा मुकदमा दर्ज करवाने की धमकी दी गई और 15 लाख रुपए की मांग की गई। आरोपियों ने 20 हजार रुपए वसूलने में सफलता भी पा ली। पीड़ित ने पुरानी आबादी पुलिस थाना में महिला व उसके पति के खिलाफ मुकदमा दर्ज करवाया है।

पुलिस के अनुसार, पीड़ित प्रेम प्रकाश ने रिपोर्ट दी कि करीब छह माह पूर्व कुंज विहार निवासी भावना, पत्नी जालूराम, ने मेरी भांजी नीतू का रिश्ता कुंज विहार में रहने वाले एक परिवार से करवाया था। इसी सिलसिले में भावना से जान-पहचान हो गई। भावना से मोबाइल पर बातचीत होने लगी। कुछ समय पूर्व भांजी की सास के भतीजे का निधन होने पर मुझे अफसोस व्यक्त करने कुंज विहार जाना था। इस बारे में भावना से बातचीत हुई, तो उसने कहा कि मुझे भी जाना है, पहले मेरे घर आ जाना, साथ चलेंगे। मैं 14 अप्रैल को भावना के घर गया। कुछ समय बाद भावना का पति जालूराम भी घर में आ गया। वह मेरे साथ गाली-गलौच करने लगा। उसने मेरा फोन छीन लिया और मेरी वीडियो व फोटो बना ली। फिर मुकदमा दर्ज करवाने की धमकी देकर 15 लाख रुपए की मांग की। अगले दिन जालूराम ने अपने खाते में मुझसे 20 हजार रुपए ट्रांसफर करवा लिए।

अब भावना ने मेरे भाई की पत्नी अमनदीप कौर को फोन करके धमकी दी कि तेरे जेठ प्रेम प्रकाश की वीडियो और फोटो हमारे पास हैं। अगर उसे बचाना है तो 15 लाख रुपए का इंतजाम करवा लो। इस मामले में 30 अप्रैल को गोल बाजार स्थित एक मैंगो बार में पंचायत हुई। इसमें भी आरोपियों ने मामला निपटाने के लिए 15 लाख रुपए की मांग की। इसके बाद शाम को भावना ने फिर अमनदीप कौर को कॉल करके कहा कि अगर 15 लाख रुपए नहीं हैं तो 10 लाख रुपए दे दो। मामले की जांच थाना प्रभारी ज्योति नायक कर रही हैं।

निवेश भारत-ताइवान द्विपक्षीय संबंधों को और मजबूत करेगा : श्रीधर बाबू

फ्यूचर सिटी में ई-सिटी : एक ऐतिहासिक विकास की पहल

हैदराबाद, 3 मई (स्वतंत्र वार्ता)। राज्य सरकार महत्वाकांक्षी "फ्यूचर सिटी" परियोजना के मुख्य घटक के रूप में 1,000 एकड़ में फैली अत्याधुनिक "इलेक्ट्रॉनिक सिटी (ई-सिटी)" स्थापित करने के लिए तैयार है। आईटी और उद्योग मंत्री दुदिल्ला श्रीधर बाबू ने यह घोषणा की।। सचिवालय में शनिवार को आयोजित एक महत्वपूर्ण बैठक में, मंत्री ने सेरा नेटवर्क (ताइवान) और एलसीजीसी रेसोल्यूट ग्रुप (तेलंगाना) के प्रतिनिधियों के साथ बातचीत की, जिन्होंने संयुक्त रूप से परियोजना में 300 करोड़ रुपये निवेश करने की प्रतिबद्धता जताई है। मंत्री ने उन्हें इलेक्ट्रॉनिक विनिर्माण को बढ़ावा देने के लिए राज्य द्वारा की जा रही विभिन्न पहलों के बारे में जानकारी दी और औद्योगिक स्थापना प्रक्रिया को सुव्यवस्थित करने और नौकरशाही बाधाओं को दूर करने के लिए एक समर्पित टास्क फोर्स के गठन का आश्वासन दिया। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि टियर-2 और टियर-3 शहरों में उद्योग स्थापित करने के इच्छुक उद्यमियों को विशेष प्रोत्साहन दिए जाएंगे। सरकार ने विशिष्ट आवश्यकताओं के अनुरूप आवश्यक बुनियादी ढांचा प्रदान करने का भी वचन दिया। श्रीधर बाबू ने तेलंगाना की विकास यात्रा में भागीदार बनने के लिए निवेशक फर्मों के प्रति आभार व्यक्त किया और उन्हें राज्य प्रशासन से पूर्ण समर्थन का आश्वासन दिया। लगभग 10 एकड़ में बनने वाली नियोजित सुविधा से लगभग 2,500 युवा पेशेवरों के लिए रोजगार पैदा होने की उम्मीद है। यह 5जी नेटवर्क, मल्टी-लेयर नेटवर्किंग समाधान और सर्वर जैसे दूरसंचार उत्पादों के निर्माण पर ध्यान केंद्रित करेगी। मंत्री ने विश्वास व्यक्त किया कि यह निवेश भारत-ताइवान द्विपक्षीय संबंधों को और मजबूत करेगा।बैठक में टीजीआईआईसी के सीईओ मधुसूदन, टी-फाइबर के एमडी वेणु प्रसाद और सेरा नेटवर्क के प्रतिनिधि-चुआन, जॉय भट्टाचार्य, डगलस-साथ ही एलसीजीसी रेसोल्यूट ग्रुप के रणविंदर सिंह और गीतांजलि सभरवाल भी शामिल हुए।

विजय देवरकोंडा को आदिवासियों से माफी मांगनी चाहिए : शिव शंकर

हैदराबाद, 3 मई (स्वतंत्र वार्ता)। नवोदय पार्टी तेलंगाना प्रदेश अध्यक्ष शिवशंकर पटेल ने मांग की है कि तेलुगु फिल्म अभिनेता विजय देवरकोंडा आदिवासियों का अपमान करने वाली अपनी टिप्पणी के लिए माफी मांगें। शनिवार को मीडियाकर्मियों से बात करते हुए उन्होंने गुगुलोथु शंकर के साथ सवाल किया कि हीरो सूर्या की 'रेट्रो' फिल्म के ऑडियो लॉन्च में शामिल हुए फिल्म अभिनेता विजय देवरकोंडा का आदिवासियों के बारे में यह कहना कि 500 साल पहले उन्हें बिना बुद्धि और न्यूनतम सामान्य ज्ञान के पीटा गया था, कितना उचित है। उन्होंने कहा कि वह उन टिप्पणियों की कड़ी निंदा करते हैं, जिसमें देश के बच्चों की तुलना पाकिस्तानी आतंकवादियों से की गई है और आदिवासियों की भावनाओं का अपमान किया गया है।

सोमवार से वैज्ञानिक खेतों में किसानों से मिलेंगे : पीजेटीएयू कुलपति

हैदराबाद, 3 मई (स्वतंत्र वार्ता)। प्रोफेसर जयशंकर तेलंगाना कृषि विश्वविद्यालय (पीजेटीएयू) ने तेलंगाना के किसानों के बीच खेती से जुड़े महत्वपूर्ण मुद्दों पर जागरूकता पैदा करने की पहल की है। इसके तहत 5 मई से पूरे राज्य में "किसानों के खेत में वैज्ञानिक" नामक एक अभिनव कार्यक्रम शुरू किया जाएगा। विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर अलदास जनैया ने कहा कि इसके तहत 13 जून तक वैज्ञानिकों की 200 टीमें राज्य के करीब 1200 राजस्व गांवों का दौरा करेंगी। उन्होंने कहा कि वैज्ञानिकों की करीब 100 टीमें दक्षिण कृषि क्षेत्र का दौरा करेंगी और वैज्ञानिकों की करीब 50 टीमें उत्तर और मध्य तेलंगाना क्षेत्रों का दौरा करेंगी। उन्होंने बताया कि प्रत्येक कार्य दिवस में सुबह 8 बजे से दोपहर 12 बजे तक वैज्ञानिकों की टीम रायतु वेदिका या गांव में चयनित किसी अन्य स्थान पर किसानों से मिलेगी। प्रत्येक टीम में दो वैज्ञानिक, कृषि विभाग के अधिकारी, कृषि छात्र, स्थानीय सरकार के अन्य विभागों के कर्मचारी और प्रगतिशील किसान शामिल होंगे। इसी तरह स्थानीय जनप्रतिनिधि, स्कूल शिक्षक और छात्र भी इस कार्यक्रम में शामिल होंगे। यूरिया का उपयोग कम करने, केवल आवश्यक रसायनों का उपयोग करने और मिट्टी की उर्वरता को बनाए रखने जैसे महत्वपूर्ण मुद्दों पर वैज्ञानिकों की टीम किसानों को शिक्षित करेगी। इसमें सिंचाई जल का कुशल उपयोग, फसल चक्र, वृक्षारोपण, पर्यावरण संरक्षण आदि महत्वपूर्ण मुद्दे शामिल होंगे। कृषि विश्वविद्यालय के अंतर्गत आने वाले सभी कृषि महाविद्यालय, पॉलिटेक्निक, कृषि अनुसंधान संस्थान, कृषि विज्ञान केंद्र और इरुवाका केंद्र इस कार्यक्रम के प्रबंधन में पूर्ण रूप से भागीदार होंगे।

हमने तेलंगाना राज्य के लिए बहुत कुछ किया : किशन रेड्डी

हैदराबाद, 3 मई (स्वतंत्र वार्ता)। केंद्रीय मंत्री जी. किशन रेड्डी ने आज कहा कि केंद्र सरकार देश भर के 90 प्रतिशत जिलों में बुनियादी ढांचे के विकास को सर्वोच्च प्राथमिकता दे रही है। उन्होंने यह भी कहा कि देश विकास की सूरत बदलने की दिशा में तेजी से आगे बढ़ रहा है। अगर बुनियादी ढांचे का व्यापक विकास किया जाए तो देश में तेजी से और व्यापक विकास संभव होगा। रोजगार के अवसर बढ़ेंगे। इस दिशा में केंद्र सड़क, रेल, हवाई, बंदरगाह और टेली-कनेक्टिविटी जैसे मुद्दों पर बुनियादी ढांचे के विकास को सर्वोच्च प्राथमिकता दे रहा है। केंद्र सरकार देश के सभी हिस्सों में सड़क, रेल, हवाई, बंदरगाह और टेली कनेक्टिविटी को बेहतर बनाने के लिए लाखों करोड़ रुपये खर्च कर रही है। बुनियादी ढांचे के विकास के हिस्से के रूप में, राष्ट्रीय राजमार्गों का निर्माण तेजी से आगे बढ़ रहा है।

सड़कों के निर्माण के बिना कोई भी देश विकास हासिल नहीं कर सकता। अच्छी सड़कों के होने से ईंधन की खपत कम होती है, दुर्घटनाएं कम होती हैं, परिवहन तेज होता है और कम समय में गंतव्य तक पहुंचा जा सकता है। उन्होंने यह भी कहा कि पिछले दस वर्षों में मोदी सरकार ने राष्ट्रीय राजमार्गों का विकास इस स्तर पर किया है कि वे विकसित शहरों से प्रतिस्पर्धा कर सकें। उन्होंने कहा कि सड़क विकास देश में स्थानीय और वैश्विक व्यापार विकास को सक्षम बनाता है और कहा कि निवेश आकर्षित करने के लिए सड़क, रेल और हवाई संपर्क महत्वपूर्ण हैं। मोदी सरकार को तेलंगाना के 32 जिलों को राष्ट्रीय राजमार्गों से जोड़ने का श्रेय दिया जाता है। यह बिना किसी धन की कमी के सड़क, रेल, वायु, जलमार्ग और दूरसंचार जैसे संपर्क क्षेत्रों में तेजी से विकास कार्यक्रम चला रही है।

2014 में, तेलंगाना में 2500 किलोमीटर राष्ट्रीय राजमार्ग थे, लेकिन अब वे बढ़कर लगभग 5200 किलोमीटर हो गए हैं। पिछले दस वर्षों में, केंद्र सरकार ने राष्ट्रीय राजमार्गों के विकास पर 1,25,485 करोड़ रुपये खर्च किए हैं। उन्होंने कहा कि तेलंगाना राज्य कई राष्ट्रीय राजमार्ग परियोजनाओं, प्रमुख आर्थिक गलियारों और पर्यटन संवर्धन परियोजनाओं का विकास कर रहा है। रेड्डी ने कहा कि हैदराबाद शहर देश के विकास में भी अहम भूमिका निभाता है।

भाजपा ने उप्पल एलिवेटेड कॉरिडोर परियोजना को शीघ्र पूरा करने की मांग की

हैदराबाद, 3 मई (स्वतंत्र वार्ता)। भाजपा ने पिछले छह वर्षों से लंबित प्रस्तावित उप्पल एलिवेटेड कॉरिडोर परियोजना के निर्माण कार्य में तेजी लाने की मांग को लेकर आज एक रैली निकाली। मीडिया से बात करते हुए भाजपा उपाध्यक्ष और उप्पल के पूर्व विधायक एनवीएसएस प्रभाकर ने राज्य सरकार से मांग की कि वह उप्पल एलिवेटेड कॉरिडोर परियोजना को शीघ्र पूरा करने के लिए कदम उठाए, जिसे मोदी सरकार ने उस समय मंजूरी दी थी, जब वह पार्टी के विधायक थे।

उन्होंने आरोप लगाया कि तत्कालीन टीआरएस सरकार के उदासीन रवैये के कारण परियोजना अभी तक पूरी नहीं हुई है और पानी, सीवरेज, बिजली की लाइनों को बदलने के अलावा भूमि अधिग्रहण और भूमि मुआवजे के भुगतान में अनियमितताएं होने में छह साल लग गए। उन्होंने कहा कि केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी ने इस परियोजना की आधारशिला रखी है, जिसके लिए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने 600 करोड़ रुपये मंजूर किए हैं। उन्होंने आरोप लगाया कि केसीआर के नेतृत्व वाली तत्कालीन टीआरएस सरकार और उनके बेटे केटीआर, जो नगरपालिका प्रशासन मंत्री थे, के असहयोग ने भाजपा को वोट देने वाले लोगों के लाभ के लिए शुरू की गई परियोजना को पूरा करने में देरी की है। जीएचएमसी नींद में है, जिससे पेयजल, सीवरेज और बिजली के खंभों को स्थानांतरित करने के लिए शिफ्टिंग लाइनें बिछाने और भूमि अधिग्रहण में देरी जैसे विकास कार्य पूरे होने पर असर पड़ रहा है। कांग्रेस की राज्य सरकार भी असहयोगी है और जीएचएमसी का रवैया नहीं बदला है। इस देरी के कारण उपल की जनता ट्रैफिक जाम और धूल से त्रस्त है और लगातार दुर्घटनाएं हो रही हैं। अभी तक जीएचएमसी, एसआरडीपी विंग ने उप्पल क्रॉस रोड्स डेवलपमेंट प्लान को अंतिम रूप नहीं दिया है।

दुर्घटना में मारे गए भाई-बहनों को नम आंखों से दी गई अंतिम विदाई

निर्मल, 3 मई (स्वतंत्र वार्ता)। निजामाबाद जिले के जकरनपल्ली गांव में शुक्रवार को सड़क दुर्घटना में मारे गए दो भाई-बहनों का अंतिम संस्कार शनिवार को पेम्बी मंडल के लोथार्या थांडा में किया गया। स्थानीय लोगों और परिवार के सदस्यों ने बनवथ मंजुला (17) और उसकी बहन अश्विनी (19) को नम आंखों से अंतिम विदाई दी, जिनकी हैदराबाद से लौटते समय मृत्यु हो गई थी। सड़क दुर्घटना में अपनी दो बेटियों को खोने के बाद उनकी मां सुगुना फूट-फूट कर रो पड़ीं। उनके पिता बनवथ रेड्डी आजीविका की तलाश में मलेशिया चले गए थे।

मंजुला ने इकोडा मंडल केंद्र में इंटरमीडिएट द्वितीय वर्ष की पढ़ाई की, जबकि अश्विनी ने हाल ही में आदिलाबाद शहर में डिग्री हासिल की। घटना के समय मंजुला, अश्विनी और उनके चचेरे भाई हमसाराजू टीजी ईएपीसीईटी-2025 की परीक्षा देने के बाद कार से लोथार्या थांडा जा रहे थे।

बीआरएस नेता भुक्या जॉनसन नाइक ने अंतिम संस्कार में हिस्सा लिया और लड़कियों को श्रद्धांजलि दी। उन्होंने पार्टी की ओर से भाई-बहनों के माता-पिता को हरसंभव सहायता देने का वादा किया। मंजुला और अश्विनी दोनों की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि हमसरजू को कार में जकरनपल्ली में पुलिया से टकराने के कारण चोटें आईं। हमसरजू को निजामाबाद के एक अस्पताल में भर्ती कराया गया। उसकी हालत स्थिर बताई गई है। हमसरजू के खिलाफ मामला दर्ज किया गया है। जांच शुरू कर दी गई है।

केटीआर ने सड़क दुर्घटना में मृत बहनों के परिवार को दी सहायता

हैदराबाद, 3 मई (स्वतंत्र वार्ता)। बीआरएस के कार्यकारी अध्यक्ष केटी रामाराव ने बनवथ मंजुला (17) और उनकी बहन अश्विनी (19) के शोक संतप्त परिवार को पूर्ण सहायता का आश्वासन दिया, जिनकी शुक्रवार को निजामाबाद में सड़क दुर्घटना में मृत्यु हो गई थी। यह जानने पर कि उनके पिता बनवथ रेड्डी काम के लिए मलेशिया में हैं और घर पहुंचने के लिए संघर्ष कर रहे हैं, रामाराव ने अपने कार्यालय को तेलंगाना लौटने के लिए आवश्यक व्यवस्था करने का निर्देश दिया।

दक्षिण मध्य रेलवे

हमें @SCRailwayindia पर फॉलो करें
द.म. रेलवे की निविदा सूचनाओं के विवरणों को हमारी वेबसाइट : www.scr.indianrailways.gov.in

ई-निविदा सूचना सं. 16-2025 दि.29-04-2025 PUB/0500

कृते भारत के राष्ट्रपति की ओर से वरिष्ठ विभागीय अभियंता/को-आर्ड/गुंटकल द्वारा निम्न कार्यों हेतु ई-निविदाएं आमंत्रित हैं।

बंद करने की तिथि व समयः 27-05-2025 के 15.00 बजे

क्रम सं.1. निविदा सं. -इएनजीजी-जीटीएल-दक्षिण-1841.कार्य विवरण- यर्रगुन्टला-नन्द्याल सेक्शन(एसएसइ/पी.वे/जेएमडीजी)-फार्मेशन का मजबूतीकरण/सेस्स की मरम्मत-165410 सीयुएम. विज्ञापित मूल्यःरु. 5,03,09,405.00 पूर्व धरोहर राशि(पूधरा) रु. 4,01,600.00

क्रम सं.2. निविदा सं. -इएनजीजी-जीटीएल-दक्षिण-1842.कार्य विवरण- रेणीगुन्टा-गूटी एण्ड गुडूर-रेणीगुन्टा सेक्शनः गुडूर-रेणीगुन्टा (अप)-टीएफटीआर -1.2 किमी (सेंट्रल ड्रेन)। रेणीगुन्टा-गुन्टकल (अप एण्ड डाउन) टीएफटीआर-13.235 किमी(फार्मेशन का मजबूतीकरण व सेंट्रल ड्रेन) विज्ञापित मूल्यःरु..8,78,05,081.17 पूर्व धरोहर राशि(पूधरा) रु. 589,000.00

क्रम सं.3. निविदा सं. -इएनजीजी-जीटीएल-ब्रिजेस-1843 कार्य विवरण- - गुन्टकल डिवीजनः गुंटकल डिवीजन के बीआरआई/दक्षिण एण्ड बीआरआई/रेणीगुन्टा क्षेत्राधिकार में पीएससी गिर्डर्स पर क्रेडल व्यवस्था का प्रावधान तथा बेयरिंग्स के निरीक्षण के लिए आरओबीज की व्यवस्था। विज्ञापित मूल्यःरु. 4,55,31,345.70 पूर्व धरोहर राशि(पूधरा) रु. 3,77,700.00

कोई भी शुद्धिपत्र को केवल आनलाईन पर ही जारी किया जायेगा।

विभागीय रेल प्रबंधक/कार्य/गुंटकल

ई-निविदा सूचना सं.- एसएण्डटी/06/2025 दि.2-5-2025 PUB/0501

भारत के राष्ट्रपति की ओर से व के लिए, वरिष्ठ विभागीय सांकेतिक व दूर संचार अभियंता (रखरखाव), दक्षिण मध्य रेलवे(दमरे) गुंटकल द्वारा निम्न कार्यों हेतु दि.26-05-2025 के 15.00 बजे तक ई-निविदाएं (खुली) आमंत्रित हैं।

नविदा सं. 01-एसएनटी-06-2025 कार्य विवरण(सिग्नल एण्ड टेलिकाम कार्य) - इन्टरालाक्ड एलसी गेट्स(24 नंबर्स) (ट्राफिक-14, मिड सेक.-10) पर ईओएलबीज सहित एमओएलबीज के प्रतिस्थापन या रिप्लेसमेंट से संबंधित सिग्नलिंग व्यवस्थाएं। कार्य का विज्ञापित निविदा मूल्यःरु.3,39,54,321.00 पूधरा(रु.) 3,19,800.00 पूरा करने की अवधिः 12 महिने

निविदा सं. 02-एसएनटी-06-2025 कार्य विवरण(सिग्नल एण्ड टेलिकाम कार्य) - (1) वायए-एनडीएल,जीटीएल-बीएवाय, डीएमएम-पीएके,आरयु-जीडीआर सेक्शन्स में कम्युनिकेशन की विश्वसनीयता का सुधार करने हेतु खराब या डिफेक्टिव क्वैड केबल का प्रतिस्थापन या रिप्लेसमेंट करना (2) गुंटकल डिवीजन पर केबल की रिकंडीशनींग एवं केबल फाल्ट्स को अटेंड करना। कार्य का विज्ञापित निविदा मूल्यःरु.4,03,05,854.00 पूधरा(रु.) 3,51,500.00 पूरा करने की अवधिः 12 महिने

आफर की वैधता, निविदा खोलने की तिथि से लेकर 60 दिनोंतक होनी चाहिए। उपरोक्त निविदा सूचना के लिए, यदि आवश्यक होने पर, शुद्धिपत्र को केवल आनलाईन पर ही जारी किया जायेगा। निविदा शर्तों/अधिक जानकारी तथा निविदा दस्तावेज की डाउनलोडिंग के लिए, कृपया वेबसाइटः www.ireps.gov.in पर जाएं।

वरिष्ठ विभागीय सिग्नल/दूर संचार अभियंता, रखरखाव, गुन्टकल

ई-निविदा सूचना PUB/0502

ई-निविदा सूचना सं. जीएनटी/एसजी/36/327, दि.1-5-2025

अधोहस्ताक्षरी द्वारा निम्न कार्यों हेतु **दि.26-05-2025 के दोप. 12.00 बजे तक ई-निविदाएं आमंत्रित** हैं। ई-निविदा सूचना सं. जीएनटी/एसजी/36/328, दि.1-5-2025

अधोहस्ताक्षरी द्वारा निम्न कार्यों हेतु **दि.26-05-2025 के दोप. 16.00 बजे** तक ई-निविदाएं आमंत्रित हैं।

आयडी नं. 327, कार्य विवरणः हैं। तत्संबंधित सिग्नलिंग व दूर संचार व्यवस्थाएं 1) गुंटूर स्टेशन के सभी प्लेटफार्म्स पर सीओपीस का विस्तार 2) गुंटूर स्टेशन के सब-वे के फ्लूरिंग व डाडो का सुधार कार्य 3) गुंटूर स्टेशन के नये प्लेटफार्म नं.8 पर सीओपी का प्रावधान। 4) गुंटूर स्टेशन पर पीएफ नं.1 एण्ड 4 पर फ्लूरिंग, कोपिंग्स का सुधार कार्य। 5) गुंटूर स्टेशन(पश्चिम की तरफ) के सर्कुलेटिंग एरिया में आर्नामेंटल कम्पाउण्ड वाल तथा पार्किंग सुविधाओं का प्रावधान। 6) गुंटूर स्टेशन बिल्डिंग (पश्चिम की तरफ) पर प्रिपेड लाउंज तथा डोर्मिटोरी का प्रावधान। 7) गुंटूर स्टेशन में 1.744 टीकेएम की लंबाई के लिए जीएनटी-एनडीकेडी सेक्शन में किमी 38.236-39.980 तक टीआरआर(पी) कार्य। 8) गुंटूर डिवीजन में कुल लम्बाई 1.541 किमी के लिए जीएनटी-एनडीकेडी सेक्शन में किमी 23.045-24.222 से तथा किमी 41.463-41.827 का टीआरआर(पी) कार्य। 9) गुंटूर डिवीजन में 0.990 किमी लंबाई के लिए एनडीएल यार्ड रोड नं.4 में टीएसआर(पी) कार्य। विज्ञापित निविदा मूल्यःरु.75,87,351.28

पूधरा/बोली सुरक्षाः रु.1,51,800.00

निविदा दस्तावेज मूल्यःरु. शून्य

आयडी नं. 328, कार्य विवरणः तत्संबंधित सिग्नलिंग एवं दूर संचार व्यवस्थाएं 1) गुंटूर डिवीजन के एबीएसएस के तहत जीएनटी,एनआरटी तथा एमआरके स्टेशनों पर 12.0एम वाइड गैंगवे सहित न्यू एफओबी का प्रस्तावित निर्माण कार्य। 2) गुंटूर डिवीजन के एबीएसएस के तहत एमआरजीए, एनएलडीए, पीजीआरएल तथा एनडीएल स्टेशनों पर 12.0एम वाइड गैंगवे सहित न्यू एफओबी का प्रस्तावित निर्माण कार्य। 3) गुंटूर डिवीजन के वेमुरू (वीएमयु) पर गूड्स शेड की सुविधाओं का विकास कार्य। विज्ञापित निविदा मूल्यःरु.1,47,81,786.20

पूधरा/बोली सुरक्षाः रु.2,23,900.00

निविदा दस्तावेज मूल्यःरु. शून्य

ई-बोलियों की आनलाईन प्रस्तुति की अंतिम तिथियां दि.26-05-2025 के दोप.12.00 बजे तक एवम् दि.26-05-2025 के दोप.16.00 बजे तक है।

विस्तृत जानकारी के लिए वेबसाइटः www.ireps.gov.in पर लागआन करें।

किसी भी अधिक संचार/शुद्धिपत्र को **ई-पोर्टलः www.ireps.gov.in** के माध्यम से सूचित किया जायेगा।

वरिष्ठ विभागीय सिग्नल एवं दूर संचार अभियंता/गुंटूर

खुली ई-निविदा सूचना सं. एन/ई.29/टीआरडी/टेंडर/02/2025-26 दि.1-5-2025 PUB/0503

अधोहस्ताक्षरी द्वारा निम्न कार्यों हेतु मुहरबंद निविदाएं आमंत्रित हैं।

क्रम सं.1 निविदा सं. एन/ई.29/टीआरडी/टेंडर/02/2025-26,

कार्य विवरणः नांदेड डिवीजनः नांदेड डिवीजन के विद्युतीकृत सेक्शन्स में हाय्र बैंक, स्लोप्स पर स्टोन बोल्डर्स(स्टोन पिच्चिंग) सहित तत्संबंधित व्यवस्था तथा पिच्चिंग बिछाना या पिच्चिंग लेइंग कार्य।

पूरा करने की अवधिः 6 महिने

अनुमानित लागत(रु.) 48,30,436.50

बोली सुरक्षा(रु.) 96,600.00

बंद करने की तिथिः 30-05-2025 के 15.00 बजे

A0620 **विभागीय बिजली अभियंता/टीआरडी/नांदेड**

निविदा नियम शर्तों/अधिक जानकारी तथा निविदा दस्तावेजों की डाउनलोडिंग हेतु कृपया वेबसाइट्सः https://www.ireps.gov.in अथवा www.scr.indianrailways.gov.in देखें।

एसडी सिग्नोडीया कॉलेज में विदाई समारोह

हैदराबाद, 3 मई (स्वतंत्र वार्ता)। अग्रवाल शिक्षा समिति द्वारा संचालित एस.डी. सिग्नोडीया कॉलेज ऑफ़ आर्ट्स एंड कॉमर्स के एमबीए प्रथम वर्ष के विद्यार्थियों द्वारा द्वितीय वर्ष के विद्यार्थियों का कॉलेज में विदाई समारोह का आयोजन किया गया। एक प्रेस विज्ञप्ति द्वारा विभाग के कोरेस्पोंडेंट मुकुंद लाल अग्रवाल ने बताया कि कार्यक्रम के प्रारंभ में पहलगाम में निर्दोष सैलानियों की हत्या पर दो मिनट का मौन रखकर उन्हें श्रद्धांजलि प्रदान की गई। इस समारोह में मिस्टर एवं मिस एम.बी.ए. क्रमशः प्रियांशु श्रीवास्तव एवं मोनिका सोनी चुने गए जिनका मंच पर सम्मान किया गया। विभाग की डायरेक्टर डॉ. पल्लवी रंगनाथन ने विद्यार्थियों को आगामी परीक्षा में अच्छे नंबरों से पास होने की शुभकामनाएं दी। कोरेस्पोंडेंट मुकुंद लाल अग्रवाल का धन्यवाद किया गया। प्राचार्य डॉ.सी.एच. दलपड़ाल ने विद्यार्थियों के उज्वल भविष्य हेतु शुभ कामनाएं प्रदान दी। अकादमी सलाहकार डॉ. राजेश कुमार अग्रवाल ने विद्यार्थियों को परिश्रम से आगे बढ़कर प्रमुख स्थान प्राप्त करने हेतु प्रेरित किया। कोरेस्पोंडेंट मुकुंद लाल अग्रवाल ने कहा कि यह उनके कार्यालय का प्रथम वर्ष है जिसमे ठंडे पानी की मशीन, क्लास रूम में पंखे, 15 नए कंप्यूटर, प्रिंटर एवं ज़ीरॉक्स मशीन, विद्यार्थियों को बैठने के लिए 65 नई कुर्सियां, शौचालय तथा मीटिंग हॉल का पूर्ण नवीनीकरण किया गया।

कॉलेज के मुजाहिद एवं प्रियंका ठाकुर को परीक्षा में शत प्रतिशत अंक प्राप्त करने पर बधाई एवं शुभ कामनाएं दी। मुकुंद लाल अग्रवाल, समिति के सह अकादमिक सलाहकार डॉ. राजेश कुमार अग्रवाल, सिग्नोदिया कॉलेज के प्राचार्य डॉ.सी.एच. दलपड़ाल, सह प्राचार्य डॉ. नागराज, डायरेक्टर डॉ. पल्लवी रंगनाथ, एन.बी. साइंस कॉलेज के प्राचार्य डॉ. बाबू राव, एम.सी.ए. विभाग की डायरेक्टर माधुरी, अग्रवाल जूनियर कॉलेज के प्राचार्य उमेश, एल.बी.एम.टी. हाई स्कूल की प्राचार्य प्रीति बाला, डी.बी. गर्ल्स जूनियर कॉलेज की कृष्ण वेणी, एवं एम. बी.ए. विभाग के रश्मिता, किरण, सत्यजीत, पद्मजा, सुनयना, भाग्यश्री, विभाग के प्रथम एवं द्वितीय वर्ष के विद्यार्थिगण आदि उपस्थित थे।

प्रतिभूति मुद्रणालय का राजभाषा निरीक्षण सम्पन्न

हैदराबाद, 3 मई (स्वतंत्र वार्ता)। भारत सरकार का उपक्रम एसपीएमसीआईएल की हैदराबाद इकाई, में राजभाषा कार्यान्वयन का जायजा लेने ले लिए आर्थिक कार्य विभाग, वित्त मंत्रालय, भारत सरकार की टीम ने आज प्रतिभूति मुद्रणालय, हैदराबाद का दौरा कर राजभाषा के कार्यों का निरीक्षण किया। इस निरीक्षण टीम में रजनीश कुमार, सहायक निदेशक (रा.भा), कमलेश धनमुन्या, वरि. अनुवाद अधिकारी, श्रीमती बबीता गुंज्याल, लेखराज सिंह, नरेश कुमार, प्रबंधक (रा.भा.) विशेष निरीक्षण प्रतिनिधि के रूप में उपस्थित थे।

निरीक्षण दल का एस.आर. वाजपे, महाप्रबंधक, आ. दुर्गा प्रसाद, अपर महाप्रबंधक (मा.स.) एवं श्रीमती वी. अनीता, उप महाप्रबंधक वित्त एवं लेखा ने टीम के सदस्यों का शाल व मोमेंन्टो से स्वागत किया। महाप्रबंधक ने निरीक्षण टीम को प्रतिभूति मुद्रणालय के कार्यकलापों से अवगत करवाया और अनुरोध किया कि निरीक्षण में पाई गई किसी भी प्रकार की कमी को उनके ध्यान में लाया जाए।

उन्होंने मेंहुल राठोड़ प्रबंधक (मा.सं.) एवं प्रभारी (रा.भा.) को निरीक्षण टीम के पूर्ण सहयोग प्रदान करने का निदेश दिया। मंत्रालय की निरीक्षण टीम ने मानव संसाधन अनुभाग, स्थापना अनुभाग, वित्त एवं लेखा अनुभाग तथा कारखाना परिसर का गहन निरीक्षण किया तथा धारा 3(3) का अनुपालन, सभी कंप्यूटरों पर हिन्दी में कार्य करने की सुविधा, ई ऑफिस पर टिप्पणियां, साइन बोर्ड आदि की समीक्षा की। प्रशिक्षण कार्यशालाओं व बैठकों से संबंधित जानकारियों का जायजा लिया। निरीक्षण के पश्चात एक समीक्षा बैठक का आयोजन किया गया, जिसमें प्रतिभूति मुद्रणालय के सभी कार्यपालक/अधिकारियों के भाग लिया।

निरीक्षण दल का नेतृत्वकर्ता रजनीश कुमार ने कहा कि मुझे प्रतिभूति मुद्रणालय में राजभाषा का कार्यान्वयन शत-प्रतिशत हो रहा है। उन्होंने भारत सरकार के वार्षिक कार्यक्रम का उल्लेख करते हुए बताया कि इस वर्ष से पत्राचार व अन्य मदों में 5-5 प्रतिशत की वृद्धि की गयी है लेकिन आपका कार्यालय लक्ष्य से काफी आगे कार्य कर रहा है, अत: इसे बनाए रखें।

यह तेलंगाना फुटबॉल के लिए सम्मान की बात सोनी बाला देवी

एआईएफएफ द्वारा तेलंगाना खेल प्राधिकरण सम्मानित

हैदराबाद, 3 मई (स्वतंत्र वार्ता)। अखिल भारतीय फुटबॉल महासंघ (एआईएफएफ) का वार्षिक पुरस्कार समारोह 2 मई को भुवनेश्वर में आयोजित किया गया। एआईएफएफ वार्षिक पुरस्कार समारोह में 2024-25 के लिए हैदराबाद, तेलंगाना में फुटबॉल को प्रोत्साहित करने और बढ़ावा देने में उत्कृष्ट योगदान, समर्थन के लिए तेलंगाना खेल प्राधिकरण को अखिल भारतीय फुटबॉल महासंघ (एआईएफएफ) द्वारा सम्मानित किया गया। यह पुरस्कार सोनीबाला देवी, आईएफएस, वीसी और एमडी, तेलंगाना खेल प्राधिकरण द्वारा प्राप्त किया गया। एआईएफएफ के अध्यक्ष कल्याण चौबे के साथ एआईएफएफ वार्षिक पुरस्कार समारोह में उपस्थित गणमान्य व्यक्तियों में कनक वर्धन सिंह देव, उपमुख्यमंत्री, ओडिशा, सूर्यवंशी सूरज, माननीय उच्च शिक्षा, खेल और युवा सेवाएं, ओडिया भाषा साहित्य और संस्कृति मंत्री, मनोज आहूजा, मुख्य सचिव, ओडिशा सरकार, श्री भास्कर सरमा, आईएएस, प्रमुख सचिव, आईएएस, खेल और युवा सेवा विभाग, ओडिशा सरकार और अन्य सदस्य पुरस्कारों में उपस्थित थे। इस अवसर पर बोलते हुए श्रीमती सोनी बाला देवी, आईएफएस वीसी और एमडी, एसएटीजी ने कहा कि यह तेलंगाना फुटबॉल के लिए सम्मान की बात है और राज्य में खेल संस्कृति विकसित करने के लिए तेलंगाना के खेल जगत के लिए एक प्रेरणा है।

दाताश्री का 41वां जयंती कार्यक्रम सम्पन्न

हैदराबाद, 3 मई (स्वतंत्र वार्ता)। समस्त राजपुरोहित समाज परिवार बंडगपेट नादरगुल समाज बन्धुओं द्वारा दो दिवसीय श्री खेतारामजी महाराज की 41वीं जयंती पर पुजा-अर्चना, हवन, जागरण व महाप्रसादी कार्यक्रम आयोजित किया गया।

प्रेस विज्ञप्ति में आयोजक अमरसिंह नादाणा ने बताया कि हर वर्ष की भांति श्री खेतारामजी महाराज की 41वीं पुण्यतिथि पर दो दिवसीय जयंती कार्यक्रम पुजा-अर्चनाकर आयोजित किया गया। शुक्रवार 2 मई कुमावत समाज भवन बंडगपेट में सायं 8.15 दाताश्री की तस्वीर पर माल्यापर्ण, ज्योत प्रज्वलितकर आरती के पश्चात् 9.15 बजे से जागरण का कार्यक्रम आयोजित किया गया। जिसमें आकाशवाणी कलाकार रामाकिशन सोनी ने भजनों के पुष्प अर्पित किया। जिसका समाज बन्धुओं ने देर रात तक लाभ लिया।

शनिवार 3 मई प्रजा भवन में श्री खेतारामजी महाराज का लाईटिंग व फूलों से दरबार सजाकर प्रात: 7.15 बजे हवन-यज्ञ, गौ पूजन, व महाआरती के पश्चात् 10.30 बजे प्रतिमा साई ब्लड सेन्टर के अनुभवी डॉक्टर डॉ. सरगापति व तेजस्वीनी के देखरेख में रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया। जिसमें समाज बन्धुओं ने 45 यूनिट का रक्त दान किया।

कार्यक्रम में पधारे मुख्य अतिथि इन्द्रसिंह खिंवाड़ा, स्थानीय नेताओं व समाज के भामाशाहों का आयोजकों द्वारा विशेष सम्मान किया गया। विडियों कांन्फेरेंस से खेतेश्वर गौशाला अध्यक्ष गजेन्द्रसिंह निम्बोल ने कार्यक्रम के सफल आयोजन की आयोजकों को शुभकामनाएं दी।

'जसप्रीत बुमराह हैं गेंदबाजी के डॉन ब्रैडमैन'

ऑस्ट्रेलियाई दिग्गज ने कहा- दूसरे किसी भारतीय से कभी इतना नहीं डरे कंगारू

मुंबई, 3 मई (एजेंसियां)। जसप्रीत बुमराह IPL 2025 में एक तूफान की तरह छाए हुए हैं, जिनकी गेंदबाजी ने बल्लेबाजों को घुटने टेकने पर मजबूर कर दिया। 6.96 की शानदार इकॉनमी रेट और हर मैच में औसतन 10 डॉट बॉल के साथ, बुमराह ने मुंबई इंडियंस को नई उड़ान दी है। चोट से वापसी के बाद उनकी बेमिसाल गेंदबाजी ने ऑस्ट्रेलियाई दिग्गज एडम गिलक्रिस्ट को उन्हें सर डॉन ब्रैडमैन से तुलना करने के लिए प्रेरित किया।

ध्रुव जुरेल को आउट करने के बाद खुशी जाहिर करते जसप्रीत बुमराह

जसप्रीत बुमराह आईपीएल 2025 में एक तूफान की तरह उभरे हैं, जिन्होंने अपनी गेंदबाजी से न केवल बल्लेबाजों को चुप कराया, बल्कि क्रिकेट जगत में एक नई मिसाल कायम की। 6.96 की शानदार इकॉनमी रेट के साथ, बुमराह ने विरोधी टीमों को रक्षात्मक रुख अपनाने पर मजबूर कर दिया। पीठ की चोट के कारण चार मैचों से बाहर रहने के बाद उनकी वापसी ने मुंबई इंडियंस को नई ताकत दी। उनकी अगुवाई में टीम ने सात में से छह मैच जीते, जिसमें बुमराह हर मैच में औसतन 10 डॉट बॉल फेंक रहे हैं। उनकी इस असाधारण गेंदबाजी ने ऑस्ट्रेलिया के महान क्रिकेटर एडम गिलक्रिस्ट को उन्हें क्रिकेट के सर्वकालिक महान बल्लेबाज सर डॉन ब्रैडमैन से तुलना करने के लिए प्रेरित किया।

बुमराह की यह उपलब्धि केवल आंकड़ों तक सीमित नहीं है; यह उनकी मेहनत, जुनून और चोट से उबरने की हिम्मत की कहानी है। IPL 2025 में सात मैचों में उन्होंने 69 गेंदें फेंकीं, जिनमें उनकी सटीकता और निरंतरता ने सभी को हैरान किया। केवल खलील अहमद और जोश हेजलवुड ने उनसे बेहतर डॉट बॉल प्रतिशत दर्ज किया, लेकिन उनकी इकॉनमी 8 रन प्रति ओवर से अधिक रही, जबकि बुमराह ने इसे 7 से नीचे रखा। शुरुआती दो मैचों में रॉयल चैलेंजर्स बैंगलोर के खिलाफ बिना विकेट और दिल्ली कैपिटल्स के खिलाफ 44 रन देने के बाद, बुमराह ने लखनऊ सुपर जायंट्स और राजस्थान रॉयल्स के खिलाफ जबरदस्त वापसी की। इन दो मैचों में उन्होंने 8 ओवर में सिर्फ 37 रन देकर छह विकेट झटके, जिसने उनकी क्लास और दबदबे को साबित किया।

ब्रैडमैन से तुलना: एक ऐतिहासिक सम्मान

गिलक्रिस्ट ने बुमराह की तारीफ में कहा, "वह शायद अब तक के सबसे बेहतरीन तेज गेंदबाज हैं। जब आप उनके आंकड़ों और विभिन्न परिस्थितियों में उनके कौशल को देखते हैं, तो यह सर डॉन ब्रैडमैन की तरह है, जो अपने समकालीनों से मीलों आगे थे। बुमराह भी अपने साथियों से कहीं आगे हैं। यह हमें बताता है कि हम वास्तव में एक महान खिलाड़ी को देख रहे हैं।" ब्रैडमैन की तुलना इसलिए भी खास है, क्योंकि उन्होंने टेस्ट क्रिकेट में करीब 100 का औसत रखा, जबकि 10 से अधिक टेस्ट खेलने वाला कोई अन्य बल्लेबाज 65 से ऊपर औसत नहीं बना सका। बुमराह की यह तुलना उनके असाधारण कौशल और खेल पर प्रभाव को रेखांकित करती है।

बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी में भी चमके

बुमराह का जादू केवल आईपीएल तक सीमित नहीं रहा। हाल ही में बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी में उन्होंने 13 के औसत से 32 विकेट लेकर सबसे ज्यादा विकेट लेने का रिकॉर्ड बनाया, भले ही भारत 1-3 से सीरीज हार गया। गिलक्रिस्ट ने कहा, "ऑस्ट्रेलियाई बल्लेबाजों को किसी भारतीय गेंदबाज से इतना डर शायद पहले कभी नहीं लगा। हमने कमेंट्री के दौरान उनकी गेंदबाजी को करीब से देखा और यह कहना गलत नहीं होगा कि वह हर प्रारूप में सर्वश्रेष्ठ गेंदबाज हैं।" गिलक्रिस्ट ने आगे कहा, "हम उनकी गेंदबाजी को देखकर बस आश्चर्य में पड़ गए। वह हर प्रारूप में बेस्ट हैं, इसमें कोई बहस नहीं।"

इतना गुस्सा कि बीच मैदान अंपायर पर बुरी तरह झल्ला उठे गिल

बीसीसीआई ले सकती है बड़ा एक्शन

अहमदाबाद, 3 मई (एजेंसियां)। आईपीएल 2025 का 51वां मैच गुजरात टाइटंस और सनराइजर्स हैदराबाद की टीमों के बीच खेला गया. अहमदाबाद के नरेंद्र मोदी स्टेडियम में इस मुकाबले में गुजरात टाइटंस की टीम 38 रनों से बाजी मारने में कामयाब रही. लेकिन इस मुकाबले के दौरान गुजरात के कप्तान शुभमन गिल का पारा काफी हाई रहा. वह एक बार नहीं बल्कि दो बार अंपायर से उलझते हुए दिखाई दिए. सनराइजर्स हैदराबाद की पारी के दौरान तो वह काफी गुस्से में नजर आए और बीच मैदान ही अंपायर पर बुरी तरह झल्ला उठे. इस घटना का वीडियो सोशल मीडिया पर काफी वायरल हो रहा है.

शुभमन गिल इस मुकाबले में सनराइजर्स हैदराबाद की पारी के दौरान अपना आपा खो बैठे. वह थर्ड अंपायर के फैसले से काफी नाखुश दिखाई दिए. दरअसल, एसआरएच की पारी के 14वें ओवर की चौथी गेंद पर गुजरात की टीम ने अभिषेक शर्मा के लिए चलबीडब्ल्यू की अपील की थी. लेकिन फील्ड अंपायर ने आउट नहीं दिया. जिसके बाद गिल ने रिव्यू लेने का फैसला किया. इसके बाद थर्ड अंपायर ने 'अंपायर कॉल' के चलते फील्ड अंपायर का फैसला नहीं बदला और अभिषेक शर्मा बच गए. थर्ड अंपायर के इस फैसले के बाद शुभमन गिल काफी गुस्से में नजर आए और वह बीच मैदान अंपायर ने भिड़ गए. उन्हें काफी देर तक बहस करते हुए देखा गया. अंपायर और गिल के गंभीर बहस हुई, जिसके चलते हैदराबाद के बल्लेबाज और गिल के दोस्त अभिषेक शर्मा ने भी उन्हें शांत करने की कोशिश की. इस घटना का वीडियो सोशल मीडिया पर सभी का ध्यान अपनी ओर खींच रहा है. वहीं, गिल पर एक्शन का खतरा भी मंडरा रहा है. गिल को ये गुस्सा भारी पड़ सकता है और बीसीसीआई उन पर जुर्माना लगा सकती है.

मुकाबले की बात की जाए तो गुजरात की टीम ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 20 ओवर में 6 विकेट के नुकसान पर 224 रन बनाए. इस पारी में सबसे बड़ा स्कोर शुभमन गिल ने बनाया. वह 38 गेंदों पर 200 की स्ट्राइक रेट से 76 रन बनाने में कामयाब रहे, जिसमें 10 चौके और 2 छक्के शामिल रहे. इसके बाद वह रन आउट हो गए, जिस पर भी काफी बहस देखने को मिली. जिस तरह से वो रन आउट हुए, उसने भी विवाद खड़ा कर दिया. जिसके बाद गिल फोर्थ अंपायर से बहस करते हुए नजर आए थे.

टी-20 इंटरनेशनल से संन्यास पर विराट कोहली ने एक साल बाद तोड़ी चुप्पी, कर दिया बड़ा खुलासा

बेंगलुरु, 3 मई (एजेंसियां)। आईपीएल 2025 में रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु ही नहीं बल्कि उसके सबसे सीनियर खिलाड़ी विराट कोहली ने भी शानदार प्रदर्शन कर फैंस का दिल जीतने में कोई कसर नहीं छोड़ी है। विराट कोहली अभी ऑरेंज कैप की रेस में तीसरे नंबर पर हैं और जल्द ही पहले पायदान पर आ सकते हैं। उन्होंने अब टी-20 इंटरनेशनल से संन्यास लेने पर बात की है।

आईपीएल में शानदार प्रदर्शन करने वाले विराट को लेकर सवाल उठ रहे हैं कि उन्होंने टी-20 इंटरनेशनल से संन्यास क्यों लिया।

आरसीबी के एक कार्यक्रम के दौरान विराट ने टी-20 इंटरनेशनल से संन्यास पर बड़ा खुलासा किया है। उनसे टी-20 इंटरनेशनल से संन्यास के बारे में उन्होंने चौंकाने वाला खुलासा किया। विराट ने कहा, 'मुझे नहीं लगता कि मेरे लिए चीजें बदली हैं।'

ताकि वे दबाव झेल सकें- विराट

उन्होंने कहा, 'यह फैसला इसलिए लिया गया, क्योंकि मुझे लगा कि खिलाड़ियों का नया ग्रुप तैयार है और उनके पास समय है। 2026 में होने वाले टी-20 वर्ल्ड कप से पहले नए खिलाड़ियों को ढलने के लिए 2 साल की जरूरत है, ताकि वे दबाव झेल सकें, दुनिया के कई हिस्सों में खेल सकें और वर्ल्ड शुरू होने से पहले पर्याप्त मैच खेल सकें।'

शानदार है विराट का टी-20 इंटरनेशनल करियर

बता दें कि विराट का टी-20 इंटरनेशनल करियर काफी शानदार रहा है। उन्होंने क्रिकेट के सबसे छोटे फॉर्मेट में 125 मैच खेले हैं और 4188 रन बनाए हैं। कोहली ने इतने रन 48.69 की औसत से बनाए हैं, जिसमें 1 शतक और 38 फिफ्टी शामिल हैं। वह भारत की वनडे, चैम्पियंस ट्रॉफी और टी-20 वर्ल्ड कप जीतने वाली टीम का भी हिस्सा रहे हैं।

गुजरात टाइटन्स के खिलाफ मैच के बाद कमिंस ने कही ये बात

'मैं भी इस हार का जिम्मेदार हूं'

खेल डेस्क, 3 मई (एजेंसियां)। गुजरात टाइटन्स ने सनराइजर्स हैदराबाद को 38 रनों से हरा दिया। इस मैच में हैदराबाद के बल्लेबाज अच्छा प्रदर्शन नहीं कर सके और पूरी टीम सिर्फ 186 रन बनाकर ऑल आउट हो गई। मैच में पहले टॉस जीतकर हैदराबाद के कप्तान पैट कमिंस ने गेंदबाजी चुनी। इसके बाद गुजरात टाइटन्स के लिए शुभमन गिल और साई सुदर्शन ने पहले विकेट के लिए 87 रन की मजबूत साझेदारी की। इन दोनों की शानदार बल्लेबाज़ी की वजह से गुजरात ने बड़ा स्कोर, यानी 224 रन खड़े किए।हैदराबाद की तरफ से सिर्फ अभिषेक शर्मा ही टिककर खेल पाए। उन्होंने 74 रन की

अच्छी पारी खेली, लेकिन बाकी बल्लेबाज पूरी तरह फेल हो गए।

कप्तान कमिंस ने कही ये बात

कप्तान कमिंस ने कहा, "हमारी शुरुआत अच्छी नहीं रही, खासकर बल्लेबाज़ी के पावरप्ले में। इसमें मेरी भी गलती थी, जितनी किसी और की। हमने शायद गुजरात को 20-30 रन ज़्यादा बनाने दिए और एक-दो कैच भी गिरा दिए। उसमें भी मैं खुद को ज़िम्मेदार मानता हूँ। अगर हम उन्हें 200 तक सीमित रखते, तो लक्ष्य थोड़ा आसान लगता।"

उन्होंने आगे कहा, "गुजरात के बल्लेबाज बहुत शानदार हैं। वे कोई अजीब शॉट नहीं खेलते, बस अगर आप खराब गेंद फेंकोगे तो उसे बाउंड्री तक पहुंचा देते हैं। हमने काफी खराब गेंदबाज़ी की। पिच अच्छी थी और आखिरी 14 ओवरों में हमने 140 रन दिए, जो बॉलिंग के हिसाब से बहुत ज़्यादा है। अभिषेक शर्मा ने शानदार बल्लेबाज़ी की और नितीश कुमार रेड्डी ने भी अंत में अच्छा खेल दिखाया। लेकिन रन बहुत देर से और कम आए। फिर भी हमारी टीम के पास आगे खेलने के लिए काफी कुछ है। पिछले साल बड़ी नीलामी हुई थी और हमारी टीम के मुख्य खिलाड़ी अगले तीन साल तक साथ रहेंगे। यह एक बेहतरीन टीम है और यहां खेलना बहुत अच्छा लगता है। फैंस भी शानदार और जोशीले हैं।"

अफ्रीकी बॉलर का क्रिकेट के सभी प्रारूपों से 'निलंबन', कगिसो रबाडा ने खुद किया खुलासा

नई दिल्ली, 3 मई (एजेंसियां)। दक्षिण अफ्रीका के तेज गेंदबाज कगिसो रबाडा को क्रिकेट के सभी प्रारूपों से अनंतिम निलंबित कर दिया गया है। उन पर यह कार्रवाई प्रतिबंधित ड्रग लेने के कारण हुई, जिसके परीक्षण में वह पॉजिटिव पाए गए। इसकी जानकारी शनिवार को स्टार खिलाड़ी ने खुद दी।

रबाडा कुछ दिनों पहले निजी कारणों का हवाला देकर स्वदेश लौट गए थे और तब से अब तक गुजरात टाइटंस से नहीं जुड़ सके हैं। तेज गेंदबाज ने मौजूदा सत्र में गुजरात के लिए पहले दो मैच खेले। पंजाब किंग्स के खिलाफ उन्होंने 41 रन देकर सिर्फ एक विकेट हासिल किया। इसके बाद मुंबई के खिलाफ उन्होंने 42 रन खर्च किए और महज एक ही विकेट हासिल किया।

रबाडा ने इस मामले पर कहा- मैं हाल ही में निजी कारणों से आईपीएल में भाग लेने के बीच से दक्षिण अफ्रीका लौट आया हूं। ऐसा मेरे द्वारा प्रतिबंधित ड्रग के उपयोग के कारण हुआ है। मैं उन सभी लोगों से माफी मांगता हूं जिन्हें मैंने निराश किया है। मैं क्रिकेट खेलने के विशेषाधिकार को कभी हल्के में नहीं लूंगा।

स्वियातेक को हराकर गॉफ मैड्रिड ओपन के फाइनल में

पुरुष वर्ग में रूड ने मेदवेदेव को हराया

नई दिल्ली, 3 मई (एजेंसियां)। अमेरिका की कोको गॉफ ने गत चैंपियन इगा स्वियातेक को 6-1,6-1 से हराकर पहली बार मैड्रिड ओपन टेनिस टूर्नामेंट के महिला एकल वर्ग के फाइनल में प्रवेश कर लिया। गॉफ ने पहले सेट में स्वियातेक की सर्विस तीन बार और दूसरे सेट में दो बार तोड़ी। क्लकोर्ट टूर्नामेंट का यह सेमीफाइनल मुकाबला 64 मिनट चला। चौथी वरीयता की गॉफ का मुकाबला अब शीर्ष वरीय आर्यना सबालेंका या इलिना स्वितोलिना के बीच होने वाले मुकाबले की विजेता खिलाड़ी के साथ होगा।

पुरुष क्वार्टर फाइनल में नॉर्वे के कैस्पर रूड ने डेनिएल मेदवेदेव को 6-3, 7-5 से हराकर सेमीफाइनल में प्रवेश किया। वह 1990 या उसके बाद जन्मे ऐसे पहले खिलाड़ी हो गए 30 टूर स्तर के सेमीफाइनल में पहुंचे। इससे पहले दोनों खिलाड़ियों के बीच तीन बार भिड़ंत हुई थी जिसमें हर बार मेदवेदेव ही जीतने में सफल रहे थे। रूड ने कहा कि मैं नहीं चाहता कि मेदवेदेव का मेरे खिलाफ स्कोर 0-4 हो जाए। दोनों ही खिलाड़ी अच्छा खेले।

रूड की अगली टक्कर फ्रांसिस्को सेरुनडोलो से होगी जिन्होंने जैक्ब मेनसिक को 3-6, 7-6 (5), 6-2 से हराया। फ्रांसिस्को ने इससे पहले दौर में शीर्ष वरीय अलेक्जेंडर ज्वेरेव को हराया था। मैड्रिड ओपन हफ्ते की शुरुआत में स्पेन और पुर्तगाल में बिजली चले जाने से बाधित भी हुआ था।

सूर्यकुमार यादव से 24 घंटे में साई सुदर्शन से छिन गई ऑरेंज कैप

प्रसिद्ध कृष्णा के सिर सजी पर्पल कैप

मुंबई, 3 मई (एजेंसियां)। आईपीएल 2025 का रोमांच अब आखिरी पड़ाव पर है, जहां ऑरेंज और पर्पल कैप की रेस काफी ज्यादा दिलचस्प हो गई है। आईपीएल में शुक्रवार तक ऑरेंज कैप पर सूर्यकुमार यादव का कब्जा था, लेकिन अब इसमें बदलाव हुआ है, जहां 24 घंटे के अंदर ही उनसे यह छिनकर गुजरात टाइटंस के बल्लेबाज साईं सुदर्शन के पास चली गई है।

उन्होंने सनराइजर्स हैदराबाद के खिलाफ सिर्फ 23 गेंदों पर 48 रन बनाए और ऑरेंज कैप अपने नाम की। उनके नाम अब तक 10 मैचों में 504 रन हैं। वो इस सीजन 500 से ज्यादा रन बनाने वाले

पहले बल्लेबाज बन गए हैं, जबकि 475 रनों के साथ सूर्यकुमार दूसरे नंबर पर हैं। बात करें पर्पल कैप की तो यहां प्रसिद्ध कृष्णा 19 विकेट के साथ टॉप पर हैं। इस तरह ऑरेंज और पर्पल कैप दोनों पर ही गुजरात के खिलाड़ियों का कब्जा है।

रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु बनेगी चैंपियन

सुनील गावस्कर ने कर दी बड़ी भविष्यवाणी

मुंबई, 3 मई (एजेंसियां)। आईपीएल 2025 का खिताब कौन सी टीम जीतेगी? ये बड़ा सवाल है. इस सवाल के बीच भारत के दिग्गज बल्लेबाज रहे सुनील गावस्कर ने बड़ी भविष्यवाणी की है. उन्होंने इस सीजन में चैंपियन बनने की प्रबल दावेदार टीम के नाम का ऐलान कर दिया है. गावस्कर ने बताया है कि सीजन के आखिर में कौन सी टीम खिताब जीतेगी. गावस्कर ने उस टीम का नाम लिया है, जो पिछले 17 सीजन से खिताब के लिए तरस रही है. ये टीम कोई और नहीं बल्कि आरसीबी है, जिसने आईपीएल 2025 में कमाल का खेल दिखाया है.

सुनील गावस्कर के मुताबिक 'रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु इस सीजन की सबसे मजबूत दावेदार है. आरसीबी का प्रदर्शन इस सीजन में शानदार रहा है. रजत पाटीदार की कप्तानी में इस टीम ने अब तक खेले गए 10 मैचों में

से 7 में जीत दर्ज की. वो इस वक्त 14 अंकों के साथ प्वाइंट्स टेबल में तीसरे नंबर पर मौजूद है.

गावस्कर ने बताई आरसीबी की ताकत

इंडिया टुडे से बातचीत के दौरान सुनील गावस्कर ने कहा कि आरसीबी ने इस सीजन में बेहतरीन बल्लेबाजी और शानदार फील्डिंग का प्रदर्शन किया है. विराट कोहली, टिम डेविड, क्रुणाल पांड्या, भुवनेश्वर कुमार, देवदत्त पडिक्कल और जोश हेजलवुड जैसे खिलाड़ियों ने टीम की सफलता में अहम भूमिका निभाई है.

एमआई से आगे आरसीबी को रखा

गावस्कर ने ये भी माना कि पिछले लगातार 6 मैच जीतने वाली मुंबई इंडियंस आरसीबी की ताकत का मुकाबला करने के करीब है, लेकिन उन्होंने आरसीबी को खिताब की दौड़ में थोड़ा आगे बताया. गावस्कर ने कहा 'आरसीबी की बल्लेबाजी और फील्डिंग शानदार रही है. मुंबई इंडियंस करीब है, लेकिन आरसीबी के पास बढ़त है. सवाल यह है कि क्या वे इस लय को बनाए रख सकते हैं.'

ग्रुप स्टेज में बचे हैं चार मुकाबले

आईपीएल 2025 में आरसीबी ने अब तक 10 मैचों में से 7 जीते हैं, जबकि 3 में हार का सामना किया है. टीम के ग्रुप स्टेज के चार मैच अभी बचे हैं, जिनमें से तीन उनके घरेलू मैदान पर खेले जाएंगे. घरेलू मैदान का रिकॉर्ड उनके लिए चुनौती बन सकता है. 3 मई यानी आज आरसीबी का मुकाबला चेन्नई सुपर किंग्स से होगा, जिसे उन्होंने पहले हाफ में हराया था.

इस साल सीएसके पहले ही टूर्नामेंट से बाहर हो चुकी है, लेकिन आरसीबी के लिए यह मुकाबला प्लेऑफ में अपनी स्थिति मजबूत करने का मौका होगा.

बीसीसीआई लेगी बदला, पाकिस्तान को एशिया कप से करेगी बाहर, गावस्कर का दावा

नई दिल्ली, 3 मई (एजेंसियां)। पहलगाम हमले के बाद से ही भारत और पाकिस्तान के बीच तनाव काफी बढ़ गया है. पाकिस्तानी क्रिकेटर तो खुलकर भारत के खिलाफ बयानबाजी कर रहे हैं. लेकिन उन्हें इस बड़बोलेपन का नुकसान उठाना पड़ सकता है. भारत सरकार पहले ही कई कड़े कदम उठा चुकी है. अब पहलगाम हमले का बदला बीसीसीआई ले सकती है. दरअसल, इस साल सितंबर में टी20 फॉर्मेट में एशिया कप खेला जाना है और इसकी मेजबानी भारत के पास ही है. टी20 वर्ल्ड कप 2026 के पहले इस अहम टूर्नामेंट से वो पाकिस्तान क्रिकेट टीम को बाहर सकती है. ये दावा भारतीय दिग्गज सुनील गावस्कर ने किया है.

पाकिस्तान पर बीसीसीआई लेगी एक्शन

सुनील गावस्कर का मानना है कि पहलगाम हमले के बाद काफी चीजें बदल गई हैं. ऐसे में अब पाकिस्तान का एशिया कप में हिस्सा

लेना नामुमकिन लग रहा है. उनके मुताबिक बीसीसीआई हमेशा ही भारत सरकार के आदेश को मानती रही है और एशिया कप में भी ऐसा ही देखने को मिल सकता है. गावस्कर ने कहा, "बीसीसीआई का रुख हमेशा से वही रहा है जो भारत सरकार उनसे करने को कहती है. इसलिए मुझे नहीं लगता कि एशिया कप के मामले में इसमें कोई बदलाव होगा. एशिया कप के इस एडिशन की मेजबानी भारत और श्रीलंका के पास है. इसलिए मैं पाकिस्तान को अब एशिया कप का हिस्सा बनते नहीं देख रहा हूं." हालांकि, उन्होंने ये जरूर कहा कि अगले दो महीनों में दोनों देशों के बीच रिश्ते कैसे रहते हैं, इस पर काफी कुछ निर्भर करेगा.

भंग हो सकती है एसीसी

सुनील गावस्कर के मुताबिक पाकिस्तान को बाहर किए जाने के लिए एशियन क्रिकेट काउंसिल को भंग भी किया जा सकता है. यानि एसीसी भविष्य भी खतरे में है और अगर हालात नहीं सुधरे तो उसका अस्तित्व ही नहीं रहेगा. उनका मानना है कि एशिया कप की जगह सिर्फ 3 या 4 देशों के बीच एक टूर्नामेंट खेला जा सकता है.

उन्होंने पाकिस्तान को बाहर किए जाने को लेकर कहा, "मुझे नहीं पता कि यह कैसे होगा. हो सकता है कि एसीसी को भंग कर दिया जाए, और आप केवल तीन देशों का दौरा कर सकते हैं, जिसमें तीन देशों का टूर्नामेंट हो सकता है, या चार देशों का टूर्नामेंट हो सकता है जिसमें हांगकांग या यूएई को आमंत्रित किया जा सकता है. लेकिन यह इस बात पर निर्भर करता है कि अगले कुछ महीनों में क्या होता है."

22 हजार करोड़ रुपये की लागत से 4.50 लाख इंदिराम्मा घरों का निर्माण : पोंगुलेटी

मंत्री ने प्रशिक्षित सहायक अभियंताओं को प्रमाण पत्र वितरित किया

हैदराबाद, 3 मई (स्वतंत्र वार्ता)। राजस्व, आवास, सूचना एवं नागरिक संबंध मंत्री पोंगुलेटी श्रीनिवास रेड्डी ने कहा कि तेलंगाना एकमात्र ऐसा राज्य है जो 5 लाख रुपये के बजट से प्रति वर्ष साढ़े चार लाख मकान बना रहा है। उन्होंने कहा कि गरीबों को सम्मान के साथ जीवन जीने के लिए दृढ़ संकल्प के साथ, मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी के नेतृत्व में तेलंगाना सरकार ने इंदिराम्मा आवास योजना शुरू की है। उन्होंने कहा कि इस वर्ष 22,000 करोड़ रुपये के बजट से 4.50 लाख इंदिराम्मा घर बनाए जाएंगे। लाभार्थियों की चयन प्रक्रिया कुछ दिनों में पूरी हो जाएगी। पायलट गांवों में मकानों का निर्माण कार्य पहले से ही चल रहा है। हाउसिंग कॉर्पोरेशन में आउटसोर्सिंग के लिए भर्ती किए गए 350 सहायक इंजीनियरों को राष्ट्रीय निर्माण अकादमी (एनएसीसी) में छह दिनों का प्रशिक्षण दिया गया। शनिवार को मंत्री पोंगुलेटी श्रीनिवास रेड्डी ने एनवाईएसी में प्रशिक्षित इंजीनियरों को प्रमाण पत्र प्रदान किए। इस अवसर पर बोलते हुए मंत्री ने सहायक अभियंताओं से सरकार की मंशा के अनुरूप ईमानदारी और भ्रष्टाचार के बिना काम करने तथा गरीबों की लंबे समय से चली आ रही इच्छा को पूरा करने वाली इंदिराम्मा आवास योजना में भागीदार बनने की अपील की। उन्होंने कहा कि यह देखकर खुशी हो रही है कि चयनित 350 इंजीनियरों में से 45 प्रतिशत महिलाएं हैं। उन्होंने कहा कि तमाम दबाव के बावजूद चयन योग्यता के आधार पर किया गया। उन्होंने कहा कि देश में किसी भी राज्य में ऐसी कोई कल्याणकारी योजना नहीं है, जिसमें एक लाभार्थी को पांच लाख रुपये दिए जाते हों।

उन्होंने कहा कि सभी राज्य आवास योजनाओं में केंद्र द्वारा उपलब्ध कराए गए धन से काम चला रहे हैं, लेकिन तेलंगाना में गरीबों के कल्याण को ध्यान में रखते हुए इंदिराम्मा सरकार ने एक योजना तैयार की है, जिससे लाभार्थी स्वयं 5 लाख रुपये के बजट से 400 वर्ग फीट से कम के घर नहीं बना सकते हैं। सहायक अभियंताओं को कार्यभार संभालते ही इन सूचियों पर ध्यान केन्द्रित करने का निर्देश देते हुए कहा गया कि वे कुछ ही दिनों में इंदिराम्मा आवास के लिए चार लाख लोगों की सूची को अंतिम रूप देने जा रहे हैं। उन्होंने कहा कि यह सुनिश्चित करने के लिए क्षेत्रीय स्तर पर कार्य किया जाना चाहिए कि केवल पात्र लोगों को ही बिना किसी प्रलोभन या दबाव के इंदिराम्मा मकान मिलें। उन्होंने कहा कि हम अत्याधुनिक प्रौद्योगिकी का उपयोग कर रहे हैं ताकि यह सुनिश्चित किया जा सके कि इंदिराम्मा आवास भुगतान में किसी भी बिचौलिए के शामिल होने की कोई गुंजाइश न रहे। उन्होंने कहा कि विभिन्न चरणों में निर्माण पूरा करने वाले लाभार्थियों को हर सोमवार को भुगतान किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि युवा इंजीनियरों ने कम लागत और गुणवत्ता वाले मकान बनाने के लिए अधिकारियों को कई सुझाव दिए हैं। उन्होंने कहा कि निर्माण क्षेत्र में उनके अनुभव को भी इन मुद्दों पर ध्यान केंद्रित करना चाहिए और लाभार्थियों के बीच जागरूकता पैदा करनी चाहिए। इसी क्रम में सरकार ने स्टाम्प एवं पंजीयन विभाग में 21 लोगों को पदोन्नत किया है। ग्रेड-2 में कार्यरत 10 उप-रजिस्ट्रारों को ग्रेड-1 में पदोन्नत किया गया तथा 11 वरिष्ठ सहायकों को ग्रेड-2 में पदोन्नत किया गया। मंत्री ने उन्हें पदोन्नति प्रमाण पत्र प्रदान किये।

बायोचार टिकाऊ कृषि पद्धतियों के लिए होगा महत्वपूर्ण

संगारेड्डी, 3 मई (स्वतंत्र वार्ता)। अरण्य एग्रीकल्चर अल्टरनेटिव की सीईओ पद्मा कोप्पुला ने कृषि अपशिष्ट से बने कार्बन युक्त उत्पाद बायोचार के लाभों पर प्रकाश डाला। उन्होंने पाया कि बायोचार मिट्टी में पोषक तत्वों और पानी को बनाए रखने में मदद करेगा, सूक्ष्मजीवी गतिविधि को बढ़ावा देगा और रासायनिक उर्वरकों की आवश्यकता को कम करेगा। झारासंगम मंडल के बिदकने गांव में रैतु वेदिका में शनिवार को आयोजित एक जागरूकता कार्यक्रम के दौरान किसानों को संबोधित करते हुए पद्मा ने कहा कि बायोचार सैकड़ों सालों तक मिट्टी में कार्बन को बनाए रखेगा, जिससे यह जलवायु के अनुकूल समाधान बन जाएगा। उन्होंने किसानों से टिकाऊ कृषि के लिए बायोचार से खाद बनाने की शुरूआत करने का आग्रह किया। जिला कृषि अधिकारी (डीएओ) के शिव प्रसाद ने कपास के लिए उच्च घनत्व रोपण प्रणाली (एचडीपीएस) के बारे में जानकारी दी। उन्होंने बताया कि कैसे कम अंतराल पर प्रति एकड़ अधिक कपास के बीज बोने से उत्पादकता में उल्लेखनीय वृद्धि हो सकती है। उन्होंने कहा कि एचडीपीएस कम कपास पैदावार की समस्या को हल करने और हमारे देश में कपास की बढ़ती मांग को पूरा करने का सही रास्ता है।

जीएचएमसी आयुक्त ने सेरिलिंगमपल्ली क्षेत्र में विभिन्न विकास कार्यों का निरीक्षण किया

हैदराबाद, 3 मई (स्वतंत्र वार्ता)। जीएचएमसी आयुक्त आर.वी. कर्णन ने अधिकारियों को गच्चीबावली से कोंडापुर तक शिल्पा लेआउट कार्य के दूसरे चरण को मई के अंत तक पूरा करने के निर्देश दिए हैं। शनिवार को कमिश्नर ने सेरिलिंगमपल्ली जोनल कमिश्नर बोरकड़े हेमंत सहदेव राव के साथ मलकम चेरुवु और गच्चीबावली से कोंडापुर तक किए जा रहे शिल्पले आउट कार्य के दूसरे चरण का निरीक्षण किया। जब पैदल यात्रियों ने मलकम झील में सफाई व्यवस्था और कुत्तों के उपद्रव की शिकायत की, तो अधिकारियों को निर्देश दिया गया कि वे तुरंत प्रशासकों से बात करें और कार्रवाई करें, ताकि यह सुनिश्चित हो सके कि पैदल यात्रियों को किसी भी समस्या का सामना न करना पड़े। अधिकारियों को निर्देश दिया गया कि वे बरसाती नालों के पानी को तालाब में जाने से रोकने के लिए उचित कदम उठाएं। खाजागुड़ा जंक्शन पर यातायात की समस्या से बचने के लिए एच. सिटी द्वारा किए जाने वाले फ्लाईओवर और अंडरपास निर्माण स्थल का निरीक्षण किया गया। आयुक्त ने गच्चीबावली से कोंडापुर तक तीन लेन वाले द्विदिश शिल्पा ले आउट फ्लाईओवर के कार्य का निरीक्षण किया। जब आयुक्त ने अधिकारियों से पूछा कि इस फ्लाईओवर के कारण गंतव्य तक पहुंचने में कितने मिनट लगेंगे, तो परियोजना इंजीनियरों ने आयुक्त को समझाया कि ओआरआर से कोंडापुर और कोंडापुर से शमशाबाद हवाई अड्डे और हाई-टेक सिटी तक यात्रा करना आसान होगा। जब उनसे पूछा गया कि फ्लाईओवर पूरा होने में कितना समय लगेगा, तो इंजीनियरों ने कहा कि फ्लाईओवर पर बीटी और एलईडी लाइटों का काम चल रहा है, और लगभग 5 संपत्तियों के लिए भूमि अधिग्रहण प्रक्रिया पूरी होने के बाद सर्विस रोड का काम 15 दिनों में पूरा हो जाएगा। आयुक्त ने आदेश दिया कि इसे इस महीने के अंत तक पूरा कर लिया जाए। वहां उपस्थित प्रमंडलीय आयुक्त को भूमि अधिग्रहण की प्रक्रिया शीघ्र पूरी करने का निर्देश दिया। आयुक्त के साथ जोनल एसई शंकर नायक, डीसी प्रशांति, प्रोजेक्ट ईई नाम्या नायक, डिप्टी ईई हरीश भी मौजूद थे। यूबीडी के निदेशक वेंकटेश्वरलू आदि उपस्थित रहे।

सीएस ने आईटी मंत्री से मुलाकात की

हैदराबाद, 3 मई (स्वतंत्र वार्ता)। राज्य सरकार के नए मुख्य सचिव के रूप में नियुक्त रामकृष्ण राव ने शनिवार को डॉ. बी.आर. अंबेडकर सचिवालय में राज्य के आईटी और उद्योग मंत्री दुदिल्ला श्रीधर बाबू से शिष्टाचार भेंट की। इस अवसर पर, मंत्री ने मुख्य सचिव को बधाई दी और सरकार की प्राथमिकताओं के अनुरूप राज्य प्रशासन को चलाने की आवश्यकता पर बल दिया। उन्होंने मुख्य सचिव से सरकारी वादों और कल्याणकारी योजनाओं के प्रभावी क्रियान्वयन को सुनिश्चित करने का आग्रह किया, ताकि इच्छित लाभ जमीनी स्तर पर सभी पात्र नागरिकों तक पहुँच सकें।

राज्य सरकार लंबित डिग्री सेमेस्टर परीक्षाएं आयोजित करे

हैदराबाद, 3 मई (स्वतंत्र वार्ता)। स्टूडेंट्स फेडरेशन ऑफ इंडिया (एसएफआई) तेलंगाना समिति ने राज्य सरकार से कई राज्य विश्वविद्यालयों में लंबे समय से लंबित डिग्री सेमेस्टर परीक्षाएं आयोजित करने के लिए तुरंत कदम उठाने की मांग की है। शुक्रवार को टीजीसीएचई के अध्यक्ष प्रोफेसर वी बालाकिस्ता रेड्डी को सौंपे गए एक ज्ञापन में, एसएफआई तेलंगाना के अध्यक्ष एस रजनीकांत और टी नागराजू ने काकतीय, पलामुरू, तेलंगाना, सातवाहन और महात्मा गांधी विश्वविद्यालयों में परीक्षाएं आयोजित न होने पर चिंता व्यक्त की।

एसएफआई तेलंगाना समिति ने कहा कि परीक्षाएं अप्रैल के अंत तक पूरी हो जानी चाहिए थीं। लेकिन वे पूरी नहीं हुईं, जिससे छात्रों में काफी भ्रम और अराजकता की स्थिति पैदा हो गई। छात्र संगठन ने इस बात पर प्रकाश डाला कि राज्य सरकार द्वारा शुल्क प्रतिपूर्ति बकाया जारी करने में देरी के कारण, निजी डिग्री कॉलेजों ने सेमेस्टर परीक्षाएं आयोजित करने में विश्वविद्यालयों के साथ सहयोग करने से इनकार कर दिया। पांच विश्वविद्यालयों में कुल 4.89 लाख छात्र डिग्री प्रोग्राम कर रहे हैं और एक लाख से अधिक छात्र अंतिम वर्ष में हैं। उन्होंने कहा कि परीक्षा में देरी या न होने से अंतिम वर्ष के छात्रों की करियर संभावनाएं खतरे में पड़ जाएंगी।

अंग्रेजी शिक्षा को बढ़ाने के लिए सेमिनार

हैदराबाद, 3 मई (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना शिक्षा आयोग दो महत्वपूर्ण विषयों पर ध्यान केंद्रित करते हुए एक सेमिनार आयोजित कर रहा है जिसका उद्देश्य शैक्षणिक संस्थानों में सरकारी स्कूलों में अंग्रेजी भाषा की शिक्षा को बढ़ाना है। तेलंगाना शैक्षणिक संस्थानों में शिक्षा के माध्यम के रूप में अंग्रेजी, तेलंगाना के सरकारी स्कूलों में छात्रों को बोली जाने वाली अंग्रेजी कौशल प्रदान करना। सेमिनार 5 मई को दोपहर 2 बजे से शाम 5.30 बजे तक गोदावरी कॉन्फ्रेंस हॉल, एससीईआरटी कैंपस, बी-ब्लॉक, एल.बी. स्टेडियम ई-गेट के सामने, यहां होगा। यह सेमिनार शिक्षाविदों, भाषा विशेषज्ञों, नीति निर्माताओं, शिक्षकों और अन्य हितधारकों को प्रभावी रणनीतियों पर विचार-विमर्श करने, सर्वोत्तम प्रथाओं को साझा करने और तेलंगाना भर के सरकारी स्कूलों और अन्य शिक्षा संस्थानों में छात्रों के बीच अंग्रेजी भाषा दक्षता को मजबूत करने के लिए एक रोडमैप की रूपरेखा तैयार करने के लिए एक साथ लाएगा। सेमिनार में भाग लेने वाले वक्ता प्रो. शांता सिन्हा, प्रो.डी. नरसिम्हा रेड्डी, प्रो. भांग्या भुक्या, प्रो.टी. विजय कुमार, डॉ. संतोष महापात्रा, डॉ. गिरिधर राव, प्रो. पद्मजा शॉ, प्रो. श्योरपल्ली सुजाता, प्रो.के. लक्ष्मी नारायण, प्रो. लीना मुखोपाध्याय, के. वेंकट रेड्डी, प्रो.पी.एल. विश्वेश्वर राव विचार व्यक्त करेंगे। सेमिनार की अध्यक्षता तेलंगाना शिक्षा आयोग के अध्यक्ष अकुनुरी मुरली करेंगे।

फलकनुमा हत्या मामले में पुलिस ने दो लोगों को लिया हिरासत में

हैदराबाद, 3 मई (स्वतंत्र वार्ता)। फलकनुमा पुलिस ने शुक्रवार दोपहर को हुई पान दुकान के मालिक की हत्या के सिलसिले में पूछताछ के लिए दो लोगों को हिरासत में लिया। कथित तौर पर दोनों व्यक्तियों ने उधार में सिगरेट देने को लेकर हुए विवाद के बाद मोहम्मद मजीद (25) की हत्या कर दी थी। पीड़ित की फलकनुमा के वट्टेपल्ली में सार्वजनिक रूप से चाकू घोंपकर हत्या कर दी गई।

सिंचाई क्षेत्र में लंबित कार्यों को पूरा करने में लापरवाही

हरीश राव ने कांग्रेस पर साधा निशाना

हैदराबाद, 3 मई (स्वतंत्र वार्ता)। पूर्व मंत्री और वरिष्ठ बीआरएस विधायक टी हरीश राव ने मुख्यमंत्री ए रेवंत रेड्डी पर पिछली बीआरएस सरकार के खिलाफ राजनीतिक प्रतिशोध के लिए तेलंगाना की पानी की जरूरतों का बलिदान देने का आरोप लगाया। उन्होंने कालेश्वरम लिफ्ट सिंचाई योजना (केएलआईएस) पर कांग्रेस सरकार के दावों की आलोचना करते हुए कहा कि यह सरकार की विफलताओं से ध्यान हटाने के लिए राजनीति से प्रेरित है।

पूर्व मंत्री हरीश राव और एस निरंजन रेड्डी ने शुक्रवार को हैदराबाद में सिंचाई विशेषज्ञ श्रीधर देशपांडे द्वारा लिखित पुस्तकों 'कालेश्वरम परियोजना : प्रश्न- आलोचना - विकृतियां - स्पष्टीकरण' और 'सिंचाई क्षेत्र में तेलंगाना की दस वर्षीय यात्रा' का विमोचन किया।

उन्होंने परियोजना और इसकी स्थिरता के विरूद्ध गलत सूचना अभियान की कड़ी आलोचना की तथा परियोजना के पीछे के तर्क और दीर्घकालिक दृष्टिकोण को स्पष्ट किया। तेलुगु विश्वविद्यालय के सभागार में खचाखच भरे दर्शकों को संबोधित करते हुए हरीश राव ने मौजूदा कांग्रेस शासन की भयावह विफलताओं पर प्रकाश डाला। उन्होंने कालेश्वरम परियोजना के बारे में आधी-अधूरी सच्चाई और राजनीति से प्रेरित विकृतियां फैलाने के लिए कांग्रेस सरकार की आलोचना की। उन्होंने सवाल किया, रेवंत रेड्डी 37 लाख एकड़ में पानी की सुरक्षा सुनिश्चित करने वाली परियोजना को बदनाम करने में व्यस्त हैं। क्या राजनीति पहले है या लोग पहले?

महिला ने नाबालिग लड़के का किया यौन उत्पीड़न

हैदराबाद, 3 मई (स्वतंत्र वार्ता)। जुबली हिल्स में एक किशोर लड़के पर एक महिला द्वारा कथित तौर पर यौन उत्पीड़न किया गया। पुलिस के अनुसार, 16 वर्षीय लड़का अपने माता-पिता के साथ रहता है और उसने हाल ही में दसवीं कक्षा पूरी की है। कुछ दिनों से लड़के की तबियत ठीक नहीं थी और वह उदास था। जब माता-पिता ने लड़के से विस्तार से बात की तो पता चला कि लड़के को पड़ोस की एक महिला बुलाकर कई बार यौन शोषण करती थी। इसके बाद माता-पिता ने जुबली हिल्स पुलिस से संपर्क किया, जिसने 20 साल की उम्र वाली महिला के खिलाफ मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी।

तेलंगाना को चिकित्सा पर्यटन मानचित्र में विशेष केंद्र के रूप में मान्यता

सीएम के सुझाव पर मिस वर्ल्ड प्रतियोगियों में मेडिकल टूरिज्म पर परिचय कार्यक्रम

हैदराबाद 3, मई (स्वतंत्र वार्ता)। जबकि तेलंगाना पहले से ही विश्व स्तरीय चिकित्सा सुविधाएं, प्रौद्योगिकी, सक्षम चिकित्सक और उच्च गुणवत्ता वाले उपचार प्रदान करके अंतर्राष्ट्रीय रोगियों को आकर्षित कर रहा है। तेलंगाना मिस वर्ल्ड प्रतियोगिता के साथ विश्व चिकित्सा पर्यटन मानचित्र पर एक प्रमुख केंद्र बनने के लिए तैयार है। मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी के दिशा-निर्देशों के अनुसार, 120 देशों के प्रतिनिधि इसमें भाग लेंगे। अधिकारी मिस वर्ल्ड कार्यक्रम में चिकित्सा पर्यटन को प्रमुखता से बढ़ावा देने के लिए विशेष पहल कर रहे हैं, जिसका 150 से अधिक देशों में सीधा प्रसारण किया जाएगा। मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी के निर्देश पर मिस वर्ल्ड प्रतियोगियों को इस महीने की 16 मई को आयोजित होने वाले कार्यक्रम में आमंत्रित किया जाएगा, जिसमें राज्य की कम लागत वाली चिकित्सा सेवाओं और तेलंगाना में चिकित्सा पर्यटन में हो रही प्रगति को प्रदर्शित किया जाएगा। अधिकारी हैदराबाद के एआईजी अस्पताल में एक विशेष चिकित्सा पर्यटन कार्यक्रम का आयोजन कर रहे हैं।तेलंगाना में इलाज का खर्च अमेरिका और यूरोप जैसे देशों की तुलना में 60-80% कम है। उस्मानिया अस्पताल, एनआईएमएस, एमएनजे कैंसर अस्पताल, अपोलो अस्पताल, यशोदा अस्पताल, अपोलो कॉन्टिनेंटल अस्पताल जैसे निजी अस्पताल, जो लगभग एक सदी से चिकित्सा सेवाएं प्रदान कर रहे हैं, अत्याधुनिक तकनीक (रोबोटिक सर्जरी, टेलीमेडिसिन), मल्टीस्पेशलिटी केंद्रों से लैस हैं और कार्डियोलॉजी, ऑर्थोपेडिक्स, कैंसर उपचार, प्रत्यारोपण, कॉस्मेटिक प्लास्टिक सर्जरी, प्रजनन उपचार (आईवीएफ) और अंग प्रत्यारोपण जैसी जटिल प्रक्रियाओं के लिए विशेषज्ञ डॉक्टरों के साथ कुशल उपचार प्रदान करते हैं। चिकित्सा शुल्क की बात करें तो, अमेरिका और अन्य पश्चिमी देशों में हृदय शल्य चिकित्सा/बाईपास सर्जरी की लागत एक लाख डॉलर है, जबकि हैदराबाद में इसकी लागत केवल 5,000 से 10,000 डॉलर है। इसी प्रकार, पश्चिमी देशों में घुटने की रिप्लेसमेंट सर्जरी की लागत 40,000 से 60,000 डॉलर तक होती है, लेकिन हैदराबाद में इसकी लागत 5,000 डॉलर से भी कम है। विदेशों में दंत समस्याओं का इलाज पांच हजार डॉलर में होता है, जबकि यहां एक डॉलर से भी कम खर्च आता है। यही कारण है कि विदेश से बड़ी संख्या में लोग चिकित्सा आवश्यकताओं के लिए हैदराबाद आ रहे हैं। इसके अलावा, तेलंगाना के कई अस्पतालों, विशेष रूप से हैदराबाद में, जेसीआई (संयुक्त आयोग अंतर्राष्ट्रीय) और एनएबीएच मान्यता प्राप्त की है, जिसे सर्वोत्तम चिकित्सा उपचार की मान्यता माना जाता है, जिससे मरीजों का विश्वास और बढ़ गया है। विदेशी लोग आधुनिक चिकित्सा के साथ-साथ पारंपरिक भारतीय चिकित्सा पद्धतियों में भी रुचि दिखा रहे हैं। इस संदर्भ में, सरकार आयुर्वेद, होम्योपैथी और यूनानी जैसी पारंपरिक चिकित्सा प्रणालियों को बढ़ावा देने और उनके लाभों को बताने के लिए काम कर रही है, जिससे भारतीय पारंपरिक चिकित्सा सेवाएं विदेशियों के करीब आ सकें। कम लागत, प्रभावी उपचार, अत्यधिक कुशल चिकित्सक और विशेषज्ञ, न्यूनतम प्रतीक्षा समय, अंग्रेजी बोलने वाले कर्मचारी, संचार में आसानी, सरकारी सहायता, मेडिकल वीजा (ई-वीजा), मैत्रीपूर्ण वातावरण, कनेक्टिविटी और राज्य सरकार के समर्थन के कारण अमेरिका, रूस, ब्रिटेन, अफ्रीका और मध्य पूर्व से मरीज तेजी से यहां आकर्षित हो रहे हैं। इससे तेलंगाना में चिकित्सा पर्यटन का तेजी से विकास होगा। 2014 में 75,171 विदेशी स्वास्थ्य पर्यटक चिकित्सा सेवाएं प्राप्त करने के लिए हैदराबाद आए और 2024 तक के दशक में 1,55,313 विदेशी आए। वहीं, वर्ष 2024 में देशभर के विभिन्न राज्यों से चिकित्सा सेवाओं के लिए 8 करोड़ 82 लाख 39 हजार 675 मरीज तेलंगाना आए। जबकि तेलंगाना पहले से ही चिकित्सा पर्यटन में देश में अग्रणी है, सरकार मिस वर्ल्ड कार्यक्रम का आयोजन करके तेलंगाना को चिकित्सा पर्यटन में वैश्विक स्तर पर स्थान दिलाने के लिए काम करेगी।

आईएचएम-हैदराबाद ने की वार्षिक पुरस्कार समारोह की मेजबानी

हैदराबाद, 3 मई (स्वतंत्र वार्ता)। पर्यटन मंत्रालय के तहत एक केंद्र सरकार के संस्थान, इंस्टीट्यूट ऑफ होटल मैनेजमेंट, हैदराबाद (आईएचएम-हैदराबाद) ने शैक्षणिक वर्ष 2024-25 के लिए अपना वार्षिक पुरस्कार समारोह आयोजित किया, जिसमें अकादमिक उत्कृष्टता, प्लेसमेंट उपलब्धियों और समग्र छात्र उपलब्धियों का जश्न मनाया गया। इस कार्यक्रम में आध्यात्मिक नेता (इस्कॉन) श्री प्रद्युम्न कृष्ण दास, आईएचएम-हैदराबाद के संस्थापक प्रिंसिपल यमुना रंगा राव, उस्मानिया मेडिकल कॉलेज (ओएमसी) के प्रभारी प्रिंसिपल डॉ. राजा राव, होटल एबोड के समूह महाप्रबंधक शैलेश माथुर, एचआरएटीएस के अध्यक्ष, आईएचसीएल के क्षेत्रीय निदेशक और ताज कृष्णा के महाप्रबंधक पंकज संपत, आईटीसी काकतीय के महाप्रबंधक अभिषेक मेनन और आईएचएम-हैदराबाद के प्रिंसिपल संजय ठाकुर ने भाग लिया। संस्थान के शैक्षणिक उपलब्धियों और शहर भर के खानपान कॉलेजों के असाधारण खेल प्रदर्शन करने वालों को यमुना रंगा राव ट्रॉफी: इंटर-कॉलेज स्पोर्ट्स मीट के एक भाग के रूप में कार्यक्रम के दौरान सम्मानित किया गया।

जनता का विश्वास जीतने के लिए काम करें : डॉ. जितेन्द्र

अमेरिका जैसे देशों में नागरिक अक्सर पुलिस को दोस्त के रूप में देखते हैं : डीजीपी

हैदराबाद, 3 मई (स्वतंत्र वार्ता)। पुलिस महानिदेशक, डॉ. जितेन्द्र ने लोगों के अनुकूल पुलिसिंग प्रणाली बनाने के महत्व पर जोर दिया और स्टेशन हाउस ऑफिसर्स (एसएचओ) को सलाह दी कि वे अपनी सेवा में जनता का विश्वास और न्याय पाने के लिए प्रयास करें। वे शनिवार को डीजीपी कार्यालय में राज्य भर की विभिन्न इकाइयों के एसएचओ के साथ बातचीत सत्र में बोल रहे थे। डॉ. जितेन्द्र ने इस ओर ध्यान आकर्षित किया कि कैसे संयुक्त राज्य अमेरिका जैसे देशों में नागरिक अक्सर पुलिस को दोस्त के रूप में देखते हैं। एक व्यक्तिगत किस्सा साझा करते हुए उन्होंने बताया कि कैसे अमेरिका में एक दोस्त के बच्चे को यह बताने पर कोई डर नहीं था कि वह भारत में एक पुलिस अधिकारी से बात कर रहा है, क्योंकि वह पुलिस को दोस्ताना व्यक्ति मानता था। डीजीपी ने कहा, इस मानसिकता से हमें इस तरह से काम करने की प्रेरणा मिलनी चाहिए जिससे हमारे अपने नागरिकों में विश्वास और मित्रता बढ़े। उन्होंने अधिकारियों को याद दिलाया कि निष्पक्ष और निष्पक्ष सेवा पुलिस की छवि को बढ़ाती है और जनता से स्थायी सद्भावना अर्जित करती है। हालांकि, उन्होंने चेतावनी दी कि पक्षपातपूर्ण व्यवहार या लापरवाही विभाग की प्रतिष्ठा को स्थायी रूप से नुकसान पहुंचा सकती है। डीजीपी ने एसएचओ को तेलंगाना सरकार द्वारा आयोजित आगामी मिस वर्ल्ड प्रतियोगिता के लिए अपने अधिकार क्षेत्र में पूरी तरह से व्यवस्था करने का भी निर्देश दिया। उन्होंने कहा, यह तेलंगाना पुलिस के लिए अंतर्राष्ट्रीय मंच पर अपनी दक्षता और व्यावसायिकता का प्रदर्शन करने का एक मूल्यवान अवसर है। उन्होंने राज्य पुलिस की शीर्ष राष्ट्रीय रैंकिंग को बनाए रखने में एसएचओ की महत्वपूर्ण भूमिका को रेखांकित किया और उनसे आत्मसंतुष्ट न होने का आग्रह किया। उन्होंने कहा, उपलब्धियों से आराम नहीं मिलना चाहिए। हमारे कद को बनाए रखने के लिए निरंतर समर्पण आवश्यक है। किसी भी तरह की लापरवाही या कदाचार से विभाग की छवि खराब होगी। अतिरिक्त पुलिस महानिदेशक (कानून और व्यवस्था), महेश एम भागवत आईपीएस ने मिस वर्ल्ड कार्यक्रमों के दौरान सुरक्षा सुनिश्चित करने के महत्व पर प्रकाश डाला, विशेष रूप से कुछ महिला संगठनों द्वारा उठाई गई चिंताओं के मद्देनजर। एडीजीपी ने प्रतिभागियों और जनता की सुरक्षा के लिए मजबूत उपायों की आवश्यकता पर जोर दिया। एडीजीपी ने यह भी चेतावनी दी कि कृषि सीजन नजदीक आने के साथ ही बाजार में नकली बीज और कीटनाशकों के आने का खतरा है। अधिकारियों को सतर्क रहने के निर्देश दिए गए हैं।

साइबराबाद पुलिस ने वेलफेयर पेट्रोल बंक पर नई सीएनजी रिटेल सुविधा का उद्घाटन किया

हैदराबाद, 3 मई (स्वतंत्र वार्ता)। साइबराबाद पुलिस आयुक्त अविनाश मोहंती ने संयुक्त पुलिस आयुक्त, यातायात, डॉ. गजराव भूपाल के साथ मिलकर शनिवार को साइबराबाद पुलिस वेलफेयर फिलिंग स्टेशन, गच्चीबावली में एक नई सीएनजी रिटेल सुविधा का उद्घाटन किया। भाग्यनगर गैस लिमिटेड और बीपीसीएल के प्रतिनिधियों ने कहा कि यह सुविधा इस सुविधा का एक महत्वपूर्ण विस्तार है, जिसमें पहले से ही 13 मल्टी-प्रोडक्ट डिस्पेंसिंग यूनिट (एमपीडी) हैं। पेट्रोल बंक को शुरू में 2 सितंबर, 2021 को छह एमपीडी के साथ लॉन्च किया गया था। 28 सितंबर, 2023 को सात और एमपीडी जोड़े गए, जिससे कुल संख्या 13 हो गई।

ग्रामीणों ने पानी की टंकी पर चढकर किया विरोध

अनियमितताओं का आरोप

कोत्तागुडेम, 3 मई (स्वतंत्र वार्ता)। बेघर गरीबों को इंदिराम्मा मकान स्वीकृत करने में कथित अनियमितताओं से संबंधित एक और विरोध प्रदर्शन में, जिले के जुलुरपद मंडल के रेगल्ला थांडा के कुछ निवासी न्याय की मांग करते हुए एक ओवरहेड पानी की टंकी पर चढ़ गए। बेथलापड़ ग्राम पंचायत के अंतर्गत थांडा में करीब 60 परिवार रहते हैं और उनमें से कई बेघर हैं। इंदिराम्मा आवास के लिए आवेदन करने वाली चार महिलाओं और तीन पुरुषों को पहली सूची में आवास स्वीकृत नहीं किया गया। उनका आरोप है कि जिनके पास कृषि भूमि है, उन्हें आवास दिए गए जबकि गरीब परिवारों की अनदेखी की गई। इस मामले को संबंधित अधिकारियों के समक्ष उठाया गया लेकिन कोई फायदा नहीं हुआ।

इस मुद्दे को उजागर करने के लिए, पुरुष और महिलाएं पानी की टंकी पर चढ़ गए और नारे लगाते हुए अधिकारियों से पात्र परिवारों को इंदिराम्मा घर स्वीकृत करने की मांग की। स्थानीय पुलिस स्टेशन से एक हेड कांस्टेबल, मल्लैया, मौके पर पहुंचे और प्रदर्शनकारियों को अपना विरोध वापस लेने के लिए राजी किया। बहुत समझाने के बाद, उन्होंने अपना विरोध वापस ले लिया। यह ध्यान देने योग्य है कि पूर्ववर्ती खम्मम जिले के कई गांवों में इस तरह के विरोध प्रदर्शन एक आम दृश्य बन गए हैं क्योंकि अपात्र व्यक्तियों को इंदिराम्मा घर मिलने की शिकायतें मिली थीं।

Printed and published by Dr. Gireesh Sanghi on behalf of AGA Publications Ltd., at 396, Lower Tankbund, Hyderabad-500080 Editor: *Dhirendra Pratap Singh *responsible for selection of news under the PRB Act. Postal Licence H/SD/380/21-22, Phone:27644999. Fax:27642512, RNI No.69340/98, Regd.:No.AP/HIN/00196/01/1/97/TC.